



#AmritMahotsav

अमृत महोत्सव श्रृंखला #258

अतुलकृष्ण घोष

(1890 - 4 मई 1966)



- एक क्रांतिकारी और स्वतंत्रता सेनानी
- अनुशीलन समिति के सदस्य थे
- प्रथम विश्व युद्ध के दौरान हिंदू जर्मन षडयंत्र में शामिल जुगंतर आंदोलन के नेता थे
- उन्होंने जतिंद्रनाथ मुखर्जी के साथ पथुरीघाट ब्याम समिति की स्थापना की जो भारतीय स्वतन्त्रता आंदोलन की सशस्त्र क्रांति का एक महत्वपूर्ण केंद्र था
- मेजर जतिंद्रनाथ मुखर्जी के सहयोगी थे और कई क्रांतिकारियों को अपने और अपने रिश्तेदारों के घरों में शरण दी
- **4 मई 1966** को मृत्यु



BOC_MIB

लोक संपर्क और संचार ब्यूरो
सूचना और प्रसारण मंत्रालय
भारत सरकार



BOC_MIB



#AmritMahotsav

Amrit Mahotsav Series #258

Atulkrishna Ghosh

(1890 - 4 May 1966)



- A revolutionary and freedom fighter
- Was a member of the Anushilan Samiti
- Was a leader of the Jugantar movement involved in Hindu German Conspiracy during World War I
- He along with Jatindranath Mukherjee founded Pathuriaghata Byam Samity which was an important centre of armed revolution of Indian national movement
- Was the associate of Major Jatindranath Mukherjee and provided refuge to several revolutionaries in his own and his close relatives homes
- Died on 4 May 1966



@BOC_MIB

Bureau of Outreach and Communication
Ministry of Information and Broadcasting
Government of India



BOC_MIB



अमृत महोत्सव श्रृंखला #256

#AmritMahotsav

चंदन नगर भारत सरकार के अधीन आया

2 मई 1950 को भारत सरकार ने फ्रांस से चंदन नगर (पूर्ववर्ती नाम चंद्र नगर) का प्रशासन अपने हाथ में लिया था। चंद्र नगर विलय अधिनियम 1954 के तहत यह शहर बंगाल का हिस्सा बना जो अब चंदन नगर कहलाने लगा है।

चंदन नगर को 1673 में एक फ्रांसीसी उपनिवेश के रूप में स्थापित किया गया था, जब फ्रांस ने बंगाल के तत्कालीन नवाब से हुगली पर एक व्यापारिक नगर बनाने की अनुमति ली थी। कालांतर में यह एक स्थायी फ्रांसीसी शहर बन गया। लेकिन जब फ्रांस और ग्रेट ब्रिटेन के बीच युद्ध हुआ तब ब्रिटिश नौसेना ने चंदन नगर पर कब्जा कर लिया। 1816 में पॉण्डिचेरी में गवर्नर- जनरल के राजनीतिक नियंत्रण में चंदन नगर फ्रांस को 1950 तक के लिए सौंप दिया गया।

1948 में फ्रांसीसी गणराज्य और भारत सरकार के बीच एक समझौता हुआ, जिसके तहत ये घोषणा की कि उनका उद्देश्य भारत में फ्रांसीसी औपनिवेशिक स्थानों की आबादी को अपने भविष्यके बारे में फैसला करने का अधिकार देना है। 1949 में चंदन नगर के नागरिकों ने भारत में विलय के पक्ष में मतदान किया। इस प्रकार 2 मई, 1950 को भारत सरकार ने चंदन नगर के वास्तविक हस्तांतरण के माध्यम से प्रशासन को अपने हाथों में ले लिया।



@BOC_MIB

लोक संपर्क और संचार ब्यूरो
सूचना और प्रसारण मंत्रालय
भारत सरकार



BOC_MIB



Amrit Mahotsav Series #256

#AmritMahotsav

Chandan Nagar became a part of the Government of India

On **2 May 1950**, the Government of India took over the administration of Chandernagor from France. The city is now called Chandannagar, and is part of the state of West Bengal under the Chandranagar- Merger Act, 1954.

Chandannagar was established as a French colony in 1673, when France took permission from the then Nawab of Bengal to establish a trading post on the Hooghly River. Later, it became a permanent French colony. But, when war broke out between France and Great Britain, the British Navy captured Chandannagar. Again in 1816 the city was returned to France, under the political control of the Governor-General in Pondicherry until 1950.

In 1948, the Government of the French Republic entered into an agreement with the Government of India and announced that it intended to give the population of French establishments in India the right to declare their future and position. In 1949, the citizens of Chandannagar voted in favor of its merger with India. Thus, on 2 May 1950, the Government of India took over the administration through the de facto transfer of Chandannagar.



@BOC_MIB

Bureau of Outreach and Communication
Ministry of Information and Broadcasting
Government of India



BOC_MIB



#AmritMahotsav

अमृत महोत्सव श्रृंखला #255

प्रफुल्ल चाकी

(10 दिसंबर 1888-1 मई 1908)



- क्रांतिकारी और स्वतंत्रता सेनानी
- जितेंद्र नारायण रॉय, अविनाश चक्रवर्ती, ईशान चंद्र चक्रवर्ती जैसे क्रांतिकारियों के साथ उनके जुड़ाव ने उन्हें क्रांतिकारी बनने के लिए प्रेरित किया
- जुगांतर समूह का हिस्सा थे जिसे बंगाल में क्रांतिकारियों का सबसे प्रमुख समूह माना जाता था
- प्रफुल्ल चाकी ने खुदीराम बोस के साथ 1908 में मुजफ्फरपुर बम घटना को अंजाम दिया
- **1 मई 1908** को मुजफ्फरपुर बम मामले में गिरफ्तार होने से पहले ही रिवाल्वर से गोली मारकर आत्महत्या कर ली



@BOC_MIB

लोक संपर्क और संचार ब्यूरो
सूचना और प्रसारण मंत्रालय
भारत सरकार



BOC_MIB



#AmritMahotsav

Amrit Mahotsav Series #255

Prafulla Chaki

(10 December 1888 - 1 May 1908)



- A revolutionary and freedom fighter
- His association with revolutionaries like Jitendranarayan Roy, Abinash Chakravarti, Ishan Chandra Chakravarti inspired him to believe in and practice revolutionary philosophies
- Was part of the Jugantar group which is known to be the most prominent revolutionary groups in Bengal
- Prafulla Chaki along with Khudiram Bose carried out the famous Muzaffarpur Bomb Case of 1908
- Committed suicide by shooting himself using his own revolver when he was about to get arrested in the bomb case on **1 May 1908**



@BOC_MIB

Bureau of Outreach and Communication
Ministry of Information and Broadcasting
Government of India



BOC_MIB



#AmritMahotsav

अमृत महोत्सव श्रृंखला #254

केशव अमृता कोलुगाडे

- **1 मई 1895** को महाराष्ट्र के सतारा में जन्म
- छठी कक्षा तक शिक्षित, 8 अगस्त 1942 को शुरू हुए भारत छोड़ो आंदोलन में भाग लिया
- क्रांतिकारी गतिविधियों में भाग लिया और नवंबर 1942 में ब्रिटिश पुलिस द्वारा गिरफ्तार हुए
- छह माह के लिए सश्रम कारावास की सजा सुनाई गई
- जेल अधिकारियों द्वारा गंभीर यातनाओं के कारण हिरासत में 3 महीने पूरे होते ही इनकी मृत्यु हो गई



@BOC_MIB

लोक संपर्क और संचार ब्यूरो
सूचना और प्रसारण मंत्रालय
भारत सरकार



BOC_MIB



#AmritMahotsav

Amrit Mahotsav Series #254

Keshav Amruta Kolugade

- Born on **1 May 1895** in Satara, Maharashtra
- Educated up to the sixth standard, he took part in the Quit India movement that was launched on 8 August 1942
- Took part in revolutionary activities and was arrested by the British police in November 1942
- Was sentenced to six months rigorous imprisonment
- Died in detention on account of severe tortures by the jail authorities soon after completing 3 months of his term



@BOC_MIB

Bureau of Outreach and Communication
Ministry of Information and Broadcasting
Government of India



BOC_MIB



#AmritMahotsav

अमृत महोत्सव श्रृंखला #253

मुजफ्फरपुर में किंग्सफोर्ड की हत्या का प्रयास

30 अप्रैल 1908 में प्रफुल्ल चाकी और खुदीराम बोस ने मुजफ्फरपुर में बम मामले को अंजाम दिया। इस दिन वे दोनों यूरोपीय क्लब के द्वार पर बम के साथ किंग्सफोर्ड की गाड़ी के आने की प्रतीक्षा कर रहे थे। गाड़ी के आते ही उन्होंने बम फेंका, जिसके फलस्वरूप गाड़ी के परखच्चे उड़ गए। दुर्भाग्य से वह गाड़ी किंग्सफोर्ड के स्थान पर मुजफ्फरपुर के एक प्रमुख वकील श्री प्रिंगल कैनेडी की पत्नी और उनकी बेटी को ले जा रही थी।

कैनेडी की पत्नी और बेटी की आकस्मिक मौत ने अंग्रेजों में व्यापक भय और चिंता उत्पन्न कर दी और प्रफुल्ल और खुदीराम बोस दोनों घटनास्थल से भाग गए और बचने के लिए उन्होंने अलग-अलग रास्ते अपनाए। बोस 25 किमी पैदल चल कर अगली सुबह वेनी रेलवे स्टेशन पर दिखाई दिए जबकि प्रफुल्ल कुमार चक्की ने गिरफ्तार होने से पहले ही आत्महत्या कर ली थी।

सुनवाई के बाद, खुदीराम बोस को 18 वर्ष की आयु में फांसी की सज़ा दे दी गई, वे अंग्रेजों द्वारा सबसे कम उम्र में फांसी की सज़ा दिये जाने वाले भारत के युवा क्रांतिकारियों में से एक थे।



@BOC_MIB

लोक संपर्क और संचार ब्यूरो
सूचना और प्रसारण मंत्रालय
भारत सरकार



BOC_MIB



Amrit Mahotsav Series #253

#AmritMahotsav

Kingsford Assassination Attempt at Muzaffarpur

Prafulla Chaki and Khudiram Bose carried out what is known as the Muzaffarpur Bomb Case on **30 April 1908**.

On this day, both of them were waiting with bombs at the gates of the European Club in anticipation of the arrival of Kingsford's carriage. As soon as it arrived, the bomb was thrown, shattering the carriage. Unfortunately, the carriage was not carrying Kingsford; instead, the wife and daughter of Mr Pringle Kennedy, a leading pleader at Muzaffarpur Bar, were travelling in it.

The accidental killing of Kennedy's wife and daughter caused widespread fear and anxiety amongst the British, and both Prafulla and Khudiram Bose fled the scene and took different routes to escape. While Bose was apprehended at Waini train station, where he had arrived the next morning after walking 25 km, Prafulla Kumar Chakki committed suicide just before being arrested.

After numerous trials and hearings, Khudiram was sentenced to death at the age of eighteen, making him one of the youngest revolutionaries in India to be hanged by the British.



@BOC_MIB

Bureau of Outreach and Communication
Ministry of Information and Broadcasting
Government of India



BOC_MIB

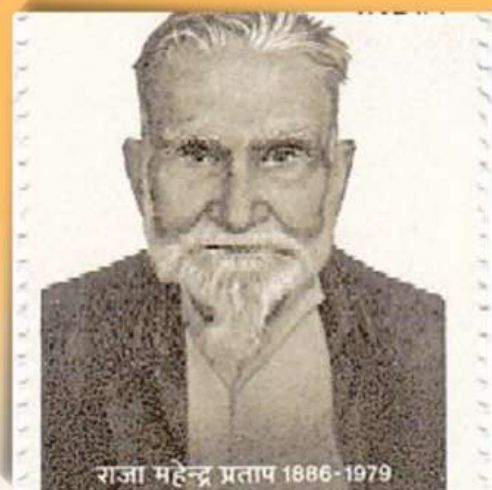


#AmritMahotsav

Amrit Mahotsav Series #252

Raja Mahendra Pratap Singh

(1 December 1886 - 29 April 1979)



- A freedom fighter, journalist and revolutionary
- Was President in the Provisional Government of India, which served as the Indian Government in exile during World War I from Kabul in 1915
- Was a social reformist in the Republic of India
- Involved with the Swadeshi movement and started the movement to burn the foreign-made clothes in Uttar Pradesh
- Deeply influenced by the speeches of Dadabhai Naoroji and Bal Gangadhar Tilak
- Visited foreign countries in an attempt to obtain support
- Prime Minister Narendra Modi's government laid the foundation stone of Raja Mahendra Pratap Singh State University in Aligarh on 14 September 2021 in memory and honour of him
- Died on **29 April 1979**



@BOC_MIB

Bureau of Outreach and Communication
Ministry of Information and Broadcasting
Government of India



BOC_MIB



#AmritMahotsav

अमृत महोत्सव श्रृंखला #251

बालकृष्ण शर्मा

(8 दिसंबर 1897- 29 अप्रैल 1960)



- एक स्वतन्त्रता सेनानी और राजनीतिज्ञ
- कॉलेज छोड़ कर स्वतंत्रता संग्राम में शामिल हुए
- एक अनुभवी पत्रकार थे
- प्रताप पत्रिका के संपादक गणेश शंकर विद्यार्थी के संपर्क में रहे और उनकी मृत्यु के बाद प्रताप पत्रिका के संपादक बने
- 1921 और 1944 में स्वतंत्रता संग्राम में योगदान देने के लिए अंग्रेजों द्वारा 6 बार जेल भेजे गए
- संयुक्त प्रांत (अब उत्तर प्रदेश) से संविधान सभा के लिए मनोनीत हुए
- वह एक प्रसिद्ध हिंदी कवि भी थे, साहित्य के क्षेत्र में इनके योगदान के लिए इनको पद्म भूषण से सम्मानित किया गया
- **29 अप्रैल 1960** को मृत्यु



@BOC_MIB

लोक संपर्क और संचार ब्यूरो
सूचना और प्रसारण मंत्रालय
भारत सरकार



BOC_MIB



#AmritMahotsav

Amrit Mahotsav Series #251

Bal Krishna Sharma

(8 December 1897 - 29 April 1960)



- A freedom fighter and politician
- Dropped out of college to join the freedom struggle
- Came in contact with veteran journalist and editor of Pratap magazine, Ganesh Shankar Vidyarthi and became the editor of Pratap after his death
- Was jailed by the British six times between 1921 and 1944 for his contribution in the freedom movement
- Was nominated to the Constituent Assembly from the United Provinces (now Uttar Pradesh)
- He was also a renowned Hindi poet for which he was awarded Padma Bhushan for his contribution to the field of literature
- Died on **29 April 1960**



@BOC_MIB

Bureau of Outreach and Communication
Ministry of Information and Broadcasting
Government of India



BOC_MIB



#AmritMahotsav

अमृत महोत्सव श्रृंखला #250

होम रूल लीग

28 अप्रैल 1916 को बाल गंगाधर तिलक ने बेलगांव में प्रथम होम रूल लीग की स्थापना की। ब्रिटिश भारतीय सरकार से स्वशासन प्राप्त करने के लिए आयरलैंड से इसी तरह के एक आंदोलन से प्रेरित शब्द, जो भारतीय राष्ट्रवादियों के प्रयत्नों को संदर्भित करता है।

तिलक के समूह ने स्वशासन के पक्ष में भारतीय जनता को बड़े पैमाने पर शांतिपूर्ण तरीकों से संगठित करने के उद्देश्य से काम किया। अंग्रेजों पर गृह शासकों के दबाव ने 1917 में एडविन सैमुअल मोंटेग्यू, भारत राज्य के सचिव को मोंटेग्यू समझौते के लिए मसौदा तैयार करने पर विवश किया, जिसके बदले में प्रथम विश्व युद्ध के बाद ब्रिटिश भारत में राजनीतिक सुधार के लिए एक आधार तैयार किया।

वे युद्ध के वर्षों के दौरान स्वतंत्रता आंदोलन की गति को बनाए रखने में मदद करने में सफल रहे- जैसा कि दिसंबर 1916 में लखनऊ संधि पर हस्ताक्षर में प्रकट हुआ।



@BOC_MIB

लोक संपर्क और संचार ब्यूरो
सूचना और प्रसारण मंत्रालय
भारत सरकार



BOC_MIB



Amrit Mahotsav Series #250

#AmritMahotsav

Home Rule League

Bal Gangadhar Tilak founded the first Home Rule League at Belgaum on **28 April 1916**. The term, borrowed from a similar movement in Ireland, referred to the efforts of Indian nationalists to achieve self-rule from the British Indian government.

Tilak's group worked toward the objective of mobilizing Indian public opinion—largely by peaceful means—in favour of self-government. Pressure by Home Rulers on the British contributed to the drafting of the Montagu Declaration in 1917 by Edwin Samuel Montagu, Secretary of State for India, which in turn laid the groundwork for political reforms in India instituted by Britain after World War I.

They succeeded in helping to sustain the Independence movement's impetus during the war years—as manifested in the signing of the Lucknow Pact in December 1916.



@BOC_MIB

Bureau of Outreach and Communication
Ministry of Information and Broadcasting
Government of India



BOC_MIB



#AmritMahotsav

अमृत महोत्सव श्रृंखला #249

मधुसूदन दास

(28 अप्रैल 1848 - 4 फरवरी 1934)



- 28 अप्रैल 1848 को जन्म
- वकील और समाज सुधारक
- ओडिशा के पहले स्नातक और वकील थे
- उड़ीसा और भारत में वकीलों के लिए प्रेरणा का स्रोत रहे, इसलिए उनका जन्मदिन ओडिशा में वकील दिवस के रूप में मनाया जाता है
- ओडिशा के लोगों के राजनीतिक, सामाजिक और आर्थिक उत्थान के लिए काम किया
- उत्कल संमिलानी की स्थापना की जिससे ओडिशा के सामाजिक और औद्योगिक विकास में क्रांति आई
- उत्कल संमिलानी ने एक ही प्रशासन के तहत उड़िया भाषी क्षेत्रों के एकीकरण की मांग का नेतृत्व किया जिसके कारण 1 अप्रैल 1936 को ओडिशा राज्य का गठन हुआ
- बिहार और उड़ीसा प्रांत की विधान परिषद के सदस्य के रूप में चुने गए
- 1921 में स्थानीय स्वशासन, चिकित्सा सार्वजनिक स्वास्थ्य, सार्वजनिक निर्माण के मंत्री के रूप में नियुक्त किया गया



@BOC_MIB

लोक संपर्क और संचार ब्यूरो
सूचना और प्रसारण मंत्रालय
भारत सरकार



BOC_MIB



#AmritMahotsav

Amrit Mahotsav Series #249

Madhusudan Das

(28 April 1848 - 4 February 1934)



- Born on **28 April 1848**
- A lawyer and social reformer
- Was the first graduate and advocate of Odisha
- Been a source of inspiration for the lawyers in Orissa and in India which is why his birthday is celebrated as the Lawyers' Day in Odisha
- Worked for the political, social and economical upliftment of the people of Odisha
- Founded Utkal Sammilani which brought a revolution in the social and industrial development of Odisha
- Utkal Sammilani spearheaded the demand for unification of Odia speaking areas under a single administration which led to the formations of state of Odisha on 1 April 1936
- Was elected as a member of the legislative council of Bihar and Orissa Province
- Was appointed as Minister for Local Self-Government, Medical Public Health, Public Works in 1921



@BOC_MIB

Bureau of Outreach and Communication
Ministry of Information and Broadcasting
Government of India



BOC_MIB



#AmritMahotsav

अमृत महोत्सव श्रृंखला #248

अंजना देवी



- एक स्वतंत्रता सेनानी और लेखिका
- गांधी जी की समर्पित अनुयायी और गांधीवादी साहित्य की प्रकाशक
- अपने पति राम नारायण चौधरी से राजनीतिक गतिविधियों और समाज सेवा का शुरुआती ज्ञान प्राप्त किया
- भारतीय स्वतंत्रता संग्राम में भाग लिया और राजस्थान में गिरफ्तार होने वाली प्रथम महिला थीं
- राम नारायण, अंजना देवी और अन्य प्रमुख सदस्यों द्वारा राजस्थान सेवा संघ का गठन किया गया
- अवैध रूप से गिरफ्तार किसानों को छुड़ाने के लिए 500 महिलाओं के एक समूह का नेतृत्व किया
- सविनय अवज्ञा आंदोलन में भाग लेने के कारण इनको दो बार जेल भेजा गया
- समाज के पिछड़ा वर्ग के उत्थान के लिए कार्य किया और उनको भारतीय स्वतंत्रता संग्राम में भाग लेने के लिए शिक्षित और प्रोत्साहित किया
- **27 अप्रैल 1981** को मृत्यु



@BOC_MIB

लोक संपर्क और संचार ब्यूरो
सूचना और प्रसारण मंत्रालय
भारत सरकार



BOC_MIB



#AmritMahotsav

Amrit Mahotsav Series #248

Anjana Devi



- A freedom fighter and author
- Was a dedicated follower of Gandhiji and publisher of core Gandhian literature
- Took her early lessons in political activities and social service from her husband Ram Narayan Choudhary
- Took part in Indian freedom movement and was the first woman in Rajasthan to get arrested
- Rajasthan Seva Sangh was created by Ram Narayan, Anjana Devi and other prominent members
- Led a group of 500 women in order to free illegally arrested farmers
- Participated in the Civil Disobedience movement for which she was jailed twice
- Worked towards the upliftment of the backward section of the society and also educated and encouraged them to participate in the freedom movement
- Died on **27 April 1981**



@BOC_MIB

Bureau of Outreach and Communication
Ministry of Information and Broadcasting
Government of India



BOC_MIB



#AmritMahotsav

अमृत महोत्सव श्रृंखला #247

साजिद अली खान

- एक स्वतंत्रता सेनानी जिनका जन्म उत्तर प्रदेश के मुरादाबाद में हुआ
- 1857 के भारत के प्रथम स्वतंत्रता संग्राम में भाग लिया
- मुरादाबाद में स्वतंत्रता समर्थक गतिविधियों का निर्देशन किया और स्वतंत्रता समर्थक गतिविधियों के लिए वित्तीय सहायता प्रदान की
- 25 अप्रैल 1858 को ब्रिटीश द्वारा मुरादाबाद पर कब्ज़ा करते समय पकड़े गए
- **27 अप्रैल 1858** को उन्हें फांसी दी गई



@BOC_MIB

लोक संपर्क और संचार ब्यूरो
सूचना और प्रसारण मंत्रालय
भारत सरकार



BOC_MIB



#AmritMahotsav

Amrit Mahotsav Series #247

Sajid Ali Khan

- A freedom-fighter who was born in Moradabad
- Took part in the first war of Indian Independence, 1857
- Directed the pro independence activities in Moradabad and provided financial support for them
- Was captured by the British during their reoccupation of the Moradabad region on 25 April 1858
- Executed by hanging on **27 April 1858**



@BOC_MIB

Bureau of Outreach and Communication
Ministry of Information and Broadcasting
Government of India



BOC_MIB



#AmritMahotsav

Amrit Mahotsav Series #199

M A Iyengar

(4 February 1891 - 19 March 1978)



- A lawyer and freedom fighter
- Participated in the freedom movement at an early age and was one of the prominent leaders
- Was part of the non-cooperation movement
- Inspired by Mahatma Gandhi he participated actively in Indian Freedom Struggle and was jailed twice
- Fought to eradicate untouchability in the society
- Was elected as member of Central Legislative Assembly in 1934
- Was elected the first Deputy Speaker of the Constituent Assembly and then Lok Sabha twice
- Died on **19 March 1978**



@BOC_MIB

Bureau of Outreach and Communication
Ministry of Information and Broadcasting
Government of India



BOC_MIB



#AmritMahotsav

अमृत महोत्सव श्रृंखला #198

रॉलेट एक्ट

18 मार्च 1919

रॉलेट एक्ट, जिसे "काले कानून" के रूप में भी जाना जाता है, अंग्रेजों द्वारा प्रथम विश्व युद्ध के दौरान **18 मार्च 1919** को पारित किया गया था। इसका नाम रॉलेट समिति के अध्यक्ष सर सिडनी रॉलेट के नाम पर रखा गया। इस अधिनियम को लागू करने का उद्देश्य भारत से अंग्रेजों के विरुद्ध विद्रोह को समाप्त करना और साजिश को उखाड़ फेंकना था।

ब्रिटिश सरकार द्वारा पारित इस क्रूर कानून ने पुलिस को बिना किसी कारण के किसी भी व्यक्ति को गिरफ्तार करने की शक्तियां दी थीं। अधिनियम का उद्देश्य देश में बढ़ते राष्ट्रवादी विचारों के उत्थान को रोकना था।

इस अधिनियम ने सरकार को प्रेस के दमन का अधिकार भी दिया। परिणामस्वरूप, किसी भी सांस्कृतिक या धार्मिक सार्वजनिक समारोहों पर प्रतिबंध लगा दिया गया था।

गांधीजी ने लोगों से ऐसे दमनकारी "अधिनियम" के विरुद्ध सत्याग्रह करने का आह्वान किया था। यह उन कारकों में से एक था जिसके कारण असहयोग आंदोलन शुरू हुआ था।



@BOC_MIB

लोक संपर्क और संचार ब्यूरो
सूचना और प्रसारण मंत्रालय
भारत सरकार



BOC_MIB



#AmritMahotsav

Amrit Mahotsav Series #198

Rowlatt Act

18 March 1919

The Rowlatt Act, referred to as the “black act” was passed by the British government on **18 March 1919**, during the First World War. It was named after the Rowlatt Committee’s president Sir Sidney Rowlatt. The aim of enforcing this act was to abolish revolt and uproot conspiracy against the British from India.

This Draconian Act passed by the British Government gave powers to the Police to arrest any person without any reason whatsoever. The purpose of the Act was to curb the growing nationalist upsurge in the country.

The act also empowered the government to silence the press. Resultantly, there was a ban on public gatherings of any cultural or religious sort.

Gandhiji called upon the people to do Satyagraha against such oppressive “Act”. It was among one of the factors which led to the Non Cooperation Movement.



@BOC_MIB

Bureau of Outreach and Communication
Ministry of Information and Broadcasting
Government of India



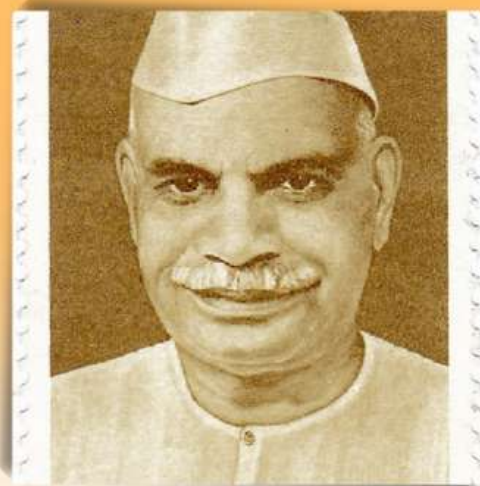
BOC_MIB



#AmritMahotsav

अमृत महोत्सव श्रृंखला #197

कुंजी लाल दुबे (18 मार्च 1896 - 2 जून 1970)



- 18 मार्च 1896 को जन्म
- स्वतंत्रता सेनानी, वकील और राजनीतिज्ञ
- मदन मोहन मालवीय और नरसिम्हा चिंतामन केलकर जैसे स्वतंत्रता सेनानियों से प्रेरित थे
- महात्मा गांधी द्वारा सत्याग्रह के लिए चुने गए, लेकिन पुलिस द्वारा हिरासत में लिया गया और 6 माह की सजा हुई
- रिहाई पर भारत छोड़ो आंदोलन में भाग लिया और फिर जेल गए, इस बार दो साल की सजा हुई
- आजादी के बाद मध्यप्रदेश विधानसभा के पहले अध्यक्ष के रूप में कार्य किया
- बर्मा, सीलोन और भारत के अंतर विश्वविद्यालय बोर्ड के अध्यक्ष रहे
- समाज में इनके योगदान के लिए 1964 में भारत सरकार ने इन्हें तीसरे सर्वोच्च नागरिक सम्मान पद्म भूषण से सम्मानित किया



@BOC_MIB

लोक संपर्क और संचार ब्यूरो
सूचना और प्रसारण मंत्रालय
भारत सरकार



BOC_MIB

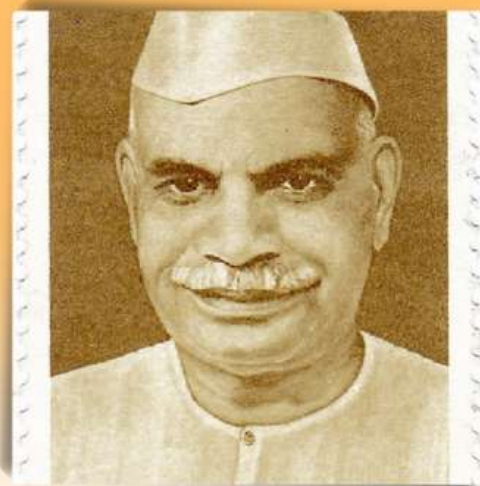


#AmritMahotsav

Amrit Mahotsav Series #197

Kunji Lal Dubey

(18 March 1896 - 2 June 1970)



- Born on **18 March 1896**
- A freedom fighter, lawyer and politician
- Was influenced by freedom fighters such as Madan Mohan Malaviya and Narasimha Chintaman Kelkar
- Was selected for the Satyagraha by Mahatma Gandhi, but was detained by the police and sentenced to six months in jail
- On his release, participated in the Quit India movement and was jailed again, this time for a period of two years
- Served as the first speaker of Madhya Pradesh Legislative Assembly post independence
- Was the President of the Inter University Board of India, Burma and Ceylon
- The Government of India awarded him the third highest civilian honour, the Padma Bhushan, in 1964, for his contributions to the society



@BOC_MIB

Bureau of Outreach and Communication
Ministry of Information and Broadcasting
Government of India



BOC_MIB



#AmritMahotsav

अमृत महोत्सव श्रृंखला #196



चंद्रप्रभा सैकियानी

(16 मार्च 1901 - 16 मार्च 1972)

- स्वतंत्रता सेनानी, लेखक और समाज सुधारक
- स्वतंत्रता संग्राम में सक्रिय रूप से भाग लिया और महिलाओं के अधिकारों के लिए लड़ाई लड़ी
- असहयोग आंदोलन में भाग लिया
- लोगों को स्वतंत्रता आंदोलन के बारे में जागरूक करने के लिए असम में साइकिल यात्रा करने वाली पहली महिला थीं
- जब महात्मा गांधी तेजपुर की यात्रा पर थे तब इन्होंने विदेशी वस्तुओं के बहिष्कार का अभियान चलाया
- असम में नारीवादी आंदोलन की अग्रणी नेता
- असम में पर्दा प्रथा उन्मूलन में अहम भूमिका निभाई
- 1972 में पद्मश्री से सम्मानित किया गया
- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 16 मार्च 2021 को चंद्रप्रभा सैकियानी की प्रशंसा करते हुए असम की प्रगति, सामाजिक सुधार और महिला सशक्तिकरण की दिशा में उनके उल्लेखनीय योगदान को याद किया था



@BOC_MIB

लोक संपर्क और संचार ब्यूरो
सूचना और प्रसारण मंत्रालय
भारत सरकार



BOC_MIB



#AmritMahotsav

Amrit Mahotsav Series #196

Chandraprabha Saikiani

(16 March 1901 - 16 March 1972)



- A freedom fighter, writer and social reformer
- Actively participated in the freedom struggle and fought for women's right
- Participated in the non-cooperation movement
- Was the first woman to undertake a cycle tour in Assam to make people aware of the freedom movement
- Launched a campaign to boycott foreign goods when Mahatma Gandhi was visiting Tezpur
- Considered to be the pioneer of the feminist movement in Assam
- Played an important role in removing the purdah system in Assam
- Was awarded the Padma Shri in 1972
- PM Narendra Modi said on 16 March 2021 that she made noteworthy contributions towards Assam's progress, social reform and empowerment of women



@BOC_MIB

Bureau of Outreach and Communication
Ministry of Information and Broadcasting
Government of India



BOC_MIB

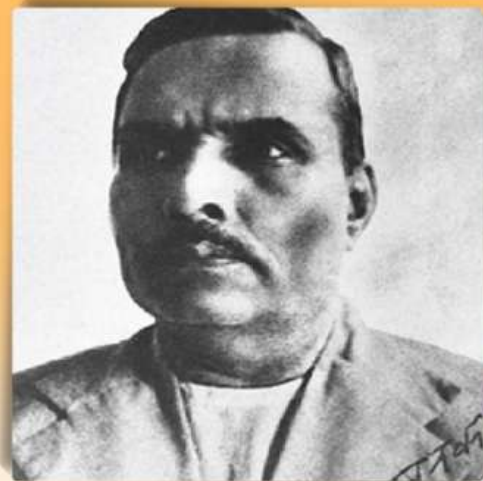


#AmritMahotsav

अमृत महोत्सव श्रृंखला #195

गणेश दामोदर सावरकर

(13 जून 1879 - 16 मार्च 1945)



- 13 जून 1879 को जन्म
- राजनेता और क्रांतिकारी
- स्वतंत्रता सेनानी और विनायक दामोदर सावरकर के भाई
- क्रांतिकारी समूह अभिनव भारत सोसाइटी के संस्थापक
- ब्रिटिश औपनिवेशिक सरकार के खिलाफ सशस्त्र आंदोलन का नेतृत्व किया
- 'नासिक षड्यन्त्र मामले' का नेतृत्व किया
- 16 मार्च 1945 को निधन



@BOC_MIB

लोक संपर्क और संचार ब्यूरो
सूचना और प्रसारण मंत्रालय
भारत सरकार



BOC_MIB

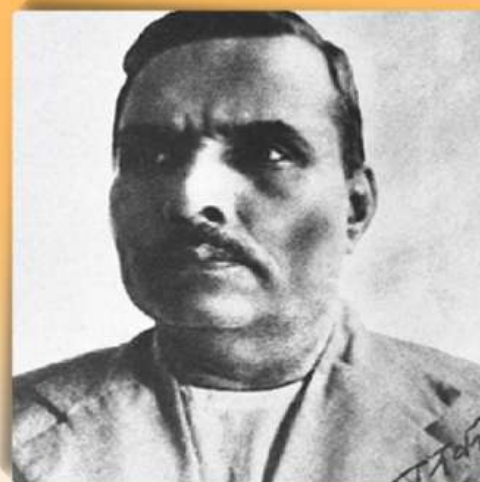


#AmritMahotsav

Amrit Mahotsav Series #195

Ganesh Damodar Savarkar

(13 June 1879 - 16 March 1945)



- Born on 13 June 1879
- Politician and revolutionary
- A freedom fighter and the brother of Vinayak Damodar Savarkar
- Founder of the revolutionary group Abhinav Bharat Society
- Led an armed movement against the British colonial government in India
- Was the leader of the 'Nasik Conspiracy Case'
- Died on **16 March 1945**



@BOC_MIB

Bureau of Outreach and Communication
Ministry of Information and Broadcasting
Government of India



BOC_MIB



#AmritMahotsav

अमृत महोत्सव श्रृंखला #194

नारायण देसाई

(24 दिसंबर 1924 - 15 मार्च 2015)



- गांधीवादी और लेखक थे
- वह गांधी जी के चर्चित निजी सचिव महादेव देसाई के पुत्र थे
- गांधी जी के साबरमती और सेवाग्राम आश्रम में पले-बढ़े होने के कारण, वह
- बुनियादी शिक्षा, खादी की कताई और बुनाई में निपुण थे
- भारत छोड़ो आंदोलन के दौरान वे महात्मा गांधी के साथ निकटता से जुड़े थे और 'गांधी-कथा' में गांधी जी के साथ अनुभव साझा किए
- 'भूमिपुत्र' शीर्षक से भूदान आंदोलन के मुखपत्र की शुरुआत की और 1959 तक इसके संपादक बने रहे
- 'पीस ब्रिगेड्स इंटरनेशनल' की स्थापना में शामिल थे और 'वार रिसिस्टर्स इंटरनेशनल' के अध्यक्ष के रूप में चुने गए थे
- अंतर्राष्ट्रीय शांति के लिए उन्हें एक पाकिस्तानी शांति समूह के साथ यूनेस्को पुरस्कार से सम्मानित किया गया था
- 1993 में गुजराती के लिए साहित्य अकादमी पुरस्कार से सम्मानित किया गया
- **15 मार्च 2015** को निधन



@BOC_MIB

लोक संपर्क और संचार ब्यूरो
सूचना और प्रसारण मंत्रालय
भारत सरकार



BOC_MIB



#AmritMahotsav

Amrit Mahotsav Series #194

Narayan Desai

(24 December 1924 - 15 March 2015)



- Was a Gandhian and author
- He was the son of Mahadev Desai, Gandhiji's legendary personal secretary
- Being brought up in Gandhi's Ashram in Sabarmati and Sevagram, he specialized in basic education, spinning and weaving khadi
- He was closely associated with Mahatma Gandhi during Quit India Movement and documented experiences of Gandhi ji in 'Gandhi-Katha' (narratives on the life of Mahatma Gandhi)
- Started the mouthpiece of Bhoodan movement, titled Bhoomiputra (Son of the Soil) and remained its editor till 1959
- Was involved in the setting up of Peace Brigades International and was elected as the chairman of the War Resisters' International
- He along with a Pakistani peace group was awarded the UNESCO prize for International Peace
- Was accorded the Sahitya Akademi Award for Gujarati in 1993
- Died on **15 March 2015**



@BOC_MIB

Bureau of Outreach and Communication
Ministry of Information and Broadcasting
Government of India



BOC_MIB



#AmritMahotsav

अमृत महोत्सव श्रृंखला #193



उधम सिंह ने ब्रिटेन में माइकल ओ'डायर की गोली मारकर हत्या की

13 मार्च 1940

13 मार्च 1940 को शहीद उधम सिंह ने माइकल ओ'डायर की ब्रिटेन में गोली मारकर हत्या कर दी थी। सेवानिवृत्त ब्रिटिश अधिकारी माइकल ओ'डायर उस समय पंजाब के लेफ्टिनेंट गवर्नर थे जब जलियावाला बाग हत्याकांड हुआ था, जिसमें 1000 से अधिक निहत्थे लोग मारे गए थे जो शांतिपूर्ण विरोध के लिए स्थल पर एकत्र हुए थे।

कई भारतीयों के लिए शहीद हुए इस बंदूकधारी के कई नाम थे, लेकिन उन्हें आमतौर पर उधम सिंह के नाम से जाना जाता था। दो दशकों से भी अधिक समय से एक कट्टर देशभक्त भारतीय क्रांतिकारी सिंह के दिल में बदला लेने के लिए ओ डायर को मारने का जुनून भयंकर रूप से हावी था। यह खोज उन्हें कई महाद्वीपों और अंत में इंग्लैंड ले गई जहां हमला करने के सर्वश्रेष्ठ अवसर के लिए वर्षों तक उन्होंने इंतजार किया।

मुकदमे के दौरान उन्होंने कहा, "मैं मौत से नहीं डरता। मैं अपने देश के लिए मर रहा हूं। ब्रिटिश शासन के तहत भारत में मैंने मेरे लोगों को भूख से मरते हुए देखा है। मैंने इसके खिलाफ विरोध किया है, यह मेरा कर्तव्य था। मुझे "मेरी मातृभूमि की खातिर मौत" से बड़ा सम्मान और क्या दिया जा सकता है।



@BOC_MIB

लोक संपर्क और संचार ब्यूरो
सूचना और प्रसारण मंत्रालय
भारत सरकार



BOC_MIB



#AmritMahotsav

Amrit Mahotsav Series #193

Udham Singh shot and killed Michael O'Dwyer in Britain

13 March 1940



On **13 March 1940**, Shaheed Udham Singh shot and killed Michael O'Dwyer in Britain. Michael O'Dwyer, the retired British official was the Lieutenant Governor of Punjab when the Jallianwala Bagh massacre took place which killed more than 1000 unarmed people who were gathered at the venue for a peaceful protest.

The gunman, a martyr to many Indians, had several names, but was most commonly known as Udham Singh. For over two decades, Singh, a fiercely patriotic Indian revolutionary with revenge in his heart, had one overpowering obsession: to kill O'Dwyer. This quest took him to several continents and finally to England, where he watched and waited for years for the ideal opportunity to strike.

During the trial he said: "I am not scared of death. I am dying for my country. I have seen my people starving in India under the British rule. I have protested against this, it was my duty. What greater honour could be bestowed on me than death for the sake of my motherland?"



@BOC_MIB

Bureau of Outreach and Communication
Ministry of Information and Broadcasting
Government of India



BOC_MIB

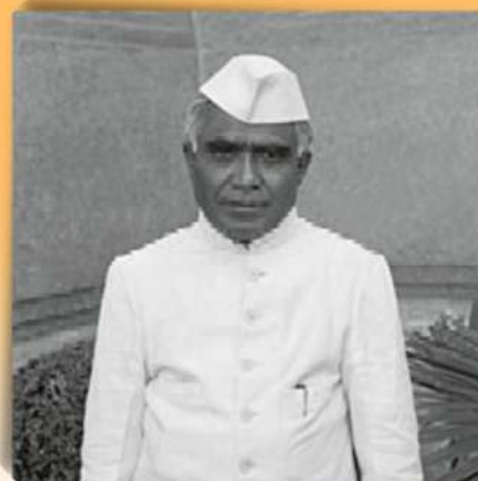


#AmritMahotsav

अमृत महोत्सव श्रृंखला #192

बुरगुला रामकृष्ण राव

(13 मार्च 1899 - 15 सितंबर 1967)



- 13 मार्च 1899 को जन्म
- स्वतंत्रता सेनानी और वकील
- हैदराबाद के निजाम की तानाशाही और अन्याय के विरुद्ध लड़ाई लड़ी
- स्वतंत्र भारत के साथ हैदराबाद के एकीकरण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी
- भारत छोड़ो आंदोलन के एक सक्रिय भागीदार थे
- स्वतंत्रता आंदोलन में भाग लेने के कारण उन्हें बार-बार कैद किया गया और प्रताड़ित किया गया।
- स्वतंत्रता के बाद हैदराबाद के पहले निर्वाचित मुख्यमंत्री रहे
- तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने 31 अगस्त 1999 को हैदराबाद के राजभवन में रामकृष्ण राव बुरगुला की जीवनी का विमोचन किया



@BOC_MIB

लोक संपर्क और संचार ब्यूरो
सूचना और प्रसारण मंत्रालय
भारत सरकार



BOC_MIB



#AmritMahotsav

Amrit Mahotsav Series #192

Burgula Ramakrishna Rao

13 March 1899 - 15 September 1967)



- Born on **13 March 1899**
- A freedom fighter and lawyer
- Fought against the Nizam of Hyderabad's dictatorship and injustice
- Was instrumental in the integration of Hyderabad with independent India
- Was an active participant in the Quit India Movement
- During this time he was repeatedly imprisoned and tortured for participating in freedom movement
- Post independence, he was the first elected Chief Minister of Hyderabad
- The then Prime Minister Atal Bihari Vajpayee released Burgula Ramakrishna Rao's biography at the Raj Bhavan in Hyderabad on 31 August 1999



@BOC_MIB

Bureau of Outreach and Communication
Ministry of Information and Broadcasting
Government of India



BOC_MIB



#AmritMahotsav

अमृत महोत्सव श्रृंखला #191

दांडी मार्च

12 मार्च 1930



महात्मा गांधी के नेतृत्व में **12 मार्च 1930** को प्रसिद्ध दांडी यात्रा के साथ सविनय अवज्ञा आंदोलन शुरू हुआ। 12 मार्च 1930 से 6 अप्रैल 1930 तक चली 24 दिवसीय यह यात्रा ब्रिटिश नमक एकाधिकार के विरुद्ध अहिंसक रूप से कर प्रतिरोध के लिए की गई थी।

गांधी जी ने इस मार्च की शुरुआत अपने 78 भरोसेमंद स्वयंसेवकों के साथ की थी। यह यात्रा 239 मील (385 किमी) लंबी साबरमती आश्रम से दांडी तक की गई। दांडी को उस समय नवसारी (अब गुजरात राज्य में) कहा जाता था। रास्ते में हजारों लोग उनके साथ जुड़ गए।

भारत सरकार ने देश की स्वतंत्रता के 75 वर्ष पूरे होने को लेकर 12 मार्च 2021 को आजादी का अमृत महोत्सव शुरू किया था। यह 75 सप्ताह का महोत्सव है जो 15 अगस्त 2023 तक चलेगा। भारत सरकार ने देश के लोगों, संस्कृति और उपलब्धियों के गौरवशाली इतिहास को स्मरण करने के लिए यह पहल की है।



@BOC_MIB

लोक संपर्क और संचार ब्यूरो
सूचना और प्रसारण मंत्रालय
भारत सरकार



BOC_MIB



#AmritMahotsav

Amrit Mahotsav Series #191

Dandi March

12 March 1930



On **12 March 1930**, Civil Disobedience Movement began with the famous Dandi March under the leadership of Mahatma Gandhi. The twenty-four day March lasted from 12 March 1930 to 6 April 1930 as a direct action campaign of tax resistance and nonviolent protest against the British salt monopoly.

Gandhiji started this march with 78 of his trusted volunteers. The march spanned 239 miles (385 km), from Sabarmati Ashram to Dandi, which was called Navsari at that time (now in the state of Gujarat). Thousands of people joined them along the way.

The Prime Minister, Shri Narendra Modi flagged off the 'Padyatra' (Freedom March) from Sabarmati Ashram, Ahmedabad and launched the 'Azadi Ka Amrit Mahotsav' on 12 March 2021 to commemorate the 75th Anniversary of India's Independence starting 75 weeks before 15 August, 2023.

The Mahotsav is being celebrated as a Jan-Utsav in the spirit of Jan-Bhagidari. The Prime Minister urged the youth and scholars to take the responsibility for fulfilling the efforts of the country in documenting the history of our freedom fighters.



@BOC_MIB

Bureau of Outreach and Communication
Ministry of Information and Broadcasting
Government of India

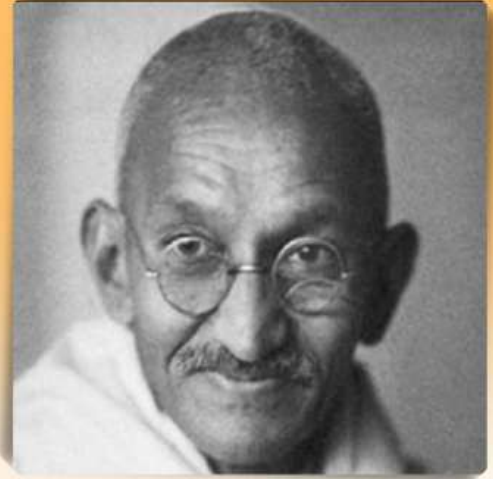


BOC_MIB



#AmritMahotsav

अमृत महोत्सव श्रृंखला #190



गांधी जी को गिरफ्तार करके राजद्रोह का मुकदमा चलाया गया 10 मार्च 1922

असहयोग आंदोलन के दौरान चौरी-चौरा की हिंसक घटना के लिए ब्रिटिश अधिकारियों ने बंबई (अब मुंबई) में 10 मार्च 1922 को महात्मा गांधी को गिरफ्तार करके उन पर राजद्रोह का मुकदमा चलाया था।

फरवरी, 1922 में असहयोग आंदोलन में भाग लेने वाले प्रदर्शनकारियों के एक बड़े समूह पर ब्रिटिश पुलिस द्वारा गोलियां चलाई गयीं। जवाबी कार्रवाई में प्रदर्शनकारियों ने संयुक्त प्रांत के चौरी-चौरा क्षेत्र में पुलिस थाने पर हमला करके आग लगा दी तथा कई कांस्टेबल इस घटना में मारे गए। इस हिंसक घटना ने अंग्रेजों को गांधी जी के विरुद्ध राजद्रोह का मुकदमा चलाने का मौका दे दिया और उन्हें 10 मार्च को गिरफ्तार कर लिया गया।

इस मामले में गांधी जी को 6 वर्ष के कारावास की सजा हुई, परंतु स्वास्थ्य कारणों से उन्हें दो वर्ष की सजा काटकर ही रिहा कर दिया गया।



@BOC_MIB

लोक संपर्क और संचार ब्यूरो
सूचना और प्रसारण मंत्रालय
भारत सरकार



BOC_MIB

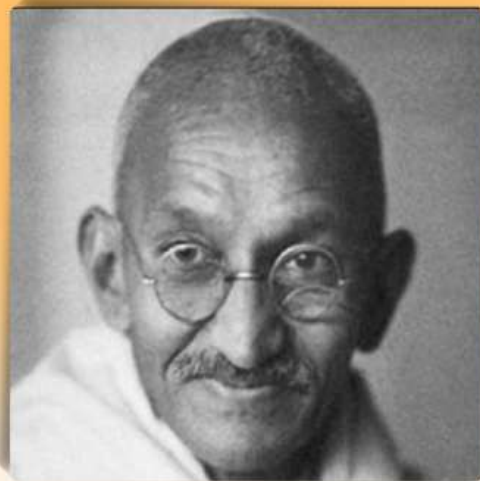


#AmritMahotsav

Amrit Mahotsav Series #190

Mahatma Gandhi was arrested and tried for sedition

10 March 1922



Mahatma Gandhi was arrested and tried for sedition on **10 March 1922**, by British Officials in Bombay (now Mumbai), India for the violent incident in Chauri Chaura during the Non Cooperation Movement.

In February 1922, a large group of silent protesters participating in the NCM, were fired upon by the British police. In retaliation the demonstrators attacked and torched a police station in the hamlet of Chauri Chaura, United Provinces and several constables perished in the conflagration. This act of violence prompted the British to seize the opportunity to slap sedition charges against Gandhiji and he was arrested on March 10.

The trial of Gandhiji led to a 6 year jail sentence, but he eventually served only two years of that term due to health issues.



@BOC_MIB

Bureau of Outreach and Communication
Ministry of Information and Broadcasting
Government of India



BOC_MIB



#AmritMahotsav

अमृत महोत्सव श्रृंखला #189

झवेरचन्द मेघाणी

(28 अगस्त 1896 - 9 मार्च 1947)



- 28 अगस्त 1896 को जन्म
- कवि, समाज सुधारक और स्वतंत्रता सेनानी
- वे गुजराती साहित्य के क्षेत्र में एक जाना-माना नाम है और उन्होंने 100 से अधिक पुस्तकें लिखीं हैं
- पुस्तक 'सिंघुड़ा' लिखी जिसमें युवाओं को भारत के स्वतंत्रता संग्राम में भाग लेने के लिए प्रेरित करने के गीत थे जिसके कारण उन्हें 2 वर्ष की सजा हुई
- गांधी जी की गोलमेज सम्मेलन के लिए लंदन यात्रा के आधार पर पुस्तक 'काव्य तृप्ति' लिखी
- उन्होंने स्वतंत्र रूप से लघु कथाएं लिखना भी शुरू किया और 'फूलचाब' पत्रिका के लिए संपादक के रूप में कार्य किया
- महात्मा गांधी ने उन्हें 'राष्ट्रीय शायर' की उपाधि दी
- 9 मार्च 1947 को निधन



@BOC_MIB

लोक संपर्क और संचार ब्यूरो
सूचना और प्रसारण मंत्रालय
भारत सरकार



BOC_MIB



#AmritMahotsav

Amrit Mahotsav Series #189



Jhaverchand Meghani

(28 August 1896 - 9 March 1947)

- Born on 28 August 1896
- A poet, social reformer and freedom fighter
- He is a well-known name in the field of Gujarati literature and has authored more than 100 books
- Wrote a book 'Sindhudo' that contained songs to inspire the youth of India to participate in the freedom struggle for which he was jailed for 2 years
- Also wrote Kavya Triputi based on Gandhiji's visit to London for the Round Table conference
- He also started writing short stories independently and served as editor for Phoolchaab magazine
- Mahatma Gandhi spontaneously gave him the title of 'Raashtreeya Shaayar'
- Died on 9 March 1947



@BOC_MIB

Bureau of Outreach and Communication
Ministry of Information and Broadcasting
Government of India



BOC_MIB



#AmritMahotsav

अमृत महोत्सव श्रृंखला #188

गोपी चंद भार्गव

(8 मार्च 1889 - 26 दिसंबर 1966)



- 8 मार्च 1889 को जन्म
- डॉक्टर और स्वतंत्रता सेनानी
- 1919 के जलियांवाला बाग हत्याकांड के बाद राजनीति में प्रवेश किया
- लाला लाजपत राय और बाल गंगाधर तिलक से बहुत प्रभावित थे और गांधीवादी विचारधारा के भी समर्थक थे
- विभिन्न आंदोलनों में भाग लिया और 1921, 1923, 1930, 1940 और 1942 में जेल की सजा काटी
- समाज के उत्थान की दिशा में काम किया
- पंजाब विधान सभा के सदस्य चुने गए
- वे अविभाजित पंजाब के पहले मुख्यमंत्री भी थे
- 26 दिसंबर 1966 को मृत्यु



@BOC_MIB

लोक संपर्क और संचार ब्यूरो
सूचना और प्रसारण मंत्रालय
भारत सरकार



BOC_MIB



#AmritMahotsav

Amrit Mahotsav Series #188

Gopi Chand Bhargava

(8 March 1889 - 26 December 1966)



- Born on **8 March 1889**
- A doctor and freedom fighter
- He entered politics after the Jallianwala Bagh massacre of 1919
- Was greatly inspired by Lala Lajpat Rai and Bal Gangadhar Tilak, and also a supporter of Gandhian ideology
- Participated in various movements and had to undergo jail sentences in 1921, 1923, 1930, 1940 and 1942
- Worked towards the upliftment of the society
- Was elected a member of the Punjab Legislative Assembly
- He was also the first chief minister of the undivided Punjab
- Died on 26 December 1966



@BOC_MIB

Bureau of Outreach and Communication
Ministry of Information and Broadcasting
Government of India



BOC_MIB



#AmritMahotsav

अमृत महोत्सव श्रृंखला #187

विश्वनाथ दास

(8 मार्च 1889 - 2 जून 1984)



- 8 मार्च 1889 को जन्म
- स्वतंत्रता सेनानी, वकील और राजनीतिज्ञ
- महात्मा गांधी से काफी प्रभावित होकर उन्होंने अपना कानूनी पेशा छोड़ दिया और देश की आजादी के लिए अपना जीवन समर्पित किया
- सविनय अवज्ञा आंदोलन, भारत छोड़ो आंदोलन और नमक सत्याग्रह में भाग लिया
- किसान संघ की स्थापना की और मद्रास परिषद में सेवाएं दीं
- ओडिशा से भारत की संविधान सभा के सदस्य बने
- 2 जून 1984 को निधन



@BOC_MIB

लोक संपर्क और संचार ब्यूरो
सूचना और प्रसारण मंत्रालय
भारत सरकार



BOC_MIB



#AmritMahotsav

Amrit Mahotsav Series #187

Vishwanath Das

(8 March 1889 - 2 June 1984)



- Born on **8 March 1889**
- A freedom fighter, lawyer and politician
- Was greatly influenced by Mahatma Gandhi and hence abandoned his legal career and dedicated his life to the country's independence
- Participated in the Civil Disobedience Movement, Quit India Movement and Salt Satyagraha
- Founded the Farmers' Union and served in the Madras Council
- Became a member of India's Constituent Assembly from Odisha
- Died on 2 June 1984



@BOC_MIB

Bureau of Outreach and Communication
Ministry of Information and Broadcasting
Government of India



BOC_MIB

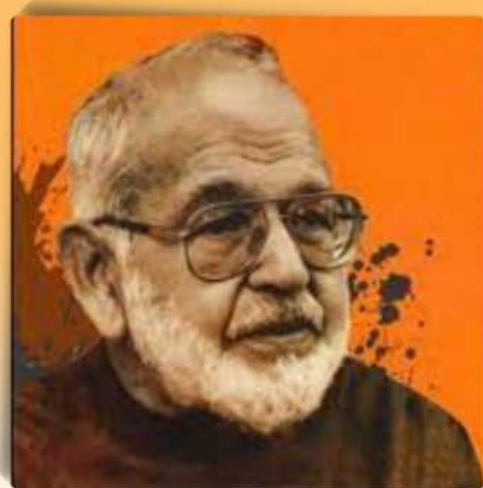


#AmritMahotsav

अमृत महोत्सव श्रृंखला #186

सच्चिदानंद हीरानंद वात्स्यायन

(7 मार्च 1911 - 4 अप्रैल 1987)



- 7 मार्च 1911 को जन्म और लोकप्रिय रूप से 'अज्ञेय' नाम से जाने गए
- कवि, पत्रकार और क्रांतिकारी
- भगत सिंह और हिंदुस्तान सोशलिस्ट रिपब्लिकन आर्मी के सदस्यों से मिलने के बाद पढ़ाई के दौरान ही क्रांतिकारी आंदोलन में शामिल हो गए
- उनके लेखन पर जेल का प्रभाव महत्वपूर्ण है, क्योंकि वह जीवनभर अपने देश की आजादी के लिए लड़ते रहे
- उनके काव्य संग्रह "भगनदूत" और "इत्यालम" ने क्रांति को मजबूती दी
- आधुनिक हिंदी साहित्य में प्रयोगवाद आंदोलनों के अग्रणी व्यक्ति के रूप में जाने गए
- 4 अप्रैल 1987 को निधन



@BOC_MIB

लोक संपर्क और संचार ब्यूरो
सूचना और प्रसारण मंत्रालय
भारत सरकार



BOC_MIB



#AmritMahotsav

Amrit Mahotsav Series #186

Sachchidananda Hirananda Vatsyayan

(7 March 1911 - 4 April 1987)



- Born on **7 March 1911** and popularly known as Agyeya
- A poet, journalist and revolutionary
- Joined the revolutionary movement in the middle of his studies, after meeting Bhagat Singh and members of the Hindustan Socialist Republican Army
- Impact of prison on his writing is significant, as he has been fighting for his country's independence his entire life
- His poetry collections "Bhagnadoot" and "Ityalam", voice the revolution loud and clear
- Regarded as the pioneer of the Prayogavaad (experimentalism) movements in modern Hindi literature
- Died on 4 April 1987



@BOC_MIB

Bureau of Outreach and Communication
Ministry of Information and Broadcasting
Government of India



BOC_MIB



#AmritMahotsav

अमृत महोत्सव श्रृंखला #185

गोविंद बल्लभ पंत

(10 सितंबर 1887 - 7 मार्च 1961)



- 10 सितंबर 1887 को जन्म
- स्वतंत्रता सेनानी, वकील और उत्तर प्रदेश के पहले मुख्यमंत्री
- एक अत्यंत सक्षम वकील के रूप में प्रसिद्ध पंत को काकोरी मामले में शामिल क्रांतिकारियों रामप्रसाद बिस्मिल, अशफाकउल्ला खान और अन्य का प्रतिनिधित्व करने के लिए नियुक्त किया गया था
- गांधी जी से प्रेरित नमक मार्च आयोजित करने के लिए गिरफ्तार करके जेल भेजा गया
- सत्याग्रह आंदोलन का आयोजन किया और भारत छोड़ो प्रस्ताव का हिस्सा थे
- 1957 में भारत के सर्वोच्च नागरिक सम्मान 'भारतरत्न' से सम्मानित किया गया
- 7 मार्च 1961 को निधन



@BOC_MIB

लोक संपर्क और संचार ब्यूरो
सूचना और प्रसारण मंत्रालय
भारत सरकार



BOC_MIB



#AmritMahotsav

Amrit Mahotsav Series #185

Govind Ballabh Pant

(10 September 1887 - 7 March 1961)



- Born on 10 September 1887
- A freedom fighter, lawyer and the first Chief Minister of Uttar Pradesh
- Known as an extremely capable lawyer, Pant was appointed to represent Ramprasad Bismill, Ashfaqulla Khan and other revolutionaries involved in the Kakori case
- Was arrested and imprisoned for organising a Salt March inspired by Gandhi
- Organised the Satyagraha movement and was a part of the Quit India resolution
- Received India's highest civilian honour, the Bharat Ratna, in 1957
- Died on **7 March 1961**



@BOC_MIB

Bureau of Outreach and Communication
Ministry of Information and Broadcasting
Government of India



BOC_MIB



#AmritMahotsav

अमृत महोत्सव श्रृंखला #184



अंबिका चक्रवर्ती

(जनवरी 1892 - 6 मार्च 1962)

- क्रांतिकारी और स्वतंत्रता सेनानी जो अनुशीलन समिति में शामिल हुए
- चटगांव जुगान्तर पार्टी के सदस्य थे
- सूर्य सेन के नेतृत्व में चटगांव शस्त्रागार छापेमारी मामले में भाग लिया
- पुलिस ने उनके ठिकाने से उन्हें गिरफ्तार किया और मौत की सजा सुनाई गई। बाद में मृत्युदंड को उम्रकैद में बदला गया
- उन्होंने 1946 तक पोर्ट ब्लेयर की सेलुलर जेल में सजा काटी
- बंगाल प्रांतीय विधान सभा के लिए निर्वाचित
- 6 मार्च 1962 को निधन



@BOC_MIB

लोक संपर्क और संचार ब्यूरो
सूचना और प्रसारण मंत्रालय
भारत सरकार



BOC_MIB



#AmritMahotsav

Amrit Mahotsav Series #184

Ambika Chakrabarty

(January 1892 - 6 March 1962)



- A revolutionary freedom fighter who joined Anushilan Samiti
- Was a member of Chittagong Jugantar party
- Took part in the Chittagong armoury raid case led by Surya Sen
- Was arrested by the police from his hideout and sentenced to death. Later changed to transportation for life to the Cellular Jail in Port Blair till 1946
- Elected to the Bengal Provincial Legislative Assembly
- Died on **6 March 1962**



@BOC_MIB

Bureau of Outreach and Communication
Ministry of Information and Broadcasting
Government of India



BOC_MIB



#AmritMahotsav

अमृत महोत्सव श्रृंखला #183

गांधी-इरविन समझौता, 1931

(5 मार्च 1931)



लंदन में दूसरे गोलमेज सम्मेलन से पहले 5 मार्च 1931 को महात्मा गांधी और भारत के वायसराय लॉर्ड इरविन के बीच एक राजनीतिक समझौता हुआ था जिसे गांधी-इरविन समझौता कहा गया। भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस (आईएनसी) ने सविनय अवज्ञा आंदोलन को रोकने के लिए गोलमेज सम्मेलन में भाग लेने पर सहमति व्यक्त की। संधि की विशेषताएं इस प्रकार हैं:

- कांग्रेस की गतिविधियों पर अंकुश लगाने वाले सभी अध्यादेशों को वापस लेना
- हिंसक अपराधों को छोड़कर सभी अभियोगों को वापस लेना
- सविनय अवज्ञा आंदोलन में भाग लेने के कारण गिरफ्तार किए गए लोगों की रिहाई
- नमक कर को हटाना

इसके बाद कांग्रेस ने दूसरे गोलमेज सम्मेलन में भाग लिया जो 1931 में सितंबर-दिसंबर के दौरान आयोजित किया गया था जहां सरकार सभी अध्यादेशों को वापस लेने के लिए सहमत हुई थी। यह सभी राजनीतिक बंदियों को रिहा करने, शराब और विदेशी कपड़े की दुकानों के लिए शांतिपूर्ण धरने की अनुमति देने, कांग्रेस पर प्रतिबंध हटाने और सत्याग्रहियों की जब्त की गई संपत्तियों को बहाल करने पर सहमत हुई। सरकार सविनय अवज्ञा आंदोलन के मद्देनजर सेवा से इस्तीफा देने वाले सभी सरकारी कर्मचारियों के साथ उदार व्यवहार, जुर्माना माफ करने, समुद्र तटों के पास के लोगों द्वारा नमक के संग्रह की अनुमति देने के लिए भी सहमत हुई थी।



@BOC_MIB

लोक संपर्क और संचार ब्यूरो
सूचना और प्रसारण मंत्रालय
भारत सरकार



BOC_MIB



#AmritMahotsav

Amrit Mahotsav Series #183



Gandhi Irwin Pact 1931

(5 March 1931)

Irwin Pact was a political agreement signed by Mahatma Gandhi and Lord Irwin, Viceroy of India, on **5 March 1931** before the second Round Table Conference in London. The Indian National Congress (INC) agreed to take part in the Round Table Conference to stop the Civil Disobedience Movement. The features of the pact were

- Withdrawal of all ordinances that curbed the activities of the Congress
- Withdrawal of all prosecutions except those involving violent crimes
- Release of those who were arrested for taking part in the Civil Disobedience Movement
- Removal of the salt tax

The INC then participated in the Second Round Table Conference which was held in 1931 during September – December where the government agreed to withdraw all ordinances. It agreed to release all political prisoners, allow peaceful picketing of liquor and foreign cloth shops, revoke the ban on the INC and to restore the confiscated properties of the Satyagrahis.

It also agreed to permit the collection of salt by people near the sea coasts, forego fines, lenient treatment of all government servants who had resigned from service in the wake of the Civil Disobedience Movement.



@BOC_MIB

Bureau of Outreach and Communication
Ministry of Information and Broadcasting
Government of India



BOC_MIB



#AmritMahotsav

अमृत महोत्सव श्रृंखला #182

सुशीला दीदी

(5 मार्च 1905 - 13 जनवरी 1963)



- 5 मार्च 1905 को जन्म
- क्रांतिकारी और स्वतंत्रता सेनानी
- एक देशभक्त महिला जिन्होंने अपना सोना बेचकर काकोरी घटना में फंसे क्रांतिकारियों को बचाने का प्रयास किया था
- क्रांतिकारी संगठन हिंदुस्तान सोशलिस्ट रिपब्लिकन एसोसिएशन में शामिल हुईं
- दुर्गा भाभी और भगत सिंह के बहुत करीबी थीं
- ब्रिटिश पुलिस अधिकारी सांडर्स की हत्या के बाद, सुशीला दीदी ने भगत सिंह को ब्रिटिश सरकार से बचाने के लिए शरण दी
- 1930 के सविनय अवज्ञा आंदोलन में भाग लिया
- उसने एक पंजाबी गीत "जुग-जुग गगन लहरावे झंडा भारत दा" लिखा था जिसने देशबंधु चित्तरंजन और सरोजिनी नायडू को प्रभावित किया
- यह गीत उस समय के क्रांतिकारियों का पसंदीदा गीत बन गया
- 13 जनवरी 1963 को निधन



@BOC_MIB

लोक संपर्क और संचार ब्यूरो
सूचना और प्रसारण मंत्रालय
भारत सरकार



BOC_MIB



#AmritMahotsav

Amrit Mahotsav Series #182

Sushila Didi

(5 March 1905 - 13 January 1963)



- Born on **5 March 1905**
- A revolutionary and freedom fighter
- A patriotic woman who sold tolas of gold to save revolutionaries trapped in the kakori incident
- Was part of Hindustan Socialist Republican Association, a revolutionary group
- Was closely associated with Durga Bhabhi and Bhagat Singh
- Following the murder of British police officer Saunders, Sushila Didi gave shelter to Bhagat Singh, to hide from the British government
- Participated in the Civil Disobedience Movement of 1930
- She had written a Punjabi song, "Jug-Jug Gagan Lehrae Jhanda Bharat Da", which moved Deshbandhu Chittaranjan and Sarojini Naidu
- This song became the favourite song of the revolutionaries at that time
- Died on 13 January 1963



@BOC_MIB

Bureau of Outreach and Communication
Ministry of Information and Broadcasting
Government of India



BOC_MIB



#AmritMahotsav

अमृत महोत्सव श्रृंखला #181

लाला हरदयाल

(14 अक्टूबर 1884 - 4 मार्च 1939)



- राष्ट्रवादी क्रांतिकारी और स्वतंत्रता सेनानी
- स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान श्यामजी कृष्ण वर्मा और भीका जी कामा से जुड़े
- स्वतंत्रता संग्राम में भाग लेने के लिए दो प्रतिष्ठित ऑक्सफोर्ड छात्रवृत्ति और भारतीय सिविल सेवाओं में कैरियर से इनकार किया
- भारतीय स्वतंत्रता से संबंधित लेख प्रमुख समाचार पत्रों में लिखे
- गदर पार्टी के एक प्रमुख नेता थे, जिन्होंने पार्टी के सदस्यों को स्वतंत्रता आंदोलन में भाग लेने के लिए प्रेरित किया
- प्रवासी भारतीयों को लामबंद किया और उन्हें स्वतंत्रता आंदोलन में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित किया
- **4 मार्च 1939** को निधन



@BOC_MIB

लोक संपर्क और संचार ब्यूरो
सूचना और प्रसारण मंत्रालय
भारत सरकार



BOC_MIB



#AmritMahotsav

Amrit Mahotsav Series #181

Lala Hardayal

(14 October 1884 - 4 March 1939)



- A nationalist revolutionary, polymath and freedom fighter
- Was associated with Shyamji Krishna Varma and Bhikaiji Cama during Indian independence movement
- Turned down two prestigious Oxford scholarships and the prospect of a career in the Indian Civil Services to participate in the freedom struggle
- Wrote articles in leading newspapers related to Indian independence
- Was a key participant of the Ghadar Party, which influenced members to participate in the Indian Independence Movement
- Mobilized Indians of the diaspora and encouraged them to be part of the freedom movement
- Died on **4 March 1939**



@BOC_MIB

Bureau of Outreach and Communication
Ministry of Information and Broadcasting
Government of India



BOC_MIB



#AmritMahotsav

अमृत महोत्सव श्रृंखला #180

सरोजिनी नायडू

(13 फरवरी 1879 - 2 मार्च 1949)



- 13 फरवरी 1879 को जन्म
- स्वतंत्रता सेनानी और कवयित्री
- नागरिक अधिकारों, महिला सशक्तिकरण और साम्राज्यवाद विरोधी विचारों की समर्थक
- 1905 में बंगाल के विभाजन से व्यथित होकर स्वतंत्रता संग्राम में शामिल होने का फैसला किया
- स्वतंत्रता के लिए भारत के संघर्ष में भाग लेने वाली शुरुआती महिलाओं में से एक थीं
- 1920 के दशक से भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन में सक्रिय रूप से भाग लिया
- नमक सत्याग्रह में उनका योगदान महत्वपूर्ण था
- उन्होंने अन्य प्रमुख महिलाओं के साथ मिलकर कई महिलाओं को दांडी मार्च में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित किया
- महात्मा गांधी द्वारा उनकी कविताओं के कारण उन्हें 'द नाइटिंगेल ऑफ इंडिया' या 'भारत कोकिला' उपाधि से सम्मानित किया गया
- 2 मार्च 1949 को मृत्यु



@BOC_MIB

Bureau of Outreach and Communication
Ministry of Information and Broadcasting
Government of India



BOC_MIB



#AmritMahotsav

Amrit Mahotsav Series #180

Sarojini Naidu

(13 February 1879 - 2 March 1949)



- Born on 13 February 1879
- A freedom fighter and poet
- Supporter of civil rights, women's emancipation, and anti-imperialistic ideas
- Was anguished by the partition of Bengal in 1905 and decided to join the Indian freedom struggle
- Was one of the first women to participate in India's struggle for independence
- Actively participated in the Indian Independence movement since 1920's
- Her contribution to the Salt Satyagraha was momentous
- She along with other prominent women personalities persuaded many women to participate in the Dandi march
- Earned the sobriquet 'the Nightingale of India', or 'Bharat Kokila' from Mahatma Gandhi because of her poetry
- Died on **2 March 1949**



@BOC_MIB

Bureau of Outreach and Communication
Ministry of Information and Broadcasting
Government of India



BOC_MIB



#AmritMahotsav

अमृत महोत्सव श्रृंखला #179

पी. एन. पणिकर (1 मार्च 1909 - 19 जून 1995)



- 1 मार्च 1909 को जन्म
- पुस्तकालय आंदोलन के जनक के रूप में जाना जाता है
- साल 1945 में 47 ग्रामीण पुस्तकालयों को शामिल करते हुए तिरुविथामकूर ग्रंथशाला संघम (त्रावणकोर लाइब्रेरी एसोसिएशन) के गठन का नेतृत्व किया
- यह 1956 में केरल ग्रंथशाला संघम (के जी एस) बन गया, जिसे 1975 में यूनेस्को से 'कूप्सकाया पुरस्कार' मिला
- अध्ययन का महत्व समझाने के लिए केरल के गांवों की यात्रा की और इस संस्था से करीब 6,000 पुस्तकालयों को जोड़ने में सफल रहे
- 19 जून 1995 को निधन हुआ, जिसे केरल में व्यानादिनम (पठन दिवस) के रूप में मनाया जाता है
- 2017 में, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पठन माह का उद्घाटन करते हुए पी एन पणिकर की प्रशंसा की। प्रधानमंत्री ने कहा कि उन्होंने गुजरात के मुख्यमंत्री रहते हुए लोगों को पढ़ने हेतु प्रेरित करने के लिए 'वांचे गुजरात' नाम से एक आंदोलन शुरू किया था। उन्होंने लोगों को बुके की जगह पुस्तकें उपहार में देने का आह्वान किया था



@BOC_MIB

लोक संपर्क और संचार ब्यूरो
सूचना और प्रसारण मंत्रालय
भारत सरकार



BOC_MIB



#AmritMahotsav

Amrit Mahotsav Series #179

P. N. Panicker

(1 March 1909 - 19 June 1995)



- Born on **1 March 1909**
- Known as the Father of the Library Movement in India
- Led the formation of Thiruvithaamkoor Granthasala Sangham (Travancore Library Association) in 1945 with 47 rural libraries
- It became Kerala Granthasala Sangham (KGS) in 1956 which won the 'Krupsakaya Award' from UNESCO in 1975
- Traveled to the villages of Kerala proclaiming the value of reading and succeeded in bringing some 6,000 libraries into this network
- Died on 19 June 1995 which is observed in Kerala as Vayanadinam (Reading Day)
- In 2017, PM Narendra Modi while inaugurating Reading Month heaped praise on P.N. Panicker and observed that he had started a similar movement by name of VANCHE GUJARAT (Gujarat Reads) as Chief Minister of Gujarat to motivate people to read. PM further asked people to gift books instead of bouquets



@BOC_MIB

Bureau of Outreach and Communication
Ministry of Information and Broadcasting
Government of India



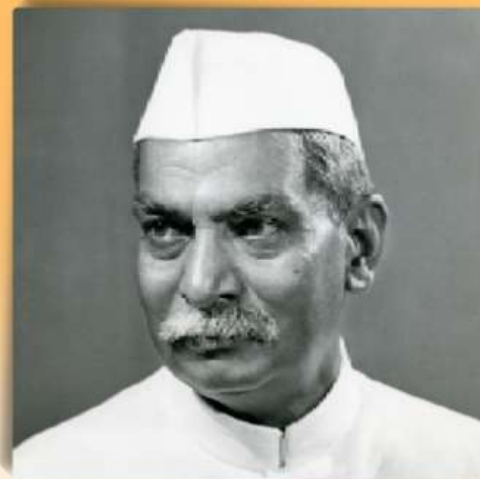
BOC_MIB



#AmritMahotsav

अमृत महोत्सव श्रृंखला #178

डॉ. राजेंद्र प्रसाद (3 दिसंबर 1884 - 28 फरवरी 1963)



- 3 दिसंबर 1884 को बिहार (तत्कालीन बंगाल प्रांत) के सीवान जिले के ज़िरादेई में जन्म
- स्वतंत्रता सेनानी, वकील और शिक्षाविद
- 1930 के नमक सत्याग्रह और 1942 के भारत छोड़ो आंदोलन में सक्रिय रूप से भाग लिया
- ब्रिटिश औपनिवेशिक सरकार द्वारा कई बार गिरफ्तार किए गए
- पश्चिमी शैक्षिक संस्थानों का बहिष्कार किया और अपने पुत्र को ब्रिटिश कॉलेज से बाहर निकालकर बिहार विद्यापीठ में नामांकन कराया, जो पारंपरिक भारतीय मॉडल पर उनके द्वारा स्थापित एक संस्था थी
- भारत के संविधान का मसौदा तैयार करने वाली संविधान सभा के पहले अध्यक्ष के रूप में कार्य किया
- स्वतंत्र भारत के पहले राष्ट्रपति के रूप में निर्वाचित
- उच्च पद पर रहते हुए दलगत राजनीति से ऊपर उठने और स्वतंत्र रूप से काम करने की परंपरा स्थापित की
- 28 फरवरी 1963 को निधन



@BOC_MIB

लोक संपर्क और संचार ब्यूरो
सूचना और प्रसारण मंत्रालय
भारत सरकार



BOC_MIB

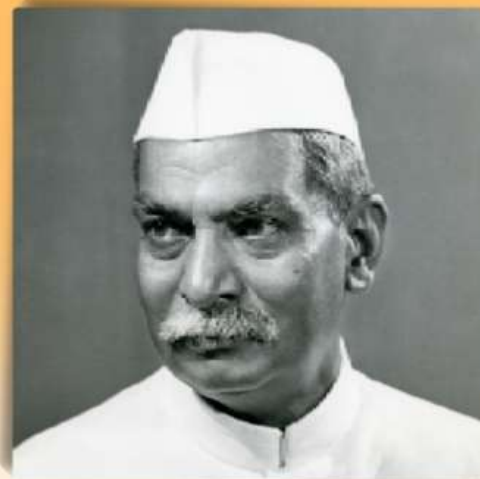


#AmritMahotsav

Amrit Mahotsav Series #178

Dr. Rajendra Prasad

(3 December 1884 - 28 February 1963)



- Born on 3 December 1884 in Ziradei, district Siwan of Bihar (erstwhile Bengal Province)
- Freedom fighter, lawyer and scholar
- Actively participated in the Salt Satyagraha of 1930 and the Quit India movement of 1942
- Arrested several times by the British colonial government
- Boycotted Western education institutions and asked his son to drop out from British college and enrol himself in Bihar Vidyapeeth, an institution founded by him on the traditional Indian model
- Served as the first President of the Constituent Assembly that drafted the Constitution of India
- Elected as the first President of independent India
- Established a tradition of non-partisanship and independence for the office-bearer
- Died on 28 February 1963



@BOC_MIB

Bureau of Outreach and Communication
Ministry of Information and Broadcasting
Government of India



BOC_MIB



#AmritMahotsav

अमृत महोत्सव श्रृंखला #177

चंद्रशेखर आजाद

(23 जुलाई 1906 - 27 फरवरी 1931)



- महान क्रांतिकारी और स्वतंत्रता सेनानी
- 15 वर्ष की उम्र में असहयोग आंदोलन में शामिल हुए
- हिंदुस्तान रिपब्लिकन एसोसिएशन (एचआरए) को इसके नए नाम हिंदुस्तान सोशलिस्ट रिपब्लिकन एसोसिएशन के तहत पुनर्गठित किया
- भगत सिंह के मार्गदर्शक थे
- 1925 की काकोरी ट्रेन केस, लाला लाजपत राय की हत्या का बदला लेने के लिए 1928 में लाहौर में जॉन पी. सॉन्डर्स पर गोली चलाने और 1929 में भारत के वायसराय की ट्रेन को उड़ाने के प्रयास में शामिल थे
- ब्रिटिश पुलिस को आजाद के अल्बर्ट पार्क में छिपे होने की खबर मिली और पुलिस ने पार्क को चारों तरफ से घेर लिया
- लंबी गोलीबारी के बाद आजीवन 'आजाद' रहने के अपने संकल्प को सिद्ध करते हुए चंद्रशेखर आजाद ने अपनी बंदूक की आखिरी गोली से खुद को गोली मार ली
- 27 फरवरी 1931 को निधन



@BOC_MIB

लोक संपर्क और संचार ब्यूरो
सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय
भारत सरकार



BOC_MIB



#AmritMahotsav

Amrit Mahotsav Series #177

Chandra Shekhar Azad

(23 July 1906 - 27 February 1931)



- A revolutionary leader and freedom fighter
- Joined the Non-Cooperation Movement at the age of 15
- Reorganised the Hindustan Republican Association (HRA) under its new name of Hindustan Socialist Republican Association
- Was the mentor of Bhagat Singh
- Was involved in the Kakori train case of 1925, the shooting of John P. Saunders at Lahore in 1928 to avenge the killing of Lala Lajpat Rai, and in the attempt to blow up the Viceroy of India's train in 1929
- The British Police was tipped about the hiding of Azad in Albert Park and they surrounded the park and initiated shootout
- After a long shootout, holding true to his pledge to always remain Azad (Free) and never be captured alive, Chandra Shekhar Azad shot himself on the head with his gun's last bullet.
- Died on **27 February 1931**



@BOC_MIB

Bureau of Outreach and Communication
Ministry of Information and Broadcasting
Government of India



BOC_MIB

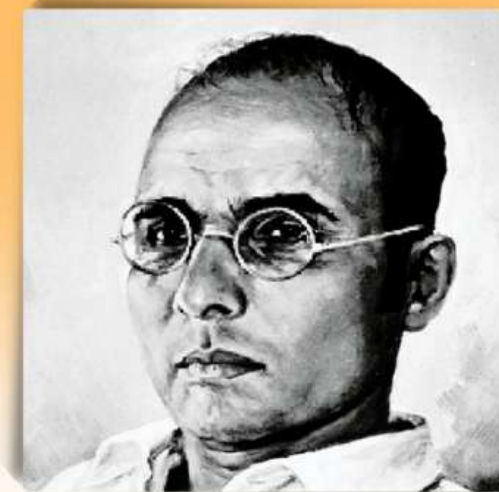


#AmritMahotsav

अमृत महोत्सव श्रृंखला #176

विनायक दामोदर सावरकर

(28 मई 1883 - 26 फरवरी 1966)



- 28 मई 1883 को जन्म
- राजनेता, स्वतंत्रता सेनानी और लेखक
- हाई स्कूल के छात्र के रूप में अपनी राजनीतिक गतिविधियों की शुरुआत की
- हिंदू महासभा में एक प्रमुख हस्ती थे
- सावरकर को 50 साल की दोहरे आजीवन कारावास की सजा के लिए सेल्यूलर जेल भेजा गया जहां उन्हें बेहद अमानवीय तरीकों से यातनाएं दी गयीं
- मोदी सरकार ने 2016 में पोर्ट ब्लेयर की सेल्यूलर जेल में उनके सम्मान में वीर सावरकर ज्योति का उद्घाटन किया
- इंडिया हाउस और फ्री इंडिया सोसायटी जैसे संगठनों का हिस्सा बने
- क्रांतिकारी तरीकों से पूर्ण भारतीय स्वतंत्रता की वकालत करने वाली पुस्तकें प्रकाशित कीं
- उनकी प्रमुख पुस्तक 'द इंडियन वॉर ऑफ इंडिपेंडेंस' थी जो 1857 के भारत के पहले स्वतंत्रता संग्राम से संबंधित थी
- 26 फरवरी 1966 को निधन



@BOC_MIB

लोक संपर्क और संचार ब्यूरो
सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय
भारत सरकार



BOC_MIB



#AmritMahotsav

Amrit Mahotsav Series #176

Vinayak Damodar Savarkar

(28 May 1883 - 26 February 1966)



- Born on 28 May 1883
- A politician, freedom fighter and writer
- Started his political activities as a high school student
- Was a leading figure in the Hindu Mahasabha
- Savarkar was awarded double life imprisonment of 50 years and was sent to the Cellular Jail and tortured in a most inhuman way
- The Modi Government inaugurated the Veer Savarkar flame to honor Veer Savarkar at Cellular Jail in Port Blair in 2016
- Became part of organizations such as India House and the Free India Society
- Published books advocating complete Indian independence by revolutionary means
- One of his prominent book was 'The Indian War of Independence' about India's first war of Independence in 1857
- Died on **26 February 1966**



@BOC_MIB

Bureau of Outreach and Communication
Ministry of Information and Broadcasting
Government of India



BOC_MIB



#AmritMahotsav

अमृत महोत्सव श्रृंखला #175

मणिराम दीवान

(17 अप्रैल 1806 - 26 फरवरी 1858)



- 17 अप्रैल 1806 को जन्म
- स्वतंत्रता सेनानी और व्यापारी
- स्वतंत्रता संग्राम में कई लोगों के लिए प्रेरणा बने
- असम में चाय बागानों को स्वरूप देने वाले प्रथम व्यक्ति
- आजादी की लड़ाई में शामिल होने के लिए असम चाय कंपनी की नौकरी छोड़ दी
- 1857 के प्रथम स्वतंत्रता संग्राम में अंग्रेजों का विरोध किया
- असम के महान स्वतंत्रता सेनानियों में से एक के रूप में जाना जाता है
- 26 फरवरी 1858 को निधन



@BOC_MIB

लोक संपर्क और संचार ब्यूरो
सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय
भारत सरकार



BOC_MIB



#AmritMahotsav

Amrit Mahotsav Series #175

Maniram Dewan

(17 April 1806 - 26 February 1858)



- Born on 17 April 1806
- A freedom fighter and businessman
- Was an inspiration to many people in the freedom struggle
- Was the first to shape tea gardens in Assam
- Left his job from Assam Tea company to join the freedom struggle
- Protested against the British during India's first war of Independence in 1857
- Known as one of the greatest freedom fighters of Assam
- Died on **26 February 1858**



@BOC_MIB

Bureau of Outreach and Communication
Ministry of Information and Broadcasting
Government of India



BOC_MIB

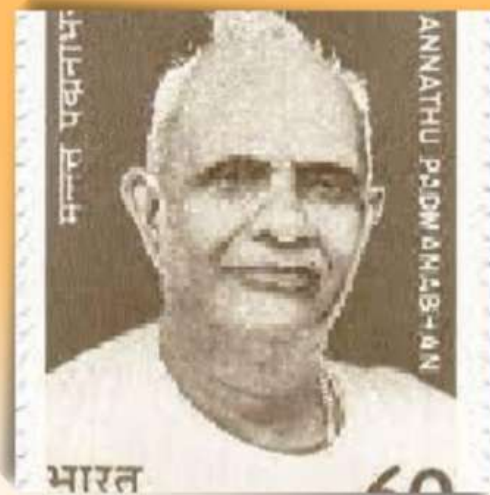


#AmritMahotsav

अमृत महोत्सव श्रृंखला #174

मन्नाथु पद्मनाभ पिल्लई

(2 जनवरी 1878 - 25 फरवरी 1970)



- समाज सुधारक और स्वतंत्रता सेनानी
- नायर समुदाय का प्रतिनिधित्व करने वाली नायर सर्विस सोसाइटी (एनएसएस) की स्थापना की
- ग्रामीण समाज की पुरानी अवधारणा 'करयोगाम' को पुनर्जीवित किया और नया रूप दिया
- वायकॉम (1924) और गुरुवायूर (1931) मंदिर-प्रवेश सत्याग्रह में भाग लिया
- भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन में भाग लिया
- त्रावणकोर विधानसभा के सदस्य रहे
- भारत के राष्ट्रपति द्वारा 1966 में पद्म भूषण और भारत केसरी सम्मान मिला
- **25 फरवरी 1970** को निधन



@BOC_MIB

लोक संपर्क और संचार ब्यूरो
सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय
भारत सरकार



BOC_MIB

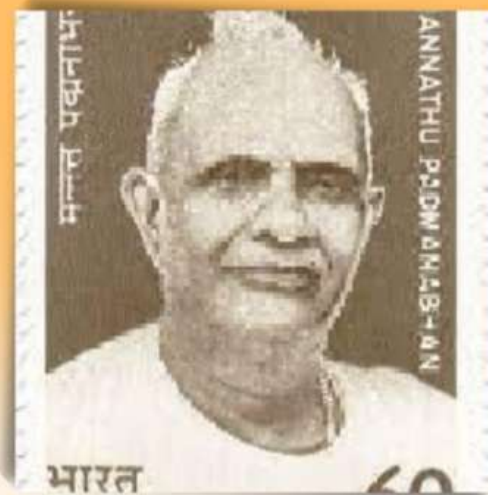


#AmritMahotsav

Amrit Mahotsav Series #174

Mannathu Padmanabha Pillai

(2 January 1878 - 25 February 1970)



- A social reformer and freedom fighter
- Founded the Nair Service Society (NSS), which represents the Nair community
- Revived and reshaped the old concept of village societies, the Karayogams, which practically set the tenor of family and village life
- Took part in the Vaikom (1924) and Guruvayoor (1931) temple-entry Satyagrahas
- Participated in the Indian Freedom Movement
- Was a member of the Travancore Legislative Assembly
- Received Padma Bhushan in 1966 and Bharata Kesari by the President of India
- Died on **25 February 1970**



@BOC_MIB

Bureau of Outreach and Communication
Ministry of Information and Broadcasting
Government of India



BOC_MIB



#AmritMahotsav

अमृत महोत्सव श्रृंखला #173

रविशंकर व्यास

(25 फरवरी 1884 - 1 जुलाई 1984)



- 25 फरवरी 1884 को जन्म
- स्वतंत्रता सेनानी और सामाजिक कार्यकर्ता
- महात्मा गांधी और सरदार वल्लभभाई पटेल के साथ मिलकर काम किया
- भारतीय स्वतंत्रता संग्राम में भाग लिया
- बारडोली सत्याग्रह और भारत छोड़ो आंदोलन में सक्रिय रूप से भाग लिया
- विनोबा भावे के नेतृत्व में हुए भूदान आंदोलन से जुड़े थे
- पिछड़े वर्ग और दलितों के उत्थान की दिशा में काम किया
- 1 जुलाई 1984 को 100 वर्ष की आयु में निधन



@BOC_MIB

लोक संपर्क और संचार ब्यूरो
सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय
भारत सरकार



BOC_MIB



#AmritMahotsav

Amrit Mahotsav Series #173

Ravishankar Vyas

(25 February 1884 - 1 July 1984)



- Born on **25 February 1884**
- A freedom fighter and social worker
- Worked closely with Mahatma Gandhi and Sardar Vallabhbhai Patel
- Participated in the Indian freedom struggle
- Actively participated in the Bardoli Satyagraha and Quit India Movement
- Was associated with the Bhoodan Movement led by Vinoba Bhave
- Worked towards the upliftment of backward class and Dalits
- Died on 1 July 1984 at the age of 100



@BOC_MIB

Bureau of Outreach and Communication
Ministry of Information and Broadcasting
Government of India



BOC_MIB



#AmritMahotsav

अमृत महोत्सव श्रृंखला #172

गाडगे महाराज

(23 फरवरी 1876 - 20 दिसंबर 1956)



- 23 फरवरी 1876 को जन्म
- भिक्षुक-संत और समाज सुधारक
- सामाजिक न्याय के लिए सुधारों को बढ़ावा दिया
- बाबा साहेब डॉ भीमराव अंबेडकर के व्यक्तित्व और कार्यों से प्रभावित थे
- उन्होंने अपने "कीर्तन" के माध्यम से लोगों को उपदेश देकर समाज सुधार का वही काम किया जिसे डॉ अंबेडकर ने राजनीति के माध्यम से किया था
- बाबासाहेब ने उन्हें ज्योतिराव फुले के बाद लोगों का सबसे बड़ा सेवक बताया था
- 20 दिसंबर 1956 को मृत्यु



@BOC_MIB

लोक संपर्क और संचार ब्यूरो
सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय
भारत सरकार



BOC_MIB



#AmritMahotsav

Amrit Mahotsav Series #172

Gadge Maharaj

(23 February 1876 - 20 December 1956)



- Born on **23 February 1876**
- A mendicant-saint and social reformer
- Promoted and initiated reforms for social justice
- Was impressed by Babasaheb's personality and work
- Did social reform work by preaching to the people through his "kirtan" which was done by Dr. Ambedkar through politics
- Dr. Babasaheb Ambedkar had described him as the greatest servant of the people after Jyotirao Phule
- Died on 20 December 1956



@BOC_MIB

Bureau of Outreach and Communication
Ministry of Information and Broadcasting
Government of India



BOC_MIB



#AmritMahotsav

अमृत महोत्सव श्रृंखला #171

इंदुलाल याग्निक

(22 फरवरी 1892 - 17 जुलाई 1972)



- 22 फरवरी 1892 को जन्म
- स्वतंत्रता सेनानी और लेखक
- मैडम भीकाजी कामा द्वारा पहराए गए भारतीय तिरंगे झंडे को जर्मनी से भारत लाए
- अखिल भारतीय किसान सभा के नेता रहे
- सर्वेक्ट्स ऑफ इंडिया सोसाइटी और होम रूल आंदोलन में शामिल हुए
- गांधी जी के नेतृत्व में किए जा रहे खेड़ा सत्याग्रह में भाग लिया
- 17 जुलाई 1972 को मृत्यु



@BOC_MIB

लोक संपर्क और संचार ब्यूरो
सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय
भारत सरकार



BOC_MIB



#AmritMahotsav

Amrit Mahotsav Series #171

Indulal Yagnik

(22 February 1892 - 17 July 1972)



- Born on **22 February 1892**
- An Indian freedom fighter and writer
- Brought Indian tri colour flag hoisted by Madam Bhikaji Cama from Germany to India
- Was a leader of the All India Kisan Sabha
- Joined the Servants of India Society and the Home Rule Movement
- Participated in the Kheda Satyagraha led by Gandhi
- Died on 17 July 1972



@BOC_MIB

Bureau of Outreach and Communication
Ministry of Information and Broadcasting
Government of India



BOC_MIB

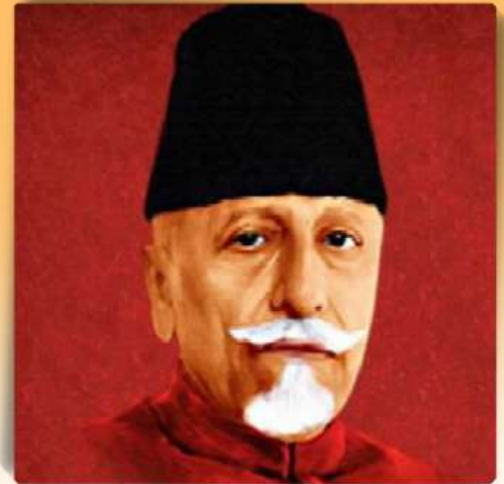


#AmritMahotsav

अमृत महोत्सव श्रृंखला #170

मौलाना अबुल कलाम आजाद

(11 नवंबर 1888 - 22 फरवरी 1958)



- 11 नवंबर 1888 को मक्का में जन्म
- चर्चित शिक्षाविद, कवि और स्वतंत्रता आंदोलन के प्रमुख नेताओं में शामिल
- अरविंद घोष और श्री श्याम सुंदर चक्रवर्ती से मिलने के बाद ब्रिटिश शासन के खिलाफ क्रांतिकारी आंदोलन से जुड़े
- पूरे उत्तर भारत और बंबई में खुफिया क्रांतिकारी केंद्र स्थापित किए
- राष्ट्रवाद और क्रांतिकारी विचारों का प्रचार करने के लिए 'अल-हिलाल' और बाद में 'अल-बलाग' नाम से उर्दू की साप्ताहिक पत्रिकाएँ शुरू कीं
- खिलाफत आंदोलन की शुरुआत की और असहयोग आंदोलन के समर्थक रहे
- स्वतंत्र भारत के पहले शिक्षा मंत्री बने
- साल 1992 में भारत के सर्वोच्च नागरिक सम्मान 'भारत रत्न' से मरणोपरांत सम्मानित किए गए
- **22 फरवरी 1958** को निधन



@BOC_MIB

लोक संपर्क और संचार ब्यूरो
सूचना और प्रसारण मंत्रालय
भारत सरकार



BOC_MIB

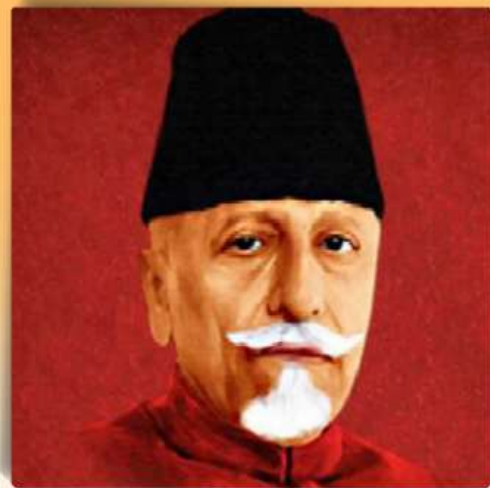


#AmritMahotsav

Amrit Mahotsav Series #170

MAULANA ABUL KALAM AZAD

(11 November 1888 - 22 February 1958)



- Born on 11 November 1888 in Mecca
- A renowned scholar, poet and one of the foremost leaders of Indian freedom struggle
- Joined the revolutionary movement against British rule after meeting Aurobindo Ghosh and Sri Shyam Shundar Chakravarty of Bengal
- Set up secret revolutionary centers all over north India and Bombay
- Started weekly journal in Urdu called Al-Hilal and later Al-Balagh with the mission of propagating nationalism and revolutionary ideas
- Started the Khilafat Movement and was a supporter of Non cooperation movement
- Was the first education minister of Independent India
- Awarded India's highest civilian honour, Bharat Ratna in 1992
- Died on **22 February 1958**



@BOC_MIB

Bureau of Outreach and Communication
Ministry of Information and Broadcasting
Government of India



BOC_MIB



#AmritMahotsav

Amrit Mahotsav Series #169

क्लेमेंट एटली की घोषणा और स्वाधीनता

(20 फरवरी 1947)

ब्रिटेन के तत्कालीन प्रधानमंत्री क्लेमेंट एटली ने 20 फरवरी 1947 को भारतीय उपमहाद्वीप छोड़ने की मंशा की घोषणा की थी। इसमें कहा गया कि:

- सत्ता हस्तांतरण के लिए 30 जून 1948 की समय सीमा तय की गई चाहे तब तक संविधान बनाने पर भारतीय राजनेता सहमत नहीं हों
- यदि संविधान सभा पूर्णतः प्रतिनिधित्व वाली नहीं हुई तो ब्रिटिश सरकार या तो केंद्र सरकार या कुछ इलाकों में मौजूदा प्रांतीय सरकारों को सत्ता सौंपेगी
- ब्रिटिश शक्तियां और उत्तरदायित्व के साथ-साथ रियासतें सत्ता हस्तांतरण के पश्चात समाप्त हो जाएंगी लेकिन इन्हें ब्रिटिश भारत में उत्तराधिकारी को नहीं सौंपा जाएगा
- वेवेल की जगह माउंटबेटन वायसराय होंगे



@BOC_MIB

लोक संपर्क और संचार ब्यूरो
सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय
भारत सरकार



BOC_MIB



#AmritMahotsav

Amrit Mahotsav Series #169

Clement Attlee's Declaration & Independence

(20 February 1947)

Clement Attlee, the British Prime Minister made an announcement on February 20, 1947, declaring the British intention of leaving the Indian subcontinent. It said:

- A deadline of June 30, 1948, was fixed for the transfer of power even if the Indian politicians had not agreed by that time on the constitution
- The British would relinquish power either to some form of central government or in some areas to the existing provincial governments if the constituent assembly was not fully representative
- British powers and obligations vis-a-vis the princely states would lapse with transfer of power, but these would not be transferred to any successor government in British India
- Mountbatten would replace Wavell as the viceroy



@BOC_MIB

Bureau of Outreach and Communication
Ministry of Information and Broadcasting
Government of India



BOC_MIB



#AmritMahotsav

Amrit Mahotsav Series #168

गोपाल कृष्ण गोखले

(9 मई 1866 - 19 फरवरी 1915)



- समाज सुधारक और महात्मा गांधी के राजनीतिक संरक्षक
- एक शिक्षाविद् जिन्होंने भारत के स्वाधीनता आंदोलन में अनुकरणीय नेतृत्व प्रदान किया
- 1902 में, उन्होंने राजनीति में प्रवेश करने के लिए फर्ग्युसन कॉलेज, पुणे में इतिहास और राजनीतिक अर्थव्यवस्था के प्रोफेसर के पद से इस्तीफा दिया
- स्वराज के पक्षधर और शिक्षा तथा सामाजिक सुधार की दिशा में महत्वपूर्ण योगदान दिया
- सामाजिक सुधार के लिए उनकी गहरी चिंता ने उन्हें सर्वेड्स ऑफ इंडिया सोसाइटी (1905) स्थापित करने के लिए प्रेरित किया
- अंग्रेजी साप्ताहिक समाचार पत्र 'हितवाद' की शुरुआत की
- उन्होंने अस्पृश्यों के साथ दुर्व्यवहार का विरोध किया और दक्षिण अफ्रीका में रहने वाले गरीब भारतीयों के हितों को आगे बढ़ाया
- **19 फरवरी 1915** को मृत्यु



@BOC_MIB

लोक संपर्क और संचार ब्यूरो
सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय
भारत सरकार



BOC_MIB



#AmritMahotsav

Amrit Mahotsav Series #168

Gopal Krishna Gokhale

(9 May 1866 - 19 February 1915)



- A social reformer & political mentor of Mahatma Gandhi
- An educationist who provided exemplary leadership to India's freedom movement
- In 1902, he resigned as professor of history & political economy at Fergusson College, Pune, to enter politics
- An advocate of Swaraj & made a significant contribution towards education & social reform
- His deep concern with social reform led him to establish the Servants of India Society (1905)
- Started english weekly newspaper, The Hitavada
- He opposed the ill-treatment of untouchables & also took up the cause of impoverished Indians living in South Africa
- Died on **19 February 1915**



@BOC_MIB

Bureau of Outreach and Communication
Ministry of Information and Broadcasting
Government of India



BOC_MIB



Amrit Mahotsav Series #167

#AmritMahotsav

भारतीय होम रूल सोसायटी

(18 फरवरी 1905)

18 फरवरी 1905 को स्थापित भारतीय होम रूल सोसाइटी उस समय के विक्टोरियन पब्लिक इंस्टीट्यूशन्स के अनुरूप एक महानगरीय संगठन था। यह 1905 में लंदन में स्थापित एक भारतीय संगठन था जिसने ब्रिटिश भारत में स्व-शासन की मांग की थी। ब्रिटेन में भीकाजी कामा, दादाभाई नौरोजी और एस.आर. राना जैसे प्रमुख भारतीय राष्ट्रवादियों के समर्थन से श्यामजी कृष्ण वर्मा ने इसका गठन किया।

इसका एक लिखित संविधान था जिसमें कहा गया था कि इसका उद्देश्य "भारत के लिए स्व-शासन" की व्यवस्था करना और सभी व्यावहारिक तरीकों से देश की बातों का प्रचार करना था। इसकी सदस्यता सिर्फ भारतीयों के लिए ही थी और इसको ब्रिटेन में भारतीय समुदाय से बहुत समर्थन मिला।



@BOC_MIB

लोक संपर्क और संचार ब्यूरो
सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय
भारत सरकार



BOC_MIB



Amrit Mahotsav Series #167

#AmritMahotsav

Indian Home Rule Society

18 February 1905

Founded on **18 February 1905**, the IHRS was a metropolitan organisation modelled after Victorian public institutions of the time. It was an Indian organisation founded in London in 1905 that sought to promote the cause of self-rule in British India. Founded by Shyamji Krishna Varma, with support from a number of prominent Indian nationalists in Britain, including Bhikaji Cama, Dadabhai Naoroji & S.R. Rana.

It had a written constitution and the stated aims to "secure Home Rule for India, & to carry on a genuine Indian propaganda in this country by all practicable means. The IHRS was open for membership "to Indians only" & found significant support amongst Indian populations in Britain.



@BOC_MIB

Bureau of Outreach and Communication
Ministry of Information and Broadcasting
Government of India



BOC_MIB



#AmritMahotsav

Amrit Mahotsav Series #166



श्री रामकृष्ण परमहंस

(18 फरवरी 1836 - 16 अगस्त 1886)

- **18 फरवरी 1836** को जन्म
- एक योगी जिसने जटिल आध्यात्मिक अवधारणाओं को स्पष्ट और आसान तरीके से समझाया
- प्रत्येक आत्मा में परमात्मा का अंश होने में विश्वास करते थे
- जनता में आध्यात्मिक और नैतिकता की जागृति करने वालों में प्रमुख
- इनके प्रमुख शिष्यों में से एक स्वामी विवेकानंद ने रामकृष्ण मिशन के माध्यम से दुनिया को इनकी शिक्षा और दर्शन के बारे में बताया
- इनके सिद्धांतों और विचारों ने कई स्वतंत्रता सेनानियों को प्रेरित किया
- इनकी शिक्षाएं ऋषियों की शिक्षाओं की भांति प्राचीन और परंपरागत थीं, फिर भी वे लंबे समय तक प्रासंगिक बने रहे



@BOC_MIB

लोक संपर्क और संचार ब्यूरो
सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय
भारत सरकार



BOC_MIB

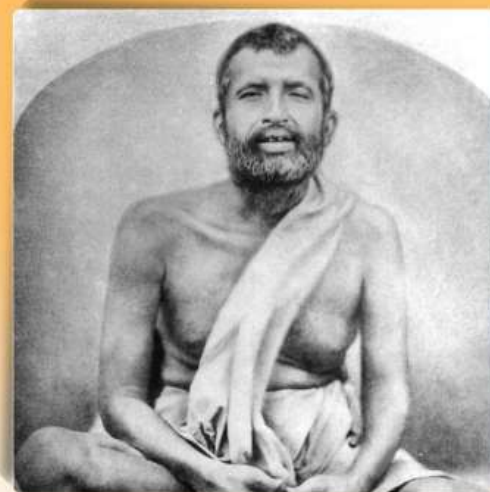


#AmritMahotsav

Amrit Mahotsav Series #166

Sri Ramakrishna Paramhansa

(18 February 1836 - 16 August 1886)



- Born on **18 February 1836**
- A mystic & a yogi who explained complex spiritual concepts into lucid and easily intelligible manner
- Believed in divine embodiment of the Supreme Being in every individual
- A key figure in the spiritual and morale awakening of masses
- His most prominent disciple Swami Vivekananda carried on his teachings & philosophy to the world through Ramakrishna Mission
- His principles and thoughts inspired many freedom fighters of India
- His teachings were as traditional as ancient sages and seer, yet he remains contemporary throughout the ages



@BOC_MIB

Bureau of Outreach and Communication
Ministry of Information and Broadcasting
Government of India



BOC_MIB



#AmritMahotsav

Amrit Mahotsav Series #165



वीर बुधु भगत

(17 फरवरी 1792 - 13 फरवरी 1832)

- **17 फरवरी 1792** को जन्म
- ब्रिटिश शासन के खिलाफ आज़ादी की लड़ाई में शहीद होने वाले प्रथम क्रांतिकारी
- अंग्रेजों की तोप और बंदूकों के सामने कुल्हाड़ी जैसे अपरंपरागत हथियारों से लड़े
- अंग्रेजों के अन्याय के खिलाफ आदिवासियों को उनके हक और अधिकार के लिए लड़ना सिखाया
- 1832 में आदिवासी क्षेत्रों में ब्रिटिश शासन के खिलाफ कोल आंदोलन के नेतृत्व में अपार साहस का प्रदर्शन किया
- गुरिल्ला युद्ध में आदिवासियों को प्रशिक्षित किया तथा इसमें अंग्रेजों को कई बार हराया
- देश के लिए लड़ते हुये शहीद हुए



@BOC_MIB

Bureau of Outreach and Communication
Ministry of Information and Broadcasting
Government of India



BOC_MIB



#AmritMahotsav

Amrit Mahotsav Series #165



Veer Budhu Bhagat

(17 February 1792 - 13 February 1832)

- Born on **17 February 1792**
- First revolutionary to be martyred in the fight for freedom, against British rule
- Fought against the cannons & guns of the British with unconventional weapons like axes
- Taught the tribals to fight for their rights against the injustice by British
- Displayed immense courage & stewardship in initiating the Kol rebellion in 1832 against British rule in tribal areas
- Trained the tribals in guerrilla warfare & defeated the English army several times
- Martyred while fighting for the country



@BOC_MIB

Bureau of Outreach and Communication
Ministry of Information and Broadcasting
Government of India



BOC_MIB



#AmritMahotsav

Amrit Mahotsav Series #164



रानी गाईदिन्ल्यू

(26 जनवरी 1915 - 17 फरवरी 1993)

- नागा नेता और स्वतंत्रता सेनानी
- 1927 में 13 वर्ष की अल्पायु में अपने चचेरे भाई के साथ हेराका आंदोलन में भाग लिया, जिसका उद्देश्य नागा आदिवासियों के धर्म को पुनर्जीवित करना और स्व-शासन को स्थापित करना था
- 1932 में सिर्फ 16 वर्ष की उम्र में ब्रिटिश सरकार द्वारा आजीवन कारावास की सज़ा सुनाई गई थी
- 1947 में रिहाई के बाद इन्होंने अपने समुदाय के उत्थान के लिए कार्य करती रहीं
- इन्हें 'पहाड़ों की बेटी' के रूप में जाना जाता है तथा इनके साहस के लिए इन्हें "रानी" की उपाधि मिली
- पद्म भूषण से सम्मानित हुईं
- राज्य सरकार ने सिल्वर, असम में इनके सम्मान में उनकी मूर्ति स्थापित कर एक पार्क का निर्माण किया
- भारत सरकार ने इनके सम्मान में 1996 में एक डाक टिकट तथा 2015 में एक स्मारक सिक्का जारी किया
- **17 फरवरी 1993** को मृत्यु



@BOC_MIB

Bureau of Outreach and Communication
Ministry of Information and Broadcasting
Government of India



BOC_MIB



#AmritMahotsav

Amrit Mahotsav Series #164



Rani Gaidinliu

(26 January 1915 - 17 February 1993)

- A Naga leader and freedom fighter
- In 1927, at the age of 13, Gaidinliu, along with her cousin, joined the Heraka movement, which aimed at revival of the Naga tribal religion and establish self-rule of the Nagas
- Arrested in 1932 when she was just 16, and was sentenced to life imprisonment by the British rulers.
- After being released in 1947 continued to work for the betterment of the community.
- She is known as the “daughter of the hills” & got the title of ‘Rani’ for her courage
- Was awarded Padma Bhushan
- The state government has developed a park along with a statue to honour the late freedom fighter in Silchar, Assam.
- The Government of India issued a postal stamp in her honour in 1996, and commemorative coin in 2015
- Died on **17 February 1993**



@BOC_MIB

Bureau of Outreach and Communication
Ministry of Information and Broadcasting
Government of India



BOC_MIB



#AmritMahotsav

Amrit Mahotsav Series #163



वासुदेव बलवंत फडके

(04 नवंबर 1845 - 17 फरवरी 1883)

- आधुनिक भारत के प्रथम क्रांतिकारी
- ग्रामीण भारत में लोगों की दुर्दशा से व्यथित हुए
- ब्रिटिश राज के अत्याचार के खिलाफ क्रांतिकारी संगठन बनाने हेतु लोगों को प्रेरित किया
- लोकमान्य तिलक, लाला लाजपत राय और बिपिन चंद्र पाल से पूर्व जनता को स्वराज का महत्व समझाया
- देशभक्ति की संस्कृति के उत्थान में अहम भूमिका निभाई
- खादी और स्वदेशी उत्पादों के इस्तेमाल का संकल्प किया
- 'भारतीय स्वतंत्रता के लिए सशस्त्र संघर्ष का जनक' कहा जाता है
- **17 फरवरी 1883** को मृत्यु



@BOC_MIB

Bureau of Outreach and Communication
Ministry of Information and Broadcasting
Government of India



BOC_MIB



#AmritMahotsav

Amrit Mahotsav Series #163

Vasudev Balvant Phadke

(04 November 1845 - 17 February 1883)



- Modern India's first revolutionary
- Was moved by the plight of the people in rural India
- Inspired people to form revolutionary group to protest against tyrannical British rule
- Promoted importance of Swaraj among masses before Lokmanya Tilak, Lala Lajpat Rai & Bipin Chandra Pal
- Played important role in developing culture of patriotism
- Took a vow to use Khadi & Swadeshi
- Called the 'Father of the Armed Struggle for India's Freedom'
- Died on **17 February 1883**



@BOC_MIB

Bureau of Outreach and Communication
Ministry of Information and Broadcasting
Government of India



BOC_MIB

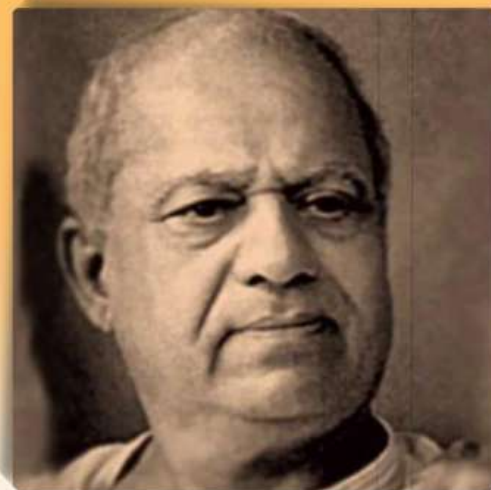


#AmritMahotsav

Amrit Mahotsav Series #162

दादासाहब फाल्के

(30 अप्रैल 1870 - 16 फरवरी 1944)



- भारतीय निर्माता, निर्देशक, पटकथा लेखक
- इनकी प्रथम फिल्म 1913 में प्रदर्शित हुई राजा हरिश्चंद्र थी, जो भारत की पहली फिल्म थी और इसे भारत की पहली पूर्ण लंबाई वाली फीचर फिल्म के रूप में जाना जाता है
- इनको 'भारतीय सिनेमा का जनक' कहा जाता है
- ऐसे समय में जब ब्रितानियों ने राष्ट्रवादी विचारों को दबाया तब भारतीय सिनेमा जनता से संवाद के लिए एक सशक्त माध्यम के रूप में उभरा
- भारतीय सिनेमा में इनकी फिल्मों ने राष्ट्रवादी भावनाओं को जगाकर औपनिवेशिक भारत में अंग्रेजों के प्रभुत्व को चुनौती देकर देश के आम लोगों के मनोबल और आत्मसम्मान को बढ़ाया
- भारत सरकार द्वारा इनकी स्मृति में प्रतिवर्ष सिनेमा में विशिष्ट योगदान के लिए 'दादा साहब फाल्के पुरस्कार' प्रदान किया जाता है
- **16 फरवरी 1944** को मृत्यु



@BOC_MIB

लोक संपर्क और संचार ब्यूरो
सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय
भारत सरकार



BOC_MIB

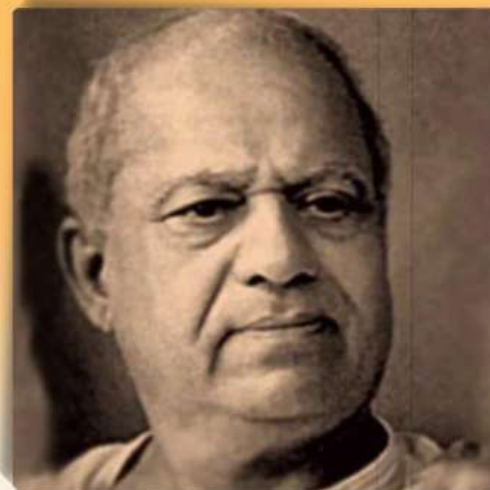


#AmritMahotsav

Amrit Mahotsav Series #162

Dadasaheb Phalke

(30 April 1870 - 16 February 1944)



- Indian producer-director-screenwriter
- His debut film, Raja Harishchandra, was the first Indian movie released in 1913 and is now known as India's first full-length feature film
- He is known as 'the Father of Indian cinema'
- At a time when British censorships suppressed all forms of nationalist views, the Indian cinema emerged as a powerful medium to communicate to masses
- His movies in Indian Cinema inculcated nationalist sentiments to challenge the English psyche of domination and boosted the morale and self esteem of people in colonial India
- The Dadasaheb Phalke Award, awarded for lifetime contribution to cinema by the Government of India, is named in his honour
- Died on **16 February 1944**



@BOC_MIB

Bureau of Outreach and Communication
Ministry of Information and Broadcasting
Government of India



BOC_MIB



Amrit Mahotsav Series #161

#AmritMahotsav

सुभद्रा कुमारी चौहान

(16 अगस्त 1904 - 15 फरवरी 1948)



- कवयित्री एवं स्वतंत्रता सेनानी
- 1921 में पति के साथ असहयोग आंदोलन में भाग लिया
- नागपुर में गिरफ्तार होने वाली प्रथम महिला सत्याग्रही, 1923 और 1942 में ब्रिटिश शासन के खिलाफ विरोध प्रदर्शन में भाग लेने के कारण दो बार जेल गईं
- अनेक प्रसिद्ध हिंदी कविताओं की रचना की
- सबसे प्रसिद्ध रचना 'झांसी की रानी' है, जो भावनाओं से ओत-प्रोत कविता है जिसमें झांसी की रानी लक्ष्मीबाई के साहसिक जीवन पर प्रकाश डाला गया है
- प्रसिद्ध साहित्यिक व्यक्तित्व के रूप में इनके लेखन कार्य में तत्कालीन परिस्थितियों को बताती मजबूत राष्ट्रवादी भावना की झलक मिलती है
- **15 फरवरी 1948** को मृत्यु
- भारतीय डाक विभाग ने 6 अगस्त 1976 को इनकी स्मृति में एक डाक टिकट जारी किया



@BOC_MIB

लोक संपर्क और संचार ब्यूरो
सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय
भारत सरकार



BOC_MIB



#AmritMahotsav

Amrit Mahotsav Series #161

Subhadra Kumari Chauhan

(16 August 1904 - 15 February 1948)



- A poet & freedom fighter
- Joined Non-Cooperation Movement in 1921 with her husband
- First woman Satyagrahi to court arrest in Nagpur & was jailed twice for involvement in protests against the British rule in 1923 & 1942
- Authored a number of popular works in Hindi poetry
- Most famous composition is Jhansi Ki Rani, an emotionally charged poem describing the life of Queen of Jhansi Lakshmi Bai
- As a renowned literary figure, her writings contained a strong nationalist undertone as a reflection of the times she lived in
- Died on **15 February 1948**
- On 6 August, 1976, India Posts released a postage stamp to commemorate her



@BOC_MIB

Bureau of Outreach and Communication
Ministry of Information and Broadcasting
Government of India



BOC_MIB



#AmritMahotsav

Amrit Mahotsav Series #160

अक्कम्मा चेरियन

(14 फरवरी 1909- 5 मई 1982)



- **14 फरवरी 1909** को जन्म
- स्वतंत्रता सेनानी और अध्यापिका
- गांधीजी ने उन्हें 'त्रावणकोर की झांसी की रानी' के नाम से सम्मानित किया
- भारतीय स्वतंत्रता संग्राम में भाग लेने के लिए शिक्षिका की अपनी नौकरी छोड़ दी
- देश सेविका संघ नामक संगठन का गठन किया और देश में घूम-घूम कर महिलाओं से इस संगठन में भाग लेने के लिए अपील की
- इनके अथक प्रयत्नों से देश के स्थानीय निकायों में महिला स्वयंसेवकों की संख्या में वृद्धि हुई
- सविनय अवज्ञा आंदोलन के लिए एक जनसभा का नेतृत्व किया और भारत छोड़ो आंदोलन में भाग लिया
- 5 मई 1982 को मृत्यु



@BOC_MIB

लोक संपर्क और संचार ब्यूरो
सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय
भारत सरकार



BOC_MIB



#AmritMahotsav

Amrit Mahotsav Series #160

Accamma Cherian

(14 February 1909 - 5 May 1982)



- Born on **14 February 1909**
- A freedom fighter and teacher
- Gandhi ji hailed her as 'The Rani of Jhansi of Travancore'
- Quit her teaching job to join India's freedom movement
- Organised the Desasevika Sangh (Female Volunteer Corps) and travelled across the country to appeal to the women to join this organisation
- Her untiring efforts led to a surge in the number of women volunteers in the local bodies in the country
- Led a mass rally under the Civil Disobedience Movement and participated in the Quit India Movement
- Died on 5 May 1982



@BOC_MIB

Bureau of Outreach and Communication
Ministry of Information and Broadcasting
Government of India



BOC_MIB



#AmritMahotsav

Amrit Mahotsav Series #159

नई दिल्ली भारत की राजधानी बनी

(13 फरवरी 1931)



भारत के तत्कालीन वायसराय लॉर्ड इरविन ने **13 फरवरी 1931** को नई दिल्ली को भारत की नई राजधानी बनाया। तब से सरकार को चलाने के लिए आवश्यक सभी शाखाओं (विधायी, न्यायपालिका और कार्यपालिका) के साथ नई दिल्ली सरकार का केंद्र बन गई।

नई दिल्ली के भारत की राजधानी बनने से पहले कोलकाता को देश की राजधानी होने का गौरव प्राप्त था। हालांकि दिल्ली को भारत पर पूर्व में शासन कर चुके कई साम्राज्यों द्वारा वित्तीय एवं राजनीतिक केंद्र होने का गौरव प्राप्त था।

दिल्ली के लिए प्रारंभिक योजना और वास्तुकला हर्बर्ट बेकर और एडविन लुटियंस नामक दो ब्रिटिश वास्तुकारों द्वारा की गई थी। निर्माण कार्य प्रथम विश्व युद्ध के बाद शुरू हुआ तथा संपूर्ण निर्माण कार्य 1931 तक सम्पन्न हुआ। अंततः शहर को 13 फरवरी 1931 को भारत के तत्कालीन वायसराय लॉर्ड इरविन द्वारा राजधानी बनाया गया।



@BOC_MIB

Bureau of Outreach and Communication
Ministry of Information and Broadcasting
Government of India



BOC_MIB



#AmritMahotsav

Amrit Mahotsav Series #159

New Delhi became the capital of India

(13 February 1931)



Lord Irwin, India's then Viceroy, inaugurated New Delhi on **13 February 1931**, as the new capital of the country. Since then, New Delhi has become the center of government, with all the branches (legislative, judiciary and executive) needed to run the country.

Before New Delhi became the capital of India, Kolkata had the privilege of being the country's capital. However, Delhi had been the financial and political center of many empires that had earlier ruled India.

The initial planning and architecture for Delhi were done by two British architects, Herbert Baker and Edwin Lutyens. The construction work began after the First World War and the whole construction got over by 1931. The city was finally inaugurated by the then Viceroy of India, Lord Irwin, on 13 February 1931.



@BOC_MIB

Bureau of Outreach and Communication
Ministry of Information and Broadcasting
Government of India



BOC_MIB



Amrit Mahotsav Series #158

#AmritMahotsav

ज्ञानांजन नियोगी

(7 जनवरी 1891- 13 फरवरी 1956)



- 7 जनवरी 1891 को जन्म
- समाज सुधारक और स्वतंत्रता सेनानी
- स्वतंत्रता संग्राम और बंगाल विभाजन के खिलाफ आंदोलन में सक्रिय रूप से भागीदारी की
- कलकत्ता वर्किंग मैनस इंस्टीट्यूशन का गठन किया जिसने गरीबों को लाभ पहुँचाने के लिए शिक्षा और प्रशिक्षण कार्य किये
- स्वदेशी वस्तुओं के इस्तेमाल को बढ़ावा देने के लिए उन्होंने स्वदेशी मेले का आयोजन किया और 'स्वदेशी भंडार' नाम से स्थायी प्रदर्शनी स्थापित की
- कलकत्ता के तत्कालीन मेयर सुभाष चंद्र बोस के अनुरोध पर, उन्होंने वाणिज्यिक संग्रहालय स्थापित किया और स्वदेशी खरीदो आंदोलन चलाया
- स्वदेशी विनिर्मित उत्पादों को बढ़ावा देने के लिए रेल प्रदर्शनी का आयोजन किया
- 13 फरवरी 1956 को मृत्यु



@BOC_MIB

Bureau of Outreach and Communication
Ministry of Information and Broadcasting
Government of India



BOC_MIB



Amrit Mahotsav Series #158

#AmritMahotsav

Jnananjan Niyogi

(7 January 1891- 13 February 1956)



- Born on 7 January 1891
- A social reformer and freedom fighter
- Actively participated in the freedom struggle and the movement against partition of Bengal
- Formed the Calcutta Working Men's Institution which organised education and training activities to benefit the poor
- To promote the use of indigenous goods, he organised Swadeshi Mela and then set up a permanent exhibition named Swadeshi Bhandar
- At the request of Subhas Chandra Bose, then Mayor of Kolkata, he set up the Commercial Museum and organised a Buy Swadeshi movement
- Organised mobile exhibition on rails to promote indigenously manufactured products
- Died on **13 February 1956**



@BOC_MIB

Bureau of Outreach and Communication
Ministry of Information and Broadcasting
Government of India



BOC_MIB



Amrit Mahotsav Series #156

#AmritMahotsav

स्वामी दयानंद सरस्वती

(12 फरवरी 1824 - 30 अक्तूबर 1883)



- **12 फरवरी 1824** को टंकारा, गुजरात में जन्म
- आध्यात्मिक नेता और समाज सुधारक
- तत्कालीन समाज में सुधार लाने के उद्देश्य से 1875 में आर्य समाज की स्थापना की
- जातिवाद, बाल विवाह और स्त्रियों के खिलाफ भेदभाव का विरोध किया
- 'सत्यार्थ प्रकाश' नामक कालजयी पुस्तक लिखी जो समाज में सुधार लाने पर उनके विचार बताती है
- सबसे पहले 'स्वराज' का नारा दिया जिसे बाद में लोकमान्य तिलक ने आगे बढ़ाया
- 30 अक्तूबर 1883 को मृत्यु



@BOC_MIB

Bureau of Outreach and Communication
Ministry of Information and Broadcasting
Government of India



BOC_MIB



#AmritMahotsav

Amrit Mahotsav Series #156

Swami Dayananda Saraswati

(12 February 1824 - 30 October 1883)



- Born on **12 February 1824** in Tankara, Gujarat
- Spiritual leader and social reformer
- Founded Arya Samaj in 1875 with the aim to reform the prevailing society
- Condemned caste system, child marriage and discrimination against women
- Authored the epoch-making book Satyarth Prakash which enumerates his thoughts on reforms of society
- Was the first one to give the call for 'Swaraj' which was later followed by Lokmanya Tilak
- Died on 30 October 1883



@BOC_MIB

Bureau of Outreach and Communication
Ministry of Information and Broadcasting
Government of India



BOC_MIB



#AmritMahotsav

अमृत महोत्सव श्रृंखला #154

जमनालाल बजाज

(4 नवंबर 1889 - 11 फरवरी 1942)



- समाज सुधारक, स्वतंत्रता सेनानी और उद्योगपति
- 1921 में असहयोग आंदोलन, 1923 में नागपुर झंडा सत्याग्रह, 1929 में साइमन कमीशन के बहिष्कार और 1930 में नमक सत्याग्रह में भाग लिया
- गांधीजी के अनुयायी थे और अपने जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में गांधीवादी नैतिकता को अपनाते थे
- स्वतंत्रता मिलने तक साबरमती आश्रम में वापस नहीं जाने के गांधीजी के संकल्प के बाद बजाज ने गांधीजी को वर्धा के पास एक छोटे गांव सेवाग्राम में रहने में मदद की
- गौ-सेवा के क्षेत्र में अग्रणी कार्य किया
- समाज के कमजोर वर्गों के उत्थान, महिलाओं की शिक्षा, हिंदी का प्रचार, खादी और ग्रामोद्योग के विकास की दिशा में काम किया
- 11 फरवरी 1942 को निधन



@BOC_MIB

लोक संपर्क और संचार ब्यूरो
सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय
भारत सरकार



BOC_MIB



#AmritMahotsav

Amrit Mahotsav Series #154

Jamnalal Bajaj

(4 November 1889 - 11 February 1942)



- Born on 7 January 1891
- A social reformer and freedom fighter
- Actively participated in the freedom struggle and the movement against partition of Bengal
- Formed the Calcutta Working Men's Institution which organised education and training activities to benefit the poor
- To promote the use of indigenous goods, he organised Swadeshi Mela and then set up a permanent exhibition named Swadeshi Bhandar
- At the request of Subhas Chandra Bose, then Mayor of Kolkata, he set up the Commercial Museum and organised a Buy Swadeshi movement
- Organised mobile exhibition on rails to promote indigenously manufactured products
- Died on 13 February 1956



@BOC_MIB

Bureau of Outreach and Communication
Ministry of Information and Broadcasting
Government of India



BOC_MIB



#AmritMahotsav

अमृत महोत्सव श्रृंखला #153

तिलका मांझी

(11 फरवरी 1750 - 13 जनवरी 1785)



- 11 फरवरी 1750 को जन्म
- एक क्रांतिकारी आदिवासी नेता
- अंग्रेजों के विरुद्ध लड़ने वाले शुरुआती स्वतंत्रता सेनानियों में से एक थे
- औपनिवेशिक शासन के विरुद्ध लड़ने के लिए आदिवासियों को संगठित और प्रशिक्षित किया
- 13 जनवरी 1784 को, उन्होंने एक अंग्रेज प्रशासक को जहर लगे तीर से गंभीर रूप से घायल करते हुए प्रसिद्ध संथाल आंदोलन का नेतृत्व किया
- संथाल आंदोलन को इतिहास में दर्ज पहला सशस्त्र आंदोलन माना जाता है
- अंग्रेजों ने गिरफ्तार करके यातनाएं दीं जिससे उनकी मौत हो गयी
- 13 जनवरी 1785 को निधन



@BOC_MIB

लोक संपर्क और संचार ब्यूरो
सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय
भारत सरकार



BOC_MIB



#AmritMahotsav

Amrit Mahotsav Series #153

Tilka Manjhi

(11 February 1750 - 13 January 1785)



- Born on **11 February 1750**
- A revolutionary tribal leader
- Was one of the first freedom fighter to fight against the British
- Organized and trained the Adivasis to fight against colonial rule
- On 13 January 1784, he led the famous Santhal Uprising by fatally wounding a British administrator with poisoned arrow
- Santhal Uprising is considered the first documented armed uprising in historical records
- Was captured by the British and tortured to death
- Died on 13 January 1785



@BOC_MIB

Bureau of Outreach and Communication
Ministry of Information and Broadcasting
Government of India



BOC_MIB



#AmritMahotsav

अमृत महोत्सव श्रृंखला #152

नबीनचंद्र सेन

(10 फरवरी 1847 - 23 जनवरी 1909)



- 10 फरवरी 1847 को जन्म
- क्रांतिकारी कवि और लेखक
- उनके लेखन ने बंगाल में राष्ट्रवाद को जगाने में मदद की
- उन्होंने प्लासी की लड़ाई और ब्रिटिश शासन के भारत आने को "ए नाइट ऑफ इटरनल ग्लूम" (अनंत निराशा की रात) कहा
- पलाशीर जुद्ध, प्रभासेर पत्र, भानुमति और पांच खंडों में प्रकाशित उनकी आत्मकथा 'आमार जीवन' जैसे कार्यों के लिए जाने जाते हैं
- प्रसिद्ध संस्था 'बंगियो साहित्य परिषद' के संस्थापक थे जो बंगाली भाषा और साहित्य के विकास के लिए अभी भी काम कर रही है
- 23 जनवरी 1909 को निधन



@BOC_MIB

लोक संपर्क और संचार ब्यूरो
सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय
भारत सरकार



BOC_MIB



#AmritMahotsav

Amrit Mahotsav Series #152

Nabinchandra Sen

(10 February 1847 - 23 January 1909)



- Born on **10 February 1847**
- A revolutionary poet and writer
- His writings helped in arousing nationalism in Bengal
- He described the battle of Plassey and the arrival of British rule in India as "A Night of eternal gloom"
- Known for his works such as Palashir Juddha, Prabaser Patra, Bhanumati and his five volume autobiography Amar Jiban
- Was a founder of the famous organization Bangiyo Sahitya Parishad which is still functioning and working for the development of the Bengali language and literature
- Died on 23 January 1909



@BOC_MIB

Bureau of Outreach and Communication
Ministry of Information and Broadcasting
Government of India



BOC_MIB



#AmritMahotsav

अमृत महोत्सव श्रृंखला #151

तेलंगा खड़िया

(9 फरवरी 1806 - 23 अप्रैल 1880)



- 9 फरवरी 1806 को जन्म
- आदिवासी स्वतंत्रता सेनानी और क्रांतिकारी
- झारखंड की खड़िया जनजाति से संबंधित, आदिवासियों को ब्रिटिश अत्याचार और जमींदारी प्रथा के विरुद्ध लड़ने के लिए प्रोत्साहित किया
- औपनिवेशिक शासन के विरुद्ध गुरिल्ला युद्ध में लगभग 1500 प्रशिक्षित लोगों की एक सेना का गठन किया
- 1850-1880 की अवधि के दौरान, उन्होंने अंग्रेजों के विरुद्ध स्थानीय आदिवासियों को प्रशिक्षित किया
- झारखंड के गुमला जिले में खड़िया समुदाय के लोग तेलंगा खड़िया की याद में 'तेलंगा संवत' का पालन करते हैं
- 23 अप्रैल 1880 को मृत्यु



@BOC_MIB

लोक संपर्क और संचार ब्यूरो
सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय
भारत सरकार



BOC_MIB



#AmritMahotsav

Amrit Mahotsav Series #151

Telanga Kharia

(9 February 1806 - 23 April 1880)



- Born on **9 February 1806**
- A tribal freedom fighter and revolutionary
- Belonging to the Kharia tribe of Jharkhand, encouraged the tribals to fight against the British atrocities and zamindari system
- Formed an army of around 1500 trained men in guerrilla warfare against the colonial regime
- During the period of 1850-1880, he trained local tribals against the Britishers
- Kharia community in Gumla district of Jharkhand follows 'Telanga Samvat' in the memory of Telanga Kharia
- Died on 23 April 1880



@BOC_MIB

Bureau of Outreach and Communication
Ministry of Information and Broadcasting
Government of India



BOC_MIB



#AmritMahotsav

अमृत महोत्सव श्रृंखला #150

डॉ. जाकिर हुसैन

(8 फरवरी 1897 - 3 मई 1969)



- 8 फरवरी 1897 को जन्म
- स्वतंत्रता सेनानी, अर्थशास्त्री, शिक्षाविद और राजनीतिज्ञ
- महात्मा गांधी से प्रभावित होकर स्वतंत्रता आंदोलन में शामिल हुए
- खिलाफत और असहयोग आंदोलनों में भाग लिया
- महात्मा गांधी की 'बुनियादी तालीम' की संकल्पना के पुरजोर समर्थक थे
- उनकी अध्यक्षता में बुनियादी शिक्षा पर एक कमेटी का गठन हुआ जिसकी सिफारिशों को 'वर्धा बुनियादी शिक्षा स्कीम' नाम से जाना गया
- भारत के तीसरे राष्ट्रपति के रूप में कार्य किया
- 1963 में भारत रत्न (सर्वोच्च नागरिक सम्मान) से सम्मानित किया गया
- 3 मई 1969 को निधन



@BOC_MIB

लोक संपर्क और संचार ब्यूरो
सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय
भारत सरकार



BOC_MIB



#AmritMahotsav

Amrit Mahotsav Series #150

Dr. Zakir Husain

(8 February 1897 - 3 May 1969)



- Born on **8 February 1897**
- A freedom fighter, economist, educationist and politician
- Entered in the freedom movement under the influence of Mahatma Gandhi
- Participated in Khilafat and Non-Cooperation Movements
- Strongly associated with scheme of basic education (buniyadi talim), conceptualised by Mahatma Gandhi
- Under his chairpersonship, a committee was formed to frame the scheme of basic education whose recommendations are known as Wardha Scheme of Basic Education
- Served as the third President of India
- Was awarded the Bharat Ratna (India's highest civilian honour) in 1963
- Died on 3 May 1969



@BOC_MIB

Bureau of Outreach and Communication
Ministry of Information and Broadcasting
Government of India



BOC_MIB

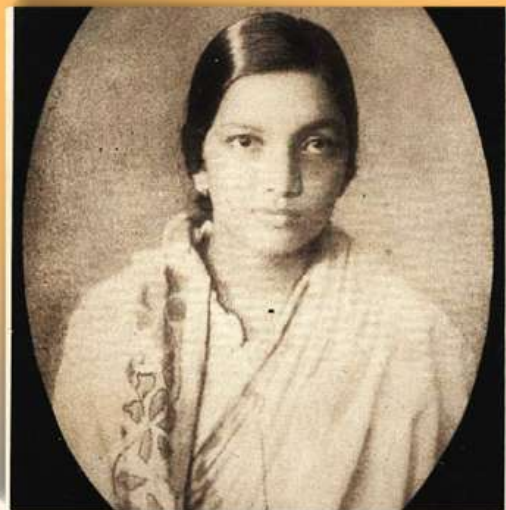


#AmritMahotsav

अमृत महोत्सव श्रृंखला #149

कल्पना दत्ता

(27 जुलाई 1913 - 8 फरवरी 1995)



- क्रांतिकारी और स्वतंत्रता सेनानी
- खुदीराम बोस की शहादत से प्रेरित हुईं
- 'मास्टर दा' नाम से लोकप्रिय सूर्य सेन के क्रांतिकारी संगठन में शामिल हुईं
- प्रसिद्ध चटगांव शस्त्रागार छापे में भाग लिया और परिणामस्वरूप आजीवन कारावास की सजा मिली
- भारतीयों के साथ भेदभाव करने वाले 'पहाड़तली यूरोपीय क्लब' (कोलकाता) पर किए गए पहले और दूसरे हमले में भाग लिया
- 8 फरवरी 1995 को निधन हो गया



@BOC_MIB

लोक संपर्क और संचार ब्यूरो
सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय
भारत सरकार



BOC_MIB

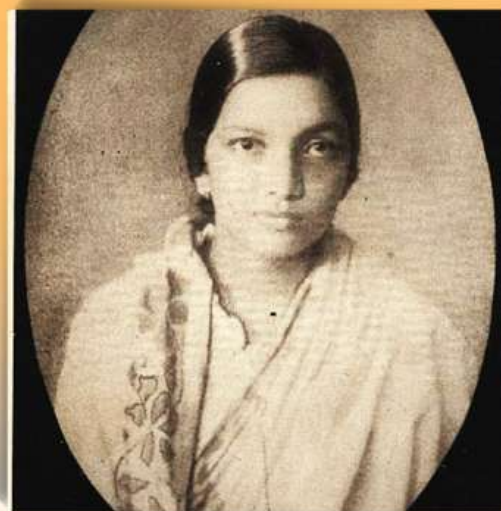


#AmritMahotsav

Amrit Mahotsav Series #149

Kalpana Dutta

(27 July 1913 - 8 February 1995)



- A revolutionary and freedom fighter
- Was inspired by the martyrdom of Khudiram Bose
- Was member of revolutionary group formed by Surya Sen, popularly known as Master Da
- Participated in the famous Chittagong armoury raid and sentenced to life as a result
- Participated in the first and second attack on Pahartali European Club (Kolkata), infamous for discriminating against Indians
- Died on **8 February 1995**



@BOC_MIB

Bureau of Outreach and Communication
Ministry of Information and Broadcasting
Government of India



BOC_MIB



#AmritMahotsav

अमृत महोत्सव श्रृंखला #148

मन्मथ नाथ गुप्त

(7 फरवरी 1908 - 26 अक्टूबर 2000)



- 7 फरवरी 1908 को जन्म
- क्रांतिकारी और लेखक
- 13 वर्ष की आयु में स्वतन्त्रता संग्राम में शामिल हुए
- हिंदुस्तान रिपब्लिकन एसोसिएशन के एक सक्रिय सदस्य थे
- 1925 में प्रसिद्ध काकोरी ट्रेन डकैती में भाग लिया था, नतीजन 14 वर्ष जेल में बिताने पड़े
- 1937 में जेल से रिहा होने के बाद, इन्होंने ब्रिटिश सरकार के खिलाफ लिखना शुरू किया
- 1939 में इन्हें दोबारा जेल भेजा गया और 1946 में रिहा हुए
- क्रांतिकारी के दृष्टिकोण से भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के इतिहास पर कई पुस्तकें लिखीं
- हिंदी साहित्यिक पत्रिका 'आजकल' के संपादक भी थे
- 26 अक्टूबर 2000 को मृत्यु



@BOC_MIB

लोक संपर्क और संचार ब्यूरो
सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय
भारत सरकार



BOC_MIB



#AmritMahotsav

Amrit Mahotsav Series #148

Manmath Nath Gupta

(7 February 1908 - 26 October 2000)



- Born on **7 February 1908**
- A revolutionary and author
- Joined the Indian independence movement at the age of 13
- Was an active member of the Hindustan Republican Association
- Participated in the famous Kakori train robbery in 1925 and was imprisoned for 14 years
- On release from jail in 1937, he started writing against the British government
- Was sentenced again in 1939 and released in 1946
- Wrote several books on the history of the Indian struggle for independence from a revolutionary's point of view
- Was also the editor of the Hindi literary magazine 'Aajkal'
- Died on 26 October 2000



@BOC_MIB

Bureau of Outreach and Communication
Ministry of Information and Broadcasting
Government of India



BOC_MIB



#AmritMahotsav

अमृत महोत्सव श्रृंखला #147

शचीन्द्र नाथ सान्याल

(3 अप्रैल 1890 - 7 फरवरी 1942)



- 3 अप्रैल 1890 को जन्म
- क्रांतिकारी और स्वतंत्रता सेनानी
- हिंदुस्तान रिपब्लिकन एसोसिएशन (एचआरए) के सह-संस्थापक (जो बाद में हिंदुस्तान सोशलिस्ट रिपब्लिकन एसोसिएशन बन गया)
- एचआरए ने भगत सिंह, सुखदेव, राजगुरु जैसे महान क्रांतिकारियों का मार्गदर्शन किया
- छोटी उम्र से ही क्रांतिकारी गतिविधियों में भाग लिया
- अनुशीलन समिति की एक शाखा के संस्थापक
- रास बिहारी बोस के जापान जाने के बाद, सान्याल को भारत के क्रांतिकारी आंदोलन के प्रमुख नेताओं में से एक माना गया
- काकोरी ट्रेन साजिश मामले में शामिल होने पर जेल की सजा हुई
- एकमात्र प्रसिद्ध स्वतंत्रता सेनानी जिन्होंने कुख्यात सेलुलर जेल की सजा दो बार काटी
- 7 फरवरी 1942 को मृत्यु



@BOC_MIB

लोक संपर्क और संचार ब्यूरो
सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय
भारत सरकार



BOC_MIB



#AmritMahotsav

Amrit Mahotsav Series #147

Sachindra Nath Sanyal

(3 April 1890 – 7 February 1942)



- Born on 3 April 1890
- A revolutionary and freedom fighter
- Co-founder of Hindustan Republican Association (HRA) (later became Hindustan Socialist Republican Association)
- HRA mentored great freedom fighters such as Bhagat Singh, Sukhdev, Rajguru
- Started participating in revolutionary activities from a young age
- Founder of a branch of the Anushilan Samiti
- After Rash Behari Bose escaped to Japan, Sanyal was considered one of the most prominent leader of India's revolutionary movement
- Was jailed in Kakori train conspiracy case
- Was famous for being the only freedom fighter who was incarcerated in the infamous Cellular Jail twice
- Died on 7 February 1942



@BOC_MIB

Bureau of Outreach and Communication
Ministry of Information and Broadcasting
Government of India



BOC_MIB



#AmritMahotsav

अमृत महोत्सव श्रृंखला #146

मोतीलाल नेहरू

(6 मई 1861 - 6 फरवरी 1931)



- 6 मई 1861 को जन्म
- वकील, स्वतंत्रता सेनानी और राजनेता
- असहयोग आंदोलन में सक्रिय रूप से भाग लिया
- स्वराज पार्टी के सह-संस्थापक थे
- स्वतंत्रता आंदोलन से संबंधित दैनिक समाचार पत्र 'द इंडिपेंडेंट' के संस्थापक थे
- 1930 में सविनय अवज्ञा आंदोलन में भाग लिया जिसके लिए उन्हें जेल भेजा गया था
- 6 फरवरी 1931 को मृत्यु



@BOC_MIB

लोक संपर्क और संचार ब्यूरो
सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय
भारत सरकार



BOC_MIB



#AmritMahotsav

Amrit Mahotsav Series #146

Motilal Nehru

(6 May 1861 - 6 February 1931)



- Born on 6 May 1861
- A lawyer, freedom fighter and politician
- Actively participated in Non-Cooperation Movement
- Was co-founder of the Swaraj Party
- Founder of the daily newspaper 'The Independent' which was related to the independence movement
- Participated in the Civil Disobedience movement of 1930 for which he was imprisoned
- Died on 6 February 1931



@BOC_MIB

Bureau of Outreach and Communication
Ministry of Information and Broadcasting
Government of India

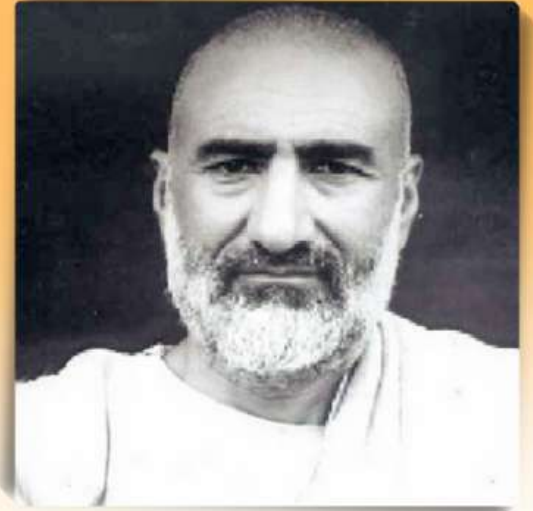


BOC_MIB



#AmritMahotsav

अमृत महोत्सव श्रृंखला #145



खान अब्दुल गफ्फार खान

(6 फरवरी 1890 - 20 जनवरी 1988)

- 6 फरवरी 1890 को जन्म
- एक पश्तून स्वतंत्रता सेनानी
- महात्मा गांधी के एक प्रमुख अनुयायी थे और उन्हें 'फ्रंटियर गांधी' कहा जाता था
- हिंदू-मुस्लिम एकता के पक्षधर
- 1919 में रॉलेट एक्ट के विरुद्ध राष्ट्रीय आंदोलन में भाग लिया
- खिलाफत आंदोलन का सक्रिय रूप से समर्थन किया और जिला खिलाफत समिति के अध्यक्ष चुने गए
- 1929 में 'खुदाई खिदमतगार' (ईश्वर के सेवक) आंदोलन की शुरुआत की थी, जो एक औपनिवेशिक विरोधी, अहिंसक आंदोलन था
- 1987 में, उन्हें सर्वोच्च नागरिक पुरस्कार 'भारत रत्न' से सम्मानित किया गया और यह सम्मान प्राप्त करने वाले वह प्रथम गैर-भारतीय थे
- 20 जनवरी 1988 को मृत्यु



@BOC_MIB

लोक संपर्क और संचार ब्यूरो
सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय
भारत सरकार



BOC_MIB

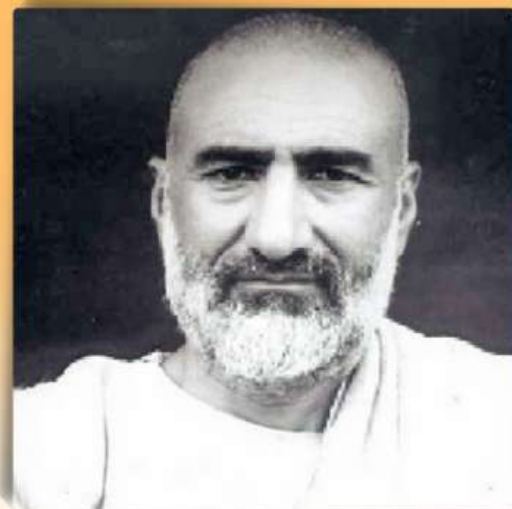


#AmritMahotsav

Amrit Mahotsav Series #145

Khan Abdul Ghaffar Khan

(6 February 1890 - 20 January 1988)



- Born on **6 February 1890**
- A Pashtun independence activist and freedom fighter
- Was a prominent follower of Mahatma Gandhi and was often called 'Frontier Gandhi'
- Advocated Hindu-Muslim unity
- Participated in the national movement against Rowlatt Act in 1919
- Actively supported the Khilafat movement and was elected the President of the District Khilafat Committee
- Was the founder of 'Khudai Khidmatgar' (Servants of God) movement in 1929, an anti-colonial, non-violence movement
- In 1987, he was awarded the highest civilian award Bharat Ratna and was the first non-Indian to receive this honour
- Died on 20 January 1988



@BOC_MIB

Bureau of Outreach and Communication
Ministry of Information and Broadcasting
Government of India



BOC_MIB



#AmritMahotsav

अमृत महोत्सव श्रृंखला #144

चौरी चौरा घटना

(4 फरवरी 1922)



शहीद स्मारक, चौरी चौरा, गोरखपुर

'चौरी चौरा' की ऐतिहासिक घटना **4 फरवरी 1922** को ब्रिटिश भारत के तत्कालीन संयुक्त प्रांत (उत्तर प्रदेश) में गोरखपुर जिले के चौरी चौरा स्थान पर हुई थी। असहयोग आंदोलन में भाग लेने वाले प्रदर्शनकारियों के एक बड़े समूह का पुलिस के साथ संघर्ष हुआ, जिसमें पुलिस ने गोलीबारी की। इसके प्रतिशोध में प्रदर्शनकारियों ने हमला करके एक थाने में आग लगा दी, जिससे इसमें मौजूद सभी लोग मारे गए।

इस घटना में तीन आम नागरिकों और 23 पुलिसकर्मियों की मृत्यु हो गई। हिंसा के कड़े विरोधी महात्मा गांधी ने इस घटना के बाद 12 फरवरी 1922 को राष्ट्रीय स्तर पर असहयोग आंदोलन को रोक दिया था।

प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने पिछले वर्ष 4 फरवरी को 'चौरी चौरा' शताब्दी समारोह का उद्घाटन किया व इस अवसर पर एक डाक टिकट भी जारी किया।



@BOC_MIB

लोक संपर्क और संचार ब्यूरो
सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय
भारत सरकार



BOC_MIB



#AmritMahotsav

Amrit Mahotsav Series #144

Chauri Chaura incident

(4 February 1922)



Shaheed Smarak,
Chauri Chaura, Gorakhpur

The historical Chauri Chaura incident occurred in Chauri Chaura town of Gorakhpur district of then United Province (Uttar Pradesh) in British India on **4 February 1922**. A large group of protesters, participating in the Non-cooperation Movement, clashed with police, who opened fire. In retaliation the demonstrators attacked and set fire to a police station, killing all of its occupants.

The incident led to the deaths of three civilians and 23 policemen. Mahatma Gandhi, who was strictly against violence, halted the Non-cooperation Movement on the national level on 12 February 1922, as a direct result of this incident.

Prime Minister, Shri Narendra Modi inaugurated 'Chauri Chaura' Centenary Celebrations on 4 February last year and also released a postal stamp on this occasion.



@BOC_MIB

Bureau of Outreach and Communication
Ministry of Information and Broadcasting
Government of India



BOC_MIB



#AmritMahotsav

अमृत महोत्सव श्रृंखला #143

राम सिंह कूका

(3 फरवरी 1816 - 29 नवंबर 1885)



- **3 फरवरी 1816** को जन्म
- स्वतंत्रता सेनानी, दार्शनिक और सुधारक, जिन्हें असहयोग और ब्रिटिश वस्तुओं तथा सेवाओं के बहिष्कार का उपयोग राजनीतिक हथियार के रूप में करने वाले प्रथम भारतीय होने का श्रेय दिया जाता है
- नामधारी आंदोलन के नेता थे
- कूका आंदोलन के संस्थापक थे जिसका उद्देश्य गायों के वध को रोकना था ताकि गायों के साथ सम्मानपूर्वक व्यवहार सुनिश्चित किया जा सके
- जब आंदोलन ने गति पकड़ी, तो अंग्रेजों ने अनेक कूका लड़ाकों को मार डाला
- आजीवन कारावास के लिए पहले रंगून और फिर अंडमान भेजा गया
- 29 नवंबर 1885 को मृत्यु
- कूका आंदोलन में शामिल लोगों के साहसिक कार्यों के सम्मान में केंद्र सरकार द्वारा दिसंबर 2014 में डाक टिकट जारी की गई



@BOC_MIB

लोक संपर्क और संचार ब्यूरो
सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय
भारत सरकार



BOC_MIB



#AmritMahotsav

Amrit Mahotsav Series #143

Ram Singh Kuka

(3 February 1816 - 29 November 1885)



- Born on **3 February 1816**
- A freedom fighter, philosopher and reformer who is credited as being the first Indian to use non-cooperation and boycott of British goods and services as a political weapon
- Was the leader of the Namdhari Movement
- Was the founder of Kuka Movement which aimed at protection of cows against slaughter thereby ensuring venerable treatment of cows
- When the movement gained momentum, the British reacted violently and killed many Kuka fighters
- Was deported to Rangoon and later to the Andaman for life sentence
- Died on 29 November 1885
- Commemorative stamp to highlight heroic deeds of those engaged in Kuka Movement was released by Central Government in December 2014



@BOC_MIB

Bureau of Outreach and Communication
Ministry of Information and Broadcasting
Government of India



BOC_MIB

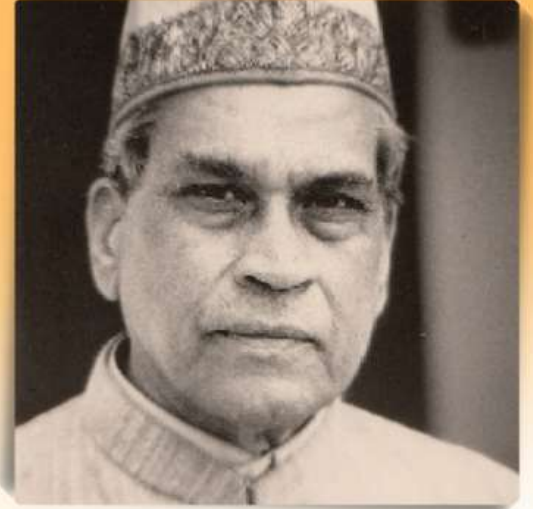


#AmritMahotsav

अमृत महोत्सव श्रृंखला #142

वी. ए. सुंदरम

(2 फरवरी 1896 - 11 मार्च 1967)



- 2 फरवरी 1896 पर जन्म
- स्वतंत्रता आंदोलन में भाग लिया
- भारत के अनेक अग्रणी अंग्रेजी समाचारपत्रों में उनके लेख और पत्र प्रकाशित हुए
- महात्मा गांधी के सहयोगी, मदन मोहन मालवीय के विश्वासपात्र और बनारस हिंदू विश्वविद्यालय के सचिव रहे
- गांधीजी की ग्राम विकास की अवधारणा को लागू करना शुरू किया, वेल्लालोर में बुनाई और कताई कार्यों को शुरू किया
- 1917 के बंगाल इंटर्नमेंट्स, 1925 के वाइकोम सत्याग्रह और 1930 के नमक सत्याग्रह के साथ जुड़े हुए थे
- 11 मार्च 1967 को मृत्यु



@BOC_MIB

लोक संपर्क और संचार ब्यूरो
सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय
भारत सरकार



BOC_MIB

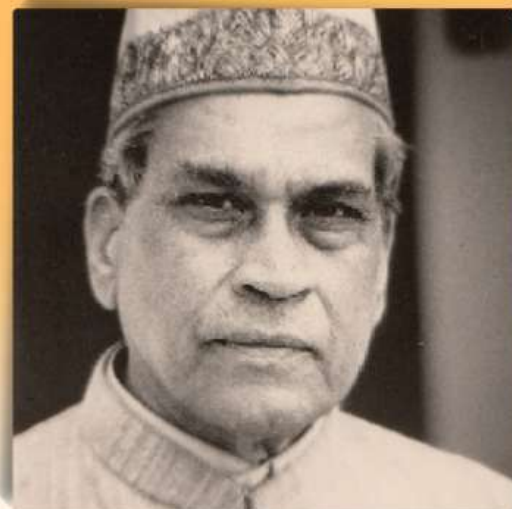


#AmritMahotsav

Amrit Mahotsav Series #142

V. A. Sundaram

(2 February 1896 - 11 March 1967)



- Born on **2 February 1896**
- Participated in the freedom struggle movement
- Published articles and letters in many of India's leading english newspapers
- An associate of Mahatma Gandhi, a confidant of Madan Mohan Malaviya and a fundraiser and secretary to the Benares Hindu University
- Began implementing Gandhi's concept of village development, introducing weaving and spinning activities at Vellalore
- Was associated with the Bengal internments of 1917, the Vaikom Satyagraha of 1925 and the Salt Satyagraha of 1930
- Died on 11 March 1967



@BOC_MIB

Bureau of Outreach and Communication
Ministry of Information and Broadcasting
Government of India



BOC_MIB



#AmritMahotsav

अमृत महोत्सव श्रृंखला #141

राजकुमारी अमृत कौर

(2 फरवरी 1889 - 6 फरवरी 1964)



- 2 फरवरी 1889 को जन्म
- स्वतंत्रता सेनानी और राजनीतिज्ञ
- स्वतंत्रता आंदोलन में एक प्रमुख नेता थीं
- गांधी जी की करीबी सहयोगी थीं और उनके साथ मिलकर वर्धा आश्रम में काम किया
- भारत छोड़ो आंदोलन में भाग लिया
- उन्हें भारत का प्रथम स्वास्थ्य मंत्री नियुक्त किया गया था और 1950 में वर्ल्ड हेल्थ असेंबली की अध्यक्ष नियुक्त हुई थीं
- एम्स अस्पताल की प्रथम अध्यक्ष थीं
- 6 फरवरी 1964 को मृत्यु



@BOC_MIB

लोक संपर्क और संचार ब्यूरो
सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय
भारत सरकार



BOC_MIB



#AmritMahotsav

Amrit Mahotsav Series #141

Rajkumari Amrit Kaur

(2 February 1889 - 6 February 1964)



- Born on **2 February 1889**
- A freedom fighter and politician
- Was a prominent leader in the national movement
- Was a close associate of Gandhiji and worked close to him at Wardha Ashram
- Participated in the Quit India movement
- Had been appointed the first Health Minister of India and the President of the World Health Assembly in 1950
- Was the first President of AIIMS hospital
- Died on 6 February 1964



@BOC_MIB

Bureau of Outreach and Communication
Ministry of Information and Broadcasting
Government of India



BOC_MIB



#AmritMahotsav

अमृत महोत्सव श्रृंखला #140

माखनलाल चतुर्वेदी

(4 अप्रैल 1889 - 30 जनवरी 1968)



- कवि, लेखक, पत्रकार और क्रांतिकारी
- स्वतंत्रता आंदोलन में भाग लिया
- हिंदी साहित्य के नव-स्वच्छंदतावाद आंदोलन, छायावाद में उनके योगदान के लिए उन्हें याद किया जाता है
- 1955 में उनकी कृति 'हिम तरंगिणी' के लिए उन्हें हिंदी के प्रथम साहित्य अकादमी पुरस्कार से सम्मानित किया गया था
- 1963 में भारत सरकार ने उन्हें नागरिक सम्मान पद्मभूषण से अलंकृत किया
- **30 जनवरी 1968** को निधन



@BOC_MIB

लोक संपर्क और संचार ब्यूरो
सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय
भारत सरकार



BOC_MIB



#AmritMahotsav

Amrit Mahotsav Series #140

Makhanlal Chaturvedi

(4 April 1889 - 30 January 1968)



- A poet, writer, journalist and a revolutionary
- Participated in India's national struggle for independence
- Remembered for his contribution to Chhayavaad, the Neo-romanticism movement of Hindi literature
- Was awarded the first Sahitya Akademi Award in Hindi for his work Him Taringini in 1955
- The Government of India awarded him the civilian honour of the Padma Bhushan in 1963
- Died on **30 January 1968**



@BOC_MIB

Bureau of Outreach and Communication
Ministry of Information and Broadcasting
Government of India



BOC_MIB

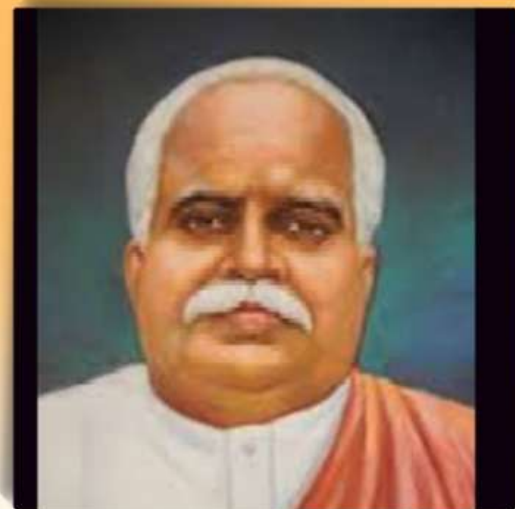


#AmritMahotsav

अमृत महोत्सव श्रृंखला #139

कुदमुल रंगा राव

(29 जून 1859 - 30 जनवरी 1928)



- 29 जून 1859 को जन्म
- वकील और समाज सुधारक
- दलित सुधार आंदोलन के अग्रणी नेता
- गांधी जी के अभियान शुरू करने से बहुत पहले अछूतों के उत्थान के लिए कार्य किया
- महात्मा गांधी ने एक बार कहा था, "मैंने श्री रंगाराव से सामाजिक निष्ठा सीखी। वह मेरे लिए एक प्रेरणा और मार्गदर्शक हैं। अछूतों के उत्थान के मामले में वे मेरे गुरु हैं।"
- 30 जनवरी 1928 को मृत्यु



@BOC_MIB

लोक संपर्क और संचार ब्यूरो
सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय
भारत सरकार



BOC_MIB

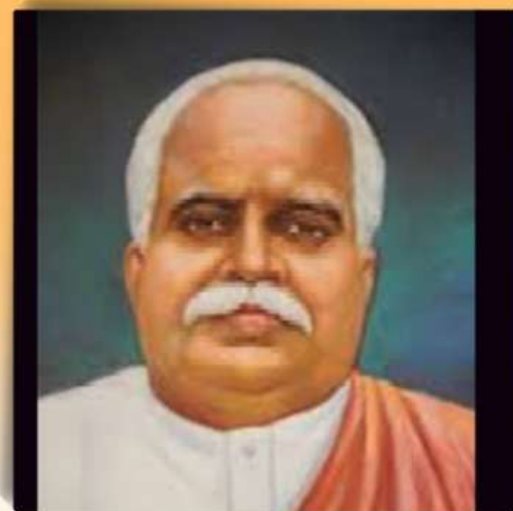


#AmritMahotsav

Amrit Mahotsav Series #139

Kudmul Ranga Rao

(29 June 1859 - 30 January 1928)



- Born on 29 June 1859
- An advocate and social reformer
- A pioneer of the Dalit reform movement
- Worked for the upliftment of the untouchables way before Gandhi launched his campaign
- Mahatma Gandhi once said, "I discerned social loyalty from Mr. Rangarao. He is an inspiration and a guide for me. He is my teacher when it comes to the upliftment of the untouchables"
- Died on 30 January 1928



@BOC_MIB

Bureau of Outreach and Communication
Ministry of Information and Broadcasting
Government of India



BOC_MIB

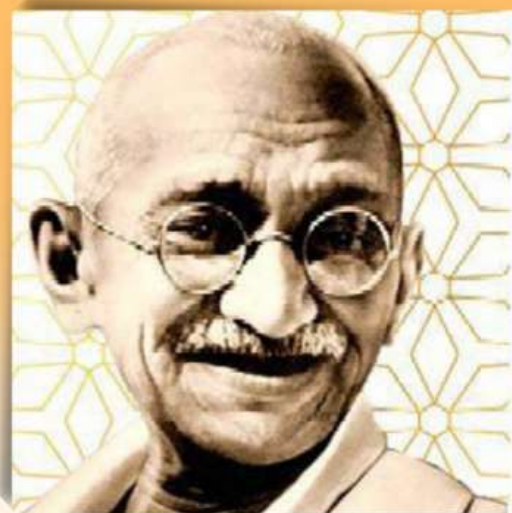


#AmritMahotsav

अमृत महोत्सव श्रृंखला #138

मोहनदास करमचंद गांधी

(2 अक्टूबर 1869 - 30 जनवरी 1948)



- 2 अक्टूबर 1869 को गुजरात के पोरबंदर में जन्म
- दक्षिण अफ्रीका में रहते हुए 'सत्याग्रह' को शांतिपूर्ण विरोध के शस्त्र के रूप में उपयोग किया
- रॉलेट सत्याग्रह, असहयोग आंदोलन तथा सविनय अवज्ञा आंदोलन का नेतृत्व किया, स्वतंत्रता आंदोलन में शामिल होने के लिए जनता को प्रेरित किया
- भारत छोड़ो आंदोलन में देशवासियों में 'करो या मरो' की भावना पैदा की
- छुआछूत के विरुद्ध अभियान के लिए खुद को समर्पित किया
- स्वच्छता और आत्मनिर्भरता के महत्व को उदाहरण द्वारा दर्शाया
- 'महात्मा', 'बापू' तथा 'राष्ट्रपिता' उपनामों से जाने गए
- **30 जनवरी 1948** को निधन



@BOC_MIB

लोक संपर्क और संचार ब्यूरो
सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय
भारत सरकार



BOC_MIB

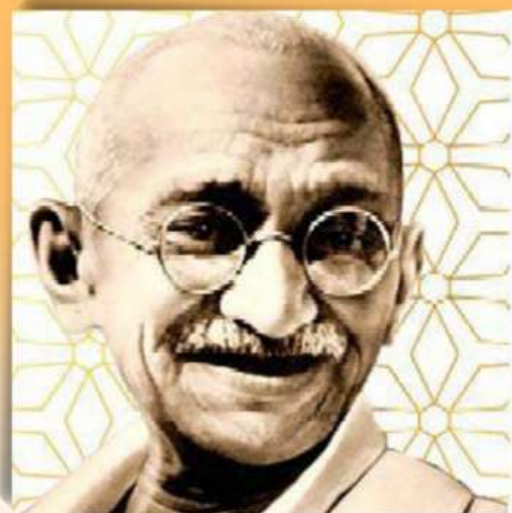


#AmritMahotsav

Amrit Mahotsav Series #138

Mohandas Karamchand Gandhi

(2 October 1869 - 30 January 1948)



- Born on 2 October 1869 at Porbandar, Gujarat
- Moulded 'Satyagraha' into a weapon of peaceful resistance while in South Africa
- Led the Rowlatt Satyagraha, Non-Cooperation Movement and Civil Disobedience Movement among others; brought the masses into the national movement for freedom
- Exhorted the nation to 'Do or Die' during Quit India Movement
- Devoted himself to a campaign against untouchability
- Demonstrated, by example, the importance of Swachhata and Self-Reliance
- Bestowed with the monikers 'Mahatma', 'Bapu' and 'Father of the Nation'
- Died on 30 January 1948



@BOC_MIB

Bureau of Outreach and Communication
Ministry of Information and Broadcasting
Government of India



BOC_MIB



#AmritMahotsav

अमृत महोत्सव श्रृंखला #137

भारत के सर्वोच्च न्यायालय का उद्घाटन

(28 जनवरी 1950)



भारत के एक संप्रभु लोकतांत्रिक गणराज्य बनने के दो दिन बाद यानी **28 जनवरी 1950** को सर्वोच्च न्यायालय अस्तित्व में आया। इसका उद्घाटन संसद भवन में 'चैंबर ऑफ प्रिंसेस' में हुआ जहां संघीय न्यायालय के न्यायाधीशों, उच्च न्यायालयों के मुख्य न्यायाधीशों, प्रधानमंत्री और अन्य मंत्रियों, राजदूतों और अन्य देशों के राजनयिक प्रतिनिधियों और बड़ी संख्या में न्यायालय के वरिष्ठ एवं अन्य अधिवक्ताओं के साथ कार्यवाही शुरू हुई।

उच्चतम न्यायालय के नियम प्रकाशित किए गए और फेडरल कोर्ट के सभी अधिवक्ताओं और एजेंटों के नाम उच्चतम न्यायालय के रोल पर लाए गए।



@BOC_MIB

लोक संपर्क और संचार ब्यूरो
सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय
भारत सरकार



BOC_MIB



#AmritMahotsav

Amrit Mahotsav Series #137

Inauguration of Supreme Court of India

(28 January 1950)



On **28 January 1950**, two days after India became a Sovereign Democratic Republic, the Supreme Court came into being. The inauguration took place in the Chamber of Princes in the Parliament building where the proceedings began with the Judges of the Federal Court , Chief Justices of the High Courts , Prime Minister & other Ministers, Ambassadors and diplomatic representatives of foreign States and a large number of Senior and other Advocates of the Court.

The Rules of the Supreme Court were published and the names of all the Advocates and agents of the Federal Court were brought on the rolls of the Supreme Court.



@BOC_MIB

Bureau of Outreach and Communication
Ministry of Information and Broadcasting
Government of India



BOC_MIB



#AmritMahotsav

अमृत महोत्सव श्रृंखला #136

रामास्वामी वेंकटरमण

(4 दिसंबर 1910 - 27 जनवरी 2009)



- 4 दिसंबर 1910 को जन्म
- वकील, स्वतंत्रता सेनानी और राजनीतिज्ञ
- स्वतंत्रता आंदोलन में योगदान दिया और भारत छोड़ो आंदोलन में भाग लिया
- संविधान सभा के सदस्य थे
- केंद्रीय मंत्री और भारत के आठवें राष्ट्रपति के रूप में कार्य किया
- **27 जनवरी 2009** को निधन



@BOC_MIB

लोक संपर्क और संचार ब्यूरो
सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय
भारत सरकार



BOC_MIB



#AmritMahotsav

Amrit Mahotsav Series #136

Ramaswamy Venkataraman

(26 January 1950)



- Born on 4 December 1910
- A lawyer, freedom fighter and politician
- Contributed to the Indian independence movement and participated in the Quit India Movement
- Was a member of the Constituent Assembly
- Served as a Union Minister and as the eighth President of India
- Died on 27 January 2009



@BOC_MIB

Bureau of Outreach and Communication
Ministry of Information and Broadcasting
Government of India



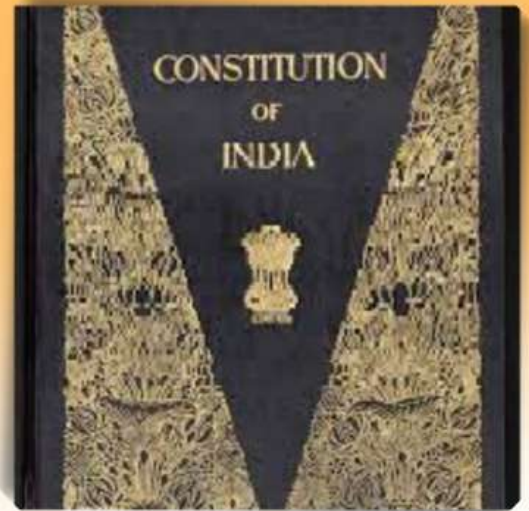
BOC_MIB



#AmritMahotsav

अमृत महोत्सव श्रृंखला #135

गणतंत्र दिवस (26 जनवरी 1950)



भारत 15 अगस्त 1947 को एक स्वतंत्र राष्ट्र बना लेकिन देश ने **26 जनवरी 1950** को संविधान को अपनाने के साथ खुद को एक संप्रभु, लोकतांत्रिक और गणतंत्र राज्य घोषित किया।

21 तोपों की सलामी और भारत का राष्ट्र ध्वज फहराने के साथ उस दिन से भारतीय गणतंत्र का ऐतिहासिक जन्म हुआ। इसके बाद 26 जनवरी को राष्ट्रीय अवकाश घोषित किया गया और इसे भारत के गणतंत्र दिवस के रूप में मान्यता दी गई।

संविधान ने भारत के नागरिकों को अपनी सरकार चुनने का अधिकार देने के साथ लोकतंत्र का मार्ग प्रशस्त किया।



@BOC_MIB

लोक संपर्क और संचार ब्यूरो
सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय
भारत सरकार



BOC_MIB

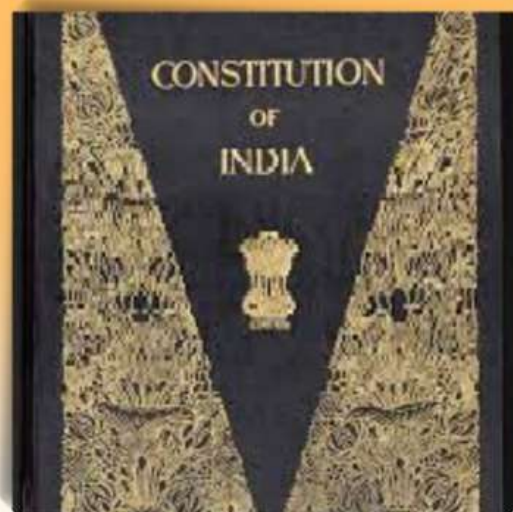


#AmritMahotsav

Amrit Mahotsav Series #135

Republic Day

(26 January 1950)



Though India became a free nation on 15 August 1947, it declared itself a Sovereign, Democratic and Republic state with the adoption of the Constitution on **26 January 1950**.

A salute of 21 guns and the unfurling of the Indian National Flag heralded the historic birth of the Indian Republic on that day. Thereafter 26th of January was decreed a national holiday and was recognised as the Republic Day of India.

The Constitution gave the citizens of India the power to choose their own government and paved the way for democracy.



@BOC_MIB

Bureau of Outreach and Communication
Ministry of Information and Broadcasting
Government of India



BOC_MIB



#AmritMahotsav

Amrit Mahotsav Series #125

Tilka Manjhi

(11 February 1750 - 13 January 1785)



- Born on 11 February 1750
- A revolutionary and tribal leader
- Fought the Britishers at a time when there was no talk of any uprising against them
- He organized the Adivasis into an army and trained them to use bows and arrows during a fight
- On 13 January 1784, he fatally wounded a British administrator with his poisoned arrow and thus led the famous Santhal Uprising by the Santhals
- Santhal Uprising was the first armed uprising which was documented in the historical records
- Was captured by the British and tortured to death
- Died on 13 January 1785



@BOC_MIB

Bureau of Outreach and Communication
Ministry of Information and Broadcasting
Government of India



BOC_MIB



#AmritMahotsav

अमृत महोत्सव श्रृंखला #125

तिलका मांझी

(11 फरवरी 1750 - 13 जनवरी 1785)



- 11 फरवरी 1750 को जन्म
- क्रांतिकारी और आदिवासी नेता
- ऐसे समय में अंग्रेजों का विरोध किया जब किसी ने भी उनके विरुद्ध किसी आन्दोलन की शुरुआत नहीं की थी
- उन्होंने आदिवासियों को एक सेना के रूप में संगठित किया और उन्हें युद्ध के दौरान तीर और धनुष का उपयोग करने के लिए प्रशिक्षित किया
- 13 जनवरी 1784 को, उन्होंने एक अंग्रेज प्रशासक को जहर लगे तीर से गंभीर रूप से घायल कर दिया और इस तरह संथालों के प्रसिद्ध संथाल आंदोलन का नेतृत्व किया
- संथाल आंदोलन ऐसा पहला सशस्त्र आंदोलन था जिसे इतिहास के पन्नों में दर्ज किया गया
- ब्रिटिश शासन द्वारा बंदी बनाए गए और यातनाएं दी गईं
- **13 जनवरी 1785** को मृत्यु



@BOC_MIB

लोक संपर्क और संचार ब्यूरो
सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय
भारत सरकार



BOC_MIB



#AmritMahotsav

Amrit Mahotsav Series #126

Saifuddin Kitchlew

(15 January 1888 - 9 October 1963)



- Born on **15 January 1888**
- A freedom fighter, barrister and politician
- He took part in the Satyagraha (Non-cooperation) movement
- Joined Gandhiji in the protest against Rowlatt Act and was arrested for leading protests in Punjab
- To protest the arrest, a public meeting had gathered at the Jallianwala Bagh, which led to the infamous Jallianwala Bagh massacre
- Was a founding member of Jamia Milia Islamia
- Died on 9 October 1963



@BOC_MIB

Bureau of Outreach and Communication
Ministry of Information and Broadcasting
Government of India



BOC_MIB



#AmritMahotsav

अमृत महोत्सव श्रृंखला #126

सैफुद्दीन किचलू

(15 जनवरी 1888 - 9 अक्टूबर 1963)



- 15 जनवरी 1888 को जन्म
- स्वतंत्रता सेनानी, वकील और राजनीतिज्ञ
- सत्याग्रह (असहयोग) आंदोलन में हिस्सा लिया
- गांधीजी के साथ मिलकर रॉलेट एक्ट का विरोध किया और पंजाब में विरोध प्रदर्शनों का नेतृत्व पर गिरफ्तार किए गए
- गिरफ्तारी के विरोध में जलियांवाला बाग में एक जनसभा आयोजित हुई, जहां जघन्य जलियांवाला बाग हत्याकांड हुआ
- जामिया मिलिया इस्लामिया के संस्थापक सदस्य थे
- 9 अक्टूबर 1963 को मृत्यु



@BOC_MIB

लोक संपर्क और संचार ब्यूरो
सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय
भारत सरकार



BOC_MIB



#AmritMahotsav

Amrit Mahotsav Series #127

Mahadev Govind Ranade

(18 January 1842 - 16 January 1901)



- A scholar, social reformer, judge and author
- Was member of the Bombay legislative council and finance committee
- A social activist who raised his voice against the evil practises of the society
- He transformed Indian Social Reform Movement on the principles of "Humanity, Equality and Spirituality"
- Edited and contributed to English and Marathi journals and books on Indian economy
- Wrote journals to expose the economic plunder by British Colonial rule in India
- Established the Maharashtra Girls Education Society and Huzurpaga, which is the oldest girls' high school in Maharashtra
- Died on **16 January 1901**



@BOC_MIB

Bureau of Outreach and Communication
Ministry of Information and Broadcasting
Government of India



BOC_MIB



#AmritMahotsav

अमृत महोत्सव श्रृंखला #127

महादेव गोविंद रानाडे (18 जनवरी 1842 - 16 जनवरी 1901)



- विद्वान, समाज सुधारक, न्यायाधीश और लेखक
- बंबई विधान परिषद और वित्त समिति के सदस्य रहे
- सामाजिक कार्यकर्ता जिन्होंने समाज की बुरी प्रथाओं के विरुद्ध आवाज उठाई
- "मानवता, समानता और आध्यात्मिकता" के सिद्धांतों के आधार पर भारतीय समाज सुधार आंदोलन को नया रूप दिया
- अंग्रेजी और मराठी पत्रिकाओं तथा भारतीय अर्थव्यवस्था पर आधारित पुस्तकों के संपादन कार्य में योगदान दिया
- भारत में ब्रिटिश औपनिवेशिक शासन द्वारा आर्थिक लूट के बारे में लेख लिखे
- महाराष्ट्र के सबसे पुराने गर्ल्स हाई स्कूल 'महाराष्ट्र गर्ल्स एजुकेशन सोसायटी और हुजूरपागा' की स्थापना की
- **16 जनवरी 1901** को मृत्यु



@BOC_MIB

लोक संपर्क और संचार ब्यूरो
सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय
भारत सरकार



BOC_MIB

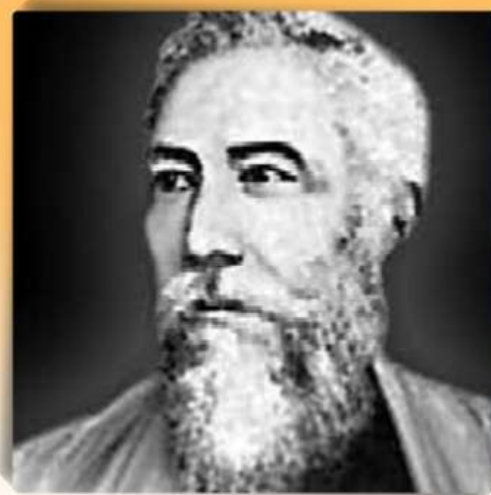


#AmritMahotsav

Amrit Mahotsav Series #128

Debendranath Tagore

(15 May 1817 - 19 January 1905)



- Born on 15 May 1817
- A philosopher and social reformer
- Published a journal, the Tattwabodhini Patrika, that had articles on the rationalization of Brahmo doctrines and on the social problems of the society
- Through his effort, the idea of Brahmoism spread throughout India
- Played an important role in the Bengal Renaissance
- Founded Shantiniketan ("Abode of Peace")
- Shantiniketan was later made famous by his poet son Rabindranath Tagore
- Died on **19 January 1905**



@BOC_MIB

Bureau of Outreach and Communication
Ministry of Information and Broadcasting
Government of India



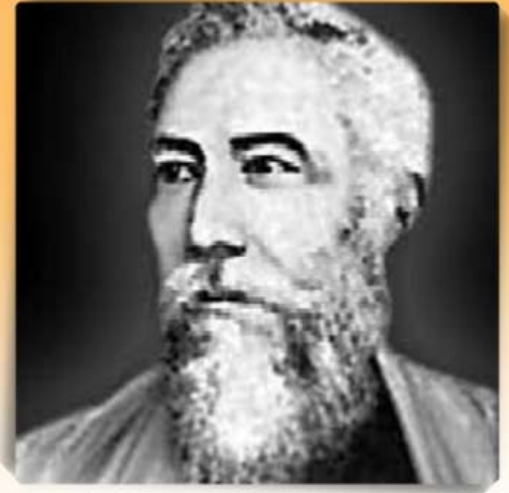
BOC_MIB



#AmritMahotsav

अमृत महोत्सव श्रृंखला #128

देबेन्द्रनाथ टैगोर (15 मई 1817 - 19 जनवरी 1905)



- 15 मई 1817 को जन्म
- दार्शनिक और समाज सुधारक
- 'तत्त्वबोधिनी पत्रिका' का प्रकाशन किया जिसमें ब्रह्म सिद्धांतों की तार्किकता और समाज की समस्याओं पर लेख लिखे गए
- अपने प्रयासों से, ब्रह्मवाद की विचारधारा पूरे भारत में फैली
- बंगाल पुनर्जागरण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई
- शांति निकेतन की स्थापना की
- शांति निकेतन को बाद में उनके कवि पुत्र रवींद्रनाथ टैगोर ने प्रसिद्धि दिलाई
- 19 जनवरी 1905 को निधन



@BOC_MIB

लोक संपर्क और संचार ब्यूरो
सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय
भारत सरकार



BOC_MIB



#AmritMahotsav

Amrit Mahotsav Series #129

Rash Behari Bose

(25 May 1886 - 21 January 1945)



- Born on 25 May 1886
- A revolutionary and freedom fighter
- Played a crucial role in the Ghadar Movement
- Founder of the Indian Independence League whose leadership was later passed on to Netaji Subhas Chandra Bose
- Played a key role in the formation of Azad Hind Fauj
- Japanese government honoured him with the Order of the Rising Sun (2nd grade)
- Died on **21 January 1945**



@BOC_MIB

Bureau of Outreach and Communication
Ministry of Information and Broadcasting
Government of India



BOC_MIB



#AmritMahotsav

अमृत महोत्सव श्रृंखला #129

रास बिहारी बोस

(25 मई 1886 - 21 जनवरी 1945)



- 25 मई 1886 को जन्म
- क्रांतिकारी और स्वतंत्रता सेनानी
- गदर आंदोलन में अहम भूमिका निभाई
- इंडियन इंडिपेंडेंस लीग के संस्थापक थे जिसका नेतृत्व बाद में नेताजी सुभाष चंद्र बोस ने किया
- आजाद हिंद फौज के गठन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई
- जापानी सरकार ने उन्हें 'ऑर्डर ऑफ द राइसिन सन' उपाधि से सम्मानित किया
- 21 जनवरी 1945 को निधन



@BOC_MIB

लोक संपर्क और संचार ब्यूरो
सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय
भारत सरकार



BOC_MIB



#AmritMahotsav

Amrit Mahotsav Series #130

Vaikom Muhammad Basheer

(21 January 1908 - 5 July 1994)



- Born on **21 January 1908**
- A writer, freedom fighter and novelist
- Follower of Mahatma Gandhi and took part in the Salt Satyagraha in 1930
- Became inspired by stories of heroism by revolutionaries like Bhagat Singh, Sukhdev Thapar and Shivaram Rajguru, who were executed while he was in jail
- The cult classics of Basheer earned him a reputed position in the Indian Literature
- His literature works were translated in many languages and got him worldwide recognition
- The Government of India awarded him the Padma Shri in 1982
- Died on 5 July 1994



@BOC_MIB

Bureau of Outreach and Communication
Ministry of Information and Broadcasting
Government of India



BOC_MIB



#AmritMahotsav

अमृत महोत्सव श्रृंखला #130

वैकोम मोहम्मद बशीर (21 जनवरी 1908 - 5 जुलाई 1994)



- 21 जनवरी 1908 को जन्म
- लेखक, स्वतंत्रता सेनानी और उपन्यासकार
- महात्मा गांधी के अनुयायी और 1930 में नमक सत्याग्रह में भाग लिया
- देश के लिए शहीद होने वाले भगत सिंह, सुखदेव थापर और शिवराम राजगुरु जैसे क्रांतिकारियों की वीरता की कहानियों से प्रेरित हुए
- उनके उपन्यासों से उन्हें भारतीय साहित्य में एक प्रतिष्ठित स्थान प्राप्त हुआ
- उनके साहित्य कार्यों का कई भाषाओं में अनुवाद किया गया और उन्हें दुनिया भर में पहचान मिली
- भारत सरकार ने उन्हें 1982 में पद्मश्री से सम्मानित किया
- 5 जुलाई 1994 को निधन



@BOC_MIB

लोक संपर्क और संचार ब्यूरो
सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय
भारत सरकार



BOC_MIB



#AmritMahotsav

Amrit Mahotsav Series #131

Roshan Singh

(22 January 1892 – 19 December 1927)



- Born on **22 January 1892**
- A revolutionary and freedom fighter
- Was linked with Bareilly shooting case
- Participated in Non - Cooperation Movement of 1921-22
- Joined Pandit Ram Prasad Bismil and soon took part in the revolutionary freedom struggle of youth
- Was a good shooter and wrestler and was assigned the task to train young members with shooting
- Was accused to be involved in Kakori Train Robbery Case and arrested by British authorities
- He was sentenced to death, along with Ram Prasad Bismil, Ashfaqulla Khan and Rajendra Lahiri
- Hanged till death on 19 December 1927



@BOC_MIB

Bureau of Outreach and Communication
Ministry of Information and Broadcasting
Government of India



BOC_MIB



#AmritMahotsav

अमृत महोत्सव श्रृंखला #131

रोशन सिंह

(22 जनवरी 1892 - 19 दिसंबर 1927)



- 22 जनवरी 1892 को जन्म
- क्रांतिकारी और स्वतंत्रता सेनानी
- बरेली गोलीबारी मामले से जुड़े थे
- 1921-22 के असहयोग आंदोलन में भाग लिया
- पंडित राम प्रसाद बिस्मिल के साथ जुड़कर युवाओं की क्रांतिकारी गतिविधियों में भाग लिया
- एक अच्छे निशानेबाज और पहलवान थे और उन्हें युवा सदस्यों को निशानेबाजी का प्रशिक्षण का काम सौंपा गया था
- काकोरी ट्रेन डकैती मामले में शामिल होने का आरोप लगाकर ब्रिटिश अधिकारियों द्वारा गिरफ्तार किया गया था
- उन्हें राम प्रसाद बिस्मिल, अशफाकउल्ला खान और राजेंद्र लाहिड़ी के साथ मौत की सजा सुनाई गई
- 19 दिसंबर 1927 को फाँसी दी गयी



@BOC_MIB

लोक संपर्क और संचार ब्यूरो
सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय
भारत सरकार



BOC_MIB



#AmritMahotsav

Amrit Mahotsav Series #132

Netaji Subhas Chandra Bose

(23 January 1897)



- Born on **23 January 1897**
- In 2021, Government decided to celebrate the birth anniversary of Netaji as 'Parakram Diwas' every year
- Hon'ble PM Narendra Modi will unveil the hologram statue of Netaji at India Gate on 23 January 2022
- A revolutionary and freedom fighter
- Considered Vivekananda his spiritual Guru and Chittaranjan Das his political mentor
- Became the editor of the newspaper 'Forward', founded by Chittaranjan Das's Swaraj Party
- He opposed the decision of withdrawal of Non-cooperation movement
- Participated in the Salt Satyagraha of 1930 and protested against the Gandhi-Irwin pact and opposed the suspension of Civil Disobedience movement
- Formed the All India Forward Bloc and organised the Azad Hind Fauj (Indian National Army)
- Azad Hind Fauj, led by Netaji Subhas Chandra Bose, crossed the Burma Border and hoisted the tri-color flag in Moirang for the first time on 14 April 1944



@BOC_MIB

Bureau of Outreach and Communication
Ministry of Information and Broadcasting
Government of India



BOC_MIB



#AmritMahotsav

अमृत महोत्सव श्रृंखला #132

नेताजी सुभाष चंद्र बोस (23 जनवरी 1897)



- 23 जनवरी 1897 को जन्म
- 2021 में, सरकार ने नेताजी की जयंती को हर साल 'पराक्रम दिवस' के रूप में मनाने का फैसला किया
- माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 23 जनवरी 2022 को इंडिया गेट पर नेताजी की होलोग्राम प्रतिमा का अनावरण करेंगे
- वह क्रांतिकारी और स्वतंत्रता सेनानी थे
- विवेकानंद को अपना आध्यात्मिक गुरु और चितरंजन दास को अपना राजनीतिक गुरु माना
- चितरंजन दास की स्वराज पार्टी द्वारा स्थापित अखबार 'फॉरवर्ड' के संपादक रहे
- उन्होंने असहयोग आंदोलन वापस लेने के फैसले का विरोध किया
- 1930 के नमक सत्याग्रह में भाग लिया, गांधी-इरविन समझौते और सविनय अवज्ञा आंदोलन के निलंबन का विरोध किया
- ऑल इंडिया फॉरवर्ड ब्लॉक का गठन किया और आजाद हिंद फौज को संगठित किया
- नेताजी सुभाष चंद्र बोस के नेतृत्व में आजाद हिंद फौज ने बर्मा सीमा पार की और 14 अप्रैल 1944 को पहली बार मोइरंग में तिरंगा झंडा फहराया



@BOC_MIB

लोक संपर्क और संचार ब्यूरो
सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय
भारत सरकार



BOC_MIB



#AmritMahotsav

Amrit Mahotsav Series #133

National Anthem

(24 January 1950)



The National Anthem of India Jana-gana-mana, composed originally in Bengali by Rabindranath Tagore, was adopted in its Hindi version by the Constituent Assembly as the National Anthem of India on **24 January 1950**.

The complete song consists of five stanzas. The first stanza contains the full version of the National Anthem. Playing time of the full version of the national anthem is approximately 52 seconds.



@BOC_MIB

Bureau of Outreach and Communication
Ministry of Information and Broadcasting
Government of India



BOC_MIB



#AmritMahotsav

अमृत महोत्सव श्रृंखला #133

राष्ट्रगान

(24 जनवरी 1950)



रवींद्रनाथ टैगोर द्वारा मूल रूप से बांग्ला भाषा में रचित 'जन-गण-मन' गीत के हिंदी प्रारूप को संविधान सभा द्वारा 24 जनवरी 1950 को भारत के राष्ट्रगान के रूप में अपनाया गया था।

पूरे गीत में पाँच छंद हैं। पहले छंद में राष्ट्रगान का पूर्ण संस्करण शामिल है। राष्ट्रगान के पूर्ण संस्करण के वादन का समय लगभग 52 सेकंड है।



@BOC_MIB

लोक संपर्क और संचार ब्यूरो
सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय
भारत सरकार



BOC_MIB

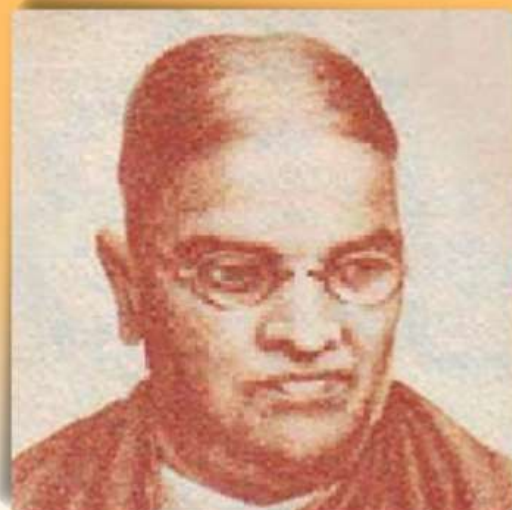


#AmritMahotsav

Amrit Mahotsav Series #134

Ramabai Ranade

(25 January 1862 - 25 January 1924)



- Born on **25 January 1862**
- A social worker and one of the first women's rights activists in the 19th century
- Was the wife of Justice Mahadev Govind Ranade, who encouraged her to study at a time when women were not allowed to read or write
- Vigorously worked for the upliftment of women
- Founder of 'Hindu Ladies Social Club' to develop speaking on women and Seva Sadan Society in Pune, a successful institution for women
- As a social activist her most important legacy lies in the field of women empowerment
- Died on **25 January 1924**



@BOC_MIB

Bureau of Outreach and Communication
Ministry of Information and Broadcasting
Government of India



BOC_MIB



#AmritMahotsav

अमृत महोत्सव श्रृंखला #134

रमाबाई रानडे

(25 जनवरी 1862 - 25 जनवरी 1924)



- 25 जनवरी 1862 को जन्म
- सामाजिक कार्यकर्ता और 19वीं सदी में शुरुआती महिला अधिकार कार्यकर्ताओं में से एक
- जस्टिस महादेव गोविंद रानडे उनके पति थे जिन्होंने रमाबाई को ऐसे समय में पढ़ने के लिए प्रोत्साहित किया जब महिलाओं को पढ़ने या लिखने की अनुमति नहीं थी
- महिलाओं के उत्थान के लिए सराहनीय कार्य किये
- महिलाओं के मुद्दों को उठाने के लिए 'हिंदू लेडीज सोशल क्लब' और पुणे में महिलाओं की एक सफल संस्था 'सेवा सदन सोसायटी' की स्थापना की
- एक सामाजिक कार्यकर्ता के रूप में उनका सबसे महत्वपूर्ण योगदान महिला सशक्तिकरण के क्षेत्र में है
- 25 जनवरी 1924 को निधन



@BOC_MIB

लोक संपर्क और संचार ब्यूरो
सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय
भारत सरकार



BOC_MIB



#AmritMahotsav

अमृत महोत्सव श्रृंखला #124

स्वामी विवेकानंद

(12 जनवरी 1863 - 4 जुलाई 1902)



- 12 जनवरी 1863 को जन्म
- उनकी जयंती को राष्ट्रीय युवा दिवस के रूप में मनाया जाता है
- राष्ट्रवादी, सन्यासी और दार्शनिक
- रामकृष्ण परमहंस के प्रमुख शिष्य
- पश्चिमी जगत के सामने वेदांत और योग के भारतीय दर्शनों (शिक्षाओं और प्रथाओं) पर प्रकाश डालने वाले एक महत्वपूर्ण व्यक्ति
- शिकागो में विश्व धर्म सम्मेलन (1893) में भारत और हिंदूवाद का प्रतिनिधित्व किया
- भारत में समकालीन समाज सुधार आंदोलनों में अहम भूमिका निभाई और औपनिवेशिक भारत में राष्ट्रवाद की अवधारणा में योगदान दिया
- ब्रह्म समाज में शामिल हुए क्योंकि समाज सुधार उनके विचारों और कार्यों के केंद्र में था
- 4 जुलाई 1902 को मृत्यु



@BOC_MIB

लोक संपर्क और संचार ब्यूरो
सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय
भारत सरकार



BOC_MIB



#AmritMahotsav

Amrit Mahotsav Series #124

Swami Vivekananda

(12 January 1863 - 4 July 1902)



- Born on **12 January 1863**
- His birth anniversary is celebrated as National Youth Day
- A nationalist, monk and philosopher
- A chief disciple of Ramakrishna Paramahansa
- Was a key figure in the introduction of the Indian darsanas (teachings, practices) of Vedanta and Yoga to the Western world
- He represented India and Hinduism at the Parliament of the World's Religions (1893) in Chicago
- Became a major force in the contemporary social reform movements in India, and contributed to the concept of nationalism in colonial India
- Joined the Brahmo Samaj as social reform became the prominent element of his thoughts and actions
- Died on 4 July 1902



@BOC_MIB

Bureau of Outreach and Communication
Ministry of Information and Broadcasting
Government of India



BOC_MIB



#AmritMahotsav

अमृत महोत्सव श्रृंखला #123

सूर्यसेन

(22 मार्च 1894 - 12 जनवरी 1934)



- 22 मार्च 1894 को जन्म
- स्वतंत्रता आंदोलन के क्रांतिकारी, कार्यकर्ता और प्रभावशाली नेता
- बंगाल के क्रांतिकारी संगठन अनुशीलन समिति में शामिल हुए
- स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान युवाओं को क्रांतिकारी गतिविधियों में शामिल होने के लिए प्रेरित करने हेतु प्रयासों के लिए उन्हें याद किया जाता है
- 1930 में चटगांव आर्मरी रेड केस का नेतृत्व करने के लिए प्रख्यात
- असहयोग आंदोलन में सक्रिय रूप से भाग लिया और बाद में क्रांतिकारी गतिविधियों के लिए गिरफ्तार करके उन्हें जेल भेजा गया
- **12 जनवरी 1934** को मृत्यु



@BOC_MIB

लोक संपर्क और संचार ब्यूरो
सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय
भारत सरकार



BOC_MIB



#AmritMahotsav

Amrit Mahotsav Series #123

Surya Sen

(22 March 1894 - 12 January 1934)



- Born on 22 March 1894
- A revolutionary, activist and an influential leader in the Indian independence movement
- Joined the Anushilan Samiti, a revolutionary organisation in Bengal
- Remembered for his efforts for motivating young teenagers to join revolutionary activities during Indian independence movement
- Best known for leading the 1930 Chittagong armoury raid case
- Actively participated in the Non-cooperation movement and was later arrested and imprisoned for his revolutionary activities
- Died on **12 January 1934**



@BOC_MIB

Bureau of Outreach and Communication
Ministry of Information and Broadcasting
Government of India



BOC_MIB



#AmritMahotsav

अमृत महोत्सव श्रृंखला #121

नरहर विष्णु गाडगिल (10 जनवरी 1896 - 12 जनवरी 1966)



- 10 जनवरी 1896 को जन्म
- स्वतंत्रता सेनानी, राजनीतिज्ञ और लेखक
- स्वतंत्रता आंदोलन में सक्रिय भागीदारी
- महाराष्ट्र में सामाजिक आंदोलनों में अग्रणी रहे
- सविनय अवज्ञा आंदोलन में महाराष्ट्र सविनय अवज्ञा समिति और पुणे युद्ध परिषद के नेता रहे
- 1934 में केंद्रीय विधान मंडल के लिए चुने गए
- स्वतंत्र भारत के पहले केंद्रीय मंत्रिमंडल में बतौर मंत्री सेवाएं दीं
- 12 जनवरी 1966 को निधन



@BOC_MIB

लोक संपर्क और संचार ब्यूरो
सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय
भारत सरकार



BOC_MIB



#AmritMahotsav

अमृत महोत्सव श्रृंखला #120

सत्येंद्र नाथ टैगोर (1 जून 1842 - 9 जनवरी 1923)



- 1 जून 1842 को जन्म और रवींद्र नाथ टैगोर के भाई
- लेखक, संगीतकार, क्रान्तिकारी
- महिलाओं के अधिकारों के लिए आवाज उठाई
- भारतीय सिविल सेवा में नियुक्त होने वाले प्रथम भारतीय
- ब्रह्म समाज के साथ जुड़े और ब्रह्म स्वराज की विचारधारा के समर्थक
- **9 जनवरी 1923** को मृत्यु



@BOC_MIB

लोक संपर्क और संचार ब्यूरो
सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय
भारत सरकार



BOC_MIB



#AmritMahotsav

Amrit Mahotsav Series #120

Satyendranath Tagore

(1 June 1842 - 9 January 1923)



- Born on 1 June 1842 and brother of Rabindranath Tagore
- An author, song composer and revolutionary
- Played an important role in women's emancipation
- Was the first Indian to join the Indian Civil Service
- Associated with Brahmo Samaj and believed in the ideology of the Brahmo Swaraj
- Died on **9 January 1923**



@BOC_MIB

Bureau of Outreach and Communication
Ministry of Information and Broadcasting
Government of India



BOC_MIB



#AmritMahotsav

अमृत महोत्सव श्रृंखला #119

केशव चन्द्र सेन

(19 नवंबर 1838 - 8 जनवरी 1884)



- 19 नवंबर 1838 को जन्म
- दार्शनिक, क्रांतिकारी और समाज सुधारक
- ब्रह्म समाज के सदस्य थे परंतु बाद में अपने पृथक संगठन 'भारतवर्षीय ब्रह्म समाज' की स्थापना की
- स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान कामगारों के बच्चों के लिए एक संध्या विद्यालय की स्थापना की
- एशियाटिक सोसायटी के सचिव नियुक्त किए गए
- अल्बर्ट कॉलेज की स्थापना में मदद की
- कलकत्ता ब्रह्म समाज की 'भारतीय दर्पण' नामक साप्ताहिक पत्रिका के लिए लेख लिखे
- **8 जनवरी 1884** को मृत्यु



@BOC_MIB

लोक संपर्क और संचार ब्यूरो
सूचना और प्रसारण मंत्रालय
भारत सरकार



BOC_MIB



#AmritMahotsav

Amrit Mahotsav Series #119

Keshub Chandra Sen (19 November 1838 - 8 January 1884)



- Born on 19 November 1838
- A philosopher, revolutionary and social reformer
- Was a member of the Brahmo Samaj but later established his own breakaway "Bharatvarshiya Brahmo Samaj"
- Founder of an evening school for the children of working men during freedom movement
- Was appointed as Secretary of the Asiatic Society
- Helped in establishing the Albert College
- Wrote articles for the Indian Mirror, a weekly journal of the Calcutta Brahmo Samaj
- Died on **8 January 1884**



@BOC_MIB

Bureau of Outreach and Communication
Ministry of Information and Broadcasting
Government of India



BOC_MIB



#AmritMahotsav

अमृत महोत्सव श्रृंखला #118

ज्ञानांजन नियोगी

(7 जनवरी 1891 – 13 फरवरी 1956)



- 7 जनवरी 1891 को जन्म
- समाज सुधारक और स्वतंत्रता सेनानी
- स्वतंत्रता संग्राम और बंगाल विभाजन के खिलाफ आंदोलन में सक्रिय रूप से भागीदारी की
- कलकत्ता में वर्किंग मैन इंस्टीट्यूशन का गठन किया जिसने गरीबों को लाभ पहुँचाने के लिए शिक्षा और प्रशिक्षण गतिविधियों का आयोजन किया
- अपने संगठनात्मक कौशल की मदद से स्वदेशी वस्तुओं को बढ़ावा देने के लिए स्वदेशी मेला का आयोजन किया और स्वदेशी भंडार नाम से स्थाई प्रदर्शनी स्थापित की
- कलकत्ता के तत्कालीन मेयर सुभाष चंद्र बोस के अनुरोध पर, इन्होंने वाणिज्यिक संग्रहालय स्थापित किया और स्वदेशी खरीदो आंदोलन शुरू किया
- स्वदेशी विनिर्मित उत्पादों को बढ़ावा देने के लिए रेल प्रदर्शनी का आयोजन किया
- स्वतंत्रता पश्चात 1948 में ईडन गार्डेंस में प्रथम अखिल भारतीय प्रदर्शनी का आयोजन किया
- 13 फरवरी 1956 को मृत्यु



@BOC_MIB

लोक संपर्क और संचार ब्यूरो
सूचना और प्रसारण मंत्रालय
भारत सरकार



BOC_MIB



#AmritMahotsav

अमृत महोत्सव श्रृंखला #117

भारतेन्दु हरिश्चंद्र

(9 सितंबर 1850 - 6 जनवरी 1885)



- कवि, लेखक और सुधारवादी
- स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान जनमत तैयार करने के लिए इन्होंने प्रकाशनों का उपयोग किया
- हिंदी भाषा के पुनरुद्धार और प्रसार की दिशा में महत्वपूर्ण योगदान दिया
- भारतेन्दु हरिश्चंद्र को 'खड़ी बोली' का जनक कहा जाता है और खड़ी बोली में हिंदी साहित्य के एक युग का नाम इनके नाम पर 'भारतेन्दु युग' रखा गया
- "रास" उपनाम से लेखन करते हुए हरिश्चंद्र ने लोगों की पीड़ा, देश की गरीबी, निर्भरता, अमानवीय शोषण, मध्यम वर्ग की अशांति और देश की प्रगति के आग्रह जैसे मुद्दों को उठाया
- 6 जनवरी 1885 को मृत्यु



@BOC_MIB

लोक संपर्क और संचार ब्यूरो
सूचना और प्रसारण मंत्रालय
भारत सरकार



BOC_MIB



#AmritMahotsav

Amrit Mahotsav Series #117

Bharatendu Harishchandra

(9 September 1850 - 6 January 1885)



- A poet, writer and reformist
- He used publications to shape public opinion during Freedom movement
- Contributed towards revival and promotion of Hindi Language
- Bharatendu Harishchandra is known as father of 'Khadi Boli' and one of the era of Hindi literature in 'Khadi Boli' is also known as 'Bharatendu Yuga' after him
- Writing under the pen name "Rasa", Harishchandra represented the agonies of the people, the country's poverty, dependency, inhuman exploitation, the unrest of the middle class and the urge for the progress of the country
- Died on **6 January 1885**



@BOC_MIB

Bureau of Outreach and Communication
Ministry of Information and Broadcasting
Government of India



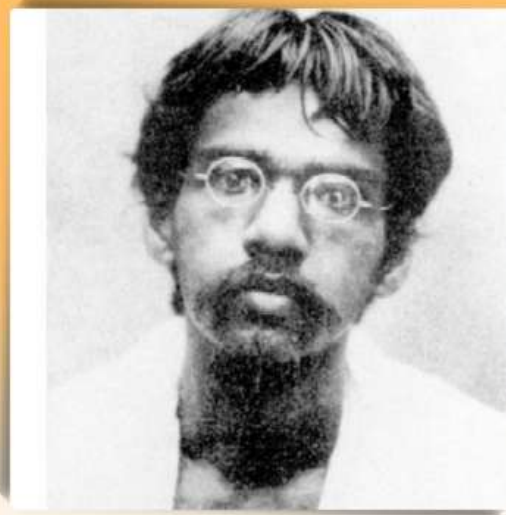
BOC_MIB



#AmritMahotsav

अमृत महोत्सव श्रृंखला #116

बारीन्द्र कुमार घोष (5 जनवरी 1880 – 18 अप्रैल 1959)



- 5 जनवरी 1880 को जन्म
- क्रांतिकारी, पत्रकार, और श्री अरविन्द घोष के छोटे भाई
- युगांतर नामक क्रांतिकारी संस्था के संस्थापक और साप्ताहिक पत्रिका युगांतर की शुरुआत की
- यतीन्द्र नाथ मुखर्जी(बाघा जतिन) के साथ मिलकर युवा क्रांतिकारियों की भर्ती में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई
- जज डगलस किंग्सफोर्ड की हत्या के प्रयास के आरोप में गिरफ्तार हुए
- अलीपुर बम केस में बारीन्द्र घोष और उल्लासकर दत्त को मौत की सज़ा मिली जिसे देशबंधु चितरंजन दास के हस्तक्षेप के बाद आजीवन कारावास में बदल दिया गया
- जेल से छूटने के बाद, पत्रकारिता को अपना व्यवसाय बनाया और दैनिक बसुमती और द स्टेट्समैन के साथ जुड़े



@BOC_MIB

लोक संपर्क और संचार ब्यूरो
सूचना और प्रसारण मंत्रालय
भारत सरकार



BOC_MIB

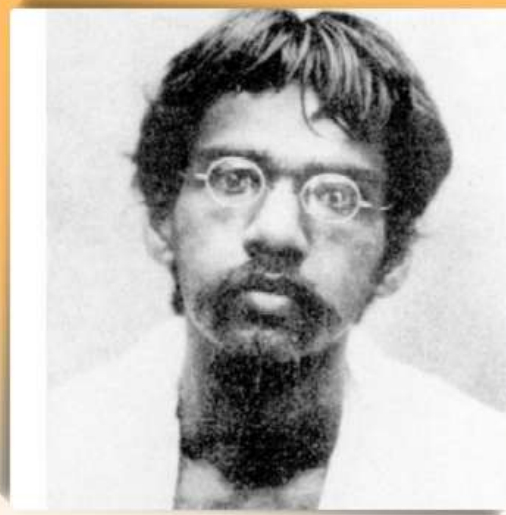


#AmritMahotsav

Amrit Mahotsav Series #116

Barindra Kumar Ghosh

(5 January 1880 - 18 April 1959)



- Born on **5 January 1880**
- Revolutionary, journalist and the younger brother of Sri Aurobindo Ghosh
- Founded the revolutionary organization named Jugantar and started publishing Jugantar, a Bengali weekly
- He along with Jatindranath Mukherjee (or Bagha Jatin), was instrumental in recruiting young revolutionaries
- Got arrested for the murder attempt of Magistrate Douglas Kingsford
- In the Alipore Bomb Case, Barindra Ghosh and Ullaskar Dutta were sentenced to death but with the intervention of Deshbandhu Chittaranjan Das, the sentence was reduced to life imprisonment
- Upon his release from jail, Barindra began his career in Journalism and became associated with Dainik Basumati and The Statesman



@BOC_MIB

Bureau of Outreach and Communication
Ministry of Information and Broadcasting
Government of India



BOC_MIB



#AmritMahotsav

अमृत महोत्सव श्रृंखला #115

वी.डी. चितले



- 4 जनवरी 1906 को कोल्हापुर, महाराष्ट्र में जन्म
- स्वतंत्रता सेनानी, राष्ट्रवादी, विद्वान
- साम्यवादी होने के बावजूद स्वतंत्रता संग्राम में भाग लिया
- किसानों और मजदूरों के हित के लिए कार्य किए
- गांधी जी के नेतृत्व में नमक सत्याग्रह में सक्रिय भागीदारी की
- भारत छोड़ो आंदोलन के समर्थक
- गोवा मुक्ति आंदोलन में सक्रिय रूप से भाग लिया
- 1961 में मृत्यु



@BOC_MIB

लोक संपर्क और संचार ब्यूरो
सूचना और प्रसारण मंत्रालय
भारत सरकार



BOC_MIB



#AmritMahotsav

Amrit Mahotsav Series #115

V.D. Chitale



- Born on **4 January 1906** in Kolhapur, Maharashtra
- Freedom fighter, nationalist and scholar
- Participated in the freedom struggle despite being a communist
- Worked towards the benefit of farmers and labourers
- Took an active part in the Salt Satyagraha led by Mahatma Gandhi
- A staunch supporter of Quit India Movement
- Actively participated in the Goa Liberation Movement
- Died in 1961



@BOC_MIB

Bureau of Outreach and Communication
Ministry of Information and Broadcasting
Government of India



BOC_MIB

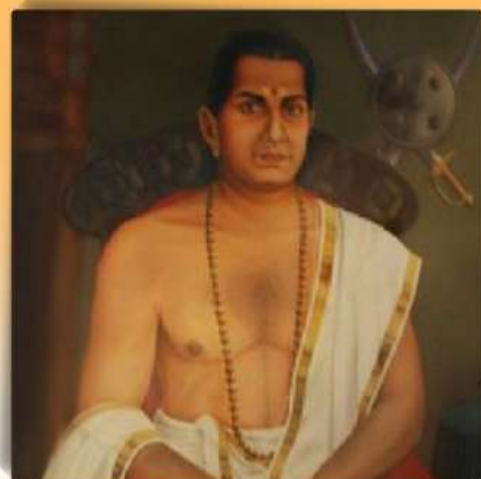


#AmritMahotsav

अमृत महोत्सव श्रृंखला #114

पजहस्सी राजा

(3 जनवरी 1753 – 30 नवंबर 1805)



- **3 जनवरी 1753** को जन्म
- कोट्टयम राज्य के राजकुमार जिन्होंने 18वीं सदी में ईस्ट इंडिया कंपनी के विरुद्ध प्रतिरोध किया
- ईस्ट इंडिया कंपनी के द्वारा कोट्टयम के कब्जे के विरुद्ध उनका संघर्ष कोट्टियोट युद्ध का कारण बना
- उन्हें 'केरल सिंहम्' के नाम से जाना जाता है
- ईस्ट इंडिया कंपनी द्वारा लोगों के शोषण से चिंतित होकर अंग्रेजों के खिलाफ आंदोलन का नेतृत्व किया
- आंदोलन से त्रस्त होकर ईस्ट इंडिया कंपनी ने राजा को दंडित करने के लिए बंबई से सेना भेजी। उनके महल को छीन लिया गया लेकिन वह मौका देखकर जंगलों में भागने में कामयाब रहे
- जंगल के उनके अपने ठिकाने से, राजा ने ईस्ट इंडिया कंपनी के किलों पर आक्रमण के लिए कई अभियान चलाये
- अंततः 1797 में ईस्ट इंडिया कंपनी के विरुद्ध जीत हुई
- 30 नवंबर 1805 को मृत्यु



@BOC_MIB

लोक संपर्क और संचार ब्यूरो
सूचना और प्रसारण मंत्रालय
भारत सरकार



BOC_MIB



#AmritMahotsav

Amrit Mahotsav Series #114

Pazhassi Raja

(3 January 1753 - 30 November 1805)



- Born on **3 January 1753**
- Was a prince of the Kottayam Kingdom who led an active resistance against the East India Company in the 18th century
- His struggles against the East India Company's occupation of Kottayam led to the Cotiote War
- He is popularly known as Kerala Simham (Lion of Kerala)
- Concerned about the exploitation of his people at the hands of the East India Company, he led an uprising against them
- The ongoing campaign frustrated the East India Company and forced them to send an army from Bombay to punish the Raja. His palace was sacked but he managed to flee into the forests in time
- From his base in the forest, the Raja undertook several campaigns to fight against the East India Company attacking them in their forts
- Finally in 1797 achieved decisive victory against the East India Company
- Died on 30 November 1805



@BOC_MIB

Bureau of Outreach and Communication
Ministry of Information and Broadcasting
Government of India



BOC_MIB



#AmritMahotsav

अमृत महोत्सव श्रृंखला #113

महादेव देसाई (1 जनवरी 1892 - 15 अगस्त 1942)



- 1 जनवरी 1892 को जन्म
- स्वतंत्रता सेनानी और लेखक
- 1917 में गांधीजी के आश्रम से जुड़े और उनके साथ चंपारण गए
- 1919 में औपनिवेशिक सरकार द्वारा पंजाब में गांधीजी की गिरफ्तारी के बाद, गांधीजी ने देसाई को अपना उत्तराधिकारी नामित किया
- सत्याग्रह आश्रम की कार्यकारी समिति के अध्यक्ष बने
- बारदोली सत्याग्रह और नमक सत्याग्रह में हिस्सा लिया
- राजकोट और मैसूर राज्य की रियासतों में जन आंदोलनों के आयोजन में अहम भूमिका निभाई
- 1940 के व्यक्तिगत सत्याग्रह के दौरान सत्याग्रहियों के चयन के प्रभारी बनाए गए
- 15 अगस्त 1942 को निधन



@BOC_MIB

लोक संपर्क और संचार ब्यूरो
सूचना और प्रसारण मंत्रालय
भारत सरकार



BOC_MIB



#AmritMahotsav

Amrit Mahotsav Series #113

Mahadev Desai

(1 January 1892 - 15 August 1942)



- Born on **1 January 1892**
- A freedom fighter and writer
- Joined Gandhiji's Ashram in 1917 and accompanied him to Champaran
- In 1919 when the colonial government arrested Gandhiji in Punjab, he named Desai his heir
- Became chairman of the executive committee of the Satyagraha Ashram
- Took part in the Bardoli Satyagraha and Salt Satyagraha
- Played a key role in organising people's movements in the princely states of Rajkot and Mysore
- Was put in charge of selecting satyagrahis during the Individual Satyagraha of 1940
- Died on 15 August 1942



@BOC_MIB

Bureau of Outreach and Communication
Ministry of Information and Broadcasting
Government of India



BOC_MIB



#AmritMahotsav

अमृत महोत्सव श्रृंखला #112

अन्नपूर्णा महाराणा (3 नवंबर 1917 - 31 दिसंबर 2012)



- 3 नवंबर 1917 को जन्म
- केवल 14 वर्ष की आयु से स्वतंत्रता संग्राम में भाग लेने वाली स्वतंत्रता सेनानी
- एक उत्साही गांधीवादी जिन्होंने 1934 में पुरी से भद्रक तक ऐतिहासिक 'हरिजन पद यात्रा' में गांधी जी के साथ भाग लिया
- 1942 में भारत छोड़ो आंदोलन के दौरान सभी प्रमुख राष्ट्रीय नेताओं की गिरफ्तारी के तुरंत बाद बाड़ी क्षेत्र में 'शांति सेना' और 'माराना सेना' का गठन किया
- बाड़ी में दंडात्मक कर लगाने का विरोध किया
- आजादी के बाद, समाज सेवा में अपना समय बिताया और महिलाओं और बच्चों के सशक्तिकरण के लिए कार्य किया
- रायगढ़ जिले में आदिवासी बच्चों के लिए एक विद्यालय की स्थापना की
- 31 दिसंबर 2012 को ओडिशा के कटक में अपने घर में अंतिम सांस ली



@BOC_MIB

लोक संपर्क और संचार ब्यूरो
सूचना और प्रसारण मंत्रालय
भारत सरकार



BOC_MIB



#AmritMahotsav

Amrit Mahotsav Series #112

Annapurna Maharana

(3 November 1917 - 31 December 2012)



- Born on 3 November 1917
- Freedom fighter who joined the freedom struggle at an age of 14 years
- An avid Gandhian who accompanied him in his historic 'Harijan Pada Yatra' from Puri to Bhadrak in 1934
- Organized the 'Shanti Sena' and 'Marana Sena' in the Bari area soon after the arrest of all well known national leaders in the wake of the Quit India movement of 1942
- Protested against the imposition of punitive taxes at Bari
- After independence, spent her time in social service and worked for the empowerment of women and children
- Set up a school in Rayagada district for tribal children
- Passed away on **31 December 2012** at her home in Cuttack, Odisha



@BOC_MIB

Bureau of Outreach and Communication
Ministry of Information and Broadcasting
Government of India



BOC_MIB



#AmritMahotsav

अमृत महोत्सव श्रृंखला #111



यू कियांग नांगबा

- मेघालय के उप आदिवासी समूह पनार के क्रांतिकारी और स्वतंत्रता सेनानी
- नेता और मार्गदर्शक जिन्होंने अंग्रेजों द्वारा कर लगाने से जयंतिया समुदाय के लोगों में मची उथल-पुथल के दौरान विद्रोह का नेतृत्व किया
- स्वयं का संगठन खड़ा करके लोगों को अंग्रेजों के खिलाफ लड़ने के लिए तैयार किया
- उनके संगठन के सदस्य गुरिल्ला युद्ध पद्धति से हमले कर रहे थे जिससे अंग्रेजों को उनसे निपटने के लिए अतिरिक्त बलों को बुलाना पड़ा
- नांगबा के संगठन के सदस्यों की गतिविधियों से अंग्रेजों के लिए मुसीबतें पैदा हुईं
- ब्रिटिश खुफिया सेवा के पास नांगबा की गतिविधियों का कोई सुराग नहीं था और वह अंग्रेजों की आंखों में धूल झोंकने में कामयाब रहे
- अंतिम मुठभेड़ में सैकड़ों जयंतिया लोगों को मार दिया गया और यू कियांग नांगबा को धोखे से पकड़ लिया गया और **30 दिसंबर 1862** को जयंतिया समुदाय के लोगों के दिलों में डर पैदा करने के उद्देश्य से सार्वजनिक रूप से उन्हें फांसी पर लटका दिया गया



@BOC_MIB

लोक संपर्क और संचार ब्यूरो
सूचना और प्रसारण मंत्रालय
भारत सरकार



BOC_MIB



#AmritMahotsav

Amrit Mahotsav Series #111

U Kiang Nangbah



- Freedom fighter and revolutionary from Pnar sub-tribal group of Meghalaya
- Became the leader and guiding spirit and led a rebellion when imposition of taxes by British created a turmoil among the Jaintias
- Formed his own organization and prepared people to fight with the British
- The members of his organisation were carrying guerilla attacks due to which the British had to call for additional forces to tackle them
- Activities of the members of Nangbah's organization started creating troubles for the British
- Managed to hoodwink the British Intelligence Service where they had no clue of his movements and activities
- In the last unequal fight hundreds of Jaintias were killed and U Kiang Nongbah was betrayed, captured and hanged publicly to strike terror into the hearts of the Jaintias on **30 December 1862**



@BOC_MIB

Bureau of Outreach and Communication
Ministry of Information and Broadcasting
Government of India



BOC_MIB



#AmritMahotsav

अमृत महोत्सव श्रृंखला #110

के एम मुंशी

(30 दिसंबर 1887 - 8 फरवरी 1971)



- 30 दिसंबर 1887 को जन्म
- राजनेता, वकील और लेखक
- शैक्षिक न्यास (ट्रस्ट) 'भारतीय विद्या भवन' के संस्थापक
- श्री अरबिंद से प्रभावित होकर, वह क्रांतिकारी समूह में शामिल हो गए और बाद में मुंबई में इंडियन होम रूल आंदोलन में जुड़े
- 'बारदोली सत्याग्रह' में सरदार वल्लभ भाई पटेल के साथ मिलकर काम किया
- 1930 में 'सविनय अवज्ञा आंदोलन' और 1940 में 'व्यक्तिगत सत्याग्रह' में भाग लिया
- संविधान निर्माण एवं हिंदी को कामकाज की भाषा के रूप में मान्यता दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई
- 8 फरवरी 1971 को निधन



@BOC_MIB

लोक संपर्क और संचार ब्यूरो
सूचना और प्रसारण मंत्रालय
भारत सरकार



BOC_MIB



#AmritMahotsav

Amrit Mahotsav Series #110

KM Munshi

(30 December 1887 - 8 February 1971)



- Born on **30 December 1887**
- A politician, lawyer and author
- Founder of 'Bharatiya Vidya Bhavan', an educational trust
- Under the influence of Shri Aurobindo he joined revolutionary group and later got involved in the 'Indian Home Rule Movement' in Mumbai
- Worked closely with Sardar Vallabhbhai Patel in 'Bardoli Satyagraha'
- Participated in the 'Civil Disobedience Movement' in 1930 and 'Individual Satyagraha' in 1940
- Played an important role in making of the Constitution and getting Hindi recognised as the official language
- Died on 8 February 1971



@BOC_MIB

Bureau of Outreach and Communication
Ministry of Information and Broadcasting
Government of India



BOC_MIB



#AmritMahotsav

अमृत महोत्सव श्रृंखला #109

भूपेंद्र कुमार दत्त

(8 अक्टूबर 1892 - 29 दिसंबर 1979)



- स्वतंत्रता सेनानी और क्रांतिकारी
- बंगाल में क्रांतिकारी संगठन युगान्तर के नेता थे
- क्रांतिकारी समूह अनुशीलन समिति का हिस्सा बने
- चटगांव शस्त्रागार पर छापा मारने वाले इंडियन रिपब्लिकन आर्मी के सदस्यों को सहायता और आश्रय प्रदान किया
- वर्ष 1917 में बिलासपुर जेल में 78 दिनों तक भूख हड़ताल करके कीर्तिमान स्थापित किया
- कलकत्ता (वर्तमान में कोलकाता) में **29 दिसंबर 1979** को मृत्यु



@BOC_MIB

लोक संपर्क और संचार ब्यूरो
सूचना और प्रसारण मंत्रालय
भारत सरकार



BOC_MIB



#AmritMahotsav

Amrit Mahotsav Series #109

Bhupendra Kumar Datta

(8 October 1892 - 29 December 1979)



- Freedom fighter and revolutionary
- Was the leader of the revolutionary organisation Jugantar in Bengal
- Became a part of the revolutionary group Anushilan Samiti
- Provided support and shelter to the members of the Indian Republican Army who conducted the Chittagong Armoury Raid
- Held the record of a hunger strike that lasted for 78 days in Bilaspur Jail in the year 1917
- Died on **29 December 1979** in Calcutta, presently known as Kolkata



@BOC_MIB

Bureau of Outreach and Communication
Ministry of Information and Broadcasting
Government of India



BOC_MIB



#AmritMahotsav

अमृत महोत्सव श्रृंखला #108

डॉ पंजाबराव देशमुख

(27 दिसंबर 1898 - 10 अप्रैल 1965)



- 27 दिसंबर 1898 को जन्म
- सामाजिक कार्यकर्ता और स्वतंत्रता पूर्व भारत के किसानों के नेता
- स्वतंत्रता के बाद भारतीय संविधान के निर्माण के लिए बनी समिति के सदस्य
- गरीब छात्रों के लिए श्रद्धानंद छात्रावास शुरू किया
- प्रसिद्ध श्री शिवाजी एजुकेशन सोसायटी के संस्थापक
- किसानों की स्थिति में सुधार के लिए "भारत कृषक समाज" गठित किया और इसकी नीतियों को उजागर करने के लिए "महाराष्ट्र केसरी" नामक समाचार पत्र शुरू किया



@BOC_MIB

लोक संपर्क और संचार ब्यूरो
सूचना और प्रसारण मंत्रालय
भारत सरकार



BOC_MIB



#AmritMahotsav

Amrit Mahotsav Series #108

Dr. Panjabrao Deshmukh

(27 December 1898 - 10 April 1965)



- Born on **27 December 1898**
- A social activist and a leader of farmers in Pre-Independence India
- Was member of the committee for the development of Indian Constitution after independence
- Had started Shraddhanand hostel for poor students
- Was the founder of famous Shri Shivaji Education Society
- In order to improve the condition of farmers he formed "Bharat Krushak Samaj" and to advocate it's policies he started a newspaper namely "Maharashtra Kesari"



@BOC_MIB

Bureau of Outreach and Communication
Ministry of Information and Broadcasting
Government of India



BOC_MIB



#AmritMahotsav

अमृत महोत्सव श्रृंखला #107

बीना दास

(24 अगस्त 1911 - 26 दिसंबर 1986)



- पश्चिम बंगाल से क्रांतिकारी और राष्ट्रवादी
- कोलकाता में महिलाओं के लिए एक अर्ध-क्रांतिकारी संगठन छत्री संघ की सदस्य थीं
- 6 फरवरी 1932 को कलकत्ता विश्वविद्यालय के कन्वोकेशन हॉल में बंगाल के गवर्नर स्टेनली जैक्सन की हत्या का प्रयास किया और इन्हें नौ साल के कठोर कारावास की सजा सुनाई गई
- सन् 1939 में इनकी समयपूर्व रिहाई के बाद भारत छोड़ो आंदोलन में सक्रिय रूप से भाग लिया
- नेताजी सुभाष चंद्र बोस के राजनीतिक विचारों और स्वतंत्रता आंदोलन पर उनके रुख से बहुत प्रभावित थीं
- **26 दिसंबर 1986** को निधन



@BOC_MIB

लोक संपर्क और संचार ब्यूरो
सूचना और प्रसारण मंत्रालय
भारत सरकार



BOC_MIB



#AmritMahotsav

Amrit Mahotsav Series #107

Bina Das

(24 August 1911 - 26 December 1986)



- A revolutionary and nationalist from West Bengal
- Was a member of Chhatri Sangha, a semi-revolutionary organisation for women in Kolkata
- On 6 February 1932, she attempted to assassinate the Bengal Governor Stanley Jackson, in the Convocation Hall of the University of Calcutta and was sentenced to nine years of rigorous imprisonment.
- After her early release in 1939, Das actively participated in the Quit India movement
- Was greatly influenced by Netaji Subhas Chandra Bose's political beliefs and his stance on freedom movement
- Died on **26 December 1986**



@BOC_MIB

Bureau of Outreach and Communication
Ministry of Information and Broadcasting
Government of India



BOC_MIB



#AmritMahotsav

अमृत महोत्सव श्रृंखला #106

ऊधम सिंह

(26 दिसंबर 1899 - 31 जुलाई 1940)



- 26 दिसंबर 1899 को जन्म
- क्रांतिकारी और स्वतंत्रता सेनानी
- शहीद भगत सिंह की क्रांतिकारी भावना से प्रेरित
- गदर पार्टी में शामिल हुए और औपनिवेशिक शासन को उखाड़ फेंकने के लिए विदेश में भारतीयों को संगठित किया
- 1919 में जलियांवाला बाग नरसंहार के लिए जिम्मेदार पंजाब के पूर्व लेफ्टिनेंट गवर्नर माइकल ओ डायर की हत्या की
- घटना के बाद गिरफ्तार कर लिया गया और ब्रिटेन में मुकदमा चलाया गया
- लंदन के पेंटनविल जेल में 31 जुलाई 1940 को फांसी दी गई



@BOC_MIB

लोक संपर्क और संचार ब्यूरो
सूचना और प्रसारण मंत्रालय
भारत सरकार



BOC_MIB



#AmritMahotsav

Amrit Mahotsav Series #106

Udham Singh

(26 December 1899 - 31 July 1940)



- Born on **26 December 1899**
- A revolutionary and freedom fighter
- Inspired by the revolutionary spirit of Shaheed Bhagat Singh
- Joined Ghadar Party and organized Indians overseas for overthrowing colonial rule
- Planned and executed the assassination of Michael O' Dwyer, the former Lieutenant Governor of the Punjab, who was responsible for the 1919 Jallianwala Bagh massacre
- Got arrested after the incident and was tried in Britain
- Hanged on 31 July 1940 at London's Pentonville prison



@BOC_MIB

Bureau of Outreach and Communication
Ministry of Information and Broadcasting
Government of India



BOC_MIB



#AmritMahotsav

Amrit Mahotsav Series #105

Madan Mohan Malaviya

(25 December 1861 - 12 November 1946)



- Born on **25 December 1861**
- A scholar, social reformer and an eloquent speaker
- Championed in propagating the national cause for Independence through Constitutional means
- Member of the United Provinces Legislative Council and the Central Legislative Assembly
- Laid the foundation of modern Indian nationalism
- Founded the Banaras Hindu University in 1916
- Has been conferred with the highest civilian honour, Bharat Ratna posthumously by the Government of India in the year 2014
- Died on 12 November 1946



@BOC_MIB

Bureau of Outreach and Communication
Ministry of Information and Broadcasting
Government of India



BOC_MIB



#AmritMahotsav

अमृत महोत्सव श्रृंखला #105

मदन मोहन मालवीय

(25 दिसंबर 1861- 12 नवंबर 1946)



- 25 दिसंबर 1861 को जन्म
- शिक्षाविद, समाज सुधारक और प्रखर वक्ता
- संवैधानिक तरीकों से स्वतंत्रता हेतु राष्ट्र हितों को मज़बूती से आगे बढ़ाया
- यूनाइटेड प्रोविंसेस विधान परिषद और केंद्रीय विधान सभा के सदस्य रहे
- आधुनिक भारतीय राष्ट्रवाद की बुनियाद रखी
- 1916 में बनारस हिंदू विश्वविद्यालय की स्थापना की
- वर्ष 2014 में भारत सरकार द्वारा उन्हें सर्वोच्च नागरिक सम्मान भारत रत्न मरणोपरांत दिया गया
- 12 नवंबर 1946 को निधन



@BOC_MIB

लोक संपर्क और संचार ब्यूरो
सूचना और प्रसारण मंत्रालय
भारत सरकार



BOC_MIB



#AmritMahotsav

अमृत महोत्सव श्रृंखला #104

भूपेंद्रनाथ दत्त

(4 सितंबर 1880 - 25 दिसंबर 1961)



- क्रांतिकारी, समाजशास्त्री और मानवविज्ञानी
- युगांतर आंदोलन से करीब से जुड़े हुए थे
- वर्ष 1907 में उनकी गिरफ्तारी और कारावास जाने तक, वह (बंगाल क्रांतिकारी दल के मुखपत्र) युगांतर पत्रिका के संपादक थे
- बंगाल रिवोल्यूशनरी सोसायटी में शामिल हुए और श्री अरबिंद एवं बरिंद्र घोष से करीबी रूप से जुड़े हुए थे
- कैलिफोर्निया की गदर पार्टी के सदस्य थे
- भारतीय स्वतंत्रता समिति के सचिव बने
- स्वामी विवेकानंद के छोटे भाई थे
- 25 दिसंबर 1961 को निधन



@BOC_MIB

लोक संपर्क और संचार ब्यूरो
सूचना और प्रसारण मंत्रालय
भारत सरकार



BOC_MIB



#AmritMahotsav

Amrit Mahotsav Series #104

Bhupendranath Datta

(4 September 1880 - 25 December 1961)



- A revolutionary, sociologist and anthropologist
- Was closely associated with the Jugantar movement
- Until his arrest and imprisonment in the year 1907, he was the editor of Jugantar Patrika (mouthpiece of the Revolutionary Party of Bengal)
- Joined the Bengal Revolutionary Society and held close association with Sri Aurobindo and Barindra Ghosh
- Was a member of the Ghadar Party of California
- Became the secretary of the Indian Independence Committee
- Was the younger brother of Swami Vivekananda
- Died on **25 December 1961**



@BOC_MIB

Bureau of Outreach and Communication
Ministry of Information and Broadcasting
Government of India



BOC_MIB



#AmritMahotsav

अमृत महोत्सव श्रृंखला #103

पांडुरंग सदाशिव साने

(24 दिसंबर 1899 - 11 जून 1950)



- 24 दिसंबर 1899 को जन्म
- लेखक, शिक्षक और सामाजिक कार्यकर्ता
- बच्चों को शिक्षित करने के उद्देश्य वाला उनका साहित्य आज भी हर पीढ़ी के लोगों को प्रेरित कर रहा है
- स्वतंत्रता सेनानी जो गांधीजी के प्रबल अनुयायी थे
- अछूतों के कल्याण के लिए अथक परिश्रम किया
- अगस्त 1948 में उनके द्वारा सामाजिक-सांस्कृतिक स्वतंत्रता के लिए शुरू साप्ताहिक पत्रिका 'साधना' आज भी उनका संदेश फैला रही है
- 11 जून 1950 को निधन



@BOC_MIB

लोक संपर्क और संचार ब्यूरो
सूचना और प्रसारण मंत्रालय
भारत सरकार



BOC_MIB



#AmritMahotsav

Amrit Mahotsav Series #103

Pandurang Sadashiv Sane

(24 December 1899 - 11 June 1950)



- Born on **24 December 1899**
- Author, teacher and social activist
- His literature, aimed at educating children, continues to inspire the young and old till today
- A freedom fighter who was an ardent follower of Gandhi
- Worked tirelessly for the welfare of untouchables
- The Sadhana weekly, started by him in August 1948 as a vehicle of socio-cultural emancipation, continues to spread his message
- Died on 11 June 1950



@BOC_MIB

Bureau of Outreach and Communication
Ministry of Information and Broadcasting
Government of India



BOC_MIB



#AmritMahotsav

अमृत महोत्सव श्रृंखला #102

चौधरी चरण सिंह

(23 दिसम्बर 1902-29 मई 1987)



- 23 दिसंबर 1902 को जन्म
- स्वतंत्र भारत के पांचवें प्रधानमंत्री
- हाशिए पर पड़े लोगों के सशक्तिकरण और किसानों के अधिकारों की रक्षा के लिए अथक कार्य किया
- भारत के लोकतांत्रिक ढांचे को मजबूत करने में सबसे आगे रहे
- राष्ट्रवादी आंदोलनों के दौरान 1930, 1940 और 1942 में जेल गए
- 2001 में, पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय अटल बिहारी वाजपेयी के नेतृत्व में भारत सरकार ने उनकी याद में 23 दिसंबर को किसान दिवस के रूप में मनाने का फैसला किया



@BOC_MIB

लोक संपर्क और संचार ब्यूरो
सूचना और प्रसारण मंत्रालय
भारत सरकार



BOC_MIB

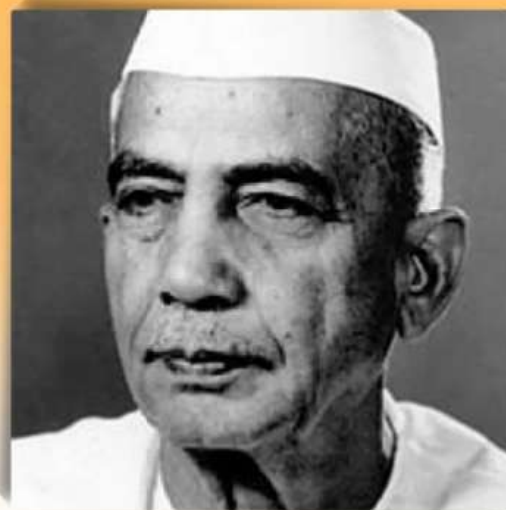


#AmritMahotsav

Amrit Mahotsav Series #102

Chaudhary Charan Singh

(23 December 1902 - 29 May 1987)



- Born on **23 December 1902**
- Was the fifth Prime Minister of the Indian Republic
- Worked tirelessly for the empowerment of the marginalised and safeguarding the rights of farmers
- Was at the forefront of strengthening India's democratic fabric
- Was imprisoned in 1930, 1940 & 1942 during the nationalist movements
- In 2001, the Government of India under the leadership of former Prime Minister Late Atal Bihari Vajpayee decided to celebrate 23 December as Kisan Divas or Farmer's Day in his remembrance



@BOC_MIB

Bureau of Outreach and Communication
Ministry of Information and Broadcasting
Government of India



BOC_MIB

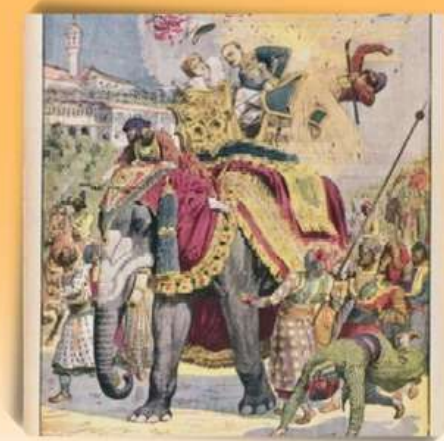


#AmritMahotsav

अमृत महोत्सव श्रृंखला #101

दिल्ली लाहौर मामला

(23 दिसंबर 1912)



23 दिसंबर 1912 को वायसराय लॉर्ड हार्डिंग पर उनकी चांदनी चौक की शोभा यात्रा के दौरान बम फेंका गया। इस घटना में वायसराय घायल हो गए। सरकार ने क्रांतिकारी गतिविधियों को नष्ट करने के लिए किए जा रहे अपने प्रयासों को और मजबूत किया। कड़ी छानबीन के दौरान रासबिहारी बोस की उस व्यक्ति के रूप में पहचान हुई, जिन्होंने बम फेंका था। लेकिन इस घटना के बाद से रासबिहारी भूमिगत हो चुके थे और वह सफलतापूर्वक जापान चले गए, जहां वह अपनी मृत्यु होने तक रहे। जापान जाने से पहले वह गदर आंदोलन में भी शामिल रहे।

तब से इस घटना को 'दिल्ली लाहौर केस' या 'हार्डिंग बम केस' के नाम से जाना जाता है।



@BOC_MIB

लोक संपर्क और संचार ब्यूरो
सूचना और प्रसारण मंत्रालय
भारत सरकार

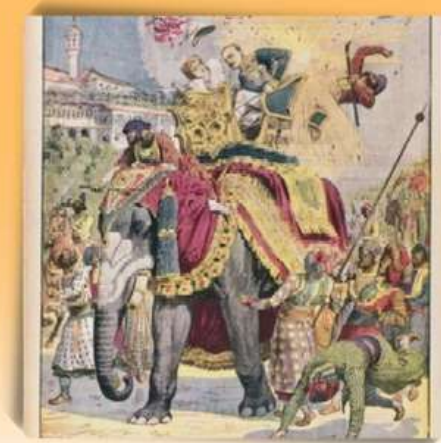


BOC_MIB



#AmritMahotsav

Amrit Mahotsav Series #101



Delhi Lahore Case

(23 December 1912)

On **23 December 1912** a bomb was thrown at the Viceroy Lord Hardinge when his procession was moving from Chandni Chowk. The Viceroy got wounded in the attempt. The government strengthened its efforts to destroy the underground activities. Rash Behari Bose was identified as the person who threw the bomb but he went underground and successfully fled to Japan, where he lived till he died. Before fleeing to Japan, he also got involved in the Ghadar movement.

Since then, this incident is known as Delhi Lahore Case or Hardinge Bomb Case.



@BOC_MIB

Bureau of Outreach and Communication
Ministry of Information and Broadcasting
Government of India



BOC_MIB



#AmritMahotsav

अमृत महोत्सव श्रृंखला #100

तारकनाथ दास

(15 जून 1884 - 22 दिसंबर 1958)



- क्रांतिकारी और विद्वान
- अनुशीलन समिति के सदस्य रहे
- भारत की स्वतंत्रता के लिए विदेश में आंदोलन चलाने में अहम भूमिका निभाई
- अमेरिका के वेस्ट कोस्ट में भारतीय छात्रों और मजदूरों के संगठनों का गठन किया
- भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन के पक्ष में उत्तरी अमेरिका में एशियाई भारतीय प्रवासियों को संगठित किया
- भारतीय स्वतंत्रता के लिए संसाधन जुटाने की खोज में चार महाद्वीपों की यात्रा की
- अपने क्रांतिकारी संगठन को बनाये रखा और गदर पार्टी के लाला हर दयाल से जुड़े
- **22 दिसंबर 1958** को निधन



@BOC_MIB

लोक संपर्क और संचार ब्यूरो
सूचना और प्रसारण मंत्रालय
भारत सरकार



BOC_MIB



#AmritMahotsav

Amrit Mahotsav Series #100

Taraknath Das

(15 June 1884 - 22 December 1958)



- A revolutionary and scholar
- Was a member of Anushilan Samiti
- Became a key figure in the overseas struggle for India's independence
- Launched organizations of Indian students and laborers on the West Coast of United States
- Organised the Asian Indian immigrants in favour of the Indian independence movement in North America
- In his quest to mobilize resources for Indian independence he journeyed through four continents
- He continued his revolutionary organization and associated with Lala Har Dayal of the Gadar party
- Died on **22 December 1958**



@BOC_MIB

Bureau of Outreach and Communication
Ministry of Information and Broadcasting
Government of India



BOC_MIB



#AmritMahotsav

अमृत महोत्सव श्रृंखला #99

ठाकुर प्यारेलाल सिंह (21 दिसंबर 1891 - 20 अक्टूबर 1954)



- 21 दिसंबर 1891 को जन्म
- स्वतंत्रता सेनानी और वकील
- छत्तीसगढ़ में श्रमिक आंदोलनों के संस्थापक
- राजनांदगांव रियासत में तीन मजदूर आंदोलनों का नेतृत्व किया
- भारत की पहली दीर्घावधि हड़ताल शुरू की जिसके परिणामस्वरूप मजदूरों के कार्य के घंटे कम हुए
- महात्मा गांधी द्वारा असहयोग आंदोलन की शुरुआत के साथ, उन्होंने अपनी वकालत छोड़ दी और स्वतंत्रता आंदोलन में जुट गए
- इस अवधि में उनकी देखरेख में राजनांदगांव के माध्यमिक स्कूल सहित कई भारतीय राष्ट्रीय स्कूलों की स्थापना हुई
- "त्यागमूर्ति" (बलिदान का प्रतीक) की उपाधि से सम्मानित



@BOC_MIB

लोक संपर्क और संचार ब्यूरो
सूचना और प्रसारण मंत्रालय
भारत सरकार



BOC_MIB

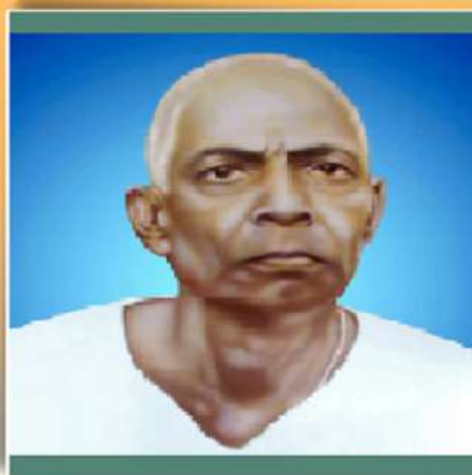


#AmritMahotsav

Amrit Mahotsav Series #99

Thakur Pyarelal Singh

(21 December 1891 - 20 October 1954)



- Born on **21 December 1891**
- A freedom fighter and lawyer
- Founder of labour movements in Chhattisgarh
- Led three workers' movements in Rajnandgaon Riyast
- Started India's first long-term strike which resulted in reducing the worker's working hours
- With the beginning of the non-cooperation movement by Mahatma Gandhi, he left his legal practice and started campaigning for Freedom movement
- Many Indian national schools were established during this period under his supervision, including the Madhyamik School in Rajnandgaon
- Conferred with the honorary title of "Tyagmurti", which means "epitome of sacrifice"



@BOC_MIB

Bureau of Outreach and Communication
Ministry of Information and Broadcasting
Government of India



BOC_MIB



#AmritMahotsav

अमृत महोत्सव श्रृंखला #98

राम प्रसाद बिस्मिल

(11 जून 1897 - 19 दिसंबर 1927)



- क्रांतिकारी और स्वतंत्रता सेनानी
- 1918 की मैनपुरी घटना में भाग लिया
- इटावा, मैनपुरी, आगरा और शाहजहांपुर जिले के युवाओं को अपने संगठन 'मातृवेदी' और 'शिवाजी समिति' को मजबूत करने के लिए एकजुट किया
- 'देशवासियों के नाम' शीर्षक से एक पर्चा प्रकाशित किया और पार्टियों के लिए धन इकट्ठा करने के लिए इसे अपनी कविता 'मैनपुरी की प्रतिज्ञा' के साथ वितरित किया
- हिंदुस्तान रिपब्लिक एसोसिएशन का गठन किया जिसमें भगत सिंह और चंद्रशेखर आजाद जैसे क्रांतिकारी शामिल हुए
- काकोरी ट्रेन घटना की योजना बनाई
- हमले के एक महीने के भीतर, नाराज ब्रिटिश अधिकारियों ने उन्हें गिरफ्तार कर लिया और मौत की सजा सुनाई
- **19 दिसंबर 1927** को फांसी दी गई



@BOC_MIB

लोक संपर्क और संचार ब्यूरो
सूचना और प्रसारण मंत्रालय
भारत सरकार



BOC_MIB



#AmritMahotsav

Amrit Mahotsav Series #98

Ram Prasad Bismil

(11 June 1897 – 19 December 1927)



- A revolutionary and freedom fighter
- Participated in the Mainpuri incident of 1918
- Organised youth from Etahwah, Mainpuri, Agra and Shahjahanpur districts to strengthen their organisations, 'Matrivedi' and 'Shivaji Samiti'
- Published a pamphlet titled 'Deshwasiyon ke Naam' and distributed it along with his poem 'Mainpuri ki Pratigya' to collect funds for the parties
- Formed the Hindustan Republic Association which soon had leaders like Bhagat Singh and Chandrashekhar Azad
- Planned the Kakori Train Case
- Within a month of the attack, the angered colonial authorities arrested and sentenced him to death
- Was hanged on **19 December 1927**



@BOC_MIB

Bureau of Outreach and Communication
Ministry of Information and Broadcasting
Government of India



BOC_MIB



#AmritMahotsav

अमृत महोत्सव श्रृंखला #97

वी. वेंकटसुब्बा रेड्डीयर

(18 दिसंबर 1909 - 6 जून 1982)



- 18 दिसंबर 1909 को जन्म
- फ्रांसीसियों के विरुद्ध स्वतंत्रता आंदोलन का नेतृत्व करने वालों में से एक
- फ्रांसीसियों से पांडिचेरी (अब पुडुचेरी) छोड़ने और इसे भारतीय संघ में विलय करने की मांग की
- अन्य नेताओं के साथ मिलकर फ्रांसीसी सरकार के विरुद्ध एक समानांतर सरकार का गठन किया
- पांडिचेरी (अब पुडुचेरी) का 13 अक्टूबर 1954 को भारतीय संघ में विलय हो गया
- पांडिचेरी (अब पुडुचेरी) के मुख्यमंत्री बने
- 6 जून 1982 को निधन



@BOC_MIB

लोक संपर्क और संचार ब्यूरो
सूचना और प्रसारण मंत्रालय
भारत सरकार



BOC_MIB



#AmritMahotsav

Amrit Mahotsav Series #97

V. Venkatasubba Reddiar

(18 December 1909 - 6 June 1982)



- Born on **18 December 1909**
- Considered as one of the architects who spearheaded the freedom movement against the French
- Demanded the French to leave Pondicherry (now Puducherry) and allow it to merge with the Indian Union
- He formed a parallel government, along with other leaders, against French Government
- Finally Pondicherry (now Puducherry) got merged with the Indian Union on 13 October 1954
- Later he became the Chief Minister of Pondicherry (now Puducherry)
- Died on 6 June 1982



@BOC_MIB

Bureau of Outreach and Communication
Ministry of Information and Broadcasting
Government of India



BOC_MIB

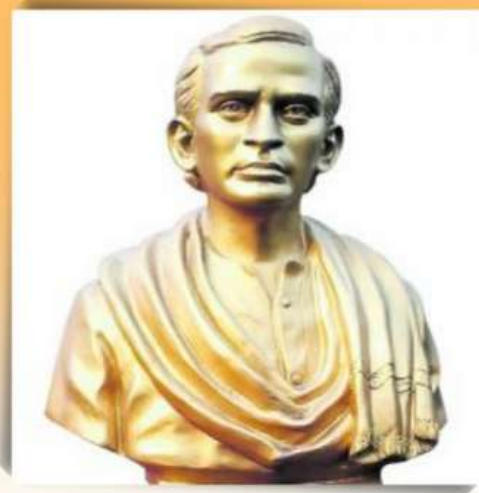


#AmritMahotsav

Amrit Mahotsav Series #96

Garimella Satyanarayana

(14 July 1893 - 18 December 1952)



- A poet and freedom fighter
- Fought against the British Government and expressed his feelings through his patriotic songs and writings
- Was imprisoned by the British government several times
- The Andhra people were inspired by his talents and he was considered as one of the great patriots
- He is identified by his famous song (We don't need this white rule) which was popular in Andhra Pradesh during the Freedom struggle
- Was against caste discrimination and fought for the rights of the women
- Joined Mahatma Gandhi and participated in the Freedom movement
- Contributed all his wealth for national cause
- Though he was a poor person, he used to provide free food to the freedom fighters
- Died on **18 December 1952**



@BOC_MIB

Bureau of Outreach and Communication
Ministry of Information and Broadcasting
Government of India



BOC_MIB



#AmritMahotsav

अमृत महोत्सव श्रृंखला #96

गरिमेला सत्यनारायण

(14 जुलाई 1893 - 18 दिसंबर 1952)



- कवि और स्वतंत्रता सेनानी
- ब्रिटिश सरकार के खिलाफ लड़े और देशभक्ति गीतों और लेखन के माध्यम से अपनी भावनाओं को व्यक्त किया
- ब्रिटिश सरकार द्वारा कई बार जेल भेजे गए
- आंध्र के लोग उनकी प्रतिभा से प्रेरित हुए और उन्हें महान देशभक्तों में से एक माना जाता है
- उन्हें उनके प्रसिद्ध गीत (हमें अंग्रेजों के शासन की जरूरत नहीं) से पहचाना जाता है जो स्वतंत्रता संग्राम के दौरान आंध्र प्रदेश में लोकप्रिय था
- जातिगत भेदभाव के विरुद्ध थे और महिलाओं के अधिकारों के लिए लड़े
- महात्मा गांधी के साथ जुड़े और स्वतंत्रता आंदोलन में भाग लिया
- अपनी सारी संपत्ति राष्ट्रीय कार्यों में लगा दी
- गरीब होते हुए भी वह स्वतंत्रता सेनानियों को मुफ्त भोजन उपलब्ध कराते थे
- **18 दिसंबर 1952** को मृत्यु



@BOC_MIB

लोक संपर्क और संचार ब्यूरो
सूचना और प्रसारण मंत्रालय
भारत सरकार



BOC_MIB



#AmritMahotsav

अमृत महोत्सव श्रृंखला #95

सखाराम गणेश देउसकर

(1869 - 1912)



- 17 दिसंबर 1869 को झारखंड के देवघर के पास एक गांव में जन्म
- क्रांतिकारी पत्रकार और श्री अरबिंदो के करीबी सहयोगी
- भारतीय पुनर्जागरण के प्रमुख नेताओं में से एक
- वह मूलतः मराठी मूल के थे लेकिन उनका पालन-पोषण एक बंगाली परिवेश में हुआ और उन्होंने महाराष्ट्र और बंगाल के पुनरुत्थान में एक सेतु का काम किया
- बांग्ला की अधिकांश क्रांतिकारी पत्रिकाओं में योगदान दिया
- उनमें से सबसे प्रभावशाली कृति 'देशेर कथा' थी जिसे बाद में हिंदी में 'देश की बात' के रूप में अनुवादित किया गया जिसने औपनिवेशिक ब्रिटिश शासन द्वारा भारतीय अर्थव्यवस्था के शोषण की ओर जनमत का ध्यान आकर्षित किया
- इसने भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन के लिए जनता को एकत्र करने में मदद की
- बाल गंगाधर तिलक को अपना राजनीतिक गुरु माना
- 1912 में निधन



@BOC_MIB

लोक संपर्क और संचार ब्यूरो
सूचना और प्रसारण मंत्रालय
भारत सरकार



BOC_MIB



#AmritMahotsav

Amrit Mahotsav Series #95



Sakharam Ganesh Deuskar

(1869 - 1912)

- Born on **17 December 1869** in a village near Deoghar, Jharkhand
- A revolutionary journalist and a close associate of Sri Aurobindo
- Was one of the major architects of the Indian Renaissance
- Though being from Marathi origin, he was brought up in a Bengali setting and acted as a bridge between Maharashtra and Bengal's renaissance
- Contributed in most of the revolutionary magazines of Bengali
- The most influential one among them was the work 'Deshar Katha' which was later translated in Hindi as 'Desh Ki Baat' which was based on the exploitation of the Indian economy by Colonial British rule
- It helped in mobilising the masses for Indian National movement
- Considered Bal Gangadhar Tilak as his political guru
- Breathed his last in 1912



@BOC_MIB

Bureau of Outreach and Communication
Ministry of Information and Broadcasting
Government of India



BOC_MIB



#AmritMahotsav

अमृत महोत्सव श्रृंखला #94

राजेन्द्र नाथ लाहिड़ी

(1901 – 1927)



- 1901 में बंगाल प्रेसीडेंसी के पाबना जिले में जन्म
- एक स्वतंत्रता सेनानी और क्रांतिकारी जिन्होंने भारतीय स्वतंत्रता संग्राम में सक्रिय भाग लिया
- हिंदुस्तान सोशलिस्ट रिपब्लिकन एसोसिएशन नामक क्रांतिकारी संगठन के सदस्य थे
- उन्होंने चंद्र शेखर आजाद के साथ काकोरी ट्रेन घटना की योजना बनाई और दक्षिणेश्वर बम विस्फोट में भी शामिल थे
- **17 दिसंबर 1927** को गोंडा जेल (उत्तर प्रदेश) में फांसी दी गई



@BOC_MIB

लोक संपर्क और संचार ब्यूरो
सूचना और प्रसारण मंत्रालय
भारत सरकार



BOC_MIB



#AmritMahotsav

Amrit Mahotsav Series #94

Rajendra Nath Lahiri

(1901 - 1927)



- Born in 1901 , in Pabna district of the Bengal Presidency
- A freedom fighter and revolutionary who took active part in Indian freeddeom struggle
- Was a member of revolutionary organization called the Hindustan Socialist Republican Association
- He planned the Kakori train incident along with Chandra Shekhar Azad and was also involved in Dakshineshwar bombing
- Was hanged on **17 December 1927** in the Gonda Jail (Uttar Pradesh)



@BOC_MIB

Bureau of Outreach and Communication
Ministry of Information and Broadcasting
Government of India



BOC_MIB



#AmritMahotsav

अमृत महोत्सव श्रृंखला #93

विजय दिवस



1971 के युद्ध में पाकिस्तान पर भारतीय सेना की जीत के उपलक्ष्य में हर साल 16 दिसंबर को विजय दिवस मनाया जाता है।

16 दिसंबर 1971 को भारत ने 13 दिन के युद्ध के बाद पाकिस्तान के विरुद्ध युद्ध जीता था। पाकिस्तानी सेना के प्रमुख जनरल आमिर अब्दुल्ला खान नियाज़ी ने 93,000 पाकिस्तानी सैनिकों के साथ भारतीय सेना और बांग्लादेश की मुक्ति बाहिनी की संयुक्त सेना के सामने आत्मसमर्पण कर दिया था।

यह द्वितीय विश्व युद्ध के बाद अब तक का सबसे बड़ा सैन्य आत्मसमर्पण भी था।



@BOC_MIB

लोक संपर्क और संचार ब्यूरो
सूचना और प्रसारण मंत्रालय
भारत सरकार



BOC_MIB



#AmritMahotsav

Amrit Mahotsav Series #93

Vijay Diwas



Vijay Diwas, celebrated on **16 December** every year to commemorate the victory of the Indian Forces over Pakistan during the 1971 war.

On **16 December 1971**, India had won the war against Pakistan after fighting for 13 days. The chief of the Pakistani forces, General Amir Abdullah Khan Niazi surrendered to the joint forces of Indian Army and Bangladesh's Mukti Bahini, along with 93,000 Pakistani troops.

It was also the biggest-ever military surrender after World War II.



@BOC_MIB

Bureau of Outreach and Communication
Ministry of Information and Broadcasting
Government of India



BOC_MIB



#AmritMahotsav

अमृत महोत्सव श्रृंखला #92

सरदार वल्लभ भाई पटेल

(31 अक्टूबर 1875 - 15 दिसंबर 1950)



- भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के अग्रणी स्तंभों में से एक थे
- उनके जीवन में एक महत्वपूर्ण मोड़ तब आया जब महात्मा गांधी ने 1918 में खेड़ा सत्याग्रह का नेतृत्व करने के लिए उन्हें चुना
- किसानों के नेता के रूप में उन्होंने अपने जीवन को लोक सेवा के मार्ग की ओर प्रशस्त किया
- 1928 के बारडोली सत्याग्रह में सशक्त रूप से भागीदारी ने उन्हें राष्ट्रीय गौरव के नए शिखर पर पहुंचा दिया
- 15 अगस्त 1947 को स्वतंत्र भारत के पहले उपप्रधानमंत्री और पहले गृह मंत्री के रूप में शपथ ली। उन्होंने सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय का भी कार्यभार संभाला
- उन्होंने 565 देशी रियासतों का विलय कर एकजुट स्वतंत्र भारत के निर्माण और स्वतंत्रता के बाद अखिल भारतीय सेवाओं के सृजन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई
- लौहपुरुष के नाम से जाना गया
- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत सरकार ने सरदार पटेल को श्रद्धांजलि देने के लिए दुनिया के सबसे ऊंचे स्मारक 'स्टेच्यू ऑफ यूनिटी' का निर्माण करवाया
- **15 दिसंबर 1950** को निधन



@BOC_MIB

लोक संपर्क और संचार ब्यूरो
सूचना और प्रसारण मंत्रालय
भारत सरकार



BOC_MIB

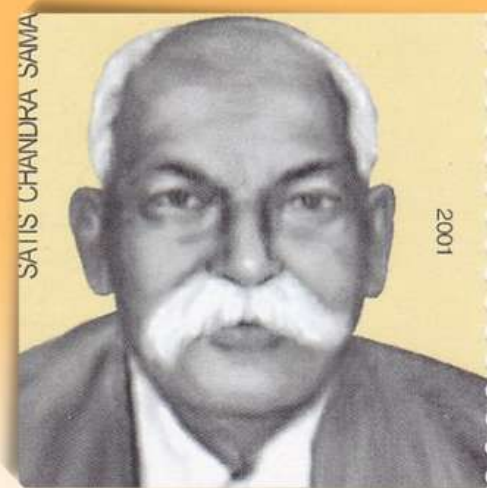


#AmritMahotsav

Amrit Mahotsav Series #92

Satish Chandra Samanta

(15 December 1900 - 4 June 1983)



- Born on **15 December 1900**
- A freedom fighter of independence movement activist
- Had quit Engineering College in order to fight for freedom of India from the clutches of the British
- Became the president of Tamruk Congress Committee and remained an active congress member for decades
- His leadership qualities could be observed during the formation of a parallel government named Tamralipta Jatiya Sarkar (Tamrlipta National Government) in Tamruk during the Quit India Movement
- In addition to his political work, he helped people by participating in activities related to improving civic health and literacy
- Was a member of the Parliament for more than three decades
- Was elected to the Lok Sabha from Tamruk constituency
- Died on 4 June 1983



@BOC_MIB

Bureau of Outreach and Communication
Ministry of Information and Broadcasting
Government of India



BOC_MIB

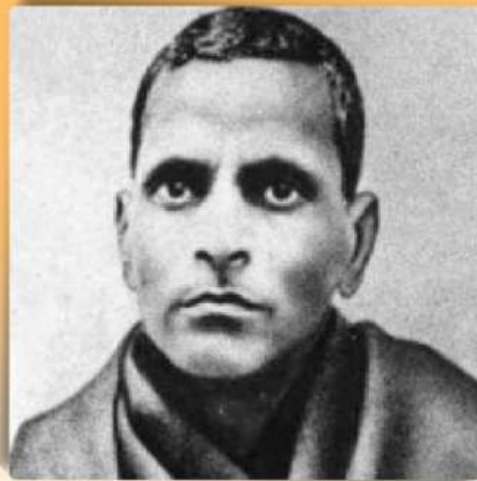


#AmritMahotsav

अमृत महोत्सव श्रृंखला #91

पोद्दी श्रीरामुलु

(16 मार्च 1901-15 दिसंबर 1952)



- 1901 में पदमतापल्ली में जन्म, जो एक समय नेल्लूर जिले का हिस्सा था
- स्वतंत्रता सेनानी और क्रांतिकारी
- 1930 के नमक सत्याग्रह में भाग लेने के लिए उन्हें बंदी बनाया गया
- व्यक्तिगत सत्याग्रह और भारत छोड़ो आंदोलन में भाग लिया
- महात्मा गांधी जी के अनुयायी, समर्थक और शिष्य थे
- येनेनी सुब्रह्मण्यम द्वारा कोमारावलू में स्थापित गांधी आश्रम से जुड़े
- दलितों को पवित्र स्थानों में प्रवेश की मांग और समाज में उनके उत्थान के समर्थन में अनशन किया
- श्रीरामुलु के समर्पण और उपवास की क्षमता पर महात्मा गांधी जी ने एक बार कहा था, "अगर मेरे पास श्रीरामुलु की तरह 11 समर्थक और होते तो भारत को ब्रिटिश शासन से एक साल में आजादी मिल जाती"
- 15 दिसंबर 1952 को निधन



@BOC_MIB

लोक संपर्क और संचार ब्यूरो
सूचना और प्रसारण मंत्रालय
भारत सरकार



BOC_MIB

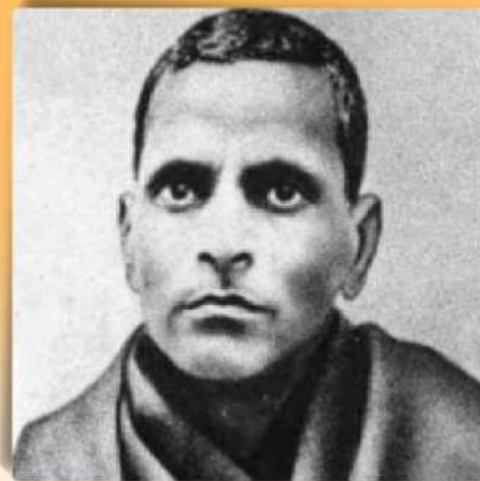


#AmritMahotsav

Amrit Mahotsav Series #91

Potti Sriramulu

(16 March 1901 - 15 December 1952)



- Born in 1901 in Padamatapalli, in a district that was once a region within Nellore district
- A freedom fighter and revolutionary
- Was imprisoned for participating in the 1930 Salt Satyagraha
- Participated in the individual satyagraha and the Quit India movement
- Was a follower, supporter and devotee of Mahatma Gandhi
- Had joined the Gandhi Ashram established by Yerneni Subrahmanyam, in Komaravolu
- Fasted in support of Dalit to enter holy places and for their upliftment in the society
- Commenting on Sriramulu's dedication and fasting ability, Mahatma Gandhi once said, "If only I have eleven more followers like Sriramulu I will win freedom from British rule in a year"
- Died on **15 December 1952**



@BOC_MIB

Bureau of Outreach and Communication
Ministry of Information and Broadcasting
Government of India



BOC_MIB



Amrit Mahotsav Series #90

#AmritMahotsav



Santi Ghose

Santi Ghose and Suniti Choudhury shot dead the District Magistrate



Suniti Choudhury

On **14 December 1931**, Santi Ghose, who was 15 along with Suniti Choudhury, who was 14, walked into the office of Charles Geoffrey Buckland Stevens who was then the District Magistrate of Comilla (now in Bangladesh). They used a petition to arrange a swimming competition amongst their classmates as a pretense to enter his office. While Stevens looked at the document, Ghose and Choudhury removed automatic pistols which were hidden under their shawls and shot and killed him. The DM Stevens was known for abusing his position of power.

The girls were taken into custody and imprisoned in the local British jail. In spite of all the difficulties, Ghose and Choudhury maintained their calm and cheerfulness throughout their trial days in the prison and in the court. They expected to die martyr's death. However, in February 1932, Ghose and Choudhury appeared in court in Calcutta, being minors, both of them were sentenced to jail for 10 years. In an interview, they stated, "It is better to die than live in a horse's stable."



@BOC_MIB

Bureau of Outreach and Communication
Ministry of Information and Broadcasting
Government of India



BOC_MIB



#AmritMahotsav

Amrit Mahotsav Series #90

Babu Genu

(1 January 1908 - 12 December 1930)



- Born on 1 January 1908
- A freedom fighter and revolutionary
- A mill-worker in Bombay who had led protests against the illegal trade profit of the British goods and clothes by culminating Indian textile market
- On 12 December 1930, a cloth merchant of Manchester was moving loads of foreign-made cloth from his shop to Mumbai Port
- The activists begged not to move the truck, but the police forced the protesters aside and managed to get the truck moving. Babu Genu stood in front of the truck, shouting praises for Mahatma Gandhi
- The police officer ordered the driver to drive the truck over him, but the driver being Indian, refused
- The English police officer then sat on the driver seat and drove the truck over Babu Genu and crushed him to death under the truck
- He died on 12 December 1930



@BOC_MIB

Bureau of Outreach and Communication
Ministry of Information and Broadcasting
Government of India



BOC_MIB



#AmritMahotsav

अमृत महोत्सव श्रृंखला #89

पा तोगन संगमा



- पा तोगन संगमा या तोगन संगमा या पा तोगन नेंगमिंजा संगमा एक गारो आदिवासी नेता थे
- दिसंबर 1872 में, अंग्रेजों ने गारो हिल्स में अपना नियंत्रण स्थापित करने के लिए बटालियनों को भेजा
- गारो योद्धाओं ने अपने भालों, तलवारों और ढालों से अंग्रेजों का सामना किया, यह लड़ाई बेमेल थी, क्योंकि गारो आदिवासियों के पास ब्रिटिश सेना की तरह बंदूकें या मोर्टार नहीं थे
- गारो हिल्स पर ब्रिटिश कब्जे के दौरान अन्य गारो योद्धाओं के साथ, पा तोगन संगमा ने सो रहे अंग्रेज अधिकारियों पर हमला किया
- सक्षम हथियारों से लैस न होने के बावजूद उन्होंने पेड़ों के तनों से बने विशाल ढाल का उपयोग करने की सोची, जिससे कि गारो योद्धाओं को गोलियों से बचाया जा सके
- **12 दिसंबर 1872** को अदभुत वीरता और अदम्य साहस के साथ लड़ते हुए वह शहीद हो गए
- पा तोगन संगमा का नाम शिलांग में बने शहीदों के स्तंभ में अमर है



@BOC_MIB

लोक संपर्क और संचार ब्यूरो
सूचना और प्रसारण मंत्रालय
भारत सरकार



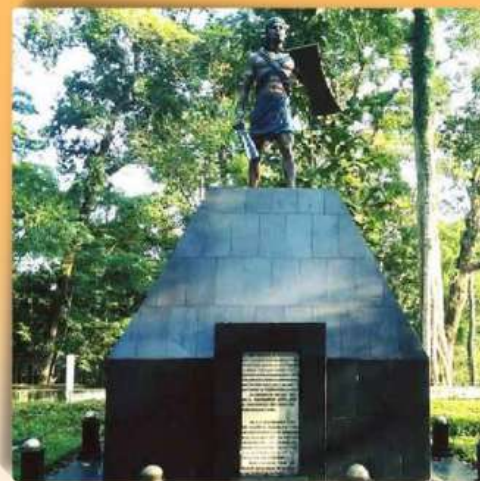
BOC_MIB



#AmritMahotsav

Amrit Mahotsav Series #89

Pa Togan Sangma



- Pa Togan Sangma or Togan Sangma or Pa Togan Nengminja Sangma was a Garo tribal leader
- In December 1872, the British sent out battalions to Garo Hills to establish their control in the region
- The Garo warriors confronted them with their spears, swords and shields. The battle that ensued was unmatched, as the Garos did not have guns or mortars like the British Army
- Along with other Garo warriors, Pa Togan Sangma attacked the British officials while they were sleeping during their occupation of the region
- Despite being ill-equipped, he came up with the idea of using huge shields made of plantain stems that could stop bullets from hitting the Garo warriors
- He fell fighting with unmatched heroism and courage on **12 December 1872**
- Pa Togan Sangma is immortalised at the martyr's column in Shillong



@BOC_MIB

Bureau of Outreach and Communication
Ministry of Information and Broadcasting
Government of India



BOC_MIB

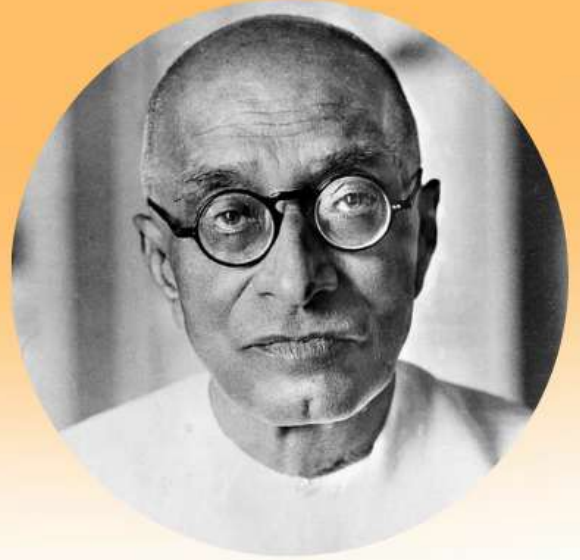


#AmritMahotsav

अमृत महोत्सव श्रृंखला #88

सी. राजगोपालाचारी

(10 दिसम्बर 1878-25 दिसम्बर 1972)



- **10 दिसंबर 1878** को तमिलनाडु के सेलम जिले के थोरापल्ली गांव में जन्म
- चक्रवर्ती राजगोपालाचारी, जिन्हें राजाजी के नाम से भी जाना जाता है, एक वकील, कुशल नौकरशाह और प्रसिद्ध राजनयिक थे
- स्वतंत्रता संग्राम के दौरान महात्मा गांधी के सत्य और अहिंसा के सिद्धांतों से बहुत प्रभावित थे
- जाति व्यवस्था के खिलाफ थे और आजीवन इसके विरुद्ध लड़ते रहे
- 26 जनवरी 1950 तक भारत के अंतिम गवर्नर जनरल रहे
- समाज के प्रति उनके योगदान के लिए 1954 में उन्हें भारत के सर्वोच्च नागरिक सम्मान 'भारत रत्न' से सम्मानित किया गया
- अपने कारावास के दौरान, उन्होंने 'मेडिटेशन इन जेल' नामक एक पुस्तक लिखी
- 25 दिसंबर 1972 को निधन



@BOC_MIB

लोक संपर्क और संचार ब्यूरो
सूचना और प्रसारण मंत्रालय
भारत सरकार



BOC_MIB



#AmritMahotsav

Amrit Mahotsav Series #88

C. Rajagopalachari

(10 December 1878 - 25 December 1972)



- Born on **10 December 1878**, in Thorapalli village in Salem dist. in Tamil Nadu
- Chakravarti Rajagopalachari, also known as Rajaji, was a lawyer, skilled bureaucrat and well known diplomat
- Was greatly influenced by Mahatma Gandhi and his principles of truth and non-violence during the freedom struggle
- Was against the caste system & fought against it throughout his life
- Was the last Governor General of India till 26th January 1950
- Was awarded India's highest civilian award 'Bharat Ratna' in 1954 for his contributions to the society
- During his imprisonment, he wrote a book called 'Meditation in Jail'
- Died on 25th December 1972



@BOC_MIB

Bureau of Outreach and Communication
Ministry of Information and Broadcasting
Government of India



BOC_MIB



#AmritMahotsav

अमृत महोत्सव श्रृंखला #87



वीर नारायण सिंह

- छत्तीसगढ़ में 1795 में जन्म
- "पहले छत्तीसगढ़ी स्वतंत्रता सेनानी" के रूप में जाने जाते हैं
- अंग्रेजों ने उन्हें एक व्यापारी के अनाज के भंडार को लूटकर भयंकर अकाल के वर्ष में गरीबों को अनाज वितरित करने के लिए गिरफ्तार किया था
- ब्रिटिश सैनिकों की मदद से जेल से फरार हो गए और 500 पुरुषों की एक सेना का गठन किया और ब्रिटिश सेना के विरुद्ध कड़ा संघर्ष किया
- उन्होंने छत्तीसगढ़ में 1857 के भारतीय स्वतंत्रता संग्राम का नेतृत्व किया
- भीषण युद्ध के बाद अंग्रेजों ने उन्हें छल से पकड़ा और **10 दिसंबर 1857** को फांसी दी गई
- वे स्वाधीनता आंदोलन में शहीद होने वाले छत्तीसगढ़ के पहले व्यक्ति थे



@BOC_MIB

लोक संपर्क और संचार ब्यूरो
सूचना और प्रसारण मंत्रालय
भारत सरकार



BOC_MIB



#AmritMahotsav

Amrit Mahotsav Series #87



Veer Narayan Singh

- Born in 1795 in Chattisgarh
- Known as "The First Chhattisgarhi freedom fighter"
- The British arrested him for looting a trader's grain stocks and distributing it amongst the poor in a severe famine year
- With the help of the soldiers of the British Army he escaped from prison and formed an army of 500 men and gave a tremendous fight against the British
- He spearheaded the 1857 war of Indian independence in Chhattisgarh
- After the fierce battle, the British captured him by deceit and was hanged on **10 December 1857**
- He became the first martyr from Chhattisgarh in the War of Independence



@BOC_MIB

Bureau of Outreach and Communication
Ministry of Information and Broadcasting
Government of India



BOC_MIB



#AmritMahotsav

अमृत महोत्सव श्रृंखला #86

राजनारायण मिश्र



- भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन के सेनानी
- उनके भीतर के जोश और उत्साह ने जल्द ही उन्हें महसूस कराया कि औपनिवेशिक ब्रिटिश साम्राज्य से लड़ने के लिए सशस्त्र प्रतिरोध की आवश्यकता है
- शहीद भगत सिंह की शहादत के बाद, उन्होंने साम्राज्यवाद-विरोधी सशस्त्र प्रतिरोध को एकजुट करने हेतु प्रयास शुरू किये
- अनुशीलन समिति और एचएसआरए से जुड़ाव वाले क्षेत्रीय कम्युनिस्ट दल रिवॉल्यूशनरी सोशलिस्ट पार्टी के सिद्धांतवादी सैनिक थे
- **9 दिसंबर 1944** को निधन



@BOC_MIB

लोक संपर्क और संचार ब्यूरो
सूचना और प्रसारण मंत्रालय
भारत सरकार



BOC_MIB



#AmritMahotsav

Amrit Mahotsav Series #86

Rajnarayan Mishra



- A freedom fighter of Indian Independence movement
- His inner zeal and enthusiasm soon convinced him that armed resistance is required to fight Colonial British empire
- After the martyrdom of Shaheed Bhagat Singh, he started efforts to organize armed anti-imperialist resistance
- Was a principled soldier of the Revolutionary Socialist Party, a regional communist party which had its roots in Anushilan Samiti and HSRA
- Died on **9 December 1944**



@BOC_MIB

Bureau of Outreach and Communication
Ministry of Information and Broadcasting
Government of India



BOC_MIB



#AmritMahotsav

अमृत महोत्सव श्रृंखला #85

संविधान सभा की प्रथम बैठक

9 दिसंबर 1946



9 दिसंबर, 1946 को संविधान सभा की पहली बार बैठक नई दिल्ली के कॉन्स्टीट्यूशन हॉल में हुई जिसे अब संसद भवन के केंद्रीय कक्ष के रूप में जाना जाता है।

संविधान सभा ने लगभग तीन वर्ष (वास्तविक रूप से दो वर्ष, ग्यारह महीने और सत्रह दिन) में स्वतंत्र भारत के लिए संविधान का प्रारूप तैयार करने के अपने ऐतिहासिक कार्य को पूरा किया। इस अवधि के दौरान, कुल 165 दिनों में ग्यारह सत्र आयोजित किए गए। इनमें से, 114 दिन केवल संविधान के प्रारूप पर विचार किया गया।

डॉ राजेंद्र प्रसाद को संविधान सभा के अध्यक्ष के रूप में चुने जाने तक डॉ सच्चिदानंद सिन्हा को संविधान सभा का अस्थायी अध्यक्ष चुना गया। मौलाना अबुल कलाम आजाद, सरदार वल्लभ भाई पटेल, आचार्य जे. बी. कृपलानी, डॉ राजेंद्र प्रसाद, श्रीमती सरोजिनी नायडू, डॉ.बी. आर. अंबेडकर, पण्डित जवाहरलाल नेहरू, श्री सी राजगोपालाचारी और श्री एम आसफ अली पहली पंक्ति को सुशोभित करते थे। कुल 207 प्रतिनिधियों में नौ महिलाएं शामिल थीं।



@BOC_MIB

लोक संपर्क और संचार ब्यूरो
सूचना और प्रसारण मंत्रालय
भारत सरकार



BOC_MIB



#AmritMahotsav

Amrit Mahotsav Series #85

The Constituent Assembly met for the first time

9 December 1946



The Constituent Assembly met for the first time in New Delhi on **9 December, 1946** in the Constitution Hall which is now known as the Central Hall of Parliament House.

The Constituent Assembly took almost three years (two years, eleven months and seventeen days to be precise) to complete its historic task of drafting the Constitution for Independent India. During this period, it held eleven sessions covering a total of 165 days. Of these, 114 days were spent on the consideration of the Draft Constitution.

Dr. Sachchidananda Sinha was elected as the temporary Chairman of the assembly till Dr. Rajendra Prasad was elected as the Chairman of the Constituent Assembly. Those who adorned the front row were Maulana Abul Kalam Azad, Sardar Vallabhbhai Patel, Acharya J.B. Kripalani, Dr. Rajendra Prasad, Smt. Sarojini Naidu, Dr. B.R. Ambedkar, Pandit Jawaharlal Nehru, Shri C. Rajagopalachari and Shri M. Asaf Ali among others. Two hundred and seven representatives, including nine women were present.



@BOC_MIB

Bureau of Outreach and Communication
Ministry of Information and Broadcasting
Government of India



BOC_MIB



#AmritMahotsav

अमृत महोत्सव श्रृंखला #84

भाई परमानन्द

(4 नवंबर 1876 - 8 दिसंबर 1947)



- राष्ट्रवादी, आर्य समाज के सदस्य और हिंदू महासभा के नेता
- 1905 में उन्होंने दक्षिण अफ्रीका का दौरा किया और वहां महात्मा गांधी के साथ रहे
- इसके बाद वे लाला हरदयाल से मिलने गए और आर्य लोगों की प्राचीन संस्कृति के प्रचार के लिए एक केंद्र स्थापित करने के लिए उन्हें अमेरिका जाने के लिए राजी किया
- गदर पार्टी के संस्थापक सदस्य
- गदर पार्टी के लिए तारिख-ए-हिंद नामक एक किताब लिखी
- वे गदर कांस्पीरेसी के लिए भारत वापस आए
- प्रथम लाहौर कांस्पीरेसी मामले में गिरफ्तार किए गए और उन्हें 1915 में फांसी की सजा सुनाई गई
- बाद में फांसी की सजा को रद्द कर उन्हें आजीवन कारावास की सजा दी गई
- 8 दिसंबर 1947 को मृत्यु



@BOC_MIB

लोक संपर्क और संचार ब्यूरो
सूचना और प्रसारण मंत्रालय
भारत सरकार



BOC_MIB



#AmritMahotsav

Amrit Mahotsav Series #84

Bhai Parmanand

(4 November 1876 - 8 December 1947)



- An Indian nationalist, a member of Arya Samaj and a leader of the Hindu Mahasabha
- In 1905, he visited South Africa and stayed with Mahatma Gandhi
- Later visited Lala Hardayal and persuaded him to go to the United States to find a centre for the propagation of the ancient culture of the Aryan people
- A founding member of the Ghadar Party
- Wrote a book for the Ghadar Party called Tarikh-I-Hind
- Returned to India as part of the Ghadar Conspiracy
- Was arrested in connection with the First Lahore Conspiracy Case and was sentenced to death in 1915
- The sentence was later commuted to one of transportation for life
- Died on **8 December 1947**



@BOC_MIB

Bureau of Outreach and Communication
Ministry of Information and Broadcasting
Government of India



BOC_MIB



#AmritMahotsav

अमृत महोत्सव श्रृंखला #83

जतिंद्रनाथ मुखर्जी (7 दिसंबर 1879 - 10 सितंबर 1915)



- 7 दिसंबर 1879 को अविभाजित बंगाल (वर्तमान में बांग्लादेश) के कुश्तिया जिले में कोया नामक गांव में जन्म
- स्वामी विवेकानंद और अरबिंद घोष जैसे नेताओं के राष्ट्रवादी विचारों ने मातृभूमि की स्वतंत्रता के लिए उन्हें प्रोत्साहित किया
- अरबिंद घोष ने जतिन मुखर्जी को अपना विश्वासपात्र बताया था
- क्रांतिकारी गतिविधियों में शामिल होने के लिए अनुशीलन समिति तथा युगांतर से जुड़े
- जतिन ने अनेक यात्राएं कीं और बंगाल में जिला क्रांतिकारी इकाइयों को व्यवस्थित करने में सफल रहे। क्रांतिकारी नेता रास बिहारी बोस ने उनकी मदद की थी
- पैतृक गांव में घुस आए बंगाल टाइगर को अकेले ही मार डालने पर मोनिकर 'बाघा जतिन' की उपाधि मिली
- पुलिस के साथ भीषण गोलीबारी के दौरान घायल हुए, 10 सितंबर 1915 को शहीद



@BOC_MIB

लोक संपर्क और संचार ब्यूरो
सूचना और प्रसारण मंत्रालय
भारत सरकार



BOC_MIB



#AmritMahotsav

Amrit Mahotsav Series #83



Jatindranath Mukherjee

(7 December 1879 - 10 September 1915)

- Born on **7 December 1879** in a village called Koya in Kushtia district of undivided Bengal (presently Bangladesh)
- The ideas and ideals of nationalism of leaders like Swami Vivekananda and Aurobindo Ghosh had inspired his approach to the liberation of the motherland
- Aurobindo Ghosh was believed to have described Jatin Mukherjee as his right-hand man
- Was drawn towards revolutionary activities and got involved with the Anushilan Samiti and Yugantar
- Jatin travelled a lot and was able to organize district revolutionary units in Bengal. He was assisted by another revolutionary leader Rash Behari Bose
- Had acquired the moniker 'Bagha Jatin' when he single-handedly killed a Bengal tiger that had entered his native village
- Got shot in a fierce battle with Police and later succumbed to death on 10 September 1915



@BOC_MIB

Bureau of Outreach and Communication
Ministry of Information and Broadcasting
Government of India



BOC_MIB



#AmritMahotsav

अमृत महोत्सव श्रृंखला #82

डॉ. बी. आर. अंबेडकर

(14 अप्रैल 1891 - 6 दिसंबर 1956)



- 14 अप्रैल 1891 को मध्य प्रदेश के महु में जन्म
- पीड़ितों, महिलाओं तथा गरीबों के लिए आवाज उठाने वाले
- कमजोर वर्गों के बीच शिक्षा और संस्कृति के प्रसार के लिए 'बहिष्कृत हितकारिणी सभा' का गठन किया
- लंदन में तीनों राउंड टेबल सम्मेलनों में भाग लिया
- स्वतंत्र भारत के संविधान की मसौदा समिति के अध्यक्ष के रूप में चुने गए थे और भारत के संविधान निर्माता के रूप में जाने जाते हैं
- स्वतंत्र भारत के प्रथम कानून मंत्री बने
- हर क्षेत्र (सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक) में लोकतंत्र के पक्षधर
- माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने 20 अप्रैल 2015 को दिल्ली में डॉ अंबेडकर अंतर्राष्ट्रीय केंद्र की आधारशिला रखी
- इस अवसर पर प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि बाबा साहेब अंबेडकर पूरी मानवता के लिए खड़े हुए और विशेष रूप से समाज के उपेक्षित और वंचित वर्गों के लिए आशा की एक किरण थे
- 6 दिसंबर 1956 को निधन



@BOC_MIB

लोक संपर्क और संचार ब्यूरो
सूचना और प्रसारण मंत्रालय
भारत सरकार



BOC_MIB



#AmritMahotsav

Amrit Mahotsav Series #82

DR. B. R. AMBEDKAR

(14 April 1891 - 6 December 1956)



- Born on 14 April 1891 in Mhow, Madhya Pradesh
- Was an ardent patriot and the saviour of the oppressed, women and poor
- Set up the 'Bahishkrit Hitkarini Sabha (Outcastes Welfare Association), for spreading education and culture amongst the downtrodden
- Attended all the three Round Table Conferences in London
- Was elected as Chairman of the Drafting Committee of the Constitution of Independent India and known as the architect of Constitution of India
- Became the first Law Minister of Independent India
- Advocated democracy in every field: Social, Economic and Political.
- Hon'ble Prime Minister, Shri Narendra Modi laid the foundation stone of Dr. Ambedkar International Centre in Delhi on 20th April 2015
- Speaking on the occasion PM Modi said that Babasaheb Ambedkar stood for all of humanity, and was, in particular, a ray of hope for the marginalized and downtrodden sections of society
- Died on **6 December 1956**



@BOC_MIB

Bureau of Outreach and Communication
Ministry of Information and Broadcasting
Government of India



BOC_MIB



#AmritMahotsav

अमृत महोत्सव श्रृंखला #81

श्री अरबिंद घोष

(15 अगस्त 1872 - 5 दिसंबर 1950)



- दार्शनिक, योगी, कवि और स्वतंत्रता सेनानी
- 'स्वराज' की जगह 'स्वतंत्रता' शब्द का उपयोग करने वाले प्रथम भारतीय स्वतंत्रता सेनानी
- भारतीय राष्ट्रवाद को एक शक्तिशाली जनांदोलन में बदला
- उनके व्याख्यान और साहित्यिक रचनाओं से युवा देशभक्त प्रोत्साहित हुए और उनके लेखन को औपनिवेशिक ब्रिटिश सरकार के विरुद्ध देशद्रोह माना जाता था
- अपनी क्रांतिकारी और राष्ट्रवादी भावना के साथ घोष ने 'बंदे मातरम' नामक प्रसिद्ध पत्रिका की भी शुरुआत की
- बाद में उन्हें प्रसिद्ध अलीपुर बम मामले में जेल में बंद किया गया
- 'एकात्म योग' की अवधारणा प्रदान की जिसका मानना था कि इससे मनुष्य स्वयं में वास्तविक दिव्यता का विकास कर सकते हैं
- 5 दिसंबर 1950 को पुडुचेरी (तत्कालीन पांडिचेरी) में निधन



@BOC_MIB

लोक संपर्क और संचार ब्यूरो
सूचना और प्रसारण मंत्रालय
भारत सरकार



BOC_MIB

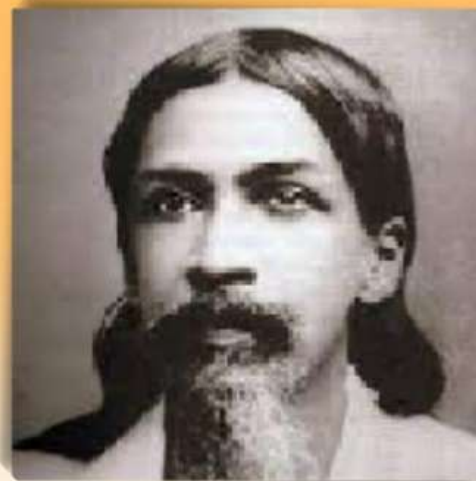


#AmritMahotsav

Amrit Mahotsav Series #81

Sri Aurobindo Ghose

(15 August 1872- 5 December 1950)



- A philosopher, yogi, poet and a freedom fighter
- The first Indian freedom fighter to use the word 'Independence' instead of 'Swaraj'
- Transformed Indian Nationalism into a mighty mass movement
- His lectures and works of literature were so inspiring that it motivated young patriots and his writings were considered treason against the colonial British government
- With his revolutionary and nationalist spirit, Ghose also launched the famous publication called Bande Mataram
- Later he was imprisoned due to the popular Alipore Bomb Case
- Gave concept of 'Integral Yoga' which believed that human beings can evolve further into something truly divine
- Passed away on 5 December 1950 in Puducherry (then Pondicherry)



@BOC_MIB

Bureau of Outreach and Communication
Ministry of Information and Broadcasting
Government of India



BOC_MIB



#AmritMahotsav

अमृत महोत्सव श्रृंखला #80

टंट्या भील

(1840 - 4 दिसंबर 1889)



- मध्य प्रदेश के खण्डवा में 1840 में जन्म
- प्यार से 'टंट्या मामा' नाम से जाने गए क्योंकि वह गरीबों और ज़रूरतमंदों के मसीहा थे
- ब्रिटिश गुलामी के विरुद्ध उनका विद्रोह आज तक प्रसिद्ध है
- गुरिल्ला युद्ध में निपुण, 12 वर्ष तक ब्रिटिशों के विरुद्ध सशस्त्र प्रतिरोध किया था
- 'भारतीय रॉबिनहुड' के रूप में याद किया जाता है
- ब्रिटिश अधिकारियों द्वारा गिरफ्तारी के बाद मौत की सजा सुनाई गई
- 4 दिसंबर 1889 को फांसी दी गई



@BOC_MIB

लोक संपर्क और संचार ब्यूरो
सूचना और प्रसारण मंत्रालय
भारत सरकार



BOC_MIB



#AmritMahotsav

Amrit Mahotsav Series #80

Tantya Bhil (1840 - 4 December 1889)



- Born in 1840 in Khadwa, Madhya Pradesh
- Lovingly known as 'Tantya Mama' as he was a messiah for the poor and needy
- His rebellion against British subjugation remains legendary till today
- Skillful in guerilla warfare, he had put up an armed resistance against the British for 12 years
- Fondly remembered as The Indian Robinhood
- Got arrested by British Authorities and sentenced to death
- Hanged till death on **4 December 1889**



@BOC_MIB

Bureau of Outreach and Communication
Ministry of Information and Broadcasting
Government of India



BOC_MIB

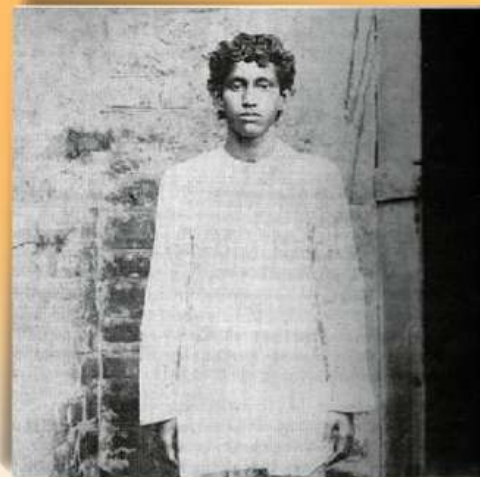


#AmritMahotsav

अमृत महोत्सव श्रृंखला #79

खुदीराम बोस

(3 दिसंबर 1889 - 11 अगस्त 1908)



- पश्चिम बंगाल के मिदनापुर जिले में 3 दिसंबर 1889 को जन्म
- अरबिंद घोष के आदर्शों से प्रेरित होने के बाद स्वदेशी आंदोलन में भाग लिया
- 1905 में, बंगाल के विभाजन के लिए अंग्रेजों के विरुद्ध विरोध प्रदर्शन में सक्रिय रूप से भाग लिया
- 15 वर्ष की उम्र में अनुशीलन समिति में शामिल हुए, इस संगठन ने बंगाल में क्रांतिकारी गतिविधियां चलाई
- एक गाड़ी पर बम फेंका जिसमें "स्वदेशी और विभाजन विरोधी कार्यकर्ताओं" के विरुद्ध अमानवीय, अनुचित और प्रतिशोध के फैसलों के लिए चर्चित मुजफ्फरपुर के जिलाधिकारी किंग्सफोर्ड के बैठे होने का संदेह था
- 13 जुलाई 1908 को उन्हें मौत की सजा सुनाई गई



@BOC_MIB

लोक संपर्क और संचार ब्यूरो
सूचना और प्रसारण मंत्रालय
भारत सरकार



BOC_MIB

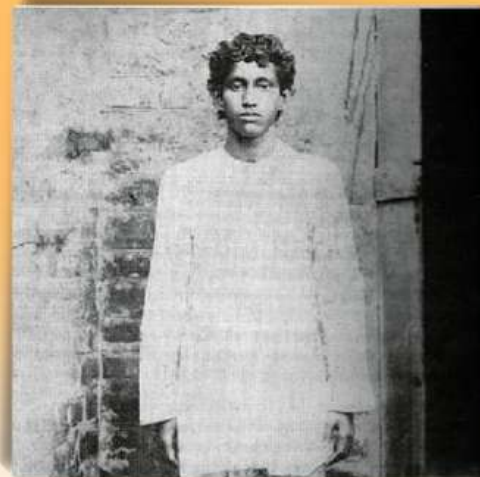


#AmritMahotsav

Amrit Mahotsav Series #79

Khudiram Bose

(3 December 1889 - 11 August 1908)



- Born on **3 December 1889** in Midnapore district, West Bengal
- Participated in Swadeshi Movement after getting inspired by the ideals of Aurobindo Ghosh
- In 1905, actively participated in protests against the British for partition of Bengal
- Joined the Anushilan Samiti, an organisation that propounded revolutionary activities in Bengal, at the age of 15
- Threw a bomb on a carriage which he suspected was carrying the district magistrate of Muzaffarpur, Kingsford who was known for his inhuman, unjustified and vindictive verdicts against the "Swadeshi and anti-Partition activists"
- On 13 July 1908, he was sentenced to death



@BOC_MIB

Bureau of Outreach and Communication
Ministry of Information and Broadcasting
Government of India



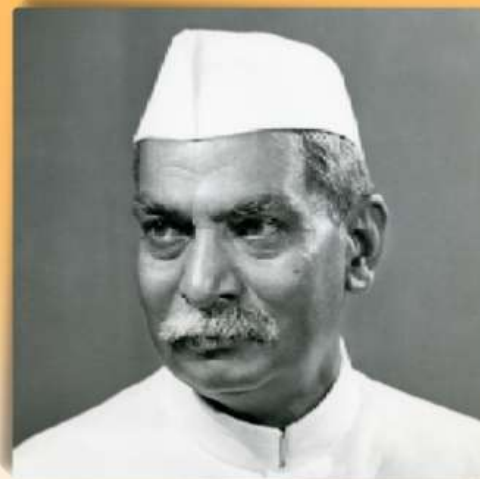
BOC_MIB



#AmritMahotsav

अमृत महोत्सव श्रृंखला #78

डॉ. राजेंद्र प्रसाद (3 दिसंबर 1884 - 28 फरवरी 1963)



- 3 दिसंबर 1884 को बिहार (तत्कालीन बंगाल प्रांत) के सीवान जिले के ज़िरादेई में जन्म
- स्वतंत्रता सेनानी, वकील और शिक्षाविद
- 1930 के नमक सत्याग्रह और 1942 के भारत छोड़ो आंदोलन में सक्रिय रूप से भाग लिया
- ब्रिटिश औपनिवेशिक सरकार द्वारा कई बार गिरफ्तार किए गए
- पश्चिमी शैक्षिक संस्थानों का बहिष्कार किया और अपने पुत्र को ब्रिटिश कॉलेज से बाहर निकालकर बिहार विद्यापीठ में नामांकन कराया, जो पारंपरिक भारतीय मॉडल पर उनके द्वारा स्थापित एक संस्था थी
- भारत के संविधान का मसौदा तैयार करने वाली संविधान सभा के पहले अध्यक्ष के रूप में कार्य किया
- स्वतंत्र भारत के पहले राष्ट्रपति के रूप में निर्वाचित
- उच्च पद पर रहते हुए दलगत राजनीति से ऊपर उठने और स्वतंत्र रूप से काम करने की परंपरा स्थापित की



@BOC_MIB

लोक संपर्क और संचार ब्यूरो
सूचना और प्रसारण मंत्रालय
भारत सरकार



BOC_MIB

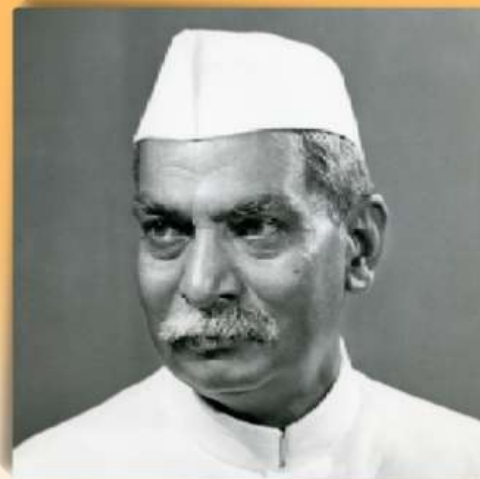


#AmritMahotsav

Amrit Mahotsav Series #78

Dr. Rajendra Prasad

(3 December 1884 - 28 February 1963)



- Born on **3 December 1884** in Ziradei, district Siwan of Bihar (erstwhile Bengal Province)
- Freedom fighter, lawyer and scholar
- Actively participated in the Salt Satyagraha of 1930 and the Quit India movement of 1942
- Arrested several times by the British colonial government
- Boycotted Western education institutions and asked his son to drop out from British college and enrol himself in Bihar Vidyapeeth, an institution founded by him on the traditional Indian model
- Served as the first President of the Constituent Assembly that drafted the Constitution of India
- Elected as the first President of independent India
- Established a tradition of non-partisanship and independence for the office-bearer



@BOC_MIB

Bureau of Outreach and Communication
Ministry of Information and Broadcasting
Government of India



BOC_MIB



#AmritMahotsav

अमृत महोत्सव श्रृंखला #77

एन जी चंदावरकर (2 दिसंबर 1855 - 14 मई 1923)



- 2 दिसंबर 1855 को जन्म
- सुरेन्द्रनाथ बनर्जी और दिनशॉ वाचा के साथ 1918 में अखिल भारतीय उदारवादी सम्मेलन का नेतृत्व किया
- जलियांवाला बाग कांड पर हंटर कमेटी की रिपोर्ट के विरोध में बंबई में आयोजित जनसभा की अध्यक्षता की जिसने गांधीजी को इस मुद्दे पर एक प्रस्ताव प्रस्तुत करने के लिए प्रेरित किया
- गांधीजी ने चंदावरकरजी की सलाह पर सविनय अवज्ञा आंदोलन को बंद किया
- बंबई विश्वविद्यालय के कुलपति बने और अपना समय न्यायिक व्यवस्था के लिए समर्पित किया
- महादेव गोविंद रानाडे की मृत्यु के बाद प्रार्थना समाज का नेतृत्व किया और हिंदू समाज के आधुनिकीकरण की दिशा में काम किया



@BOC_MIB

लोक संपर्क और संचार ब्यूरो
सूचना और प्रसारण मंत्रालय
भारत सरकार



BOC_MIB



#AmritMahotsav

Amrit Mahotsav Series #77

Dr. Marri Chenna Reddy

(13 January 1919 - 2 December 1996)



- Founder of Andhra Yuvajana Samiti and Students Congress
- Became a member of the Standing Committee of the State Congress and General Secretary of Hyderabad City Congress
- Was elected member of the Hyderabad Legislative Assembly in the first General Elections and Minister for Agriculture and Food, Planning and Rehabilitation in Hyderabad State later
- Held the Indian Delegation to the World Conference of Agriculturist in Rome under the auspices of the F.A.O and represented India as the Deputy Leader of the Indian Delegation
- Was the Minister for Planning and Panchayatraj and later for Finance, Commercial Taxes and Industries
- Was appointment as Minister for Steel, Mines and Metals in the Union Cabinet where he introduced several reforms to improve production and brought about decontrol of distribution of steel and coal
- Subsequently in April 1967, he was elected to the Rajya Sabha
- Dr. Reddy took an active part in several public movements and made a significant contribution in drafting of the Six Point Formula in 1971 which was later incorporated as 'New Deal for Telangana'
- Died on **2 December 1996**



@BOC_MIB

Bureau of Outreach and Communication
Ministry of Information and Broadcasting
Government of India



BOC_MIB



#AmritMahotsav

Amrit Mahotsav Series #77

N. G. Chandavarkar

(2 December 1855 - 14 May 1923)



- Born on **2nd December 1855**
- Headed the All-India Moderates Conference in 1918 along with Surendranath Banerjea and Dinshaw Wacha
- Presided over the Public meeting held in Bombay to protest against the report of the Hunter Committee on the Jallianwala Bagh atrocities which inspired Gandhiji to move a resolution on the same
- Gandhiji called off his Civil Disobedience Movement on Chandavarkar's advice
- Became the vice chancellor of the University of Bombay and devoted his time to the judicial system
- Took the leadership of Prarthana Samaj after the death of Mahadev Govind Ranade and worked towards modernisation of Hindu Society



@BOC_MIB

Bureau of Outreach and Communication
Ministry of Information and Broadcasting
Government of India



BOC_MIB

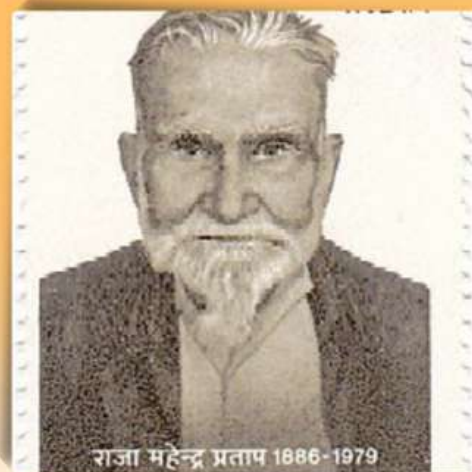


#AmritMahotsav

अमृत महोत्सव श्रृंखला #76

राजा महेन्द्र प्रताप सिंह

(1 दिसंबर 1886 - 29 अप्रैल 1979)



- **1 दिसंबर 1886** को जन्म
- भारत की अंतरिम सरकार के अध्यक्ष, इस सरकार ने प्रथम विश्व युद्ध के दौरान निर्वासन में भारत सरकार के रूप में कार्य किया
- स्वदेशी आंदोलन में शामिल हुए और उत्तर प्रदेश में विदेशी कपड़ों को जलाने के लिए आंदोलन शुरू किया
- दादाभाई नौरोजी और बाल गंगाधर तिलक के भाषणों से अत्यधिक प्रभावित हुए
- भारत के स्वतंत्रता संग्राम के लिए समर्थन जुटाने के लिए अन्य देशों का दौरा किया
- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने स्वतंत्रता सेनानी, शिक्षाविद और समाज सुधारक राजा महेन्द्र प्रताप सिंह के सम्मान में 14 सितंबर 2021 को अलीगढ़ में राजा महेन्द्र प्रताप सिंह राज्य विश्वविद्यालय की आधारशिला रखी



@BOC_MIB

लोक संपर्क और संचार ब्यूरो
सूचना और प्रसारण मंत्रालय
भारत सरकार



BOC_MIB

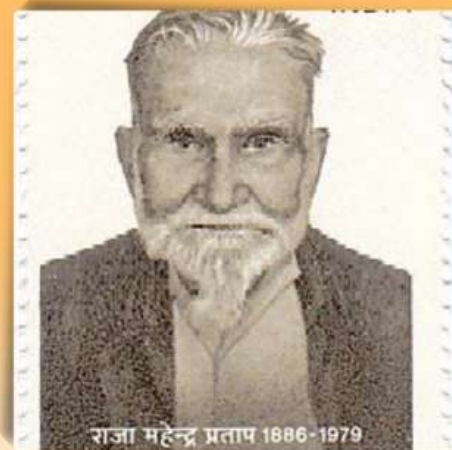


Amrit Mahotsav Series #76

#AmritMahotsav

Raja Mahendra Pratap Singh

(1 December 1886- 29 April 1979)



- President in the Provisional Government of India, which served as the Indian Government in exile during World War I, and social reformist in the Republic of India
- Involved with the Swadeshi movement and started the movement to burn the foreign-made clothes in Uttar Pradesh
- Deeply influenced by the speeches of Dadabhai Naoroji and Bal Gangadhar Tilak
- Visited foreign countries in an attempt to obtain support
- Prime Minister Narendra Modi's government laid the foundation stone of Raja Mahendra Pratap Singh State University in Aligarh on 14 September 2021 in memory and honour of the great freedom fighter, educationist, and social reformer, Raja Mahendra Pratap Singh



@BOC_MIB

Bureau of Outreach and Communication
Ministry of Information and Broadcasting
Government of India



BOC_MIB



#AmritMahotsav

अमृत महोत्सव श्रृंखला #75

सुचेता कृपलानी

(25 जून 1908-1 दिसंबर 1974)



- 1940 के दशक में स्वतंत्रता आंदोलन में सक्रिय भागीदारी की और महात्मा गांधी की सबसे करीबी शिष्या बनीं
- 1942 के भारत छोड़ो आंदोलन में भाग लिया
- 1947 में, स्वतंत्रता की पूर्व संध्या पर, उन्होंने संविधान सभा के स्वतंत्रता सत्र में वंदे मातरम गीत गाया
- संविधान सभा में चुनी गयी 15 महिलाओं में से एक थीं
- भारत की प्रथम महिला मुख्यमंत्री
- **1 दिसंबर 1974** को निधन



@BOC_MIB

लोक संपर्क और संचार ब्यूरो
सूचना और प्रसारण मंत्रालय
भारत सरकार



BOC_MIB



#AmritMahotsav

Amrit Mahotsav Series #75

Sucheta Kriplani

(25 June 1908- 1 December 1974)



- Actively participated in the Indian Independence movement in the 1940s and became one of Mahatma Gandhi's closest disciples
- Participated in the 1942 Quit India movement
- In 1947, on the eve of Independence, she sang Vande Mataram in the Independence Session of the Constituent Assembly
- One of the 15 women to be elected to the Constituent Assembly
- India's first woman chief minister
- Died on **1 December 1974**



@BOC_MIB

Bureau of Outreach and Communication
Ministry of Information and Broadcasting
Government of India



BOC_MIB

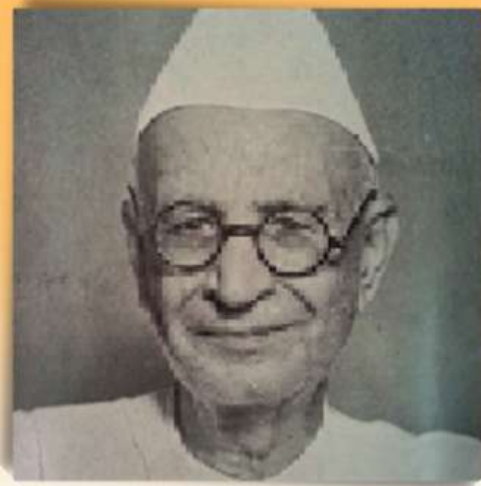


#AmritMahotsav

अमृत महोत्सव श्रृंखला #73

ठक्कर बापा

(29 नवंबर 1869 - 20 जनवरी 1951)



- 29 नवंबर 1869 को जन्म
- सर्वेड्स ऑफ इंडिया सोसायटी के एक सामाजिक कार्यकर्ता
- महात्मा गांधी के साथ काम करते हुए आदिवासियों की दरिद्रता खत्म करने और अछूतों की सेवा करने के लिए प्रेरित हुए
- आदिवासियों के उत्थान के लिए भील सेवा मंडल की स्थापना की
- 1930 के सविनय अवज्ञा आंदोलन के दौरान ठक्कर को गिरफ्तार किया गया और उन्हें छह महीने के सश्रम कारावास की सजा दी गई
- हरिजन सेवक संघ के सचिव बनाए गए
- 1944 में गोंड सेवक संघ की स्थापना की और बाद में इसका नाम परिवर्तित कर वनवासी सेवा मंडल रखा
- स्वतंत्रता के बाद संविधान सभा के लिए चुने गए
- 20 जनवरी 1951 को मृत्यु हुई



@BOC_MIB

लोक संपर्क और संचार ब्यूरो
सूचना और प्रसारण मंत्रालय
भारत सरकार



BOC_MIB

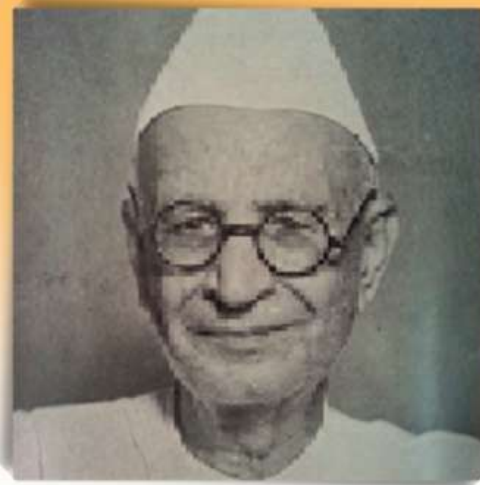


#AmritMahotsav

Amrit Mahotsav Series #73

Thakkar Bapa

(29 November 1869 - 20 January 1951)



- Born on **29 November 1869**
- A social worker of the Servants of India Society
- Being a close associate of Mahatma Gandhi got inspired to work for removal of deep rooted poverty of tribals while giving service to untouchables
- Founded the Bhil Seva Mandal for the upliftment of the tribals
- During the civil disobedience movement of 1930, Thakkar was arrested and sentenced to six months prison with hard labour
- Was made the Secretary of the Harijan Sevak Sangh
- Founded the Gond Sevak Sangh in 1944 and later renamed Vanavasi Seva Mandal
- Was elected to the Constituent Assembly after independence
- Passed away on 20 January 1951



@BOC_MIB

Bureau of Outreach and Communication
Ministry of Information and Broadcasting
Government of India



BOC_MIB

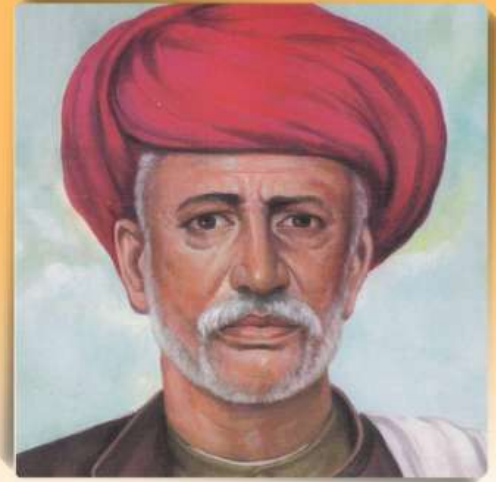


#AmritMahotsav

अमृत महोत्सव श्रृंखला #72

ज्योतिबा फुले

(11 अप्रैल 1827 - 28 नवंबर 1890)



- उन्नीसवीं शताब्दी के एक प्रमुख समाज सुधारक और विचारक
- स्वतंत्रता पूर्व समाज की बुराइयों के खिलाफ आवाज उठाई
- महाराष्ट्र में निचली जातियों के सम्मान और सामाजिक तथा आर्थिक उन्नति के लिए 'सत्यशोधक समाज' का गठन किया
- जागरूकता अभियान चलाए जिसने डॉ.बी. आर. अंबेडकर और महात्मा गांधी को जातिगत भेदभाव के खिलाफ बड़े कदम उठाने के लिए प्रेरित किया
- पुणे में लड़कियों के लिए पहला स्वदेशी रूप से संचालित स्कूल खोला
- युवा विधवाओं के लिए एक आश्रम की स्थापना की और विधवा पुनर्विवाह के विचार के पैरोकार बने
- **28 नवंबर 1890** को निधन



@BOC_MIB

लोक संपर्क और संचार ब्यूरो
सूचना और प्रसारण मंत्रालय
भारत सरकार



BOC_MIB

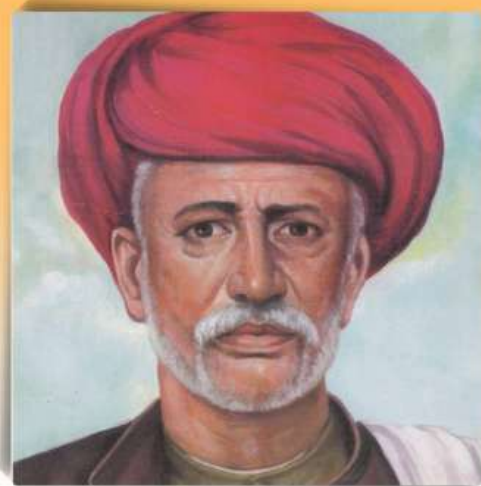


#AmritMahotsav

Amrit Mahotsav Series #72

Jyotiba Phule

(11 April 1827 - 28 November 1890)



- A prominent social reformer and thinker of the nineteenth century
- Fought against the ills of pre independence society
- Formed Satyashodhak Samaj which meant 'Seekers of Truth' in order to attain equal, social and economic benefits for the lower castes in Maharashtra
- Started awareness campaigns that ultimately inspired Dr. B.R. Ambedkar and Mahatma Gandhi, to undertake major initiatives against caste discrimination later
- Opened the first indigenously run school for girls in Pune
- Established an ashram for young widows and became an advocate of the idea of Widow Remarriage
- Died on **28 November 1890**



@BOC_MIB

Bureau of Outreach and Communication
Ministry of Information and Broadcasting
Government of India



BOC_MIB

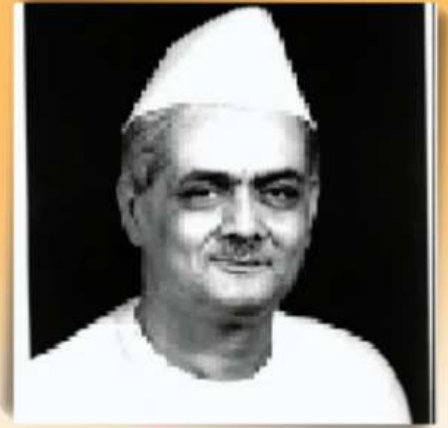


#AmritMahotsav

अमृत महोत्सव श्रृंखला #71

गणेश वासुदेव मावलंकर

(27 नवंबर 1888 - 27 फरवरी 1956)



- **27 नवंबर 1888** को जन्म
- एक देशभक्त, सामाजिक कार्यकर्ता, शिक्षाविद् और लेखक
- 'दादा साहब' के नाम से जाने गए
- गुजरात में स्वतंत्रता आंदोलन में सक्रिय भूमिका निभाई और कई बार जेल भी गए
- संविधान सभा, अंतरिम संसद (1947-52) एवं पहली लोकसभा (1952-56) के अध्यक्ष रहे
- "लोकसभा के जनक" के रूप में जाने गए और संसदीय लोकतन्त्र के इतिहास में इन्होंने प्रतिष्ठित और सम्मानित स्थान हासिल किया



@BOC_MIB

लोक संपर्क और संचार ब्यूरो
सूचना और प्रसारण मंत्रालय
भारत सरकार



BOC_MIB

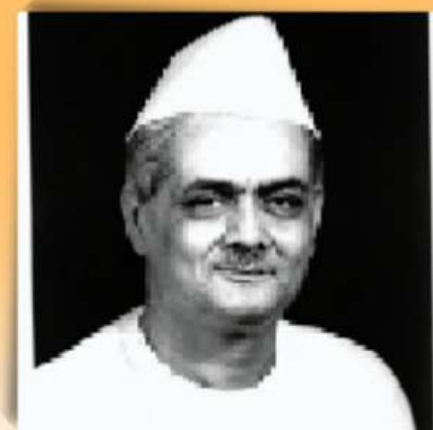


#AmritMahotsav

Amrit Mahotsav Series #71

Ganesh Vasudev Mavalankar

(27 November 1888- 27 February 1956)



- Born on **27 November 1888**
- A patriot, social worker, educationist and writer
- Was popularly known as 'Dada Saheb'
- Played active role in the Freedom Movement in Gujarat and was imprisoned several times
- Was the Speaker of the Constituent Assembly and the Provisional Parliament (1947-52) & the First Lok Sabha (1952-56)
- Acknowledged as the "Father of Lok Sabha", he occupies a very distinguished and honoured place in the history of parliamentary democracy



@BOC_MIB

Bureau of Outreach and Communication
Ministry of Information and Broadcasting
Government of India



BOC_MIB

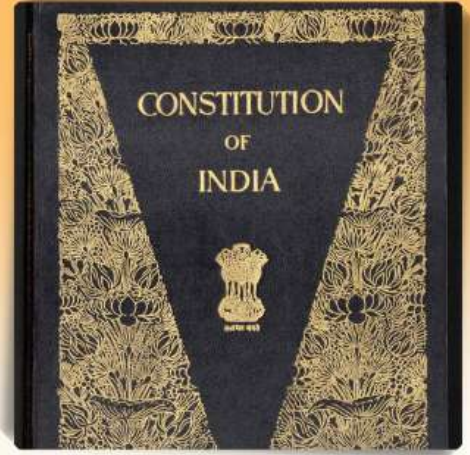


#AmritMahotsav

अमृत महोत्सव श्रृंखला #70

भारत के संविधान को संविधान सभा द्वारा अंगीकृत किया गया

26 नवंबर 1949



भारत के संविधान को अंगीकृत करने की याद में हर वर्ष 26 नवंबर को संविधान दिवस मनाया जाता है। 26 नवंबर 1949 को संविधान सभा ने संविधान को अपनाया, जो 26 जनवरी 1950 से लागू हुआ।

स्वतंत्र भारत के लिए संविधान का मसौदा तैयार करने के ऐतिहासिक कार्य में संविधान सभा को लगभग तीन साल लगे। इस अवधि के दौरान, कुल 165 दिनों में ग्यारह सत्र आयोजित हुए। इनमें से, 114 दिन का समय संविधान के मसौदे पर विचार करने में लगा था।



@BOC_MIB

लोक संपर्क और संचार ब्यूरो
सूचना और प्रसारण मंत्रालय
भारत सरकार



BOC_MIB

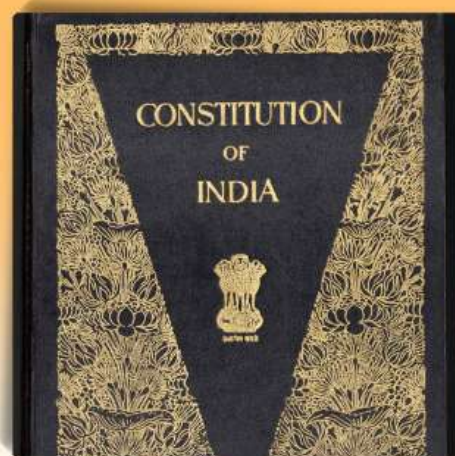


#AmritMahotsav

Amrit Mahotsav Series #70

The Constitution of India was
adopted by the Constituent Assembly

26 November 1949



Constitution Day, also known as 'Samvidhan Divas', is celebrated on 26th November every year to commemorate the adoption of the Constitution of India. On 26th November 1949, the Constituent Assembly of India adopted the Constitution of India, which came into effect from 26th January 1950.

The Constituent Assembly took almost three years to complete its historic task of drafting the Constitution for Independent India. During this period, it held eleven sessions covering a total of 165 days. Of these, 114 days were spent on the consideration of the Draft Constitution.



@BOC_MIB

Bureau of Outreach and Communication
Ministry of Information and Broadcasting
Government of India



BOC_MIB



#AmritMahotsav

अमृत महोत्सव श्रृंखला #69

प्यारीचाँद मित्र

(22 जुलाई 1814 - 23 नवंबर 1883)



- लेखक, पत्रकार, सामाजिक कार्यकर्ता और उद्यमी
- हेनरी डेरोजियो के 'यंग बंगाल' समूह के सदस्य थे जिसने बंगाल के पुनर्जागरण में अग्रणी भूमिका निभायी
- बांग्ला साहित्य और पत्रकारिता के विकास में योगदान के लिए चर्चित
- 'यंग बंगाल' समूह के माध्यम से देश की स्वतंत्रता के लिए युवाओं को लामबंद करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई
- कोलकाता में **23 नवंबर 1883** को निधन



@BOC_MIB

लोक संपर्क और संचार ब्यूरो
सूचना और प्रसारण मंत्रालय
भारत सरकार



BOC_MIB



#AmritMahotsav

Amrit Mahotsav Series #69

Peary Chand Mitra

(22 July 1814 - 23 November 1883)



- Writer, journalist, activist and entrepreneur
- Was a member of Henry Derozio's Young Bengal group, who played a leading role in the Bengal renaissance
- Known for his contribution to the development of journalism and Bangla literature
- Through Young Bengal group he played important role in mobilising the youth towards the cause of National freedom
- Died on **23 November 1883** in Kolkata



@BOC_MIB

Bureau of Outreach and Communication
Ministry of Information and Broadcasting
Government of India



BOC_MIB

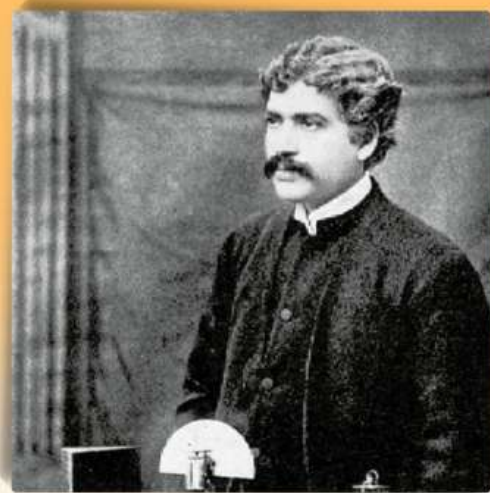


#AmritMahotsav

अमृत महोत्सव श्रृंखला #68

जगदीश चंद्र बसु

(30 नवंबर 1818- 23 नवंबर 1937)



- वनस्पति और जीव वैज्ञानिक, विज्ञान उपन्यास लेखक
- भारत के पहले आधुनिक वैज्ञानिक और भारत में परीक्षण विज्ञान के जनक कहे गए
- रेडियो और माइक्रोवेव प्रकाश विज्ञान के अनुसंधान में अग्रणी भूमिका निभाई
- पौधों की वृद्धि मापने में प्रयुक्त उपकरण क्रेस्कोग्राफ का आविष्कार करके पादप विज्ञान में अहम योगदान दिया
- उनके सम्मान में चंद्रमा पर एक क्रेटर का नाम रखा गया
- भारत के प्रमुख अनुसंधान संस्थान बोस संस्थान की स्थापना की
- आजादी से पूर्व भारत में वैज्ञानिक दृष्टिकोण विकसित करने में योगदान दिया और विज्ञान के क्षेत्र में दुनिया भर में भारत की छवि बेहतर की
- **23 नवंबर 1937** को निधन



@BOC_MIB

लोक संपर्क और संचार ब्यूरो
सूचना और प्रसारण मंत्रालय
भारत सरकार



BOC_MIB

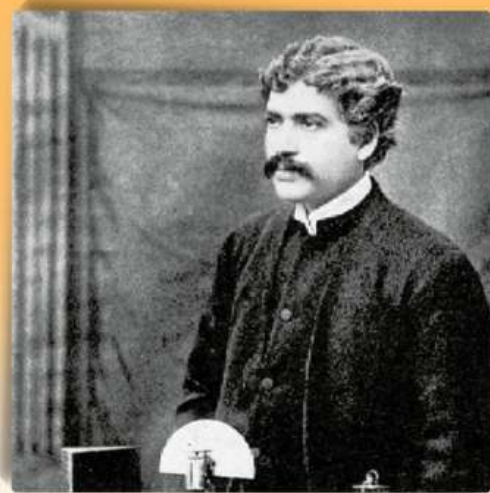


#AmritMahotsav

Amrit Mahotsav Series #68

Jagdish Chandra Bose

(30 November 1858 - 23 November 1937)



- A botanist, biologist and a writer of science fiction
- Regarded as India's first modern scientist and founding father of experimental science in India
- Pioneered the investigation of radio and microwave optics
- Made significant contributions to plant science by inventing the crescograph, a device used for measuring the growth of plants
- A crater on the moon has been named in his honour
- Founded Bose Institute, a premier research institute of India and also one of its oldest
- Contributed in developing scientific temper in Pre-Independence India and boosted Indian image globally in the field of science
- Died on **23 November 1937**



@BOC_MIB

Bureau of Outreach and Communication
Ministry of Information and Broadcasting
Government of India



BOC_MIB



#AmritMahotsav

अमृत महोत्सव श्रृंखला #67

झलकारी बाई

(22 नवंबर 1830 - 4 अप्रैल 1858)



- 22 नवंबर 1830 को जन्म
- रानी लक्ष्मीबाई के भरोसेमंद सलाहकारों में से एक
- उनके बहादुरी के कार्यों ने उन्हें रानी लक्ष्मीबाई की झांसी की सेना में एक सैनिक के रूप में स्थान दिलाया
- रानी लक्ष्मीबाई की महिला सेना 'दुर्गा दल' में महत्वपूर्ण पद अर्जित किया
- रानी की ओर से इन्होंने अक्सर महत्वपूर्ण फैसले लिए
- युद्ध क्षेत्र में, इन्होंने स्वयं रानी के रूप में उनके स्थान पर युद्ध किया और रानी को गुप्त रूप से बाहर निकलने में मदद की
- इन्होंने रानी लक्ष्मीबाई के साथ युद्ध की रणनीति बनाने में अहम भूमिका निभाई



@BOC_MIB

लोक संपर्क और संचार ब्यूरो
सूचना और प्रसारण मंत्रालय
भारत सरकार



BOC_MIB



#AmritMahotsav

Amrit Mahotsav Series #67

Jhalkari Bai

(22 November 1830 - 4 April 1858)



- Born on **22 November 1830**
- A soldier and one of Rani Lakshmibai's trusted advisors
- Her acts of bravery landed her career as a soldier in Rani Lakshmibai of Jhansi's army
- Quickly rose to be one of Rani's trusted advisors and earned herself a position in Rani Lakshmibai's women's army called the Durga Dal
- Often made important decisions on behalf of Rani
- At the height of the battle, she disguised herself as Rani fighting in place of her and allowing the Rani herself to discreetly exit
- Played an important role in strategising the battle with Rani Lakshmibai



@BOC_MIB

Bureau of Outreach and Communication
Ministry of Information and Broadcasting
Government of India



BOC_MIB

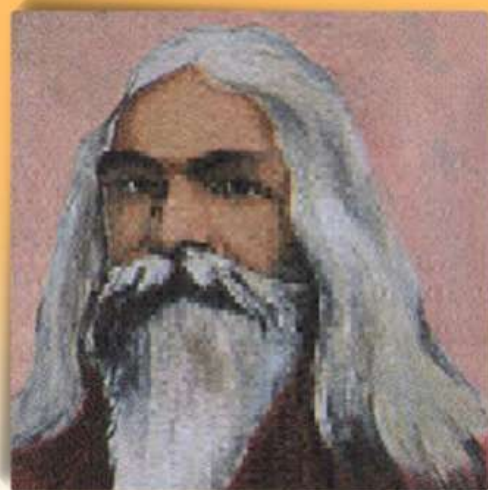


#AmritMahotsav

अमृत महोत्सव श्रृंखला #66

केसरी सिंह बारहठ

(21 नवम्बर 1872-14 नवम्बर 1941)



- 21 नवम्बर 1872 को जन्म
- एक क्रांतिकारी कवि और स्वतंत्रता सेनानी
- ब्रिटिश शासन के खिलाफ लोगों को एकजुट करने के लिए उनमें जागरूकता फैलाई
- ब्रिटिश हुकूमत द्वारा बुलाई गई बैठक में सम्मिलित होने से उदयपुर रियासत के राजा को रोकने के लिए 13 सोरठे वाली 'चेतावनी रा चूंगट्या' लिखी
- 14 अगस्त 1941 को मृत्यु हुई



@BOC_MIB

लोक संपर्क और संचार ब्यूरो
सूचना और प्रसारण मंत्रालय
भारत सरकार



BOC_MIB

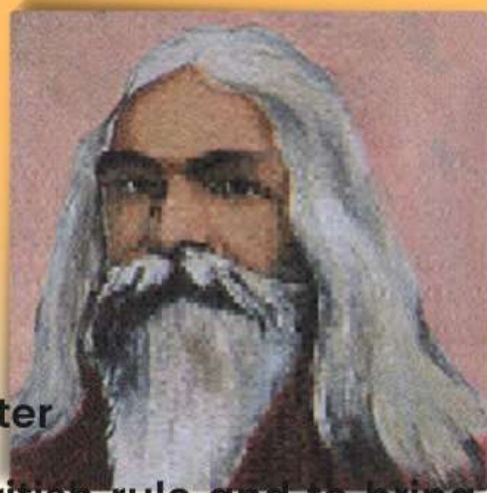


Amrit Mahotsav Series #66

#AmritMahotsav

Kesari Singh Barahath

- Born on 21 November 1872 (21 November 1872 - 14 August 1941)
- A revolutionary poet and freedom fighter
- Worked to unite people against the British rule and to bring awareness among them
- Has written "Chetavani ra Chugatiya" of 13 couplets, to stop the Udaipur State king Fateh Singh to participate in the meeting called by British
- Died on 14 August 1941



@BOC_MIB

Bureau of Outreach and Communication
Ministry of Information and Broadcasting
Government of India



BOC_MIB



#AmritMahotsav

अमृत महोत्सव श्रृंखला #65

रानी लक्ष्मीबाई

(19 नवंबर 1828 - 18 जून 1858)



- 19 नवंबर 1828 को उत्तर प्रदेश के वाराणसी में जन्म
- भारत के पहले स्वतंत्रता संग्राम के दौरान शौर्य दिखाने वाली वीरांगना
- वीरता, बुद्धिमता और देशभक्ति की प्रतीक
- 1857 का स्वतंत्रता संग्राम लड़ने वाले प्रमुख स्वतंत्रता सेनानियों में से एक
- अपने साम्राज्य को बचाने के लिए अंग्रेजों के विरुद्ध बहादुरी से लड़ीं
- 18 जून 1858 को रणभूमि में लड़ते हुए शहीद हुईं



@BOC_MIB

लोक संपर्क और संचार ब्यूरो
सूचना और प्रसारण मंत्रालय
भारत सरकार



BOC_MIB



#AmritMahotsav

Amrit Mahotsav Series #65

Rani Laxmi Bai

(19 November 1828 – 18 June 1858)



- Born on **19th November 1828** in Varanasi, Uttar Pradesh
- A towering figure during India's first war of Independence
- An epitome of valor, wisdom and patriotism
- Became one of the leading freedom fighters during 1857 War of Independence
- Fought bravely against the British to save her empire from annexation
- Died fighting on the battlefield on 18 June 1858



@BOC_MIB

Bureau of Outreach and Communication
Ministry of Information and Broadcasting
Government of India



BOC_MIB



#AmritMahotsav

अमृत महोत्सव श्रृंखला #64

वी.ओ. चिदंबरम पिल्लई

(5 सितंबर 1872 - 18 नवंबर 1936)



- कप्पलोटिया थमिज़ान (तमिल खेवनहार) के रूप में लोकप्रिय हुए
- भारतीय स्वतंत्रता सेनानी, वकील और नेता
- कोरल मिलों के मजदूरों को एकत्र कर स्वदेशी आंदोलन के सामाजिक आधार का विस्तार किया
- स्वदेशी स्टीम नेविगेशन कंपनी की स्थापना की, जिसने ब्रिटिश इंडिया स्टीम नेविगेशन कंपनी के एकाधिकार के साथ प्रतिस्पर्धा की
- तूतीकोरिन और कोलंबो के बीच पहली भारतीय शिपिंग सेवा शुरू की
- तूतीकोरिन पोर्ट ट्रस्ट का नाम उन्हीं के नाम पर रखा गया
- ब्रिटिश औपनिवेशिक सरकार ने चिदंबरम पिल्लई को देशद्रोही ठहराकर उन्हें आजीवन कैद की सज़ा सुनाई
- **18 नवंबर 1936** को निधन



@BOC_MIB

लोक संपर्क और संचार ब्यूरो
सूचना और प्रसारण मंत्रालय
भारत सरकार



BOC_MIB



#AmritMahotsav

Amrit Mahotsav Series #64

V. O. Chidambaram Pillai

(5 September 1872 - 18 November 1936)



- Also referred as KappalottiyaTamizhan (The Tamil Helmsman)
- An Indian freedom fighter, lawyer and leader
- Expanded the social base of Swadeshi Movement by mobilising the workers of coral mills
- Established the Swadeshi Steam Navigation Company, which competed with the monopoly of the British India Steam Navigation Company
- Launched the first Indian shipping service between Tuticorin and Colombo
- Tuticorin Port Trust is named after him
- Was charged with sedition by the British colonial government and was sentenced to life imprisonment
- Died on **18 November 1936**



@BOC_MIB

Bureau of Outreach and Communication
Ministry of Information and Broadcasting
Government of India



BOC_MIB



#AmritMahotsav

अमृत महोत्सव श्रृंखला #63

बटुकेश्वर दत्त

(18 नवंबर 1910 - 20 जुलाई 1965)



- 18 नवंबर 1910 को जन्म, एक युवा स्वतंत्रता सेनानी
- भगत सिंह और चंद्रशेखर आजाद से मुलाकात के बाद हिंदुस्तान रिपब्लिकन एसोसिएशन में शामिल हुए
- दो विधेयकों - सार्वजनिक सुरक्षा विधेयक और व्यापार विवाद विधेयक के विरोध में केंद्रीय विधान सभा में भगत सिंह के साथ मिलकर स्मोक बम फेंके
- काला पानी में उम्रकैद की सजा दी गई थी
- राजनीतिक बंदियों के साथ भेदभावपूर्ण व्यवहार, दुर्व्यवहार और जेल में अमानवीय स्थितियों के विरुद्ध भूख हड़ताल शुरू की
- भारत छोड़ो आंदोलन में सक्रिय रूप से भाग लिया
- 20 जुलाई 1965 को निधन



@BOC_MIB

लोक संपर्क और संचार ब्यूरो
सूचना और प्रसारण मंत्रालय
भारत सरकार



BOC_MIB



#AmritMahotsav

Amrit Mahotsav Series #63

Batukeshwar Dutta

(18 November 1910 - 20 July 1965)



- A young freedom fighter born on **18 November 1910**
- Joined Hindustan Republican Association after meeting Bhagat Singh and Chandrashekhar Azad
- Hurled smoke bombs along with Bhagat Singh in the Central Legislative Assembly in protest against two bills – the Public Safety Bill and the Trade Dispute Bill
- Was sentenced to life imprisonment in Kala Pani
- Began a hunger strike against the abusive treatment of political prisoners and the discriminatory and inhumane prison conditions
- Actively participated in the Quit India Movement
- Died on 20 July 1965



@BOC_MIB

Bureau of Outreach and Communication
Ministry of Information and Broadcasting
Government of India



BOC_MIB



#AmritMahotsav

अमृत महोत्सव श्रृंखला #61

विष्णु गणेश पिंगले

(2 जनवरी 1888 - 16 नवंबर 1915)



- क्रांतिकारी और गदर पार्टी के सदस्य
- बनारस में रास बिहारी बोस से परिचित हुए
- अनेक वापस लौटे सिख प्रवासियों और क्रांतिकारी आंदोलन के प्रति सहानुभूति रखने वालों को पूरे पंजाब की यात्रा कर एकजुट किया
- अप्रैल 1915 में लाहौर कॉन्सपिरेसी मामले में मुकदमा चलाया गया
- **16 नवंबर 1915** को लाहौर सेंट्रल जेल में करतार सिंह के साथ फांसी दी गयी



@BOC_MIB

लोक संपर्क और संचार ब्यूरो
सूचना और प्रसारण मंत्रालय
भारत सरकार



BOC_MIB



#AmritMahotsav

Amrit Mahotsav Series #61

Vishnu Ganesh Pingle

(2 January 1888 - 16 November 1915)



- A revolutionary and member of Ghadar Party
- Got introduced to Rash Behari Bose at Benares
- Travelled over Punjab organising numerous returned Sikh emigrants and other sympathisers of revolutionary movement
- Tried in Lahore Conspiracy Case in April 1915
- Executed at the Lahore Central Jail on **16 November 1915**, along with Kartar Singh



@BOC_MIB

Bureau of Outreach and Communication
Ministry of Information and Broadcasting
Government of India



BOC_MIB



#AmritMahotsav

Amrit Mahotsav Series #60

Kartar Singh Sarabha

(24 May 1896 - 16 November 1915)



- A revolutionary and the youngest member to join Ghadar Party at the age of 15 years
- Became an active member of Ghadar Party and started fighting for the Indian Independence
- Incharge of the Punjabi language edition of Ghadar, the party's mouthpiece
- Executed for his role in the Independence movement at the age of 19 years on **16 November 1915**
- Had been a source of inspiration for Bhagat Singh, and it is believed that he carried Sarabha's photo which was recovered on his arrest



@BOC_MIB

Bureau of Outreach and Communication
Ministry of Information and Broadcasting
Government of India



BOC_MIB



#AmritMahotsav

अमृत महोत्सव श्रृंखला #60

करतार सिंह सराभा

(24 मई 1896 - 16 नवंबर 1915)



- 15 साल की उम्र में ग़दर पार्टी में शामिल होने वाले सबसे कम उम्र के क्रांतिकारी
- ग़दर पार्टी के सक्रिय सदस्य बने और भारत की स्वतंत्रता के लिए संघर्ष किया
- पार्टी की पत्रिका, ग़दर के पंजाबी भाषा संस्करण के प्रभारी
- **16 नवंबर 1915** को 19 वर्ष की आयु में स्वतंत्रता आंदोलन में उनकी भूमिका के लिए फांसी दी गई
- भगत सिंह के लिए प्रेरणास्रोत रहे और ऐसा माना जाता है कि वह सराभा की तस्वीर अपने पास रखते थे जिसे उनकी गिरफ्तारी पर बरामद किया गया था



@BOC_MIB

लोक संपर्क और संचार ब्यूरो
सूचना और प्रसारण मंत्रालय
भारत सरकार



BOC_MIB



#AmritMahotsav

अमृत महोत्सव श्रृंखला #59



बिरसा मुंडा

(15 नवंबर 1875 - 9 जून 1900)

- 15 नवंबर 1875 को जन्म
- आदिवासी अधिकारों के लिए कड़ा संघर्ष किया
- ब्रिटिश औपनिवेशिक शासन के उत्पीड़न के खिलाफ बहादुरी से लड़े और 'उलगुलान' (क्रांति) का आह्वान करते हुए ब्रिटिश दमन के खिलाफ आंदोलन का नेतृत्व किया
- राजनीतिक अधिकार दिलाने के लिए मुंडा समुदाय को एकजुट किया और उन में राष्ट्रवाद की भावना पैदा की
- देशभर के आदिवासी समुदायों द्वारा 'भगवान' की उपाधि दी गयी
- भारत सरकार ने सांस्कृतिक धरोहर के संरक्षण और भारतीय मूल्यों को बढ़ावा देने में आदिवासियों के प्रयासों को सम्मान देने के लिए इस साल से 15 नवंबर को 'जनजातीय गौरव दिवस' के रूप में मनाने का निर्णय किया है



@BOC_MIB

लोक संपर्क और संचार ब्यूरो
सूचना और प्रसारण मंत्रालय
भारत सरकार



BOC_MIB



#AmritMahotsav

Amrit Mahotsav Series #59

Birsa Munda

(15 November 1875 - 9 June 1900)



- Born on **15 November 1875**
- A peerless protagonist of tribal rights
- Fought bravely against the exploitative system of the British colonial system and spearheaded movement against British oppression giving a call for 'Ulgulan' (Revolution)
- Made the Munda people unite for their political emancipation and infused in them the spirit of nationalism
- Referred as 'Bhagwan' by tribal communities across the country
- From this year onwards, the Government of India has decided to celebrate 15th November as 'Janjatiya Gaurav Divas' every year to recognize the efforts of the tribals for preservation of cultural heritage and promotion of Indian values



@BOC_MIB

Bureau of Outreach and Communication
Ministry of Information and Broadcasting
Government of India



BOC_MIB

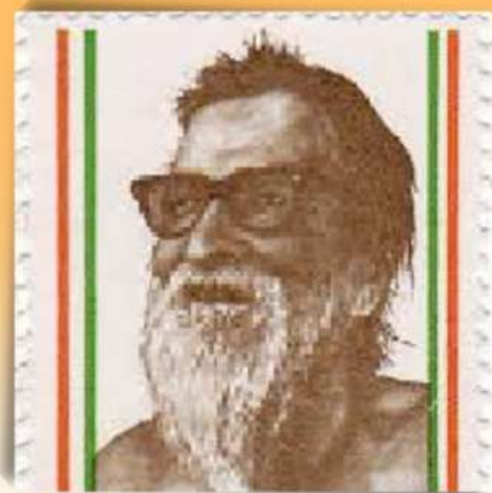


#AmritMahotsav

अमृत महोत्सव श्रृंखला #58

विनोबा भावे

(11 सितंबर 1895 - 15 नवंबर 1982)



- समाज सुधारक और महात्मा गांधी के शिष्य
- असहयोग आंदोलन में भाग लिया और स्वदेशी वस्तुओं के उपयोग को बढ़ावा दिया
- ब्रिटिश राज के विरुद्ध प्रथम व्यक्तिगत सत्याग्रही के रूप में चुने गए
- गांधी द्वारा निर्धारित उदाहरणों से प्रभावित होकर उन्होंने उन लोगों के मुद्दों के लिए काम किया जिन्हें गांधीजी ने हरिजन के रूप में संबोधित किया था
- 1950 के दशक में उनके नेतृत्व में सर्वोदय आंदोलन के तहत विभिन्न कार्यक्रमों को लागू किया गया जिनमें से प्रमुख भूदान आंदोलन है
- जीवन जीने के सरल तरीके को बढ़ावा देने के लिए कई आश्रमों की स्थापना
- महिलाओं में आत्मनिर्भरता के उद्देश्य को पूरा करने के लिए एक छोटे से समुदाय ब्रह्मा विद्या मंदिर की स्थापना की
- 1958 में रेमन मैग्सेसे पुरस्कार प्राप्त किया और उन्हें 1983 में भारत रत्न से मरणोपरांत सम्मानित किया गया
- **15 नवंबर 1982** को निधन



@BOC_MIB

लोक संपर्क और संचार ब्यूरो
सूचना और प्रसारण मंत्रालय
भारत सरकार



BOC_MIB



#AmritMahotsav

Amrit Mahotsav Series #58

Vinoba Bhave

(11 September 1895 - 15 November 1982)



- Social reformer and a disciple of Mahatma Gandhi
- Took part in Non Cooperation movement and promoted the use of Swadeshi goods
- Was chosen as the first Individual Satyagrahi against British Raj
- Influenced by the examples set by Gandhi, he took up the cause of people who were referred to as Harijans by Gandhi
- The Sarvodaya movement under him implemented various programs during the 1950s, the chief among which is the Bhoodan Movement
- Set up a number of Ashrams to promote a simple way of life
- Established the Brahma Vidya Mandir, a small community for women, aiming at self-sufficiency
- Received Ramon Magsaysay Award in 1958 and was awarded Bharat Ratna posthumously in 1983
- Died on **15 November 1982**



@BOC_MIB

Bureau of Outreach and Communication
Ministry of Information and Broadcasting
Government of India



BOC_MIB



#AmritMahotsav

अमृत महोत्सव श्रृंखला #57

पंडित जवाहरलाल नेहरू

(14 नवंबर 1889 - 27 मई 1964)



- 14 नवंबर 1889 को इलाहाबाद, उत्तर प्रदेश में जन्म
- एक वकील, स्वतंत्रता सेनानी, और राजनैतिक नेता
- असहयोग आंदोलन, नमक सत्याग्रह और भारत छोड़ो आंदोलनों में हिस्सा लिया
- आचार्य विनोबा भावे के बाद वह दूसरे व्यक्तिगत सत्याग्रही थे
- स्वतंत्र भारत के पहले प्रधानमंत्री
- संविधान सभा में उद्देश्य संकल्प प्रस्तुत किया
- गुटनिरपेक्ष आंदोलन के संस्थापक और प्रमुख शिल्पकार



@BOC_MIB

लोक संपर्क और संचार ब्यूरो
सूचना और प्रसारण मंत्रालय
भारत सरकार



BOC_MIB



#AmritMahotsav

Amrit Mahotsav Series #57

PANDIT JAWAHARLAL NEHRU

(14 November 1889 - 27 May 1964)



- Born in Allahabad, UP on **14 November 1889**
- A barrister, freedom fighter, political leader
- Participated in Non Cooperation Movement, Salt Satyagrah, Quit India Movement
- After Acharya Vinoba Bhave, he was the second individual satyagrahi
- The first Prime Minister of Independent India
- Moved the Objective Resolution in the Constituent Assembly
- Founder and principal architect of Non-Aligned Movement



@BOC_MIB

Bureau of Outreach and Communication
Ministry of Information and Broadcasting
Government of India



BOC_MIB



#AmritMahotsav

अमृत महोत्सव श्रृंखला #56

कालोजी नारायण राव

(9 सितंबर 1914 - 13 नवंबर 2002)



- भारतीय कवि और स्वतंत्रता सेनानी
- अपने छात्र जीवन में आर्य समाज, आंध्र महासभा जैसी तात्कालिक लोकप्रिय आंदोलनों की क्रियाकलापों में भाग लिया
- समाज सुधारक होने के नाते कालोजी ने अपनी कविताओं के माध्यम से तेलंगाना के लोगों में जागरूकता पैदा की
- 'जन्म तुम्हारा है, मृत्यु तुम्हारी है लेकिन जीवन देश के लिए है' का नारा दिया
- महात्मा गांधी और जयप्रकाश नारायण से प्रेरित होकर उन्होंने सत्याग्रह और पुस्तकालय आंदोलन में सक्रिय रूप से हिस्सा लिया जिसका उद्देश्य लोगों में साहित्यिक और पठन संस्कृति का प्रसार करना था
- हैदराबाद प्रांत के स्वतंत्रता आंदोलन में उनकी सक्रिय भागीदारी के लिए हैदराबाद के निजाम ने उन्हें कैद किया था
- **13 नवंबर 2002** को मृत्यु हुई



@BOC_MIB

लोक संपर्क और संचार ब्यूरो
सूचना और प्रसारण मंत्रालय
भारत सरकार



BOC_MIB

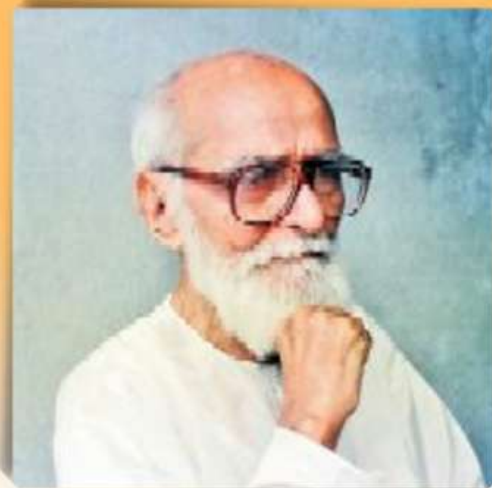


#AmritMahotsav

Amrit Mahotsav Series #56

Kaloji Narayan Rao

(9 September 1914 - 13 November 2002)



- An Indian poet and freedom fighter
- Participated in popular movements of the time like the Arya Samaj, Andhra Maha Sabha activities during his student days
- Being a social reformer, Kaloji created awareness among the people of Telangana with his poetry
- Gave the slogan of 'birth is yours, death is yours but life is meant for the country'
- Inspired by Mahatma Gandhi and Jayaprakash Narayan, he took an active part in Satyagrah and the Library Movement, which intended to spread literary and reading culture among the masses
- Was imprisoned by the Nizam of Hyderabad for his active participation in the Freedom Movement of Hyderabad State
- Died on **13 November 2002**



@BOC_MIB

Bureau of Outreach and Communication
Ministry of Information and Broadcasting
Government of India



BOC_MIB



#AmritMahotsav

अमृत महोत्सव श्रृंखला #54

लोक सेवा प्रसारण दिवस

12 नवंबर



लोक सेवा प्रसारण दिवस हर साल 12 नवंबर को मनाया जाता है। महात्मा गांधी को 12 नवंबर 1947 को कुरुक्षेत्र जाकर ढाई लाख भारतीय शरणार्थियों को संबोधित करना था। लेकिन किन्हीं कारणों से वह कुरुक्षेत्र नहीं पहुंच पाए। आकाशवाणी से गांधी जी के सीधे प्रसारण की व्यवस्था की गई। इसके बाद गांधी जी ने प्रसारण भवन का दौरा किया और अपराह्न 3:00 बजे शरणार्थियों को संबोधित किया।

राष्ट्रपिता के आकाशवाणी भवन के ऐतिहासिक दौरे के 50 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में 12 नवंबर 1997 को अपराह्न 3:00 बजे आकाशवाणी परिसर में एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। साल 2001 में इस दिन को आधिकारिक रूप से लोक सेवा प्रसारण दिवस घोषित किया गया।



@BOC_MIB

लोक संपर्क और संचार ब्यूरो
सूचना और प्रसारण मंत्रालय
भारत सरकार



BOC_MIB



#AmritMahotsav

Amrit Mahotsav Series #54

Public Service Broadcasting Day

12 November



Public Service Broadcasting Day is being celebrated on **12 November** every year.

Mahatma Gandhi was scheduled to visit Kurukshetra on 12th November 1947 and address 2.5 lakh Indian refugees camping there. But since he could not reach Kurukshetra due to certain unavoidable reasons, an arrangement was made for Gandhiji's live broadcast from All India Radio. Consequently, Gandhiji visited the Broadcasting House and addressed the refugees at 3.00 PM.

To commemorate 50 years of this historic visit of the Father of the Nation to All India Radio, a function was organised at AIR premises on 12th November 1997 at 3.00 PM. Later on, in the year 2001, the day was officially declared as Public Service Broadcasting Day.



@BOC_MIB

Bureau of Outreach and Communication
Ministry of Information and Broadcasting
Government of India



BOC_MIB



#AmritMahotsav

अमृत महोत्सव श्रृंखला #52

धोंडो केशव कर्वे

(18 अप्रैल 1858 - 9 नवंबर 1962)



- समाज सुधारक जिन्होंने औरतों को समाज में बराबरी का हक दिलाने के लिए काम किया
- महर्षि कर्वे के रूप में लोकप्रिय हुए
- विधवा पुनर्विवाह का समर्थन किया और स्वयं भी एक विधवा से विवाह किया
- विधवाओं की शिक्षा को बढ़ावा देने में अग्रणी रहे और भारतीय महिला विश्वविद्यालय की स्थापना की
- भारत सरकार द्वारा दिये जाने वाले सर्वोच्च नागरिक सम्मान भारत रत्न से सम्मानित किया गया
- स्वतंत्रता से पूर्व भारत में महिलाओं को मुख्य धारा में लाकर राष्ट्रीय स्वतंत्रता आंदोलनों में भाग लेने के लिए सशक्त किया
- **9 नवंबर 1962** को निधन



@BOC_MIB

लोक संपर्क और संचार ब्यूरो
सूचना और प्रसारण मंत्रालय
भारत सरकार



BOC_MIB



#AmritMahotsav

Amrit Mahotsav Series #52

Dhondo Keshav Karve

(18 Apr 1858 - 9 Nov 1962)



- Born on **18 April 1858**
- A social reformer who worked towards making women equal partners in society
- Popularly known as Maharshi Karve which means 'great sage'
- Advocated widow remarriage and he himself married a widow
- Was a pioneer in promoting widows' education and founded Indian Women University
- Government of India awarded him with the highest civilian award, the Bharat Ratna
- Empowered women in pre-independence India enabling them to come in the main stream and take part in national freedom movements



@BOC_MIB

Bureau of Outreach and Communication
Ministry of Information and Broadcasting
Government of India



BOC_MIB



#AmritMahotsav

अमृत महोत्सव श्रृंखला #51

जूनागढ़ का भारत में विलय

9 नवंबर 1947

- 15 अगस्त 1947 को जूनागढ़ के नवाब ने पाकिस्तान में विलय की घोषणा की
- जूनागढ़ की जनता ने पाकिस्तान में विलय का विरोध किया और इसके लिए आंदोलन किया
- आजाद भारत के पहले उप प्रधानमंत्री और तत्कालीन गृहमंत्री, सरदार वल्लभ भाई पटेल ने जूनागढ़ में बढ़ते हुए विद्रोह को देखते हुए कानून और व्यवस्था की कमान संभाली
- 565 देसी रियासतों को एकीकृत कर भारत का अभिन्न हिस्सा बनाने के लिए लौह पुरुष के नाम से जाने गए
- भारत सरकार ने जूनागढ़ में जनमत संग्रह कराया
- और इस तरह 9 नवंबर 1947 को जूनागढ़ के प्रशासन की कमान भारत सरकार के हाथों में आ गई।



@BOC_MIB

लोक संपर्क और संचार ब्यूरो
सूचना और प्रसारण मंत्रालय
भारत सरकार



BOC_MIB



Amrit Mahotsav Series #51

#AmritMahotsav

Annexation of Junagadh to Indian Union

9 November 1947

- On 15 August 1947, the Nawab announced his accession to Pakistan
- The people of Junagadh refused to accept the accession of Junagadh to Pakistan and organized a popular movement
- Deputy Prime Minister and first Home Minister of independent India, Sardar Vallabhbhai Patel, took measures to restore law and order in Junagadh
- Known as Iron Man of India for integrating 565 princely States to form a united independent India
- Government of India arranged a plebiscite
- On **9 November 1947** the administration of the State of Junagadh was handed over to the Central Government of India



@BOC_MIB

Bureau of Outreach and Communication
Ministry of Information and Broadcasting
Government of India



BOC_MIB



#AmritMahotsav

अमृत महोत्सव श्रृंखला #50

एयर मार्शल सुब्रतो मुखर्जी ओबीई (5 मार्च 1911 - 8 नवंबर 1960)



- वायुयान को उड़ाने वाले और भारतीय वायु सेना में एक स्क्वाड्रन की कमान संभालने वाले प्रथम भारतीय
- इसके बाद स्वतंत्र भारत की वायु सेना के पहले भारतीय प्रमुख बने
- आरएएफ क्रैनवेल में प्रशिक्षण के लिए छह कैडेटों में से एक के रूप में चयनित
- ऑर्डर ऑफ ब्रिटिश एम्पायर (ओबीई) की उपाधि मिली
- हैदराबाद के विलय के दौरान सैनिकों की सहायता में हवाई अभियान में मदद की
- "भारतीय वायु सेना का जनक" कहा जाता है
- **8 नवंबर 1960** को निधन



@BOC_MIB

लोक संपर्क और संचार ब्यूरो
सूचना और प्रसारण मंत्रालय
भारत सरकार



BOC_MIB



#AmritMahotsav

Amrit Mahotsav Series #50

Air Marshal Subroto Mukerjee OBE

(5 March 1911 - 8 Nov 1960)



- First Indian to command a flight and a squadron in the Indian Air Force
- Later became the first Indian Chief of the Air Staff of the Independent India's Air Force
- Selected as one of the six cadets for training at RAF Cranwell
- Was given the Order of the British Empire (OBE)
- Controlled and aided air operations in aid of the troops during the annexation of Hyderabad
- Called the "Father of the Indian Air Force"
- Died on **8 November 1960**



@BOC_MIB

Bureau of Outreach and Communication
Ministry of Information and Broadcasting
Government of India



BOC_MIB



#AmritMahotsav

अमृत महोत्सव श्रृंखला #49

अश्विनी कुमार दत्त

(15 जनवरी 1856 - 7 नवंबर 1923)



- शिक्षाविद्, समाज सुधारक और देशभक्त
- बंगाल के विभाजन के विरोध में उन्होंने स्वदेशी आंदोलन में भाग लिया
- स्वदेश बांधव समिति के अध्यक्ष थे और सक्रिय रूप से इसके लिए स्वयंसेवकों को संगठित किया
- स्वयंसेवकों की मदद से 1906 के अकाल के दौरान राहत कार्य किये
- असहयोग आंदोलन में भाग लिया
- **7 नवंबर 1923** को निधन



@BOC_MIB

लोक संपर्क और संचार ब्यूरो
सूचना और प्रसारण मंत्रालय
भारत सरकार



BOC_MIB



#AmritMahotsav

Amrit Mahotsav Series #49

ASHWINI KUMAR DUTT

(15 January 1856 - 7 November 1923)



- Educationist, philanthropist, social reformer and patriot
- Partition of Bengal drew him to the Swadeshi movement
- Was the President of Swadesh Bandhab Samiti and actively organised volunteers for it
- With the help of volunteers organised relief work during 1906 famine
- Was part of Non Cooperation Movement
- Died on **7 November 1923**



@BOC_MIB

Bureau of Outreach and Communication
Ministry of Information and Broadcasting
Government of India



BOC_MIB



#AmritMahotsav

अमृत महोत्सव श्रृंखला #48

मीरा बेन भारत की सेवा के लिए मुंबई आई

6 नवंबर 1925



6 नवंबर 1925 को मीरा बेन जहाज से मुंबई बंदरगाह पहुँचीं। उनका जन्म इंग्लैंड में हुआ और इनका बचपन का नाम मैडलिन स्लेड था। भारत आने के बाद वह महात्मा गांधी की करीबी शिष्य बन गयीं। गांधी जी ने उनका नाम मीरा बेन रखा। उन्होंने ग्रामीण क्षेत्रों में समाज सुधार के लिए महत्वपूर्ण कार्य किए।

गांधी आश्रम में रहने के दौरान उन्होंने खादी का प्रचार किया। उन्होंने सामाजिक उद्देश्यों और भारत की आज़ादी के लिए 'यंग इंडिया', 'हरिजन' और कई प्रमुख अखबारों में लेख लिखे। भारत के हितों के लिए उन्होंने विदेश जाकर लॉयड जॉर्ज, विंस्टन चर्चिल जैसे नेताओं से मुलाकात की। मीरा बेन ने वर्धा में सेवाग्राम आश्रम स्थापित करने में बड़ा योगदान दिया और आसपास के गांवों में स्वच्छता अभियान चलाए।



@BOC_MIB

लोक संपर्क और संचार ब्यूरो
सूचना और प्रसारण मंत्रालय
भारत सरकार



BOC_MIB



#AmritMahotsav

Amrit Mahotsav Series #48

Mira Behn landed at Bombay for service to India

6 November 1925



On **6 November 1925** Mira Behn reached at Mumbai port. She was born in England and her maiden name was Madeliene Slade. After coming to India she became a close disciple and associate of Gandhiji who gave her the name Mira Behn. She did pioneering work for social reforms in rural areas.

After becoming an inmate of Gandhi Ashram she propagated use of Khadi. She wrote articles in Young India, Harijan and various leading newspapers for promoting social cause and India's independence. To plead the case of India she went abroad and met various leaders like Llyod George, Winston Churchill etc. Mira Behn took keen interest in the formation of Sevagram Ashram in Wardha and organised cleanliness campaigns in the surrounding villages.



@BOC_MIB

Bureau of Outreach and Communication
Ministry of Information and Broadcasting
Government of India



BOC_MIB



#AmritMahotsav

अमृत महोत्सव श्रृंखला #47

देशबंधु चितरंजन दास

(5 नवंबर 1869-16 जून 1925)



- **5 नवंबर 1869** को पश्चिम बंगाल के बिक्रमपुर में जन्म
- बंगाल में असहयोग आंदोलन का नेतृत्व किया
- विदेशी कपड़ों के बहिष्कार के लिए आंदोलन चलाया और अपने यूरोपीय वस्त्रों को जलाकर उदाहरण पेश किया और खादी पहनना शुरू किया
- स्वराज पार्टी के संस्थापक
- आम लोगों के लिए स्वराज चाहते थे
- जातिगत भेदभाव और छुआछूत के खिलाफ थे
- नारी शिक्षा और विधवा पुनर्विवाह का समर्थन किया
- 'देशबंधु' नाम से लोकप्रिय हुए



@BOC_MIB

लोक संपर्क और संचार ब्यूरो
सूचना और प्रसारण मंत्रालय
भारत सरकार



BOC_MIB



Amrit Mahotsav Series #47

#AmritMahotsav

Deshbandhu Chittaranjan Das

(5 November 1869 - 16 June 1925)



- Born on **5 November 1869** in Bikrampur, West Bengal
- Led Non Cooperation Movement in Bengal
- Led a movement for boycott of foreign clothes and set an example by burning his own European clothes and started wearing Khadi
- Founder of Swaraj Party
- Wanted Swaraj for the masses, not for the classes
- Was against caste discrimination and untouchability
- Supported female education and widow remarriage
- Popularly known as "Deshbandhu"



@BOC_MIB

Bureau of Outreach and Communication
Ministry of Information and Broadcasting
Government of India



BOC_MIB



#AmritMahotsav

अमृत महोत्सव श्रृंखला #46

वासुदेव बलवंत फड़के

(4 नवंबर 1845 - 17 फरवरी 1883)



- 4 नवंबर 1845 को रायगढ़, महाराष्ट्र में जन्म
- ग्रामीण भारत में लोगों की दुर्दशा से आंदोलित हुए थे
- ब्रिटिश शासन का विरोध करने के लिए लोगों को एक क्रांतिकारी समूह का गठन करने के लिए प्रेरित किया और इन्हें 'आधुनिक भारत के पहले क्रांतिकारी' के रूप में जाना गया
- लोकमान्य तिलक, लाला लाजपत राय और बिपिन चंद्र पाल से पहले जनमानस को स्वराज का महत्व समझाया
- लोगों में देशभक्ति की भावना पैदा करने में महत्वपूर्ण योगदान दिया
- इन्हें 'सशस्त्र संघर्ष का जनक' कहा गया



@BOC_MIB

लोक संपर्क और संचार ब्यूरो
सूचना और प्रसारण मंत्रालय
भारत सरकार



BOC_MIB



#AmritMahotsav

Amrit Mahotsav Series #46

Vasudev Balwant Phadke

(4 November 1845 - 17 February 1883)



- Born on **4 November 1845** in Raigad, Maharashtra
- Was moved by the plight of the people in rural India
- Inspired people to form revolutionary group to protest against tyrannical British rule and was regarded as the 'First Revolutionary of Modern India'
- Promoted importance of Swaraj among masses before Lokmanya Tilak, Lala Lajpat Rai and Bipin Chandra Pal
- Played important role in developing culture of patriotism
- Called the 'Father of the Armed Struggle'



@BOC_MIB

Bureau of Outreach and Communication
Ministry of Information and Broadcasting
Government of India



BOC_MIB



#AmritMahotsav

अमृत महोत्सव श्रृंखला #45

सागरमल गोपा

(3 नवंबर 1900 - 3 अप्रैल 1946)



- **3 नवंबर 1900** को राजस्थान के जैसलमेर में जन्म
- क्रांतिकारी और स्वतंत्रता सेनानी
- असहयोग आंदोलन में भाग लिया
- जैसलमेर के लोगों को अत्याचार से मुक्त कराने के लिए लगातार संघर्ष किया
- 'जैसलमेर में गुंडाराज' और 'रघुनाथ सिंह का मुकद्दमा' शीर्षक से दो महत्वपूर्ण पुस्तकें लिखीं
- क्रांतिकारी विचारों के कारण जैसलमेर के शाही परिवार द्वारा कैद में रखे गए
- विभिन्न प्रकार की प्रताड़ना के शिकार हुए और **3 अप्रैल 1946** को जेल में मृत्यु हुई



@BOC_MIB

लोक संपर्क और संचार ब्यूरो
सूचना और प्रसारण मंत्रालय
भारत सरकार



BOC_MIB



#AmritMahotsav

अमृत महोत्सव श्रृंखला #44

डॉ. महेंद्र लाल सरकार

(2 नवंबर 1833 - 23 फरवरी 1904)



- **2 नवंबर 1833** को पश्चिम बंगाल के कोलकाता के पास हावड़ा में जन्म
- डॉक्टर, समाज सुधारक और वैज्ञानिक अध्ययन के प्रचारक
- 'इंडियन एसोसिएशन फॉर द कल्टीवेशन ऑफ़ साइंस' (आईएसीएस) नाम से भारत के पहले राष्ट्रीय विज्ञान संघ की स्थापना की
- आईएसीएस सी वी रमन और केएस कृष्णन जैसे भारत के कई वैज्ञानिकों को आगे बढ़ाने का मंच बना
- आजादी से पहले के भारत में वैज्ञानिक सोच को विकसित करने में मदद की
- भारतीय वैज्ञानिक उद्यम के जनक के रूप में जाने गए



@BOC_MIB

लोक संपर्क और संचार ब्यूरो
सूचना और प्रसारण मंत्रालय
भारत सरकार



BOC_MIB



#AmritMahotsav

Amrit Mahotsav Series #44

Dr. Mahendralal Sarkar

(2 November 1833 - 23 February 1904)



- Born on **2 November 1833** in Howrah near Kolkata, West Bengal
- Medical doctor, social reformer, and propagator of scientific studies
- Established India's First National Science Association known as "The Indian Association for the Cultivation of Science"(IACS)
- The IACS became the platform for raising many scientists in India like CV Raman, K.S. Krishnan etc.
- Helped in building scientific temperament in pre-independence India
- Known as the Father of Indian Scientific pursuits



@BOC_MIB

Bureau of Outreach and Communication
Ministry of Information and Broadcasting
Government of India



BOC_MIB



#AmritMahotsav

अमृत महोत्सव श्रृंखला #43



सरदार वल्लभभाई पटेल

(31 अक्टूबर 1875-15 दिसंबर 1950)

- **31 अक्टूबर 1875** को गुजरात के नडियाड में जन्म
- वकील, स्वतंत्रता सेनानी और प्रमुख नेता
- असहयोग आंदोलन, सविनय अवज्ञा आंदोलन और भारत छोड़ो आंदोलन में सक्रिय रूप से भाग लिया
- 'लौह पुरुष' नाम से जाने गए, स्वतंत्र भारत के पहले उप-प्रधानमंत्री और पहले गृह मंत्री रहे
- गांधीजी के सिद्धांतों पर आधारित बारडोली सत्याग्रह के बाद 'सरदार' की उपाधि मिली
- आज़ादी के बाद 565 देशी रियासतों के भारत में विलय और अखिल भारतीय सेवाओं के सृजन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई
- भारत के सर्वोच्च नागरिक सम्मान भारत रत्न से सम्मानित



@BOC_MIB

लोक संपर्क और संचार ब्यूरो
सूचना और प्रसारण मंत्रालय
भारत सरकार



BOC_MIB



#AmritMahotsav

स्वामी दयानंद सरस्वती

(12 फरवरी 1824 - 30 अक्टूबर 1883)



- 12 फरवरी 1824 को टंकारा, गुजरात में जन्म
- आध्यात्मिक नेता, आर्य समाज के संस्थापक और समाज सुधारक
- जाति व्यवस्था, बाल विवाह और महिलाओं के साथ भेदभाव के कटुआलोचक
- अपनी पुस्तक 'सत्यार्थ प्रकाश' के माध्यम से सामाजिक रूढ़िवादिता और कुरीतियों का विरोध किया
- 'स्वराज्य' का आह्वान करने वाले पहले व्यक्ति थे जिसका बाद में लोकमान्य तिलक द्वारा अनुसरण किया गया
- अपने समाज सुधार आंदोलनों के माध्यम से भारत की स्वतंत्रता में योगदान दिया
- **30 अक्टूबर 1883** को निधन



@BOC_MIB

लोक संपर्क और संचार ब्यूरो
सूचना और प्रसारण मंत्रालय
भारत सरकार



BOC_MIB



#AmritMahotsav

Swami Dayananda Saraswati

(12 February 1824 - 30 October 1883)



- Born on 12 February 1824 in Tankara, Gujarat
- Spiritual leader, founder of Arya Samaj and a social reformer
- Condemned caste system, child marriages and discrimination against women
- Gave new interpretations to reform the orthodox society through his book Satyarth Prakash
- Was the first one to give the call for 'Swarajya' which was later followed by Lokmanya Tilak
- Contributed to the Indian Independence through his social reform movements
- Died on **30 October 1883**



@BOC_MIB

Bureau of Outreach and Communication
Ministry of Information and Broadcasting
Government of India



BOC_MIB



#AmritMahotsav

कमलादेवी चट्टोपाध्याय

(3 अप्रैल 1903-29 अक्टूबर 1988)



- भारत में विधायी सीट के लिए चुनाव लड़ने वाली प्रथम भारतीय महिला
- ब्रिटिश सरकार द्वारा गिरफ्तार प्रथम भारतीय महिला
- समाज सुधारक व स्वतंत्रता सेनानी
- मद्रास प्रांतीय चुनाव लड़ने वाली प्रथम महिला
- दांडी मार्च के दौरान महिलाओं को समान अवसर और मार्च में उन्हें प्रमुखता से शामिल करने के लिए गांधी जी को सहमत किया
- तत्पश्चात सेवादल से जुड़कर महिला कार्यकर्ताओं को प्रशिक्षण दिया
- **29 अक्टूबर 1988** को निधन



@BOC_MIB

लोक संपर्क और संचार ब्यूरो
सूचना और प्रसारण मंत्रालय
भारत सरकार



BOC_MIB



#AmritMahotsav

Kamaladevi Chattopadhyay

(3 April 1903 - 29 October 1988)



- First woman to run for a legislative seat in India
- First Indian woman to be arrested by the British regime
- A social reformer and freedom activist
- First woman to contest the Madras provincial elections
- Convinced Gandhiji to give women equal opportunity and to include women in the forefront during the Salt March to Dandi
- Later joined Seva Dal and trained women activists
- Died on **29 October 1988**



@BOC_MIB

Bureau of Outreach and Communication
Ministry of Information and Broadcasting
Government of India



BOC_MIB



#AmritMahotsav

ब्रह्मबांधव उपाध्याय

(11 फरवरी 1861-27 अक्टूबर 1907)



- 11 फरवरी 1861 को हुगली, पश्चिम बंगाल में जन्म
- पत्रकार और स्वतंत्रता सेनानी जो सुरेंद्रनाथ बनर्जी के माज़िनी, गारिबाल्दि और यंग इटली पर दिये गए भाषणों से अत्यधिक प्रभावित थे
- प्रसिद्ध बंगाली पत्रिका 'संध्या' के संपादक रहे, जिसने औपनिवेशिक शासन के खिलाफ आवाज़ उठाई
- 'संध्या' पत्रिका पर राजद्रोह का मुकदमा चलाया गया और उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया
- **27 अक्टूबर 1907** को निधन



@BOC_MIB

लोक संपर्क और संचार ब्यूरो
सूचना और प्रसारण मंत्रालय
भारत सरकार



BOC_MIB



#AmritMahotsav

Brahma Bandhab Upadhyaya

(11 February 1861 - 27 October 1907)



- Born on 11 February 1861 in Hooghly, West Bengal
- Journalist and freedom fighter and was greatly impressed by the speeches of Surendranath Banerjea on Mazzini, Garibaldi, and Young Italy
- Editor of Sandhya, the famous Bengali daily, which advocated against the colonial rule
- Sandhya was prosecuted for sedition and he was arrested
- Died on **27 October 1907**



@BOC_MIB

Bureau of Outreach and Communication
Ministry of Information and Broadcasting
Government of India



BOC_MIB

#AmritMahotsav

मदन लाल ढींगरा

(18 सितम्बर 1887- 17 अगस्त 1909)



- 18 सितम्बर 1887 को अमृतसर में जन्म
- देशभक्त और स्वतंत्रता सेनानी, भारत की स्वतंत्रता के लिए ब्रिटेन में क्रांतिकारी गतिविधियों में भाग लिया
- उच्च शिक्षा के लिए ब्रिटेन गए, जहाँ वे श्यामजी कृष्ण वर्मा और वीर सावरकर के संपर्क में आए
- लंदन में 'इंडिया ऑफिस' में राजनीतिक सहायक (ए.डी.सी.) कर्नल विलियम कर्ज़न वायली की गोली मारकर हत्या की
- 17 अगस्त 1909 को लंदन की पेंटनविले जेल में फांसी दी गयी



Amrit Mahotsav Series

#AmritMahotsav

Madan Lal Dhingra

(18 September 1887 — 17 August 1909)



- Born on **18 September 1887** in Amritsar
- Patriot and freedom fighter; took part in revolutionary activities in Britain for the cause of Indian independence
- Went to Britain for higher studies, where he came in contact with Shyamji Krishnavarma and Veer Savarkar
- Shot dead Col. William Curzon Wylie, Political A.D.C. in the India Office in London
- Sentenced to death; died on the gallows at the Pentonville Prison, London, on August 17, 1909

Bureau of Outreach and Communication
Ministry of Information and Broadcasting
Government of India



#AmritMahotsav

अमृत महोत्सव श्रृंखला

जतींद्र नाथ दास

27 अक्टूबर 1904 -13 सितंबर 1929



- 1904 में कलकत्ता (कोलकाता) में जन्म
- प्रेरणादायक स्वतंत्रता सेनानी, मानवाधिकार कार्यकर्ता और उत्साही क्रांतिकारी
- युवावस्था में भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन के राजनीतिक कैदियों के लिए काम किया
- बंगाल में अनुशीलन समिति के सदस्य रहे
- महात्मा गांधी द्वारा शुरू असहयोग आंदोलन में भाग लिया
- भगत सिंह और हिंदुस्तान सोशलिस्ट रिपब्लिकन एसोसिएशन के अन्य सदस्यों के साथ मिलकर काम किया
- राजनीतिक कैदियों के अधिकारों के संरक्षण के लिए लाहौर जेल में 63 दिन के अनशन के बाद 25 साल की उम्र में 13 सितंबर 1929 को शहीद हुए

लोक संपर्क और संचार ब्यूरो
सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय
भारत सरकार



Amrit Mahotsav Series

#AmritMahotsav

Jatindra Nath Das

27 October 1904 – 13 September 1929



- Born in Calcutta (Kolkata) in 1904
- An inspirational freedom fighter, human rights activist and a fervent revolutionary
- At a very young age, worked for the cause of political prisoners in the Indian freedom movement
- A member of the Anushilan Samiti in Bengal
- Participated in the Non-Cooperation movement launched by Mahatma Gandhi
- Collaborated with Bhagat Singh and other members from the Hindustan Socialist Republican Association
- Attained martyrdom on 13 Sep 1929 at the age of 25 years after a 63-day-long fast at Lahore Jail for protecting the rights of political prisoners

Bureau of Outreach and Communication
Ministry of Information and Broadcasting
Government of India



#AmritMahotsav

अमृत महोत्सव श्रृंखला



पेरियार ई. वी. रामासामी (17 सितंबर 1879- 24 दिसंबर 1973)

- **17 सितंबर 1879** को इरोड (तत्कालीन मद्रास प्रेसीडेंसी का हिस्सा) में जन्म
- थंथाई पेरियार (वरिष्ठ और अति सम्माननीय नेता) के रूप में जाने गए
- प्रख्यात समाज सुधारक और तर्कवादी, समतावाद और आत्मसम्मान के सिद्धांत के समर्थक
- समाज में पिछड़ी जातियों और महिलाओं के समान अधिकारों के लिए तमिलनाडु में 'आत्म-सम्मान आंदोलन' की शुरुआत की
- अस्पृश्यता और जातिगत भेदभाव के विरुद्ध पूर्ववर्ती त्रावणकोर प्रांत में वाईकूम सत्याग्रह में भाग लिया
- जस्टिस पार्टी के नेता चुने गए जिसका नाम उन्होंने बाद में परिवर्तित कर द्रविदर कड़गम (द्रविड़ियन पार्टी) रखा

लोक संपर्क और संचार ब्यूरो
सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय
भारत सरकार



#AmritMahotsav

Periyar E.V. Ramasamy

(17 September 1879 – 24 December 1973)



- Born on **17 September 1879** in Erode (then a part of Madras Presidency)
- Known as Thanthai Periyar - elderly and most revered leader
- Eminent social reformer and rationalist, espoused the principles of egalitarianism and self-respect
- Started the 'Self-Respect Movement' in Tamil Nadu for equal rights of backward castes and women in society
- Participated in the Vaikom Satyagraha in erstwhile Travancore province against untouchability and caste discrimination
- Elected as a leader of the Justice Party which he renamed later as Dravidar Kazhagam (Dravidian Party)

Bureau of Outreach and Communication
Ministry of Information and Broadcasting
Government of India

अमृत महोत्सव श्रृंखला

#AmritMahotsav

कनकलता बरूआ

(22 दिसंबर 1924 - 20 सितंबर 1942)



- 22 दिसंबर 1924 को गोहपुर, असम में जन्मी एक निर्भीक स्वतंत्रता सेनानी
- भारत छोड़ो आंदोलन के दौरान वह गोहपुर जिले के युवाओं के समूहों से बने मौत के दस्ते 'मृत्यु वाहिनी' का हिस्सा थीं
- 20 सितंबर 1942 को एक पुलिस थाने में राष्ट्रीय ध्वज फहराने के दृढ़ संकल्पित प्रयास के दौरान गोली लगने से शहीद हुईं
- 'असम की 17 वर्षीय शहीद' के रूप में लोकप्रिय हुईं



Amrit Mahotsav Series

#AmritMahotsav

Kanaklata Barua

(22 December 1924 – 20 September 1942)



- An Indian independence activist born on 22 December 1924 in Gohpur, Assam
- She was a part of the Mrityu Bahini, a death squad comprising groups of youth from the Gohpur district, during the Quit India Movement
- Attained martyrdom on **20 September, 1942** when she courageously faced bullets while making a fiercely determined effort to hoist the national flag on a police station
- Popularly known as the '17-year-old martyr of Assam'

Bureau of Outreach and Communication
Ministry of Information and Broadcasting
Government of India



#AmritMahotsav

गांधी जी का अपनी पोशाक बदलने का ऐतिहासिक निर्णय (22 सितंबर 1921)



गांधी पोट्टल (मदुरै) पर लगी
उनकी मूर्ति

- **22 सितंबर 1921** को पारंपरिक गुजराती पोशाक को त्याग कर साधारण धोती और गमछा को अपनी पोशाक बनाया।
- गांधी जी ने गरीब जनता के साथ जुड़े रहने के लिए नई पोशाक चुनी।
- गांधी पोट्टल, मदुरै: नई वेशभूषा में जनता के बीच पहली बार उपस्थित हुए।
- विदेश यात्राओं तथा जीवन के अंतिम क्षण तक भी इसी पोशाक में रहे।



@BOC_MIB

लोक संपर्क और संचार ब्यूरो
सूचना और प्रसारण मंत्रालय
भारत सरकार



BOC_MIB



#AmritMahotsav

Gandhiji's Momentous Decision of Changing his Attire

(22 September 1921)



Statue at Gandhi Pottal

- Transformed from an elaborate Gujarati attire to a simple loincloth on
22 September 1921
- Gandhiji chose this attire to identify himself with the poor masses
- Gandhi Pottal, Madurai: His first public appearance in the new loincloth attire
- Stuck to this dress code even on his trips abroad and until his very last moment



@BOC_MIB

Bureau of Outreach and Communication
Ministry of Information and Broadcasting
Government of India



BOC_MIB



#AmritMahotsav

राव तुला राम

(9 दिसंबर 1825 - 23 सितंबर 1863)



- 9 दिसंबर 1825 को जन्म
- हरियाणा के रेवाड़ी के मुखिया रहे
- 1857 में ब्रिटिश हुकूमत के विरुद्ध स्वतंत्रता के प्रथम संग्राम में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई
- 1857 के बाद, भारत छोड़कर गए और भारत की आज़ादी में मदद हेतु ईरान और अफगानिस्तान के शासकों से मिले
- काबुल, अफगानिस्तान में बीमार पड़े और **23 सितंबर 1863** को उनकी मृत्यु हुई
- अफगान सरकार ने उनका राजकीय सम्मान के साथ अंतिम संस्कार किया तथा उनकी स्मृति में स्मारक बनाया



@BOC_MIB

लोक संपर्क और संचार ब्यूरो
सूचना और प्रसारण मंत्रालय
भारत सरकार



BOC_MIB



#AmritMahotsav

Rao Tula Ram

(9 December 1825 - 23 September 1863)



- Born on 9 December 1825
- Was the Chieftain of Rewari in Haryana
- Played a prominent role in the First War of Independence against the British rule in 1857
- After 1857, left India and met rulers of Iran and Afghanistan to seek their support for India's independence movement
- Fell sick while he was in Afghanistan and died on 23 September 1863 in Kabul
- The Afghan Government gave him a State funeral and erected a memorial for him



@BOC_MIB

Bureau of Outreach and Communication
Ministry of Information and Broadcasting
Government of India



BOC_MIB



#AmritMahotsav

प्रीतिलता वाद्देदार

(5 मई 1911 - 24 सितंबर 1932)



- चटगाँव, बंगाल (अब बांग्लादेश में) में 5 मई 1911 को जन्मी एक स्वतंत्रता सेनानी
- महान स्वतंत्रता सेनानी सूर्य सेन की अध्यक्षता वाले क्रांतिकारी समूह में शामिल हुईं
- ब्रिटिश वर्चस्व के प्रतीक पहाड़तली यूरोपियन क्लब, चटगाँव- पर हमले के लिए एक समूह का नेतृत्व किया
- हमले के दौरान भीषण गोलीबारी में उनके पैर में गोली लगी
- गिरफ्तारी से बचने के लिए जहर खाया, **24 सितंबर 1932** को उनकी मृत्यु हुई



@BOC_MIB

लोक संपर्क और संचार ब्यूरो
सूचना और प्रसारण मंत्रालय
भारत सरकार



BOC_MIB



#AmritMahotsav

Pritilata Waddedar

(5 May 1911 - 24 September 1932)



- An Independence activist born on 5 May 1911 in Chittagong, Bengal (now in Bangladesh)
- Joined a freedom fighter group headed by Surya Sen
- Led a team to attack Pahartali European Club, Chittagong - which symbolised the British supremacy
- Was shot in her leg ensuing a fierce gun battle during the attack
- Died on **24 September 1932** after consuming poison to avoid getting arrested



@BOC_MIB

Bureau of Outreach and Communication
Ministry of Information and Broadcasting
Government of India



BOC_MIB



#AmritMahotsav

पंडित दीनदयाल उपाध्याय

(25 सितंबर 1916 - 11 फरवरी 1968)



- **25 सितंबर 1916** को जन्म
- असाधारण अर्थशास्त्री, शिक्षाविद्, लेखक और पत्रकार
- राष्ट्र सेवा के उद्देश्य से राजनीति में प्रवेश किया
- लोकतंत्र के भारतीय उदारवादी और स्वदेशी स्वरूप को तैयार किया
- जिस पार्टी का वे नेतृत्व कर रहे थे उसके लिए प्रभावशाली सिद्धांतों और नैतिक मूल्यों की रचना की
- 'एकात्म मानववाद' की अवधारणा का प्रतिपादन किया
- 'अंत्योदय' का उनका विचार नए भारत की बुनियाद है
- 11 फरवरी 1968 को उनकी मृत्यु हुई



@BOC_MIB

लोक संपर्क और संचार ब्यूरो
सूचना और प्रसारण मंत्रालय
भारत सरकार



BOC_MIB



#AmritMahotsav

Pandit Deendayal Upadhyay

(25 September 1916 - 11 February 1968)



- Born on **25 September 1916**
- Extraordinary economist, educationist, writer and journalist
- Entered politics with the aim of serving the nation
- Carved out India's liberal and indigenous character of democracy
- Formulated effective principles and moral values for the party that he was leading
- Ideated the concept of 'Integral Humanism'
- His philosophy of Antyodaya forms the basis of New India
- Died on 11 February 1968



@BOC_MIB

Bureau of Outreach and Communication
Ministry of Information and Broadcasting
Government of India



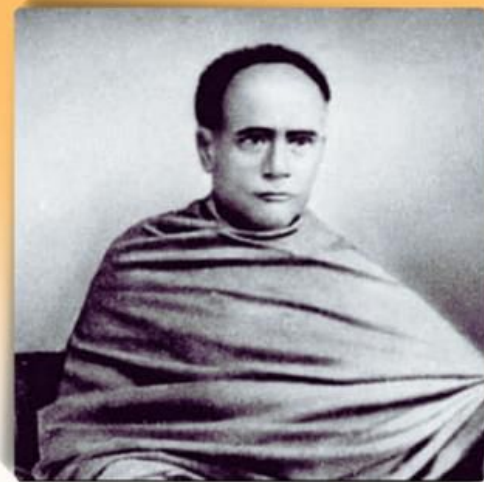
BOC_MIB



#AmritMahotsav

ईश्वर चंद्र विद्यासागर

(26 सितंबर 1820- 29 जुलाई 1891)



- **26 सितंबर 1820** को पश्चिम बंगाल के मिदनापुर जिले में जन्म
- समाज सुधारक, लेखक, शिक्षाविद; बंगाल के पुनर्जागरण के स्तंभों में से एक
- बालिकाओं की शिक्षा के लिए अहम योगदान दिया
- उनके अथक प्रयासों से विधवा पुनर्विवाह कानून, 1856 पारित हुआ
- बांग्ला अक्षरों को सरल बनाया, बांग्ला वर्णमाला 'बर्ण परिचय' लिखी
- ज्ञान के कारण उन्हें 'विद्यासागर' की उपाधि मिली



@BOC_MIB

लोक संपर्क और संचार ब्यूरो
सूचना और प्रसारण मंत्रालय
भारत सरकार



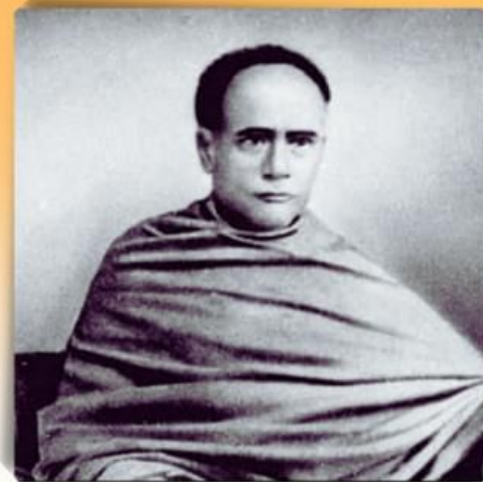
BOC_MIB



#AmritMahotsav

Ishwar Chandra Vidyasagar

(26 September 1820 - 29 July 1891)



- Born on **26 September 1820** in Midnapore district, West Bengal
- Social reformer, writer, educationist; a pillar of the Bengal Renaissance
- Championed the cause of education, especially for girls
- Successfully campaigned to legalise remarriage of widows
- His efforts resulted in the passage of the Widow Remarriage Act, 1856
- Reconstructed the Bengali alphabet; wrote the Bengali primer 'Barna Parichay'
- Earned the title of 'Vidyasagar' or 'Ocean of Knowledge' for his vast learning



@BOC_MIB

Bureau of Outreach and Communication
Ministry of Information and Broadcasting
Government of India



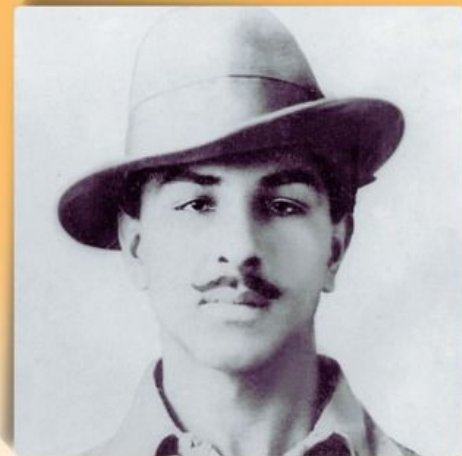
BOC_MIB



#AmritMahotsav

भगत सिंह

(28 सितंबर 1907 - 23 मार्च 1931)



- **28 सितंबर 1907** को पंजाब के लयालपुर जिले (अब पाकिस्तान में) में जन्म
- नौजवान भारत सभा और हिंदुस्तान सोशलिस्ट रिपब्लिकन एसोसिएशन के संस्थापकों में शामिल
- लाला लाजपत राय पर हमले के बाद सहायक पुलिस अधीक्षक जे.पी. सांडर्स की गोली मारकर हत्या की
- व्यापार विवाद विधेयक और जन सुरक्षा विधेयक को पारित करने के विरोध में 1929 में दिल्ली की सेंट्रल लेजिसलेटिव असेंबली में बम विस्फोट किया
- इस विस्फोट का उद्देश्य किसी को क्षति पहुँचाना नहीं, बल्कि अपनी बात सरकार तक पहुँचाना था
- **सुखदेव** थापर और शिवराम हरि **राजगुरु** के साथ फांसी की सजा मिली
- **23 मार्च 1931** को लाहौर सेंट्रल जेल में देश के लिए प्राणों का बलिदान दिया



@BOC_MIB

लोक संपर्क और संचार ब्यूरो
सूचना और प्रसारण मंत्रालय
भारत सरकार



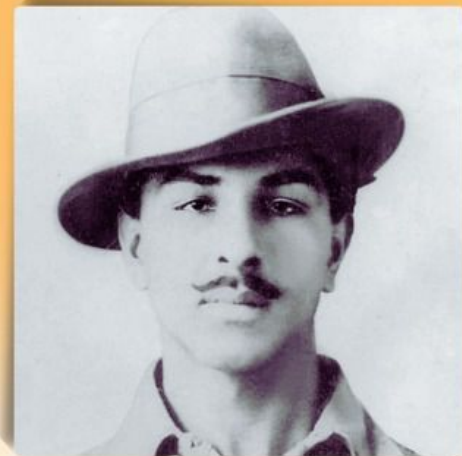
BOC_MIB



#AmritMahotsav

Bhagat Singh

(28 September 1907 - 23 March 1931)



- Born on **28 September 1907** in Lyallpur district, Punjab (now in Pakistan)
- One of the founders of Naujawan Bharat Sabha & Hindustan Socialist Republican Association
- Shot dead J.P. Saunders, Assistant Suptd. of Police, for the assault on Lala Lajpat Rai
- Caused a bomb explosion in the Central Legislative Assembly in Delhi in 1929 to protest the passing of the Trade Disputes Bill & Public Safety Bill
- His aim behind the harmless explosion was to "make the deaf hear"
- Sentenced to death along with comrades **Sukhdev** Thapar & Shivaram Hari **Rajguru**
- Died fearlessly on the gallows in Lahore Central Jail on **23 March, 1931**



@BOC_MIB

Bureau of Outreach and Communication
Ministry of Information and Broadcasting
Government of India



BOC_MIB



#AmritMahotsav

राजा राममोहन राय

(22 मई 1772 - 27 सितंबर 1833)



- समाज सुधारक, शिक्षाविद, पत्रकार, बहुभाषाविद
- भारतीय पुनर्जागरण के अग्रणी व्यक्ति
- सती प्रथा के उन्मूलन में योगदान के लिए जाने जाते हैं
- बहुविवाह, बाल विवाह और जाति प्रथा के कड़े विरोधी
- सभी धर्मों की एकता में विश्वास रखने वाले ब्रह्म समाज की स्थापना की
- **27 सितंबर 1833** को उनका निधन हुआ



@BOC_MIB

लोक संपर्क और संचार ब्यूरो
सूचना और प्रसारण मंत्रालय
भारत सरकार



BOC_MIB



#AmritMahotsav

Raja Ram Mohan Roy

(22 May 1772 - 27 September 1833)



- **Social reformer, educationist, journalist, polyglot**
- **Pioneer of the Indian Renaissance**
- **Widely known for his role in abolishing the practice of 'Sati'**
- **Staunchly opposed polygamy, child marriage and caste system**
- **Founded the Brahmo Samaj, which believed in unity of all religions**
- **Passed away on 27 September 1833**



@BOC_MIB

Bureau of Outreach and Communication
Ministry of Information and Broadcasting
Government of India



BOC_MIB



#AmritMahotsav

'कामागाटा मारू' घटना

29 सितंबर 1914



अप्रैल 1914 में, बाबा गुरदित्त सिंह के नेतृत्व में पंजाब के 376 यात्रियों के साथ एक जापानी समुद्री जहाज 'कामागाटा मारू' हांगकांग से रवाना हुआ था। ब्रिटिश अधिकारियों ने यात्रियों को कनाडा के वैंकूवर में उतरने नहीं दिया। मजबूरी में वापस लौटा 'कामागाटा मारू' सितंबर में कलकत्ता के बजबज पर पहुंचा। वहां 29 सितंबर 1914 को पुलिस के साथ हिंसक झड़प में 19 यात्रियों की गोली लगने से मौत हो गई। 'कामागाटा मारू' घटना ने गदर आंदोलन के उदय में उत्प्रेरक का काम किया।



@BOC_MIB

लोक संपर्क और संचार ब्यूरो
सूचना और प्रसारण मंत्रालय
भारत सरकार



BOC_MIB



#AmritMahotsav

'Komagata Maru' Incident

29 September 1914



In April 1914, 376 passengers from Punjab, led by Baba Gurdit Singh, sailed from Hong Kong on 'Komagata Maru', a Japanese steamship. British authorities did not permit them to disembark at their destination in Vancouver, Canada. Forced to return, Komagata Maru arrived at Budge Budge, Calcutta, in September. A violent confrontation with the police on **29 September 1914** resulted in 19 passengers being killed in firing. The Komagata Maru incident served as a catalyst for the rise of the Ghadr Movement.



@BOC_MIB

Bureau of Outreach and Communication
Ministry of Information and Broadcasting
Government of India



BOC_MIB



#AmritMahotsav

एनी बेसेंट

(1 अक्टूबर 1847 - 20 सितम्बर 1933)



- 1 अक्टूबर 1847 को लंदन, यूनाइटेड किंगडम में जन्म
- ब्रह्मविद्यावादी, महिला अधिकार कार्यकर्ता, शिक्षाविद्, लेखक, भारत के स्वराज की पक्षधर
- अडयार, मद्रास में मुख्यालय वाली थियोसोफिकल सोसायटी की अध्यक्ष रहीं
- लोकमान्य तिलक के साथ 1916 में स्वराज के लिए होम रूल लीग आंदोलन शुरू किया
- 1917 में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की पहली महिला अध्यक्ष बनीं
- बनारस (वाराणसी) में सेंट्रल हिंदू कॉलेज की स्थापना की
- भारत में स्काउट आंदोलन की शुरुआत की



@BOC_MIB

लोक संपर्क और संचार ब्यूरो
सूचना और प्रसारण मंत्रालय
भारत सरकार



BOC_MIB



#AmritMahotsav

Annie Besant

(1 October 1847 - 20 September 1933)



- Born on **1 October, 1847** in London, United Kingdom
- Theosophist, women's rights activist, educationist, writer, champion of Indian self-rule
- President of the Theosophical Society headquartered in Adyar, Madras
- Launched the Home Rule League movement for Swaraj in 1916 with Lokmanya Tilak
- Became the first woman President of the Indian National Congress in 1917
- Established the Central Hindu College in Banaras (Varanasi)
- Founded the Scout Movement in India



@BOC_MIB

Bureau of Outreach and Communication
Ministry of Information and Broadcasting
Government of India



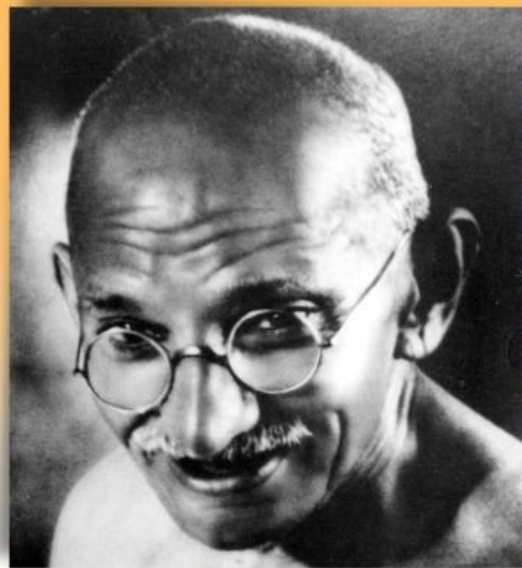
BOC_MIB



#AmritMahotsav

मोहनदास करमचंद गांधी

(2 अक्टूबर 1869 - 30 जनवरी 1948)



- **2 अक्टूबर 1869** को गुजरात के पोरबंदर में जन्म
- दक्षिण अफ्रीका में रहते हुए 'सत्याग्रह' को शांतिपूर्ण विरोध के शस्त्र के रूप में उपयोग किया
- रॉलेट सत्याग्रह, असहयोग आंदोलन तथा सविनय अवज्ञा आंदोलन का नेतृत्व किया, स्वतंत्रता आंदोलन में शामिल होने के लिए जनता को प्रेरित किया
- भारत छोड़ो आंदोलन में देशवासियों में 'करो या मरो' की भावना पैदा की
- छुआछूत के विरुद्ध अभियान के लिए खुद को समर्पित किया
- स्वच्छता और आत्मनिर्भरता के महत्व को उदाहरण द्वारा दर्शाया
- 'महात्मा', 'बापू' तथा 'राष्ट्रपिता' उपनामों से जाने गए



@BOC_MIB

लोक संपर्क और संचार ब्यूरो
सूचना और प्रसारण मंत्रालय
भारत सरकार



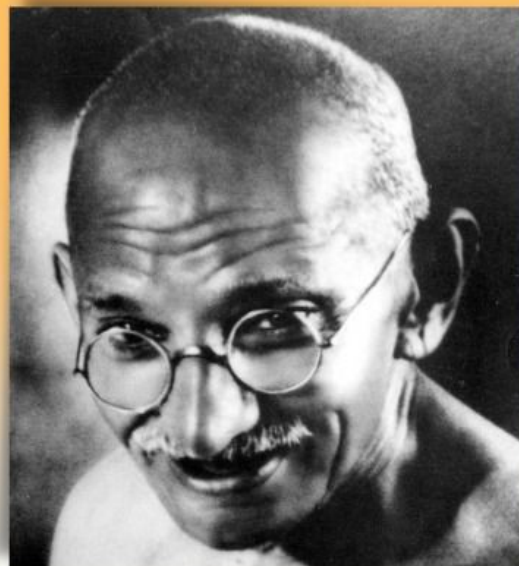
BOC_MIB



#AmritMahotsav

Mohandas Karamchand Gandhi

(2 October 1869- 30 January 1948)



- Born on **2 October 1869** at Porbandar, Gujarat
- Moulded 'Satyagraha' into a weapon of peaceful resistance while in South Africa
- Led the Rowlatt Satyagraha, Non-Cooperation Movement and Civil Disobedience Movement among others; brought the masses into the national movement for freedom
- Exhorted the nation to 'Do or Die' during the Quit India Movement
- Devoted himself to a campaign against untouchability
- Demonstrated, by example, the importance of Swachhata and Self-Reliance
- Bestowed with the monikers 'Mahatma', 'Bapu' and 'Father of the Nation'



@BOC_MIB

Bureau of Outreach and Communication
Ministry of Information and Broadcasting
Government of India



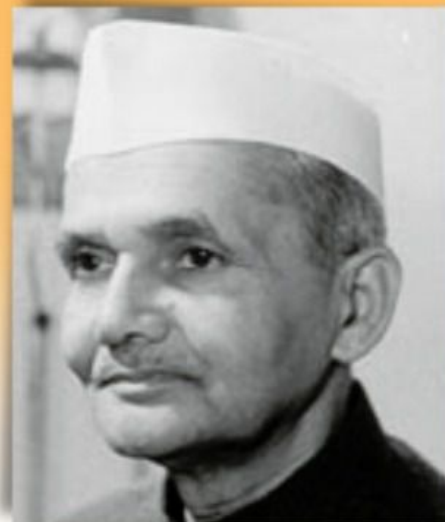
BOC_MIB



#AmritMahotsav

लाल बहादुर शास्त्री

(2 अक्टूबर 1904-11 जनवरी 1966)



- **2 अक्टूबर 1904** को उत्तर प्रदेश के मुगलसराय में जन्म
- भारत के दूसरे प्रधानमंत्री (1964-1966)
- गांधी जी के आह्वान पर असहयोग आंदोलन में शामिल होने के लिए पढ़ाई छोड़ी, बाद में वाराणसी के काशी विद्यापीठ में दाखिला लिया
- स्वाधीनता आंदोलन के प्रमुख राष्ट्रवादियों में से एक; ब्रिटिश जेलों में 7 साल बिताए
- प्रधानमंत्री बनने से पहले रेल, परिवहन और संचार, वाणिज्य व उद्योग और गृह जैसे अहम मंत्रालय संभाले
- रेल मंत्री के रूप में पारदर्शिता की मिसाल कायम की थी
- 1965 के भारत-पाकिस्तान युद्ध के दौरान भारत का नेतृत्व किया, "जय जवान, जय किसान" का अविस्मरणीय नारा दिया



@BOC_MIB

लोक संपर्क और संचार ब्यूरो
सूचना और प्रसारण मंत्रालय
भारत सरकार



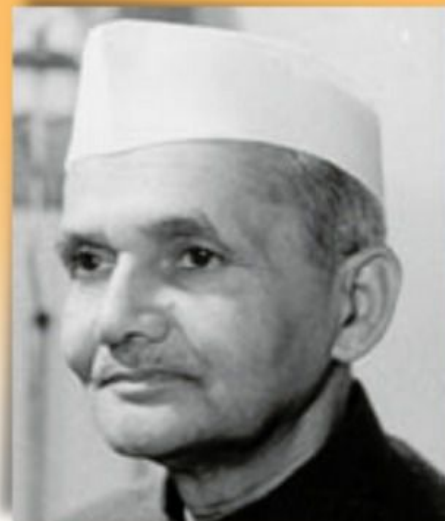
BOC_MIB



#AmritMahotsav

Lal Bahadur Shastri

(2 October 1904- 11 January 1966)



- Born on **2 October 1904** at Mughalsarai, Uttar Pradesh
- Second Prime Minister of India (1964-1966)
- Gave up his studies in response to the Mahatma's call for Non-Cooperation; later joined the Kashi Vidya Peeth in Varanasi
- Prominent nationalist of the freedom movement; spent a total of 7 years in British jails
- Held several key portfolios in the Union Cabinet, including Railways, Transport and Communications, Commerce and Industry, Home
- Set the highest standards of transparency as the Minister for Railways
- Led India during the Indo-Pakistan War of 1965, immortalized the slogan "Jai Jawan, Jai Kisan"



@BOC_MIB

Bureau of Outreach and Communication
Ministry of Information and Broadcasting
Government of India



BOC_MIB



#AmritMahotsav

कादम्बिनी गांगुली

18 जुलाई 1861 - 3 अक्टूबर 1923



- बिहार के भागलपुर में 18 जुलाई 1861 को जन्म
- कलकत्ता मेडिकल कॉलेज में प्रवेश पाने वाली पहली महिला
- पूरे दक्षिण एशिया में पश्चिमी चिकित्सा की पहली महिला डॉक्टर
- महिलाओं के उत्थान और नारी शिक्षा के लिए बहुत काम किया
- समाज सुधार आंदोलनों में सक्रियता से भागीदारी की
- **3 अक्टूबर 1923** को निधन हुआ



@BOC_MIB

लोक संपर्क और संचार ब्यूरो
सूचना और प्रसारण मंत्रालय
भारत सरकार



BOC_MIB



#AmritMahotsav

Kadambini Ganguly

(18 July 1861 - 3 October 1923)



- Born on 18 July 1861 in Bhagalpur, Bihar
- The first woman to get admission in Calcutta Medical College
- First female practitioner of western medicine in the whole of South Asia
- Worked relentlessly for the upliftment of women and promoted female education
- Actively participated in social reform movements
- Died on **3 October 1923**



@BOC_MIB

Bureau of Outreach and Communication
Ministry of Information and Broadcasting
Government of India



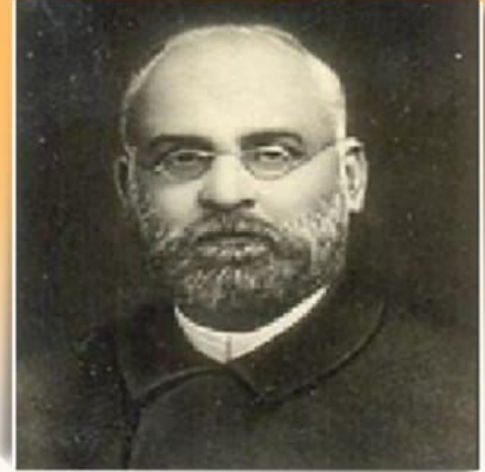
BOC_MIB



#AmritMahotsav

श्यामजी कृष्ण वर्मा

(4 अक्टूबर 1857 - 30 मार्च 1930)



- **4 अक्टूबर 1857** को आज के गुजरात में जन्म
- पेशे से अधिवक्ता और पत्रकार थे तथा संस्कृत भाषा के विशेषज्ञ थे
- ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी, इंग्लैंड में संस्कृत की शिक्षा दी
- इंडिया हाउस, इंडियन होम रूल सोसायटी और द इंडियन सोशियोलॉजिस्ट पत्रिका की स्थापना की
- ब्रिटेन में युवाओं को भारत के औपनिवेशिक प्रशासन के खिलाफ खड़ा होने के लिए प्रेरित किया
- बंबई आर्य समाज के पहले अध्यक्ष
- वीर सावरकर, मदन लाल दींगरा और लाला हरदयाल उनसे बहुत प्रेरित थे
- **30 मार्च 1930** को जिनेवा, स्विट्जरलैंड में निधन
- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी (गुजरात के तत्कालीन मुख्यमंत्री) **2003** में उनकी अस्थियां जिनेवा से भारत वापस लाए



@BOC_MIB

लोक संपर्क और संचार ब्यूरो
सूचना और प्रसारण मंत्रालय
भारत सरकार



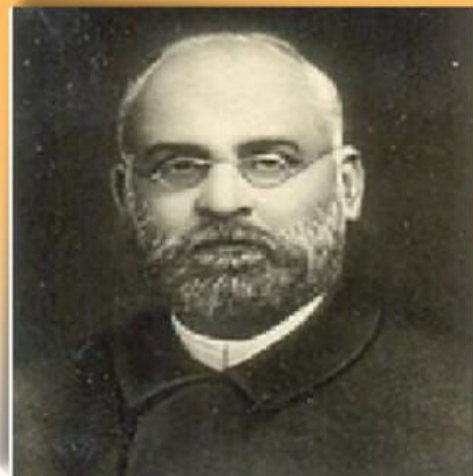
BOC_MIB



#AmritMahotsav

Shyamji Krishna Verma

(4 October 1857 - 30 March 1930)



- Born on **4 October 1857** in modern-day Gujarat
- Lawyer and journalist by profession and an expert in Sanskrit language
- Taught Sanskrit at the Oxford University, England
- Founded India House & Indian Home Rule Society and The Indian Sociologist journal
- Worked towards inspiring youngsters in Britain to stand up against the colonial administration in India
- First President of Bombay Arya Samaj
- Veer Savarkar, Madan Lal Dhingra and Lala Hardayal were deeply influenced by him
- Died on 30 March 1930 in Geneva, Switzerland
- PM Narendra Modi (then Gujarat CM) brought his ashes back from Geneva to India in 2003



@BOC_MIB

Bureau of Outreach and Communication
Ministry of Information and Broadcasting
Government of India



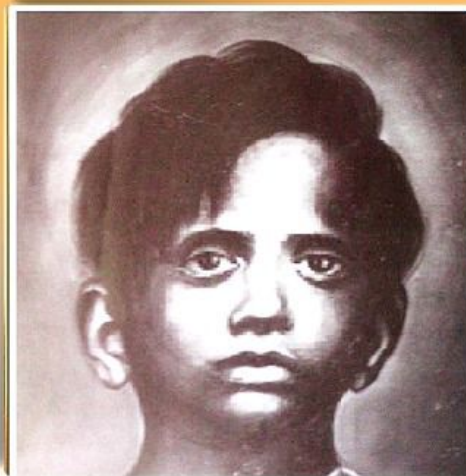
BOC_MIB



#AmritMahotsav

Baji Rout

(5 October 1926 - 11 October 1938)



- Youngest Indian freedom fighter born on **5 October 1926** in Dhenkanal, Odisha
- An active member of Banar Sena (composed of young children) of the Prajamandal
- Boat boy who had volunteered to keep watch by the river at night
- Shot by British police when he refused to ferry them across the Brahmani River
- Martyred on 11 October 1938 at the age of 12



@BOC_MIB

Bureau of Outreach and Communication
Ministry of Information and Broadcasting
Government of India



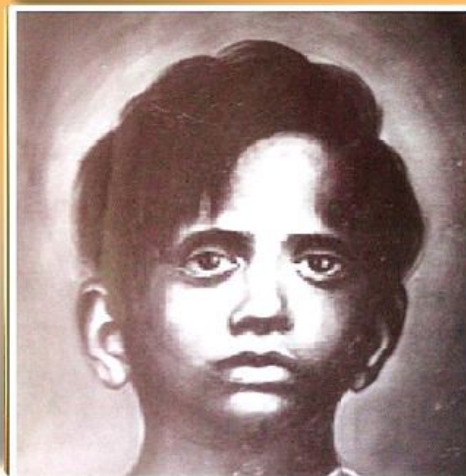
BOC_MIB



#AmritMahotsav

बाजी राउत

(5 अक्टूबर 1926 - 11 अक्टूबर 1938)



- ढेंकानाल, ओडिशा में **5 अक्टूबर 1926** को भारत के सबसे छोटे स्वतंत्रता सेनानी का जन्म
- प्रजामंडल की वानर सेना (किशोरों का संगठन) के सक्रिय सदस्य
- प्रजामंडल के कार्यकर्ताओं के कहने पर ब्राह्मणी नदी किनारे रात को पहरा देते थे बाजी
- नदी पार कराने से इनकार करने पर ब्रिटिश पुलिसकर्मी द्वारा गोली मारी गई
- 11 अक्टूबर 1938 को 12 साल की उम्र में शहीद हुए



@BOC_MIB

लोक संपर्क और संचार ब्यूरो
सूचना और प्रसारण मंत्रालय
भारत सरकार



BOC_MIB



#AmritMahotsav

के. केलप्पन

(24 अगस्त 1889- 7 अक्तूबर 1971)



- 24 अगस्त 1889 को केरल के कालीकट के एक छोटे से गाँव में जन्म
- समाज सुधारक, स्वतंत्रता सेनानी, शिक्षाविद् और पत्रकार
- समाज के शोषित वर्ग के उत्थान और अस्पृश्यता उन्मूलन के लिए काम किया
- वायकोम सत्याग्रह और गुरुवैयूर सत्याग्रह में प्रमुख भूमिका निभाई
- केरल से सत्याग्रह में भाग लेने वाले प्रथम सत्याग्रही- व्यक्तिगत सत्याग्रह आंदोलन
- केरल के लोगों को उनके माध्यम से वास्तविक रूप में गांधीवादी आदर्शों के बारे में पता चला
- उनके मनोभाव और गैर-टकराववादी दृष्टिकोण के कारण उन्हें केरल गांधी नाम मिला
- एक आदर्श सत्याग्रही, जिसने पायनूर और कालीकट नमक सत्याग्रह का नेतृत्व किया
- 7 अक्तूबर 1971 को निधन



@BOC_MIB

लोक संपर्क और संचार ब्यूरो
सूचना और प्रसारण मंत्रालय
भारत सरकार



BOC_MIB



#AmritMahotsav

K. Kelappan

(24 August 1889 - 7 October 1971)



- Born on 24 August 1889 in a small village in Calicut, Kerala
- Reformer, freedom fighter, educationist and journalist
- Worked for the downtrodden and abolition of untouchability
- Played a prominent role in the Vaikom Satyagraha and Guruvayoor Satyagraha
- Participated in the first Satyagrahi from Kerala - The Individual Satyagraha Movement
- The people of Kerala came to know of Gandhian ideals essentially through him
- His attitude and non-confrontational approach earned him the name Kerala Gandhi
- An ideal Satyagrahi, who led the Payyanur and Calicut Salt Satyagraha
- Died on **7 October 1971**



@BOC_MIB

Bureau of Outreach and Communication
Ministry of Information and Broadcasting
Government of India



BOC_MIB



#AmritMahotsav

भारतीय वायु सेना का जन्म

8 अक्टूबर 1932



भारतीय वायु सेना का आधिकारिक तौर पर गठन 8 अक्टूबर 1932 को हुआ था। इसे यूनाइटेड किंगडम की रॉयल एयर फोर्स की एक सहायक इकाई के रूप में स्थापित किया गया था। छह आरएएफ प्रशिक्षित अधिकारी और 19 हवाई सिपाही के साथ पहली उड़ान 1 अप्रैल 1933 को कराची की ड्रिघ रोड पर भरी गयी और इसमें 4 वेस्टलैंड वापिटि आईआईए बायप्लेन शामिल थे। पहली तीन फ्लाइट (ए, बी, सी) जून 1938 में नंबर वन स्क्वाड नाम के तौर पर शामिल हुई। द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान सेवाओं के सम्मान स्वरूप, भारतीय वायु सेना को 1945 से 'रॉयल इंडियन एयरफोर्स' कहा जाने लगा। 1950 में भारत के गणराज्य बनने के बाद, नाम में से 'रॉयल' हटा दिया गया और इसे भारतीय वायु सेना नाम से जाना गया। 1 अप्रैल 1954 को भारतीय वायु सेना के संस्थापक सदस्यों में से एक एयर मार्शल सुब्रतो मुखर्जी भारतीय वायु सेना के पहले अध्यक्ष बने।



@BOC_MIB

लोक संपर्क और संचार ब्यूरो
सूचना और प्रसारण मंत्रालय
भारत सरकार



BOC_MIB



#AmritMahotsav

Birth of the Indian Air Force

8 October 1932



The Indian Air Force was officially established on **8 October 1932**. It was set up as an auxiliary unit of the Royal Air Force of the United Kingdom. The first flight came into being on 1 April 1933 with 6 RAF trained officers, 19 Havai Sepoys & equipped with 4 Westland Wapiti IIA biplanes at Drigh Road, Karachi. The first 3 flights (A, B & C) were integrated as No. 1 Sqn in June 1938. In recognition of services rendered during World War II, the IAF came to be called the Royal Indian Air Force in 1945. As India became a Republic in 1950, the prefix 'Royal' was dropped & the Force became the Indian Air Force. On 1 April 1954 Air Marshal Subroto Mukerjee, one of the founding members of the IAF became its first Indian Chief of Air Staff.



@BOC_MIB

Bureau of Outreach and Communication
Ministry of Information and Broadcasting
Government of India



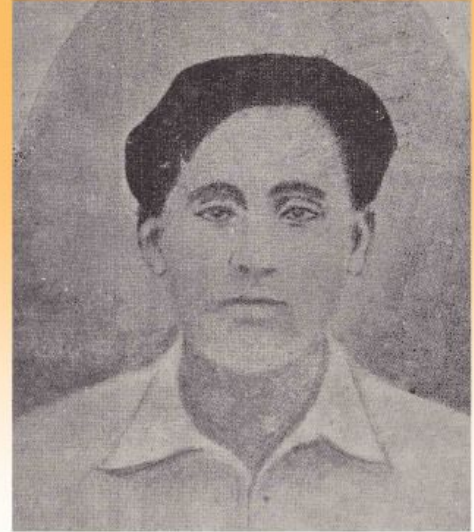
BOC_MIB



#AmritMahotsav

ब्रिटिश मिलिट्री ट्रेन घटना

10 अक्टूबर 1942



10 अक्टूबर 1942 की सुबह असम के सरूपथर रेलवे स्टेशन के पास ब्रिटिश मिलिट्री की एक ट्रेन पटरी से उतर गई थी। असम के प्रमुख स्वतंत्रता सेनानी कुशल कोंवर को इस घटना में संदिग्ध रूप से शामिल होने के आरोप में गिरफ्तार किया गया। कुशल कोंवर सरूपथर कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष थे। उन्होंने सविनय अवज्ञा आंदोलन और भारत छोड़ो आंदोलन में भाग लिया। 16 जून 1943 को भारत छोड़ो आंदोलन के अंतिम दौर में फांसी की सजा पाने वाले वह एकमात्र शहीद थे।



@BOC_MIB

लोक संपर्क और संचार ब्यूरो
सूचना और प्रसारण मंत्रालय
भारत सरकार



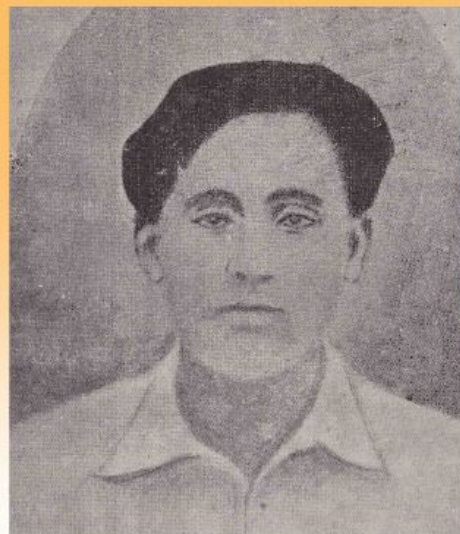
BOC_MIB



#AmritMahotsav

Derailment of British Military Train

10 October, 1942



In the early morning of **10 October, 1942**, a British military train was derailed near the Sarupathar railway station in Assam. Kushal Konwar, a prominent freedom fighter from Assam, was arrested by the British on suspicion of his involvement in the incident. Kushal Konwar was the President of the Sarupathar Congress Committee. He took part in the Civil Disobedience Movement and in the Quit India Movement. On 16 June 1943, he became the only martyr to be hanged in the last phase of the Quit India movement.



@BOC_MIB

Bureau of Outreach and Communication
Ministry of Information and Broadcasting
Government of India



BOC_MIB



#AmritMahotsav

उत्कलमणि गोपबंधु दास

(9 अक्टूबर 1877 - 17 जून 1928)



- **9 अक्टूबर 1877** को जन्म, उत्कलमणि या ओडिशा के रत्न के रूप में जाना जाता है
- सामाजिक कार्यकर्ता, पत्रकार, निबंधकार, कवि और समाज सुधारक
- असहयोग आंदोलन में सक्रिय रूप से भाग लिया
- उनके प्रयासों के कारण गांधीजी ने ओडिशा का दौरा किया और उसके बाद ओडिशा के लोग असहयोग आंदोलन में शामिल हुए
- नेताजी सुभाष चंद्र बोस ने उन्हें ओडिशा के राष्ट्रीय आंदोलन का जनक बताया
- स्वयंसेवी संगठन पुरी सेवा समिति गठित की जिसने हैजा पीड़ितों की मदद की
- बाद में, इन पीड़ितों के लिए जिले में एक अलग अस्पताल की स्थापना की गई
- **17 जून 1928** को निधन



@BOC_MIB

लोक संपर्क और संचार ब्यूरो
सूचना और प्रसारण मंत्रालय
भारत सरकार



BOC_MIB



#AmritMahotsav

Utkalamani Gopabandhu Das

(9 October 1877 - 17 June 1928)



- Known as Utkalamani or the Jewel of Utkal or Odisha was born on **9 October 1877**
- An activist, journalist, essayist, poet, reformer, and social worker
- Actively participated in the Non-Cooperation Movement
- His efforts led Gandhiji to visit Odisha and thereafter people of Odisha joined the Non-Cooperation Movement
- Netaji Subhas Chandra Bose referred to him as the father of the National movement in Odisha
- Started Puri Seva Samiti, a voluntary organization that helped cholera victims
- Later, this led to the setting up of a separate hospital in the district for the victims
- Died on 17 June 1928



@BOC_MIB

Bureau of Outreach and Communication
Ministry of Information and Broadcasting
Government of India



BOC_MIB

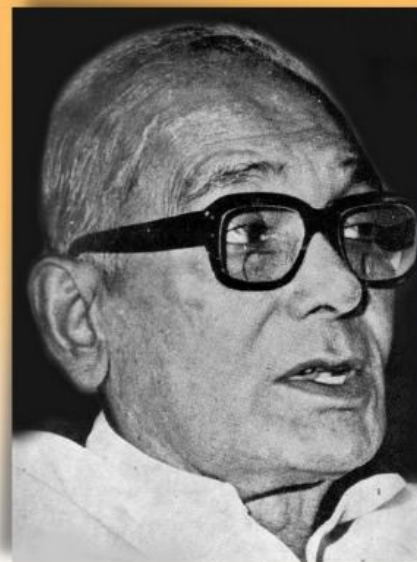


#AmritMahotsav

अमृत महोत्सव श्रृंखला #28

जयप्रकाश नारायण

(11 अक्टूबर 1902- 8 अक्टूबर 1979)



- आज के बिहार के सारण जिले में **11 अक्टूबर 1902** को जन्म
- राष्ट्रवादी और राजनेता, 'जेपी' नाम से मशहूर, 'लोकनायक' उपाधि से नवाजे गए
- सविनय अवज्ञा और भारत छोड़ो आंदोलन में भाग लिया
- कांग्रेस सोशलिस्ट पार्टी के गठन में प्रमुख भूमिका निभाई
- दलगत राजनीति छोड़ने का फैसला किया और अपना जीवन विनोबा भावे के सर्वोदय आंदोलन को दिया
- सार्वजनिक जीवन में भ्रष्टाचार के खिलाफ बिहार में एक जन आंदोलन शुरू किया और संपूर्ण क्रांति का आह्वान किया, 25 जून 1975 को आपातकाल घोषित होने के बाद गिरफ्तार हुए
- आपातकाल के खिलाफ उनकी सफल लड़ाई से 1977 में पहली गैर कांग्रेसी सरकार केंद्र में सत्ता में आई
- 8 अक्टूबर 1979 को निधन, मरणोपरांत भारत रत्न से सम्मानित हुए



@BOC_MIB

लोक संपर्क और संचार ब्यूरो
सूचना और प्रसारण मंत्रालय
भारत सरकार



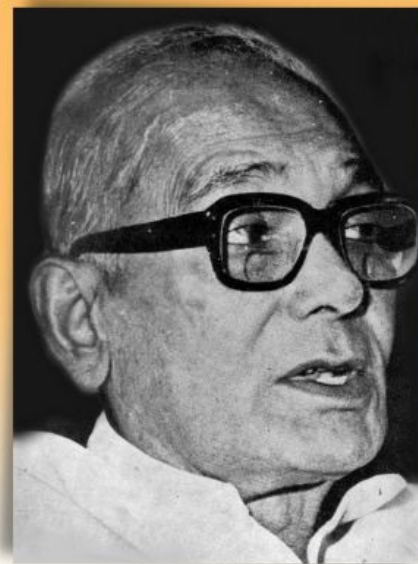
BOC_MIB



#AmritMahotsav

Jayaprakash Narayan

(11 October 1902 - 8 October 1979)



- Born on **11 October 1902** in Saran district in present-day Bihar
- Nationalist & political leader, popularly known as 'JP'; bestowed with the epithet 'Loknayak'
- Participated in the Civil Disobedience and Quit India Movements
- Took a leading part in the formation of the Congress Socialist Party
- Decided to leave party politics & devote his life exclusively to Vinoba Bhave's Sarvodaya Movement
- Launched a mass movement in Bihar against corruption in public life and called for Total Revolution or 'Sampoorna Kranti'; was arrested after declaration of Emergency on 25 June 1975
- His successful fight against Emergency brought to power the first non-Congress government at the Centre in 1977
- Passed away on 8 October 1979; posthumously awarded the Bharat Ratna



@BOC_MIB

Bureau of Outreach and Communication
Ministry of Information and Broadcasting
Government of India



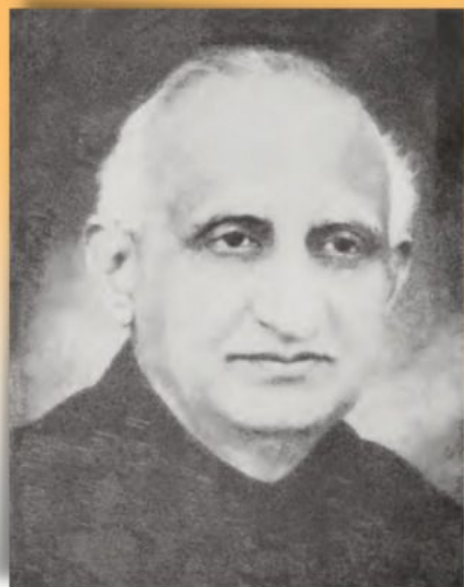
BOC_MIB



#AmritMahotsav

Bhulabhai Desai

(13 October 1877 - 6 May 1946)



- Born on **13 October 1877** in Valsad, Gujarat
- Indian independence activist and acclaimed lawyer
- Began his political career with the Home Rule League Movement
- At Gandhiji's request, ably represented the cause of Gujarat farmers in the inquiry by the British Government following the Bardoli Satyagraha in 1928
- Was elected to the Central Legislative Assembly
- Known for his stirring defense of three INA soldiers under trial at the Red Fort; his historic speech for the defence was delivered over several days, without the assistance of any notes



@BOC_MIB

Bureau of Outreach and Communication
Ministry of Information and Broadcasting
Government of India



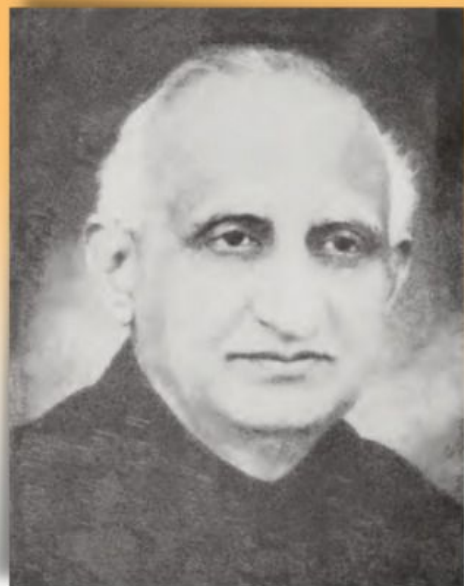
BOC_MIB



#AmritMahotsav

भूलाभाई देसाई

(13 अक्टूबर 1877 - 6 मई 1946)



- **13 अक्टूबर 1877** को वलसाड, गुजरात में जन्म
- स्वतंत्रता सेनानी और प्रशंसित वकील
- होम रूल लीग आंदोलन के साथ अपने राजनीतिक जीवन की शुरूआत की
- गांधीजी के अनुरोध पर, 1928 में बारदोली सत्याग्रह के बाद ब्रिटिश सरकार द्वारा की गई जांच में गुजरात के किसानों के पक्ष का निपुणतापूर्वक प्रतिनिधित्व किया
- केंद्रीय विधान सभा के लिए चुने गए
- लाल किले में सुनवाई के दौरान आजाद हिंद फौज के तीन सैनिकों के अतिउत्साही बचाव के लिए जाना जाता है; बचाव पक्ष की ओर से उनका ऐतिहासिक भाषण कई दिनों तक बिना नोट के जारी रहा था



@BOC_MIB

लोक संपर्क और संचार ब्यूरो
सूचना और प्रसारण मंत्रालय
भारत सरकार



BOC_MIB



#AmritMahotsav

राम मनोहर लोहिया

(23 मार्च 1910 - 12 अक्टूबर 1967)



- उत्तर प्रदेश के फैजाबाद जिले में 23 मार्च 1910 को जन्म
- स्वतंत्रता सेनानी, राजनेता, बहुमुखी लेखक
- भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के अंतर्गत बने कांग्रेस सोशलिस्ट पार्टी के संस्थापकों में से एक
- 1936 में कांग्रेस पार्टी के विदेश मामलों के विभाग के सचिव;
- भारत की विदेश नीति के निर्माण में मदद की
- भारत छोड़ो आंदोलन के दौरान एक भूमिगत रेडियो स्टेशन स्थापित किया
- सामाजिक समानता के अथक समर्थक
- 12 अक्टूबर 1967 को निधन



@BOC_MIB

लोक संपर्क और संचार ब्यूरो
सूचना और प्रसारण मंत्रालय
भारत सरकार



BOC_MIB



#AmritMahotsav

Ram Manohar Lohia

(23 March 1910 - 12 October 1967)



- Born on 23 March 1910 in Faizabad district of Uttar Pradesh
- Indian independence activist, political leader, prolific writer
- One of the founders of the Congress Socialist Party within the Indian National Congress
- Secretary of the Foreign Affairs Department of the Congress Party in 1936; helped in laying the foundations of India's foreign policy
- Established an underground radio station during the Quit India Movement
- Untiring champion of social equality
- Passed away on **12 October 1967**



@BOC_MIB

Bureau of Outreach and Communication
Ministry of Information and Broadcasting
Government of India



BOC_MIB



#AmritMahotsav

लाला हर दयाल

(14 अक्तूबर 1884- 4 मार्च 1939)



- **14 अक्तूबर 1884** को दिल्ली में जन्म
- स्वतंत्रता सेनानी, शिक्षाविद, बहुशास्त्र-ज्ञानी
- स्वतंत्रता आंदोलन में भाग लेने के लिए प्रख्यात ऑक्सफोर्ड की 2 छात्रवृत्तियों को ठुकरा दिया तथा भारतीय सिविल सर्विस की नौकरी की संभावना को समाप्त कर दिया
- गदर पार्टी के मार्गदर्शक
- प्रवासी भारतीयों को एकत्रित किया और स्वतंत्रता संग्राम में भाग लेने के लिए प्रेरित किया
- 4 मार्च 1939 को उनका निधन हुआ



@BOC_MIB

लोक संपर्क और संचार ब्यूरो
सूचना और प्रसारण मंत्रालय
भारत सरकार



BOC_MIB



#AmritMahotsav

Lala Har Dayal

(14 October 1884 - 4 March 1939)



- Born on **14 October 1884** in Delhi
- Indian independence activist, scholar, polymath
- Turned down 2 prestigious Oxford scholarships and the prospect of a career in the Indian Civil Services to participate in the freedom struggle
- Guiding spirit of the Ghadr Party
- Mobilized Indians of the diaspora & encouraged them to be part of the freedom movement
- Passed away on 4 March 1939



@BOC_MIB

Bureau of Outreach and Communication
Ministry of Information and Broadcasting
Government of India



BOC_MIB

#AmritMahotsav

दुर्गावती देवी

(7 अक्टूबर 1907 - 15 अक्टूबर 1999)



- 7 अक्टूबर 1907 को उत्तर प्रदेश में जन्म
- क्रांतिकारी और हिंदुस्तान सोशलिस्ट रिपब्लिकन एसोसिएशन के सदस्य भगवती चरण वोहरा की पत्नी, इसीलिए इस संगठन के सदस्यों ने उन्हें 'दुर्गा भाभी' नाम दिया
- नौजवान भारत सभा की सक्रिय सदस्य
- एच एस आर ए के सदस्यों पर गहरा प्रभाव छोड़ा
- सांडर्स की हत्या के बाद भगत सिंह के लाहौर से भागने में मदद की
- भगत सिंह और उनके साथियों की फांसी के बाद लॉर्ड हैले (पंजाब के पूर्व गवर्नर) की हत्या का फैसला किया; गवर्नर तो बच गए, लेकिन उनके सहयोगी घायल हुए
- 15 अक्टूबर 1999 को उनका निधन हो गया



@BOC_MIB

लोक संपर्क और संचार ब्यूरो
सूचना और प्रसारण मंत्रालय
भारत सरकार



BOC_MIB



#AmritMahotsav

Durgawati Devi

(7 October 1907 - 15 October 1999)



- Born on 7 October 1907 in Uttar Pradesh; known as Durga Bhabhi or the 'The Agni of India';
- Active member of the Naujawan Bharat Sabha
- Had a strong influence on members of the Hindustan Socialist Republican Association
- Helped Bhagat Singh escape from Lahore after the Saunders killing
- Decided to kill Lord Hailey (ex-Governor of Punjab) in response to the hanging of Bhagat Singh and his comrades; the Governor escaped, but his aides were injured.
- Wife of revolutionary activist and HSRA member Bhagwati Charan Vohra
- Passed away on 15 October 1999



@BOC_MIB

Bureau of Outreach and Communication
Ministry of Information and Broadcasting
Government of India



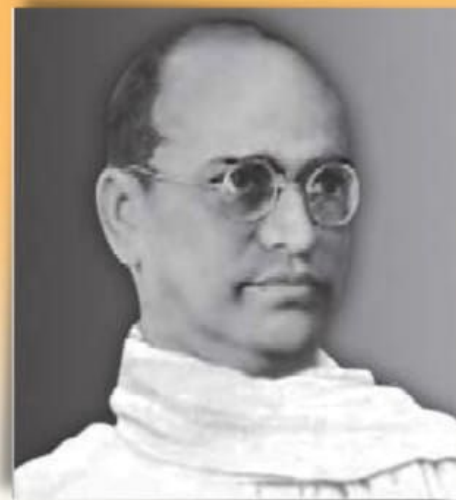
BOC_MIB



#AmritMahotsav

वल्लथोल नारायण मेनन

(16 अक्टूबर 1878 - 13 मार्च 1958)



- **16 अक्टूबर 1878** को केरल के मलप्पुरम जिले में जन्म
- मलयालम के 'महाकवि' जिनकी कविताओं में जनमानस के लिए स्वतंत्रता संग्राम में सक्रिय भागीदारी का आह्वान था
- महात्मा गांधी के सम्मान में 'एंटे गुरुनाधन' (मेरे गुरु) लिखी
- राष्ट्रीय आंदोलन में सक्रिय रूप से भाग लिया
- 1922 में अपनी भारत यात्रा के दौरान प्रिंस ऑफ वेल्स द्वारा उन्हें दिए गए शाही सम्मान को अस्वीकार कर दिया
- शास्त्रीय नृत्य रूप 'कथकली' को पुनर्जीवित करने का श्रेय
- 1954 में पद्मभूषण से सम्मानित



@BOC_MIB

लोक संपर्क और संचार ब्यूरो
सूचना और प्रसारण मंत्रालय
भारत सरकार



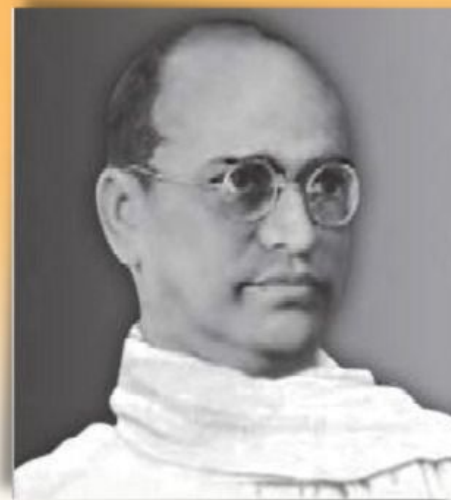
BOC_MIB



#AmritMahotsav

Vallathol Narayana Menon

(16 October 1878 - 13 March 1958)



- Born on **16 October 1878** in Malappuram district, Kerala
- The 'Mahakavi' of Malayalam whose poems called for active participation of people in the freedom struggle
- Wrote 'Ente Gurunadhan' (My Guru) as a tribute to Mahatma Gandhi
- Actively participated in the national movement
- Rejected a royal honour bestowed on him by the Prince of Wales during his India visit in 1922
- Credited with revitalising the classical dance form Kathakali
- Awarded the Padmabhushan in 1954



@BOC_MIB

Bureau of Outreach and Communication
Ministry of Information and Broadcasting
Government of India



BOC_MIB



#AmritMahotsav

मातंगिनी हाजरा

(19 अक्टूबर 1870-29 सितंबर 1942)



- **19 अक्टूबर 1870** को जन्म
- वह भारतीय स्वाधीनता संग्राम में सक्रिय रूप से भाग लेने वाले क्रांतिकारियों में से एक थीं
- उन्होंने असहयोग आंदोलन में भाग लिया और नमक पर से कर हटाये जाने के लिए सविनय अवज्ञा आंदोलन में अपना विरोध प्रकट किया
- भारत छोड़ो आंदोलन के छह हज़ार समर्थकों, जिसमें ज़्यादातर महिलाएं थीं, का नेतृत्व किया
- अपने जत्थे के साथ पश्चिम बंगाल के मिदनापुर जिले में शहर के बाहरी इलाके में पहुंचने पर अंग्रेजों ने उनको गोली मार दी
- अपने अंतिम समय तक वह वंदे मातरम का उद्घोष करती रहीं



@BOC_MIB

लोक संपर्क और संचार ब्यूरो
सूचना और प्रसारण मंत्रालय
भारत सरकार



BOC_MIB



#AmritMahotsav

Matangini Hazra

(19 October 1870 - 29 September 1942)



- Born on **19 October 1870**
- She was a revolutionary and actively participated in the Indian Independence movement
- Took part in Non-Cooperation Movement and protested for the abolition of Salt tax as part of Civil Disobedience movement
- Led a procession of six thousand supporters, mostly women, as part of the Quit India Movement
- Was shot by the Britishers when the procession reached the outskirts of the town in Midnapore district, West Bengal
- Kept chanting Vande Mataram ("hail to the Motherland") during her last moments



@BOC_MIB

Bureau of Outreach and Communication
Ministry of Information and Broadcasting
Government of India



BOC_MIB



#AmritMahotsav

"आजाद हिंद की पहली अंतरिम सरकार" की स्थापना की घोषणा

21 अक्टूबर 1943



21 अक्टूबर 1943 को नेताजी सुभाष चंद्र बोस ने राज्य प्रमुख, प्रधानमंत्री और युद्ध मंत्री की जिम्मेदारियों के साथ कैथी थियेटर, सिंगापुर में आजाद हिंद (स्वतंत्र भारत) की अंतरिम सरकार के गठन की घोषणा की थी। जिसने बोस को जापानियों के साथ बराबरी के आधार पर बातचीत करने में सक्षम बनाया। इसने भारतीय राष्ट्रीय सेना (आईएनए) में शामिल होने और इसका समर्थन करने के लिए पूर्वी एशिया में भारतीयों को लामबंद किया।

आजाद हिंद की अंतरिम सरकार के गठन के साथ, भारतीय समुदायों की लामबंदी के लिए सशस्त्र संघर्ष को आगे बढ़ाया गया। मलाया, थाईलैंड और बर्मा से कई भारतीय नागरिकों ने उत्साहपूर्वक प्रतिक्रिया दी। अन्य नागरिकों ने आईएनए फंड में उदारता से पैसे और सोने के रूप में योगदान दिया। बोस की रैलियों और सभाओं में भाग लेने के बाद अमीर भारतीय परिवारों ने बड़ी रकम दान की जबकि महिलाओं ने आसानी से अपने गहनों का त्याग कर सोना दान दिया।

अप्रैल 1944 तक, भारतीय समुदायों से अधिकाधिक दान का प्रबंध करने के लिए रंगून में आजाद हिंद बैंक की स्थापना की गई थी।



@BOC_MIB

लोक संपर्क और संचार ब्यूरो
सूचना और प्रसारण मंत्रालय
भारत सरकार



BOC_MIB



#AmritMahotsav

Announced the Establishment of the "First Provisional Government of AZAD HIND"

21 October 1943



On **21 October 1943**, Netaji Subhas Chandra Bose announced the formation of the Provisional Government of Azad Hind (Free India), at Cathay Theatre (Singapore), with himself as the Head of State, Prime Minister and Minister of War which enabled Bose to negotiate with the Japanese on an equal footing. This facilitated the mobilisation of Indians in East Asia to join and support the Indian National Army (INA).

With the formation of the Provisional Government of Azad Hind, mobilisation of the Indian communities for armed struggle was stepped up. Many Indian civilians from Malaya, Thailand and Burma responded enthusiastically. Others contributed money and gold generously to the INA Fund. The gold came mostly from women who readily gave up their jewellery while wealthy Indian families donated large sums of money after attending Bose's rallies and meetings.

By April 1944, the Azad Hind Bank was established in Rangoon to manage the overwhelming donations from the Indian communities.



@BOC_MIB

Bureau of Outreach and Communication
Ministry of Information and Broadcasting
Government of India



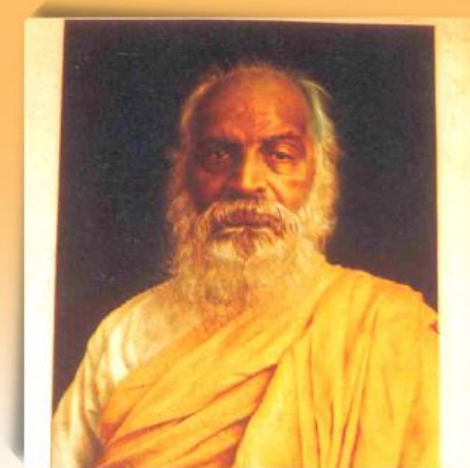
BOC_MIB



#AmritMahotsav

विठ्ठलभाई जे. पटेल

(27 सितंबर 1873 - 22 अक्टूबर 1933)



- स्वतंत्रता सेनानी, वकील, देशभक्त, राजनीतिज्ञ, परोपकारी और मानवतावादी
- स्वराज पार्टी के उपनेता
- केंद्रीय विधान सभा के पहले निर्वाचित अध्यक्ष
- अपनी निष्पक्षता, गरिमा और ईमानदारी के लिए चर्चित हुए
- राष्ट्र के प्रति सेवा के पर्याय बने
- विधान सभा के लिए अलग कार्यालय बनाने में सफल रहे
- राष्ट्रहित को बढ़ावा देने के लिए उन्होंने विधानसभा को मजबूत किया
- **22 अक्टूबर 1933** को जेनेवा में निधन



@BOC_MIB

लोक संपर्क और संचार ब्यूरो
सूचना और प्रसारण मंत्रालय
भारत सरकार



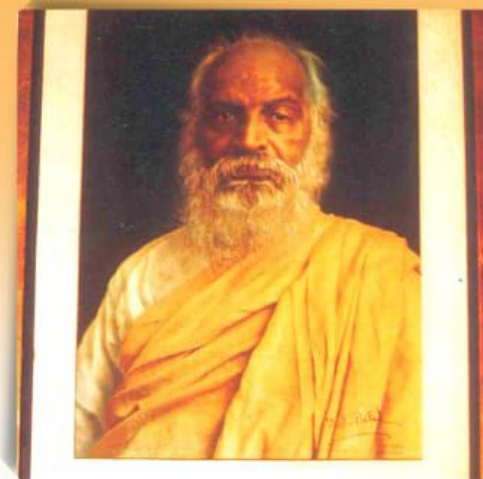
BOC_MIB



#AmritMahotsav

VITHALBHAI J. PATEL

(27 September 1873 - 22 October 1933)



- Freedom fighter, lawyer, patriot, politician, philanthropist and a humanist
- Deputy leader of the Swaraj Party
- First elected President of Central Legislative Assembly
- Known for his impartiality, dignity and uprightness
- Succeeded in creating a separate office for the Legislative Assembly
- He strengthened Legislative Assembly as a platform to promote national cause
- Died at Geneva on **22nd October 1933**



@BOC_MIB

Bureau of Outreach and Communication
Ministry of Information and Broadcasting
Government of India



BOC_MIB



#AmritMahotsav

अशफाक उल्ला खान

(22 अक्टूबर 1900 - 19 दिसंबर 1927)



- **22 अक्टूबर 1900** को उत्तर प्रदेश के शाहजहांपुर में जन्म
- ब्रिटिश शासन के खिलाफ राष्ट्रवादी गतिविधियों में सक्रिय रूप से शामिल रहे
- हिंदुस्तान सोशलिस्ट रिपब्लिकन एसोसिएशन के सह संस्थापक
- मातृवेदी संस्था नाम के क्रांतिकारी संगठन के सदस्य रहे
- काकोरी मेल डकैती कांड में शामिल रहे जिसके लिए उन्हें गिरफ्तार किया गया
- 19 दिसंबर 1927 को फांसी दी गई



@BOC_MIB

लोक संपर्क और संचार ब्यूरो
सूचना और प्रसारण मंत्रालय
भारत सरकार



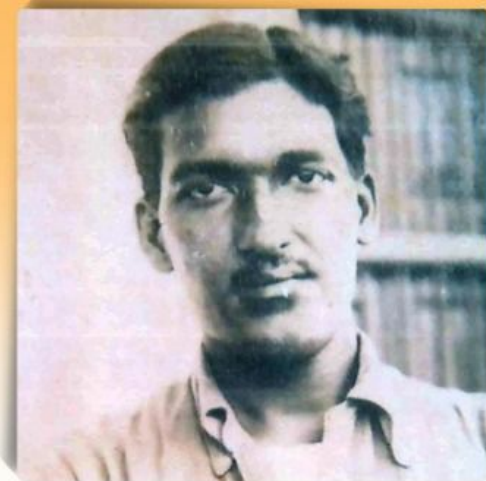
BOC_MIB



#AmritMahotsav

Ashfaqullah Khan

(22 October 1900 - 19 December 1927)



- Born on **22 October 1900** in Shahjahanpur, Uttar Pradesh
- Took active part in nationalist activities against British rule
- Co-founder of the Hindustan Socialist Republican Association
- Member of the revolutionary organisation called Matrivedi Sanstha
- Participated in the Kakori Mail Dacoity for which he was arrested
- He was hanged on **19 December 1927**



@BOC_MIB

Bureau of Outreach and Communication
Ministry of Information and Broadcasting
Government of India



BOC_MIB



#AmritMahotsav

लक्ष्मी सहगल

(24 अक्टूबर 1914 - 23 जुलाई 2012)



- **24 अक्टूबर 1914** को चेन्नई में जन्म
- स्वतंत्रता सेनानी, चिकित्सक और भारत में महिला आंदोलन की नेता
- भारतीय सेना की एक अधिकारी जिनका उल्लेख कैप्टन लक्ष्मी के रूप में किया गया
- द्वितीय विश्व युद्ध की अनुभवी सैनिक और बर्मा की जेल में एक कैदी के रूप में सजा काटी
- 'झांसी की रानी रेजिमेंट' नामक एक महिला रेजिमेंट का गठन किया
- यह आजाद हिंद फौज (आईएनए) की महिला विंग थी जिसकी वह कैप्टन थीं



@BOC_MIB

लोक संपर्क और संचार ब्यूरो
सूचना और प्रसारण मंत्रालय
भारत सरकार



BOC_MIB



#AmritMahotsav

Lakshmi Sehgal

(24 October 1914 - 23 July 2012)



- Born on **24 October 1914** in Chennai
- Freedom fighter, medical practitioner and leader of the women's movement in India
- An officer of the Indian Army who was referred as Captain Lakshmi
- Was a World War II veteran and spent time as a prisoner in Burma
- Formed a female regiment called 'Rani of Jhansi Regiment'
- It was the women's wing of Indian National Army (INA) where she was the Captain



@BOC_MIB

Bureau of Outreach and Communication
Ministry of Information and Broadcasting
Government of India



BOC_MIB



#AmritMahotsav

'झांसी की रानी रेजिमेंट' के प्रशिक्षण की शुरुआत

23 अक्टूबर 1943



'झांसी की रानी रेजिमेंट' का प्रशिक्षण **23 अक्टूबर 1943** को सिंगापुर में शुरू हुआ था। यह आजाद हिंद फौज (इंडियन नेशनल आर्मी) की महिलाओं की रेजिमेंट थी, जिसका उद्देश्य भारत से औपनिवेशिक ब्रिटिश राज को उखाड़ फेंकना था। इस रेजिमेंट का नाम झांसी की रानी लक्ष्मीबाई के नाम पर रखा गया था।

नेताजी सुभाष चंद्र बोस ने यह रेजिमेंट बनाने की घोषणा की थी। इसमें शामिल ज्यादातर महिलाएं मलयान रबर एस्टेट की भारतीय मूल की युवा स्वयंसेवक थीं। इनमें से बहुत कम महिलाएं अपने जीवन में कभी भारत जा पाई थीं। शुरुआत में बल ने करीब 170 कैडेट्स के साथ सिंगापुर में अपना प्रशिक्षण शिविर स्थापित किया था। कैडेट्स को उनकी शिक्षा के अनुसार रैंक दी गयी थी। बाद में, रंगून और बैंकॉक में शिविर स्थापित किये गए और यूनिट में तीन सौ से अधिक कैडेट थे।



@BOC_MIB

लोक संपर्क और संचार ब्यूरो
सूचना और प्रसारण मंत्रालय
भारत सरकार



BOC_MIB



#AmritMahotsav

Jhansi ki Rani regiment starts training

23 October 1943



The Rani of Jhansi Regiment Training began in Singapore on **23 October 1943**. It was the Women's Regiment of the Indian National Army, with the aim of overthrowing the colonial British Raj from India. The unit was named the Rani of Jhansi Regiment after Lakshmibai, Rani of Jhansi.

Netaji Subhash Chandra Bose announced the formation of the Regiment where most of the women were teenage volunteers of Indian descent from Malayan rubber estates; very few had ever been to India. The initial force established its training camp in Singapore with approximately a hundred and seventy cadets. The cadets were ranked according to their education. Later, camps were established in Rangoon and Bangkok and the unit had more than three hundred cadets.



@BOC_MIB

Bureau of Outreach and Communication
Ministry of Information and Broadcasting
Government of India



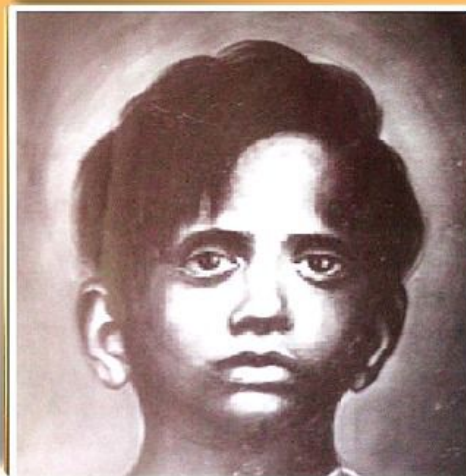
BOC_MIB



#AmritMahotsav

बाजी राउत

(5 अक्टूबर 1926 - 11 अक्टूबर 1938)



- ढेंकानाल, ओडिशा में **5 अक्टूबर 1926** को भारत के सबसे छोटे स्वतंत्रता सेनानी का जन्म
- प्रजामंडल की वानर सेना (किशोरों का संगठन) के सक्रिय सदस्य
- प्रजामंडल के कार्यकर्ताओं के कहने पर ब्राह्मणी नदी किनारे रात को पहरा देते थे बाजी
- नदी पार कराने से इनकार करने पर ब्रिटिश पुलिसकर्मी द्वारा गोली मारी गई
- 11 अक्टूबर 1938 को 12 साल की उम्र में शहीद हुए



@BOC_MIB

लोक संपर्क और संचार ब्यूरो
सूचना और प्रसारण मंत्रालय
भारत सरकार



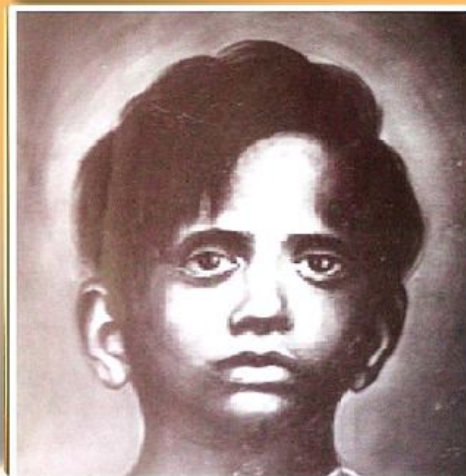
BOC_MIB



#AmritMahotsav

Baji Rout

(5 October 1926 - 11 October 1938)



- Youngest Indian freedom fighter born on **5 October 1926** in Dhenkanal, Odisha
- An active member of Banar Sena (composed of young children) of the Prajamandal
- Boat boy who had volunteered to keep watch by the river at night
- Shot by British police when he refused to ferry them across the Brahmani River
- Martyred on 11 October 1938 at the age of 12



@BOC_MIB

Bureau of Outreach and Communication
Ministry of Information and Broadcasting
Government of India



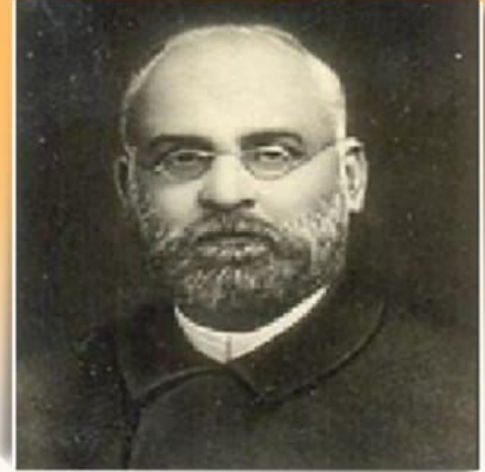
BOC_MIB



#AmritMahotsav

श्यामजी कृष्ण वर्मा

(4 अक्टूबर 1857 - 30 मार्च 1930)



- **4 अक्टूबर 1857** को आज के गुजरात में जन्म
- पेशे से अधिवक्ता और पत्रकार थे तथा संस्कृत भाषा के विशेषज्ञ थे
- ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी, इंग्लैंड में संस्कृत की शिक्षा दी
- इंडिया हाउस, इंडियन होम रूल सोसायटी और द इंडियन सोशियोलॉजिस्ट पत्रिका की स्थापना की
- ब्रिटेन में युवाओं को भारत के औपनिवेशिक प्रशासन के खिलाफ खड़ा होने के लिए प्रेरित किया
- बंबई आर्य समाज के पहले अध्यक्ष
- वीर सावरकर, मदन लाल दींगरा और लाला हरदयाल उनसे बहुत प्रेरित थे
- **30 मार्च 1930** को जिनेवा, स्विट्जरलैंड में निधन
- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी (गुजरात के तत्कालीन मुख्यमंत्री) **2003** में उनकी अस्थियां जिनेवा से भारत वापस लाए



@BOC_MIB

लोक संपर्क और संचार ब्यूरो
सूचना और प्रसारण मंत्रालय
भारत सरकार



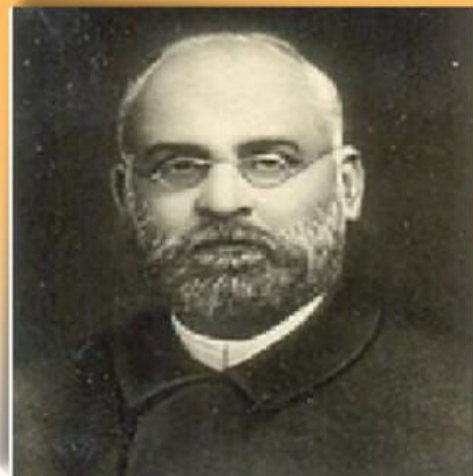
BOC_MIB



#AmritMahotsav

Shyamji Krishna Verma

(4 October 1857 - 30 March 1930)



- Born on **4 October 1857** in modern-day Gujarat
- Lawyer and journalist by profession and an expert in Sanskrit language
- Taught Sanskrit at the Oxford University, England
- Founded India House & Indian Home Rule Society and The Indian Sociologist journal
- Worked towards inspiring youngsters in Britain to stand up against the colonial administration in India
- First President of Bombay Arya Samaj
- Veer Savarkar, Madan Lal Dhingra and Lala Hardayal were deeply influenced by him
- Died on 30 March 1930 in Geneva, Switzerland
- PM Narendra Modi (then Gujarat CM) brought his ashes back from Geneva to India in 2003



@BOC_MIB

Bureau of Outreach and Communication
Ministry of Information and Broadcasting
Government of India



BOC_MIB



#AmritMahotsav

कादम्बिनी गांगुली

18 जुलाई 1861 - 3 अक्टूबर 1923



- बिहार के भागलपुर में 18 जुलाई 1861 को जन्म
- कलकत्ता मेडिकल कॉलेज में प्रवेश पाने वाली पहली महिला
- पूरे दक्षिण एशिया में पश्चिमी चिकित्सा की पहली महिला डॉक्टर
- महिलाओं के उत्थान और नारी शिक्षा के लिए बहुत काम किया
- समाज सुधार आंदोलनों में सक्रियता से भागीदारी की
- **3 अक्टूबर 1923** को निधन हुआ



@BOC_MIB

लोक संपर्क और संचार ब्यूरो
सूचना और प्रसारण मंत्रालय
भारत सरकार



BOC_MIB



#AmritMahotsav

Kadambini Ganguly

(18 July 1861 - 3 October 1923)



- Born on 18 July 1861 in Bhagalpur, Bihar
- The first woman to get admission in Calcutta Medical College
- First female practitioner of western medicine in the whole of South Asia
- Worked relentlessly for the upliftment of women and promoted female education
- Actively participated in social reform movements
- Died on **3 October 1923**



@BOC_MIB

Bureau of Outreach and Communication
Ministry of Information and Broadcasting
Government of India



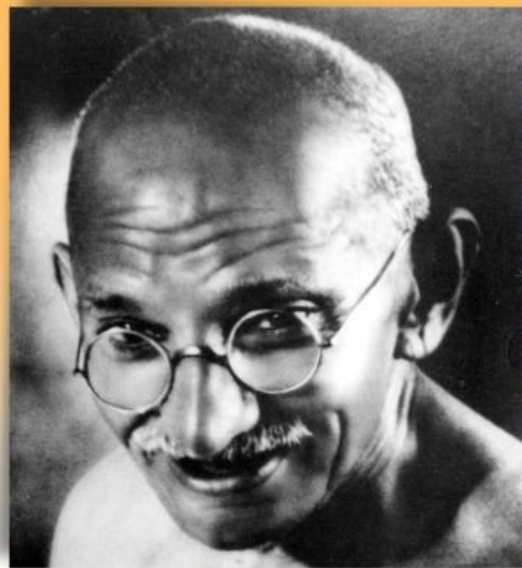
BOC_MIB



#AmritMahotsav

मोहनदास करमचंद गांधी

(2 अक्टूबर 1869 - 30 जनवरी 1948)



- **2 अक्टूबर 1869** को गुजरात के पोरबंदर में जन्म
- दक्षिण अफ्रीका में रहते हुए 'सत्याग्रह' को शांतिपूर्ण विरोध के शस्त्र के रूप में उपयोग किया
- रॉलेट सत्याग्रह, असहयोग आंदोलन तथा सविनय अवज्ञा आंदोलन का नेतृत्व किया, स्वतंत्रता आंदोलन में शामिल होने के लिए जनता को प्रेरित किया
- भारत छोड़ो आंदोलन में देशवासियों में 'करो या मरो' की भावना पैदा की
- छुआछूत के विरुद्ध अभियान के लिए खुद को समर्पित किया
- स्वच्छता और आत्मनिर्भरता के महत्व को उदाहरण द्वारा दर्शाया
- 'महात्मा', 'बापू' तथा 'राष्ट्रपिता' उपनामों से जाने गए



@BOC_MIB

लोक संपर्क और संचार ब्यूरो
सूचना और प्रसारण मंत्रालय
भारत सरकार



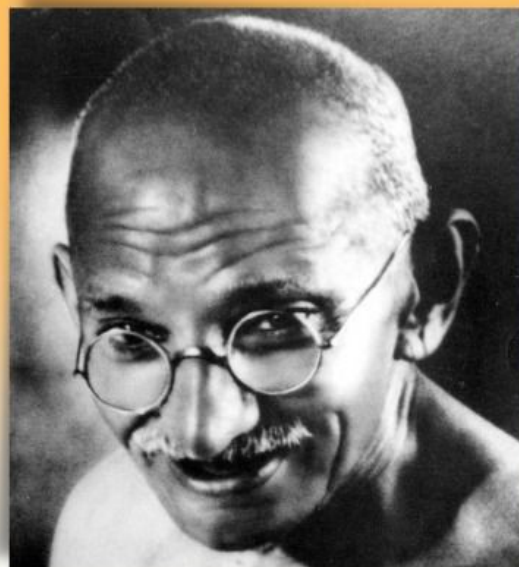
BOC_MIB



#AmritMahotsav

Mohandas Karamchand Gandhi

(2 October 1869- 30 January 1948)



- Born on **2 October 1869** at Porbandar, Gujarat
- Moulded 'Satyagraha' into a weapon of peaceful resistance while in South Africa
- Led the Rowlatt Satyagraha, Non-Cooperation Movement and Civil Disobedience Movement among others; brought the masses into the national movement for freedom
- Exhorted the nation to 'Do or Die' during the Quit India Movement
- Devoted himself to a campaign against untouchability
- Demonstrated, by example, the importance of Swachhata and Self-Reliance
- Bestowed with the monikers 'Mahatma', 'Bapu' and 'Father of the Nation'



@BOC_MIB

Bureau of Outreach and Communication
Ministry of Information and Broadcasting
Government of India



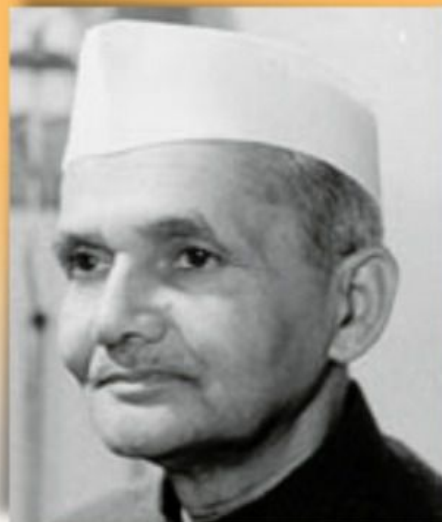
BOC_MIB



#AmritMahotsav

लाल बहादुर शास्त्री

(2 अक्टूबर 1904-11 जनवरी 1966)



- **2 अक्टूबर 1904** को उत्तर प्रदेश के मुगलसराय में जन्म
- भारत के दूसरे प्रधानमंत्री (1964-1966)
- गांधी जी के आह्वान पर असहयोग आंदोलन में शामिल होने के लिए पढ़ाई छोड़ी, बाद में वाराणसी के काशी विद्यापीठ में दाखिला लिया
- स्वाधीनता आंदोलन के प्रमुख राष्ट्रवादियों में से एक; ब्रिटिश जेलों में 7 साल बिताए
- प्रधानमंत्री बनने से पहले रेल, परिवहन और संचार, वाणिज्य व उद्योग और गृह जैसे अहम मंत्रालय संभाले
- रेल मंत्री के रूप में पारदर्शिता की मिसाल कायम की थी
- 1965 के भारत-पाकिस्तान युद्ध के दौरान भारत का नेतृत्व किया, "जय जवान, जय किसान" का अविस्मरणीय नारा दिया



@BOC_MIB

लोक संपर्क और संचार ब्यूरो
सूचना और प्रसारण मंत्रालय
भारत सरकार



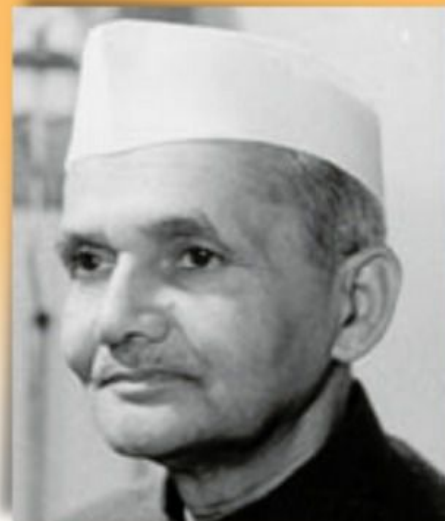
BOC_MIB



#AmritMahotsav

Lal Bahadur Shastri

(2 October 1904- 11 January 1966)



- Born on **2 October 1904** at Mughalsarai, Uttar Pradesh
- Second Prime Minister of India (1964-1966)
- Gave up his studies in response to the Mahatma's call for Non-Cooperation; later joined the Kashi Vidya Peeth in Varanasi
- Prominent nationalist of the freedom movement; spent a total of 7 years in British jails
- Held several key portfolios in the Union Cabinet, including Railways, Transport and Communications, Commerce and Industry, Home
- Set the highest standards of transparency as the Minister for Railways
- Led India during the Indo-Pakistan War of 1965, immortalized the slogan "Jai Jawan, Jai Kisan"



@BOC_MIB

Bureau of Outreach and Communication
Ministry of Information and Broadcasting
Government of India



BOC_MIB



#AmritMahotsav

एनी बेसेंट

(1 अक्टूबर 1847 - 20 सितम्बर 1933)



- 1 अक्टूबर 1847 को लंदन, यूनाइटेड किंगडम में जन्म
- ब्रह्मविद्यावादी, महिला अधिकार कार्यकर्ता, शिक्षाविद्, लेखक, भारत के स्वराज की पक्षधर
- अडयार, मद्रास में मुख्यालय वाली थियोसोफिकल सोसायटी की अध्यक्ष रहीं
- लोकमान्य तिलक के साथ 1916 में स्वराज के लिए होम रूल लीग आंदोलन शुरू किया
- 1917 में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की पहली महिला अध्यक्ष बनीं
- बनारस (वाराणसी) में सेंट्रल हिंदू कॉलेज की स्थापना की
- भारत में स्काउट आंदोलन की शुरुआत की



@BOC_MIB

लोक संपर्क और संचार ब्यूरो
सूचना और प्रसारण मंत्रालय
भारत सरकार



BOC_MIB



#AmritMahotsav

Annie Besant

(1 October 1847 - 20 September 1933)



- Born on **1 October, 1847** in London, United Kingdom
- Theosophist, women's rights activist, educationist, writer, champion of Indian self-rule
- President of the Theosophical Society headquartered in Adyar, Madras
- Launched the Home Rule League movement for Swaraj in 1916 with Lokmanya Tilak
- Became the first woman President of the Indian National Congress in 1917
- Established the Central Hindu College in Banaras (Varanasi)
- Founded the Scout Movement in India



@BOC_MIB

Bureau of Outreach and Communication
Ministry of Information and Broadcasting
Government of India



BOC_MIB



#AmritMahotsav

'कामागाटा मारू' घटना

29 सितंबर 1914



अप्रैल 1914 में, बाबा गुरदित्त सिंह के नेतृत्व में पंजाब के 376 यात्रियों के साथ एक जापानी समुद्री जहाज 'कामागाटा मारू' हांगकांग से रवाना हुआ था। ब्रिटिश अधिकारियों ने यात्रियों को कनाडा के वैंकूवर में उतरने नहीं दिया। मजबूरी में वापस लौटा 'कामागाटा मारू' सितंबर में कलकत्ता के बजबज पर पहुंचा। वहां 29 सितंबर 1914 को पुलिस के साथ हिंसक झड़प में 19 यात्रियों की गोली लगने से मौत हो गई। 'कामागाटा मारू' घटना ने गदर आंदोलन के उदय में उत्प्रेरक का काम किया।



@BOC_MIB

लोक संपर्क और संचार ब्यूरो
सूचना और प्रसारण मंत्रालय
भारत सरकार



BOC_MIB



#AmritMahotsav

'Komagata Maru' Incident

29 September 1914



In April 1914, 376 passengers from Punjab, led by Baba Gurdit Singh, sailed from Hong Kong on 'Komagata Maru', a Japanese steamship. British authorities did not permit them to deboard at their destination in Vancouver, Canada. Forced to return, Komagata Maru arrived at Budge Budge, Calcutta, in September. A violent confrontation with the police on **29 September 1914** resulted in 19 passengers being killed in firing. The Komagata Maru incident served as a catalyst for the rise of the Ghadr Movement.



@BOC_MIB

Bureau of Outreach and Communication
Ministry of Information and Broadcasting
Government of India



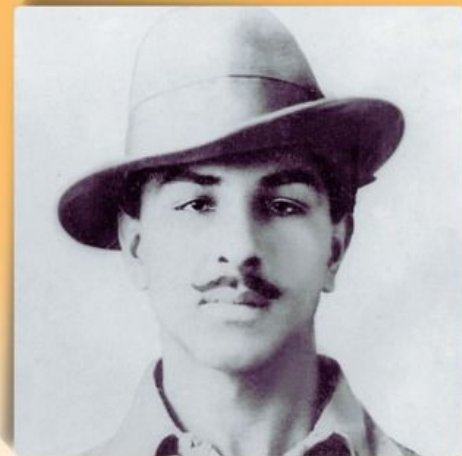
BOC_MIB



#AmritMahotsav

भगत सिंह

(28 सितंबर 1907 - 23 मार्च 1931)



- **28 सितंबर 1907** को पंजाब के लयालपुर जिले (अब पाकिस्तान में) में जन्म
- नौजवान भारत सभा और हिंदुस्तान सोशलिस्ट रिपब्लिकन एसोसिएशन के संस्थापकों में शामिल
- लाला लाजपत राय पर हमले के बाद सहायक पुलिस अधीक्षक जे.पी. सांडर्स की गोली मारकर हत्या की
- व्यापार विवाद विधेयक और जन सुरक्षा विधेयक को पारित करने के विरोध में 1929 में दिल्ली की सेंट्रल लेजिसलेटिव असेंबली में बम विस्फोट किया
- इस विस्फोट का उद्देश्य किसी को क्षति पहुँचाना नहीं, बल्कि अपनी बात सरकार तक पहुँचाना था
- **सुखदेव** थापर और शिवराम हरि **राजगुरु** के साथ फांसी की सजा मिली
- **23 मार्च 1931** को लाहौर सेंट्रल जेल में देश के लिए प्राणों का बलिदान दिया



@BOC_MIB

लोक संपर्क और संचार ब्यूरो
सूचना और प्रसारण मंत्रालय
भारत सरकार



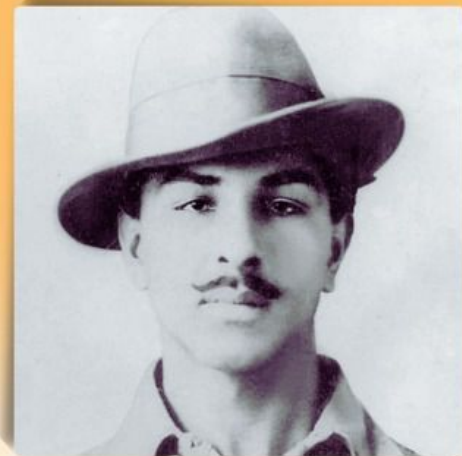
BOC_MIB



#AmritMahotsav

Bhagat Singh

(28 September 1907 - 23 March 1931)



- Born on **28 September 1907** in Lyallpur district, Punjab (now in Pakistan)
- One of the founders of Naujawan Bharat Sabha & Hindustan Socialist Republican Association
- Shot dead J.P. Saunders, Assistant Suptd. of Police, for the assault on Lala Lajpat Rai
- Caused a bomb explosion in the Central Legislative Assembly in Delhi in 1929 to protest the passing of the Trade Disputes Bill & Public Safety Bill
- His aim behind the harmless explosion was to "make the deaf hear"
- Sentenced to death along with comrades **Sukhdev** Thapar & Shivaram Hari **Rajguru**
- Died fearlessly on the gallows in Lahore Central Jail on **23 March, 1931**



@BOC_MIB

Bureau of Outreach and Communication
Ministry of Information and Broadcasting
Government of India



BOC_MIB



#AmritMahotsav

राजा राममोहन राय

(22 मई 1772 - 27 सितंबर 1833)



- समाज सुधारक, शिक्षाविद, पत्रकार, बहुभाषाविद
- भारतीय पुनर्जागरण के अग्रणी व्यक्ति
- सती प्रथा के उन्मूलन में योगदान के लिए जाने जाते हैं
- बहुविवाह, बाल विवाह और जाति प्रथा के कड़े विरोधी
- सभी धर्मों की एकता में विश्वास रखने वाले ब्रह्म समाज की स्थापना की
- **27 सितंबर 1833** को उनका निधन हुआ



@BOC_MIB

लोक संपर्क और संचार ब्यूरो
सूचना और प्रसारण मंत्रालय
भारत सरकार



BOC_MIB



#AmritMahotsav

Raja Ram Mohan Roy

(22 May 1772 - 27 September 1833)



- **Social reformer, educationist, journalist, polyglot**
- **Pioneer of the Indian Renaissance**
- **Widely known for his role in abolishing the practice of 'Sati'**
- **Staunchly opposed polygamy, child marriage and caste system**
- **Founded the Brahmo Samaj, which believed in unity of all religions**
- **Passed away on 27 September 1833**



@BOC_MIB

Bureau of Outreach and Communication
Ministry of Information and Broadcasting
Government of India



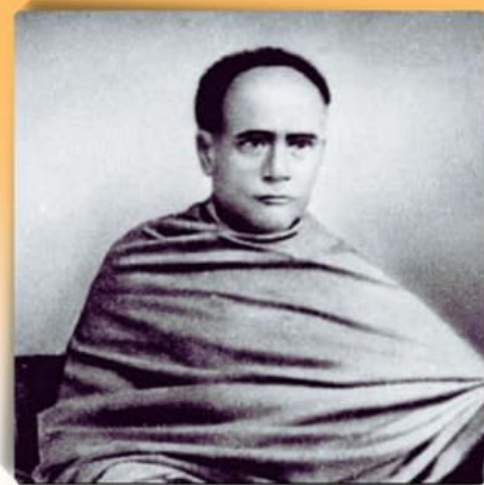
BOC_MIB



#AmritMahotsav

ईश्वर चंद्र विद्यासागर

(26 सितंबर 1820- 29 जुलाई 1891)



- **26 सितंबर 1820** को पश्चिम बंगाल के मिदनापुर जिले में जन्म
- समाज सुधारक, लेखक, शिक्षाविद; बंगाल के पुनर्जागरण के स्तंभों में से एक
- बालिकाओं की शिक्षा के लिए अहम योगदान दिया
- उनके अथक प्रयासों से विधवा पुनर्विवाह कानून, 1856 पारित हुआ
- बांग्ला अक्षरों को सरल बनाया, बांग्ला वर्णमाला 'बर्ण परिचय' लिखी
- ज्ञान के कारण उन्हें 'विद्यासागर' की उपाधि मिली



@BOC_MIB

लोक संपर्क और संचार ब्यूरो
सूचना और प्रसारण मंत्रालय
भारत सरकार



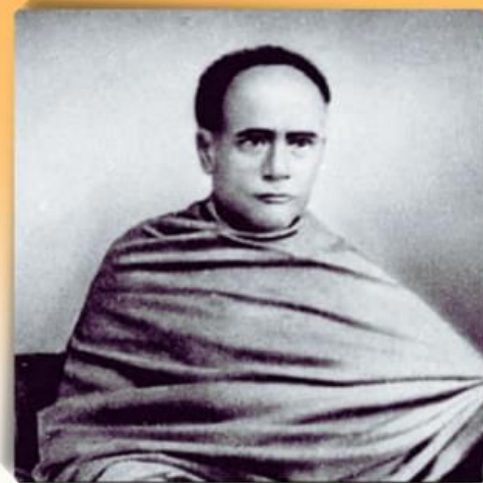
BOC_MIB



#AmritMahotsav

Ishwar Chandra Vidyasagar

(26 September 1820 - 29 July 1891)



- Born on **26 September 1820** in Midnapore district, West Bengal
- Social reformer, writer, educationist; a pillar of the Bengal Renaissance
- Championed the cause of education, especially for girls
- Successfully campaigned to legalise remarriage of widows
- His efforts resulted in the passage of the Widow Remarriage Act, 1856
- Reconstructed the Bengali alphabet; wrote the Bengali primer 'Barna Parichay'
- Earned the title of 'Vidyasagar' or 'Ocean of Knowledge' for his vast learning



@BOC_MIB

Bureau of Outreach and Communication
Ministry of Information and Broadcasting
Government of India



BOC_MIB



#AmritMahotsav

प्रीतिलता वाद्देदार

(5 मई 1911 - 24 सितंबर 1932)



- चटगाँव, बंगाल (अब बांग्लादेश में) में 5 मई 1911 को जन्मी एक स्वतंत्रता सेनानी
- महान स्वतंत्रता सेनानी सूर्य सेन की अध्यक्षता वाले क्रांतिकारी समूह में शामिल हुईं
- ब्रिटिश वर्चस्व के प्रतीक पहाड़तली यूरोपियन क्लब, चटगाँव- पर हमले के लिए एक समूह का नेतृत्व किया
- हमले के दौरान भीषण गोलीबारी में उनके पैर में गोली लगी
- गिरफ्तारी से बचने के लिए जहर खाया, **24 सितंबर 1932** को उनकी मृत्यु हुई



@BOC_MIB

लोक संपर्क और संचार ब्यूरो
सूचना और प्रसारण मंत्रालय
भारत सरकार



BOC_MIB



#AmritMahotsav

Pritilata Waddedar

(5 May 1911 - 24 September 1932)



- An Independence activist born on 5 May 1911 in Chittagong, Bengal (now in Bangladesh)
- Joined a freedom fighter group headed by Surya Sen
- Led a team to attack Pahartali European Club, Chittagong - which symbolised the British supremacy
- Was shot in her leg ensuing a fierce gun battle during the attack
- Died on **24 September 1932** after consuming poison to avoid getting arrested



@BOC_MIB

Bureau of Outreach and Communication
Ministry of Information and Broadcasting
Government of India



BOC_MIB



#AmritMahotsav

गांधी जी का अपनी पोशाक बदलने का ऐतिहासिक निर्णय (22 सितंबर 1921)



गांधी पोट्टल (मदुरै) पर लगी उनकी मूर्ति

- **22 सितंबर 1921** को पारंपरिक गुजराती पोशाक को त्याग कर साधारण धोती और गमछा को अपनी पोशाक बनाया।
- गांधी जी ने गरीब जनता के साथ जुड़े रहने के लिए नई पोशाक चुनी।
- गांधी पोट्टल, मदुरै: नई वेशभूषा में जनता के बीच पहली बार उपस्थित हुए।
- विदेश यात्राओं तथा जीवन के अंतिम क्षण तक भी इसी पोशाक में रहे।



@BOC_MIB

लोक संपर्क और संचार ब्यूरो
सूचना और प्रसारण मंत्रालय
भारत सरकार



BOC_MIB



#AmritMahotsav

Gandhiji's Momentous Decision of Changing his Attire

(22 September 1921)



Statue at Gandhi Pottal

- Transformed from an elaborate Gujarati attire to a simple loincloth on **22 September 1921**
- Gandhiji chose this attire to identify himself with the poor masses
- Gandhi Pottal, Madurai: His first public appearance in the new loincloth attire
- Stuck to this dress code even on his trips abroad and until his very last moment



@BOC_MIB

Bureau of Outreach and Communication
Ministry of Information and Broadcasting
Government of India



BOC_MIB

अमृत महोत्सव श्रृंखला

#AmritMahotsav

कनकलता बरूआ

(22 दिसंबर 1924 - 20 सितंबर 1942)



- 22 दिसंबर 1924 को गोहपुर, असम में जन्मी एक निर्भीक स्वतंत्रता सेनानी
- भारत छोड़ो आंदोलन के दौरान वह गोहपुर जिले के युवाओं के समूहों से बने मौत के दस्ते 'मृत्यु वाहिनी' का हिस्सा थीं
- 20 सितंबर 1942 को एक पुलिस थाने में राष्ट्रीय ध्वज फहराने के दृढ़ संकल्पित प्रयास के दौरान गोली लगने से शहीद हुईं
- 'असम की 17 वर्षीय शहीद' के रूप में लोकप्रिय हुईं



Amrit Mahotsav Series

#AmritMahotsav

Kanaklata Barua

(22 December 1924 – 20 September 1942)



- An Indian independence activist born on 22 December 1924 in Gohpur, Assam
- She was a part of the Mrityu Bahini, a death squad comprising groups of youth from the Gohpur district, during the Quit India Movement
- Attained martyrdom on **20 September, 1942** when she courageously faced bullets while making a fiercely determined effort to hoist the national flag on a police station
- Popularly known as the '17-year-old martyr of Assam'

#AmritMahotsav

मदन लाल ढींगरा

(18 सितम्बर 1887- 17 अगस्त 1909)



- 18 सितम्बर 1887 को अमृतसर में जन्म
- देशभक्त और स्वतंत्रता सेनानी, भारत की स्वतंत्रता के लिए ब्रिटेन में क्रांतिकारी गतिविधियों में भाग लिया
- उच्च शिक्षा के लिए ब्रिटेन गए, जहाँ वे श्यामजी कृष्ण वर्मा और वीर सावरकर के संपर्क में आए
- लंदन में 'इंडिया ऑफिस' में राजनीतिक सहायक (ए.डी.सी.) कर्नल विलियम कर्ज़न वायली की गोली मारकर हत्या की
- 17 अगस्त 1909 को लंदन की पेंटनविले जेल में फांसी दी गयी



Amrit Mahotsav Series

#AmritMahotsav

Madan Lal Dhingra

(18 September 1887 — 17 August 1909)



- Born on **18 September 1887** in Amritsar
- Patriot and freedom fighter; took part in revolutionary activities in Britain for the cause of Indian independence
- Went to Britain for higher studies, where he came in contact with Shyamji Krishnavarma and Veer Savarkar
- Shot dead Col. William Curzon Wylie, Political A.D.C. in the India Office in London
- Sentenced to death; died on the gallows at the Pentonville Prison, London, on August 17, 1909

Bureau of Outreach and Communication
Ministry of Information and Broadcasting
Government of India



#AmritMahotsav

महावीर सिंह

(16 सितम्बर 1904 -17 मई 1933)



- 16 सितम्बर 1904 को कासगंज, उत्तर प्रदेश में जन्म
- उत्कट क्रांतिकारी और स्वतंत्रता सेनानी
- नौजवान भारत सभा और हिंदुस्तान सोशलिस्ट रिपब्लिकन एसोसिएशन के सक्रिय सदस्य
- भगत सिंह, बटुकेश्वर दत्त व दुर्गा भाभी के लाहौर के मोजांग चुंगी से भागने में मदद की
- लाहौर षडयंत्र केस में भागीदार होने पर गिरफ्तार किए गए और अंडमान में कुख्यात काला पानी की सज़ा दी गयी

लोक संपर्क और संचार ब्यूरो
सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय
भारत सरकार



#AmritMahotsav

Mahavir Singh

(16 September 1904 – 17 May 1933)



- Born in Kasganj, Uttar Pradesh on **16 September 1904**
- Fervent revolutionary and freedom fighter
- Active member of the Naujawan Bharat Sabha and the Hindustan Socialist Republican Association
- Helped Bhagat Singh, Batukeshwar Dutta and Durga Bhabhi escape from Mozang House in Lahore
- Arrested for his involvement in the 'Lahore conspiracy case' and deported to the infamous Cellular Jail of Andaman

Bureau of Outreach and Communication
Ministry of Information and Broadcasting
Government of India



#AmritMahotsav

अमृत महोत्सव श्रृंखला



चम्पक रमन पिल्लई

(15 सितम्बर 1891-26 मई 1934)

- 15 सितम्बर 1891 को त्रिवेंद्रम (तिरुवनंतपुरम), केरल में जन्म
- राजनैतिक कार्यकर्ता और क्रांतिकारी
- ज्यूरिख, स्विट्ज़रलैंड में इंटरनेशनल प्रो-इंडिया कमेटी का गठन किया तथा 'प्रो इंडिया' प्रकाशन का शुभारंभ किया
- बर्लिन समिति के मुख्य सदस्य (जो वर्ष 1915 के बाद से भारतीय स्वतंत्रता समिति के नाम से जानी जाती है)
- सुभाष चन्द्र बोस और वीरेन्द्रनाथ चट्टोपाध्याय जैसे राष्ट्रवादियों से जुड़े थे
- 1 दिसंबर 1915 को काबुल, अफ़ग़ानिस्तान में स्थापित भारत की अस्थायी सरकार में विदेश मंत्री थे



#AmritMahotsav



Chempakaraman Pillai

(15 September 1891 to 26 May 1934)

- Born in Trivandrum (Thiruvananthapuram), Kerala on **15 September 1891**
- Political activist and revolutionary
- Founded the International Pro-India Committee in Zürich and launched the publication 'Pro-India'
- Key member of the Berlin Committee (known after 1915 as the Indian Independence Committee)
- Associated with nationalists like Subhash Chandra Bose and Virendranath Chattopadhyay
- Foreign minister of the Provisional Government of India set up in Kabul, Afghanistan on 1 December 1915

Bureau of Outreach and Communication
Ministry of Information and Broadcasting
Government of India



@BOC_MIB

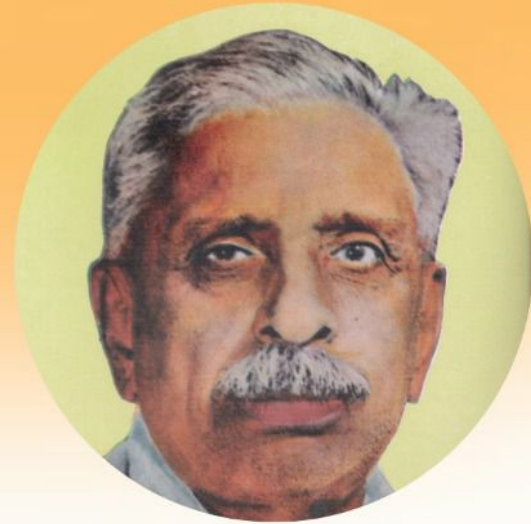


#AmritMahotsav

अमृत महोत्सव श्रृंखला

गरिचेर्ला हरिसर्वोत्तम राव

(14 सितम्बर 1883 - 29 फरवरी 1960)



- कुरनूल, आंध्र प्रदेश में 14 सितम्बर 1883 में जन्म
- राष्ट्रवादी, शिक्षाविद और समाज सुधारक, 'आंध्रा तिलक' के नाम से सुशोभित
- देश में पुस्तकालय और व्यस्क शिक्षा आंदोलन के अग्रदूतों में से एक थे
- स्वराज्य और आंध्र पत्रिका जैसे समाचार पत्रों के संपादक
- होम रूल लीग के आंध्र डिवीजन के सचिव
- मद्रास विधान सभा के सदस्य

लोक संपर्क और संचार ब्यूरो
सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय
भारत सरकार

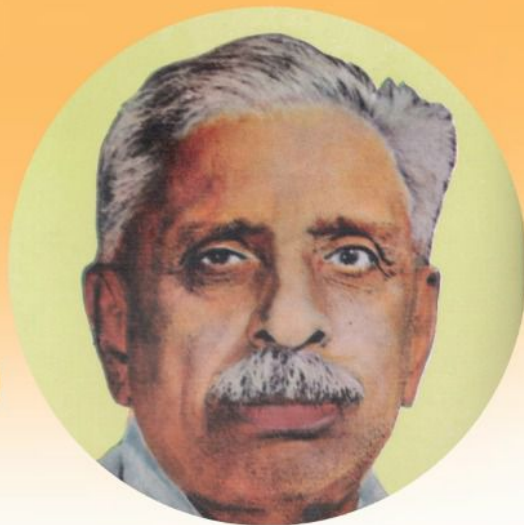


Amrit Mahotsav Series

#AmritMahotsav

Gadicherla Harisarvottama Rao

(14 September 1883 – 29 February 1960)



- Born in Kurnool, Andhra Pradesh on **14 September 1883**
- Nationalist, educationist and social reformer, hailed as 'Andhra Tilak'
- One of the pioneers of library and adult education movements in the country
- Editor of newspapers - *Swarajya and Andhra Patrika*
- Secretary of the Andhra Division of the Home Rule League
- Member of the Madras Legislative Council

**Bureau of Outreach and Communication
Ministry of Information and Broadcasting
Government of India**



#AmritMahotsav

अमृत महोत्सव श्रृंखला

जतींद्र नाथ दास

27 अक्टूबर 1904 - 13 सितंबर 1929



- 1904 में कलकत्ता (कोलकाता) में जन्म
- प्रेरणादायक स्वतंत्रता सेनानी, मानवाधिकार कार्यकर्ता और उत्साही क्रांतिकारी
- युवावस्था में भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन के राजनीतिक कैदियों के लिए काम किया
- बंगाल में अनुशीलन समिति के सदस्य रहे
- महात्मा गांधी द्वारा शुरू असहयोग आंदोलन में भाग लिया
- भगत सिंह और हिंदुस्तान सोशलिस्ट रिपब्लिकन एसोसिएशन के अन्य सदस्यों के साथ मिलकर काम किया
- राजनीतिक कैदियों के अधिकारों के संरक्षण के लिए लाहौर जेल में 63 दिन के अनशन के बाद 25 साल की उम्र में 13 सितंबर 1929 को शहीद हुए

लोक संपर्क और संचार ब्यूरो
सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय
भारत सरकार



Amrit Mahotsav Series

#AmritMahotsav

Jatindra Nath Das

27 October 1904 – 13 September 1929



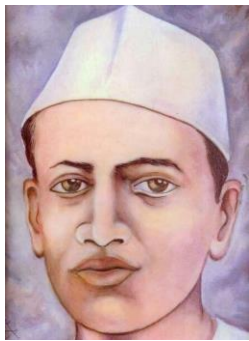
- Born in Calcutta (Kolkata) in 1904
- An inspirational freedom fighter, human rights activist and a fervent revolutionary
- At a very young age, worked for the cause of political prisoners in the Indian freedom movement
- A member of the Anushilan Samiti in Bengal
- Participated in the Non-Cooperation movement launched by Mahatma Gandhi
- Collaborated with Bhagat Singh and other members from the Hindustan Socialist Republican Association
- Attained martyrdom on 13 Sep 1929 at the age of 25 years after a 63-day-long fast at Lahore Jail for protecting the rights of political prisoners

Bureau of Outreach and Communication
Ministry of Information and Broadcasting
Government of India

Unsung Heroes of the Freedom Movement from Maharashtra (Past and present)

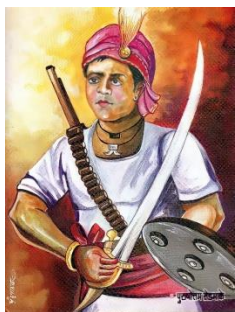


Anant Laxman Kanhere (1892 -1910) was an Indian independence fighter from Nashik. On 21 December 1909, he shot dead the Collector of Nashik in British India. The murder of Jackson was an important event in the history of Nashik and the Indian revolutionary movement in Maharashtra. He was prosecuted in Bombay court and hanged in the Thane Prison on 19 April 1910, aged just 18.



Babu Genu(1908 -1930) was an India freedom fighter and revolutionary. On 12 December 1930, a cloth merchant named George Frazier of Manchester was moving loads of foreign-made cloth from his shop in old Hanuman galli in the Fort region to Mumbai Port. He was given police protection as per his request. The activists begged not to move the truck, but the police forced the protesters aside and managed to get the truck moving. Near Bhaangwadi on Kalbadevi Road, Shahid Babu Genu stood in front of the truck, shouting praises for Mahatma Gandhi. The police officer ordered the driver to drive the truck over Shahid Babu Genu, but the driver was Indian, so refused, saying: "I am

Indian and he is also Indian, So, we both are the brothers of each other, then how can I murder my brother?". After that, the English police officer sat on the driver seat and drove the truck over Babu Genu and crushed him to death under the truck. This resulted in a huge wave of anger, strikes, and protests throughout Mumbai.



Babu Shedmake (1833–1858) was an Indian pro-independence rebel and a Gond chieftain from Central India. During the Indian Rebellion of 1857, he led the revolt in Chanda district. Born in a Gond zamindar family, he fought multiple battles against the British in a period of seven months in 1858. He was eventually captured and hanged for rebellion against the British government. Baburao Shedmake's life and his revolt against foreign rule are still celebrated by the Gond community. A sobriquet *veer*, i.e. brave, is added to his name as a mark of his bravery. His birth and death anniversaries are

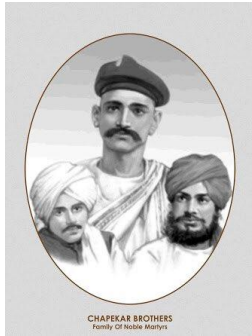
observed annually throughout Gondwana region.

(# Why important : *Being a prominent tribal chieftain of the Gond community. Maharashtra's Birsu Munda*)



Baiza Bai: (1784-1863) Baiza Bai was born in Kagal, Kolhapur, Maharashtra in 1784. In February 1798 in Poona, at the age of 14, she was married to Daulat Rao Scindia, the ruler of Gwalior. She was known as a superb horsewoman, and had been trained to fight with a sword and spear. She accompanied her husband during the Maratha wars with the British, and she fought against Arthur Wellesley, the future Duke of Wellington, at the Battle of Assaye. During the British campaign against the Pindaris, she had urged her husband to support the Peshwa Baji Rao II against them. When Daulat Rao submitted to British demands, she even left him briefly, accusing him of cowardice. She was also fiercely opposed to the Scindia surrender of Ajmer to the British. Baiza Bai died in Gwalior in 1863.

(#Why important : Being a warrior queen who fought against the army of Arthur Wellesley)



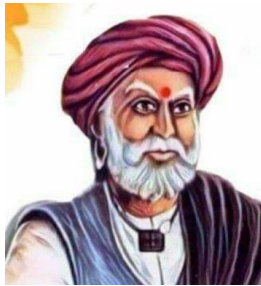
Chapekar brothers – Damodar, Balakrishna and Vasudev were involved in the murder of W. C. Rand, the British plague commissioner of Pune. A Special Plague Committee was formed, under the chairmanship of Walter Charles Rand, an Indian Civil Services officer. Troops were brought in to deal with the emergency. The measures employed included entry into private houses, stripping and examination of occupants (including women) by British officers in public, evacuation to hospitals and segregation camps and preventing movement from the city. These measures were considered oppressive by the populace of Pune and complaints were ignored by Rand. On 22 June 1897, the Diamond Jubilee of the coronation of Queen Victoria, Rand and his military escort Lt. Ayerst were shot while returning from the celebrations at Government House. All three brothers were found guilty and hanged in 1899 (Chapekar Brothers story is reasonably well known)



Godavari Parulekar (1907- 1996) was the first woman law graduate in Maharashtra. She was active in the student movement against British rule and was irresistibly drawn to the freedom struggle and plunged into individual satyagraha, for which she was convicted by the British regime in 1932. Godavari then came to Mumbai, where she took up social service in the Servants of India Society, founded by Gopal Krishna Gokhale in 1905, in the early 1930s. She became the first woman to be inducted as a life member of the Society. She was influenced by Marxist ideologies and led the armed struggle for the liberation of Dadra and Nagar Haveli from Portuguese rule and the Warli Adivasi Revolt in 1945.

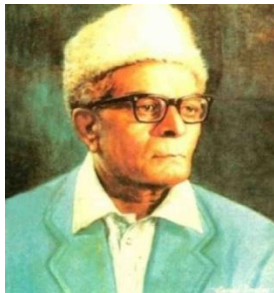


Krishnaji Gopal Karve (1887-1910) was a member of the Abhinav Bharat Society in Nashik. On 21 December 1909, he along with Anant Laxman Kanhere shot dead Arthur Jackson, the Collector of Nashik. He was sentenced to death in the Bombay high court and hanged in Thane Jail on 19 April 1910.



Lahuji Vastaad or Lahuji Raghoba Salve (1794-1881) was a Dalit activist, preacher and freedom fighter. He learnt wrestling from his father and he became an expert wrestler, which eventually conferred him the title of 'Vastaad' (or master). He owned a gymnasium at Ganj peth in Pune where he also taught martial arts to many renowned people and also acted as a mentor preaching the need for Indian freedom from British Raj and the upliftment of untouchables. Lahuji got acquainted with Jyotirao Phule's work for the liberation of depressed classes by educating them and joined his Satyashodhak Samaj.

(# Why important : Being one of the first Dalit independence activists)

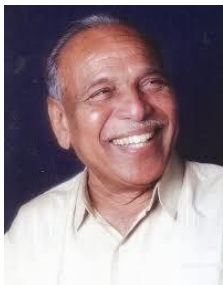


Madhavrao Bagal (1895-1986) was among the front runner leaders, who spearheaded the agitation for independence of India and especially merger of Kolhapur State into the Union of India. He was arrested with several of his compatriots like Ratnappa Kumbhar, Dinakar Desai, Nanasaheb Jagdale, R. D. Minche and others. He joined Indian National Congress in mid-1930s, disillusioned by pro-British politics played by older leaders of peasants movement like Bhaskarrao Jadhav, with whom Madhavrao had started agricultural co-operative societies in Kolhapur and adjoining regions.^[10] During 1940-47, he was closely working with leaders like Mahatma Gandhi, Vallabhbhai Patel, Jawaharlal Nehru.†



#. **Madhav Shrihari Aney** (1880 –1968) popularly called Loknayak Bapuji Aney, was an ardent educationist, freedom fighter, statesman, a modern Sanskrit poet and a politician. He was one of the founder of the Congress Nationalist Party along with Madan Mohan Malaviya. He was first among the eminent disciples of Lokmanya Tilak and after Tilak's death accepted the leadership of Mahatma Gandhi. He disapproved Congress throwing itself in Khilafat Movement and warned against excessive wooing of Muslims at the cost of national interests. Mahatma Gandhi admiring his calm logic, confided in him and often sought his counsel. He was chosen to arbitrate the disputes between Subhash Chandra Bose and Jatindra Mohan Sengupta.

(#Why important : For being the confidant of Mahatma Gandhi and a voice of reason)

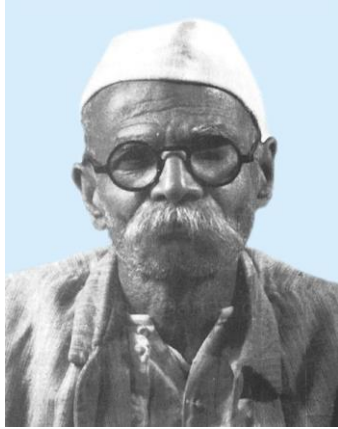


Nagnath Naikwadi (1922–2012), popularly known as **Krantiveer Nagnath anna**, was an Indian independence activist, social worker, politician and educationist, known for his revolutionary activism during the Indian independence struggle. During the early 1940s, Naikwadi and his colleagues resorted to armed conflict against the British colonial authorities. In order to raise funds for the movement, his group robbed a government treasury in Dhule and supported the insurgency against the Nizam of Hyderabad.^[3] During one of his skirmishes with the British police, he was caught after being injured by a bullet. While in custody at Satara jail, he staged a jailbreak with his fellow activists. The British colonial government announced a reward on his head but Naikwadi managed to stay underground for four years.^[2] In 1943, along with Nana Patil, Kisanrao Ahir and a few others, he declared a parallel government, *Prati Sarkar*, which operated in around 150 villages in the western Maharashtra region which included Satara and Sangli.^[3]



Nana Patil, popularly known as *Krantisinh* was an Indian independence activist. He was a founder member of the Hindustan Republican Association who went underground between 1929 and 1932. Patil was imprisoned eight or nine times during the struggle with the British Raj from 1932 to 1942. He was the leader of the 'Satara Parallel Government' in Maharashtra from August 1943 to May 1946 against British rule. It was an armed offshoot of the 1942 Quit India movement, like the parallel governments in Midnapore in Bengal, Bhagalpur in Bihar, Ballia in Uttar Pradesh and Basudevpur in Odisha. Later on he joined the Communist movement.

(#Why important : For leading the Satara Parallel Govt during British rule)



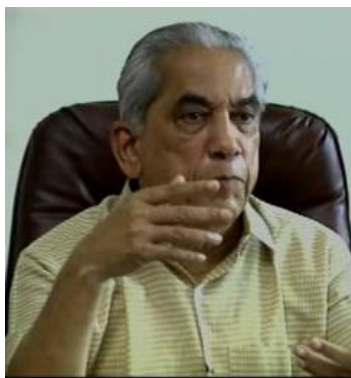
Pandurang Mahadev Bapat (1880-1967) A maverick freedom fighter who both supported and challenged Mahatma Gandhi, Bapat earned the moniker of 'Senapati' when he fought for the rights of farmers during the Mulshi satyagraha in 1921. During his stay in Britain, he was associated with India House, spending a majority of his time learning bomb-making skills instead of pursuing his official studies. He became associated at this time with the Savarkar brothers, Vinayak and Ganesh. While in hiding after the Alipore bombing of 1908, Bapat travelled the country and discovered that the majority of the Indian population did not realize that their country was under foreign rule. At this point, his focus shifted from

overthrowing the British government to educating the population. On 15 August 1947 — Indian Independence Day — Bapat was given the honour of raising the Indian national flag over the city of Poona for the first time.

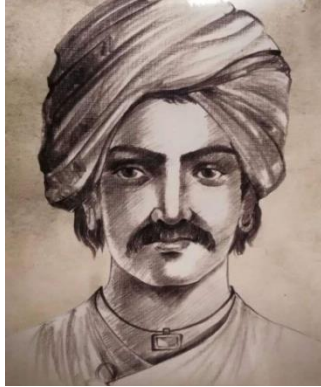
(#Why important : For being both a supporter and challenger of Mahatma Gandhi)



Pandurang Sadashiv Khankhoje (1884 -1967) was an Indian revolutionary, scholar, agricultural scientist and historian who was among the founding fathers of the Ghadar Party. Khankhoje's earliest nationalist work abroad dates back to the time around 1908 when he, along with Pandit Kanshi Ram founded the Indian Independence League in Portland, Oregon. His works also brought him close to other Indian nationalists in United States at the time, including Tarak Nath Das. In the years preceding World War I, Khankhoje was one of the founding members of the Pacific coast Hindustan association, and subsequently founded the Ghadar Party. He was at the time one of the most influential members of the party.



Prabhakar Kunte (1922-2012) joined the Indian National Congress and was active in Quit India movement in 1942, and was imprisoned by British regime. He was a leading trade union leader and was elected to the Bombay Municipal corporation. He actively participated in the Samyukta Maharashtra agitation (1955-1960) and the liberation of Goa (1961).



Raghoji Bhangre (1805-1848) was an Indian Revolutionary who challenged and defied the British power in Maharashtra. He was the son of Ramji Rao Bhangre a Koli who also resisted the British rule and was subsequently hanged in Cellular Jail. He had killed a British Officer and 10 constables in an ambush in 1844.



Rama Khandwala (born 1926) is India's oldest tour guide and the oldest living member of the Rani Jhansi Regiment formed by Subhas Chandra Bose during India's freedom movement. Films Division has made a documentary on Rama Khandwala in 2019.

(#Why important : for being the oldest living member of INA founded by Subhash Chandra Bose)



Capt. Rambhau Lad (1926 -) ' led the Toofan Sena which was the armed wing of the *Prati Sarkar* in Satara - an astonishing chapter in India's struggle for freedom. The *prati sarkar*, headed by the legendary Krantisingh Nana Patil, functioned as a parallel government in the villages it controlled. It organised the supply and distribution of foodgrain, set up a market structure and ran a judicial system. It also penalised moneylenders, pawnbrokers and landlord collaborators of the Raj, The Toofan Sena conducted daring strikes on imperial armouries, trains, treasuries and post offices.



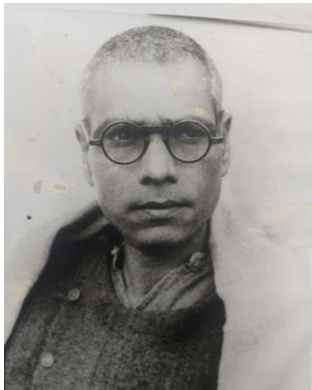
Shirishkumar Mehta (1926-1942) was an Indian freedom fighter and the youngest independence activist to be martyred at the age of 15. Mahatma Gandhi started the Quit India movement against the British in 1942. Shirishkumar was leading a procession protesting against the government in Nandurbar. The police had set up barricades at Mangal Bazar area. The police launched a Lathi charge on the protesters as soon as procession reached them. Shirishkumar had the Tiranga, the Indian national flag and the slogan was 'Vande Mataram'. The police opened fire when their lathi charge could not stop the procession. Shirishkumar was

killed on the spot.

(# Why important : For being the youngest martyr of Quit India Movement at age 15)



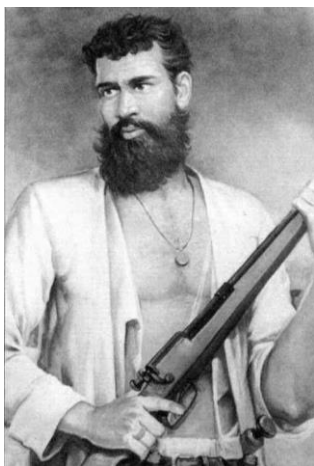
Shivram Bhiku Murkar was born in Dabhol village in taluka Dapoli, district Ratnagiri. He actively participated in the freedom struggle, the record of which is lost in time. as he worked in fisheries and had to deal with ports every day, he received secret messages that came via the sea route and passed on to his revolutionary comrades, including the ones underground. He was arrested by the British in Mumbai in 1930. He was arrested because he helped hiding the revolutionaries. He was sentenced to a prison life of around 2 – 3 years.



Swami Ramanand Tirtha (1903 –1972) was an Indian freedom fighter, educator and social activist who led the Hyderabad liberation struggle during the reign of Osman Ali Khan, the last Nizam of Hyderabad State. Swami Ramanand Tirtha was the principal leader of the Hyderabad State Congress. Before taking Sanyasa, his family name was Vyenkatesh Bhagvanrao Khedgikar. The state university in Nanded is named after him. *(Reasonably well known. Nanded University is named after him)*



Umaji Naik (1791-1832) was an Indian revolutionary from Pune was one of the earliest freedom fighter of India who challenged the British rule in India around 1826 to 1832. He fought against East India company and company rule. Soon after the fall of Maratha Empire Umaji raised a tiny army against the British. His anti-British manifesto asked the country-men to fight against the foreign rulers. To capture him, the British Government announced a bounty of 10,000 rupees. Betrayed Nana Raghu Chavan British arrested him, enquired then hold him guilty and hanged till death on 3 Feb 1834.



Vasudev Balwant Phadke (1845 –1883) was an Indian independence activist and revolutionary who sought India's independence from the British Raj. With the help of the Koli, Bhil and Dhanger communities in the region, he formed a revolutionary group of the Ramoshi people. The group started an armed struggle to overthrow the British Raj, launching raids on rich English businessmen to obtain funds for the purpose. Phadke came to prominence when he got control of the city of Pune for a few days after catching British soldiers off-guard during one of a surprise attacks. Phadke was transported to jail at Aden, but escaped from the prison by taking the door off from its hinges on 13 February 1883. He was soon recaptured and then went on a hunger strike, dying on 17 February 1883.

(Reasonably well known)



Vishnu Ganesh Pingle (1888 –1915) was an Indian revolutionary and a member of the Ghadar Party. Pingle and a number of other Ghadarites including Kartar Singh Sarabha, Harnam Singh and Bhai Paramanand were tried in the Lahore Conspiracy trial in April 1915 by a special tribunal constituted under the Defence of India Act 1915, for their roles in the February plot. Pingle was executed by hanging at the Lahore Central Jail on 16 November 1915, along with Kartar Singh.

3 Places associated with freedom struggle

Satara : The Satara parallel government in Maharashtra from August 1943 to May 1946 against British rule was a legendary chapter in the glorious freedom struggle of India. It was an armed offshoot of the 1942 Quit India movement, like the parallel governments in Midnapore in Bengal, Bhagalpur in Bihar, Ballia in Uttar Pradesh and Basudevpur in Odisha. British rule was effectively overthrown in large parts of Satara district (now bifurcated into Satara and Sangli districts) of western Maharashtra during those three years. The parallel government (prati sarkar) movement was a guerrilla type of struggle, and it operated in over 250 villages with solid peasant support. There were raids on taluka treasuries and armouries. The prati sarkar took over many of the functions of the government. This parallel government established many public utilities like a market system, supply and distribution of food-grains and a judicial system to settle disputes and penalise dacoits and robbers, pawnbrokers and money lenders. Law and order was entirely in its hands. Under this government an army was formed named Toofan Sena

Wardha: Wardha and its adjacent city Sevagram were major centers for the Indian Independence Movement, especially as the location for an annual meeting of the Indian National Congress in 1934, and Mahatma Gandhi's Ashram.

Aronda : A village in Sindhudurg District (formerly Ratnagiri district) of Maharashtra on Terkhol river. This village is associated with the Goa Liberation Movement against the Portuguese rule. The Goa Liberation Movement had its first meeting in 1947 in Aronda, held by Dr. Ram Mohan Lohia at Ummal Maidan

Palghar Martyrs : Palghar was one of the important sites of 1942 Quit India Movement. On 14 August 1942, there was an uprising against the British in Palghar, in which Kashinath Hari Pagdhare, Govind Ganesh Thakur, Ramprasad Bhimashankar Tiwari, Ramchandra Mahadev Churi, and Govind Sukur More were killed. The main circle of Palghar is known as "Paachbatti" (which means 'five lights' in Marathi) in honour of these martyrs. 14 August has been declared "Martyrs Day" in Palghar, when people gather at Paachbatti Circle to honour the five who sacrificed their lives for Indian independence.